हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

15 नवम्बर, 1999

खण्ड 4, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 15 नवम्बर, 1999

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(1)1
तरांकित प्र न एवं उत्तर	(1)13
वाक आऊट	(1)20
तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(1)20
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(1)26
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव की सूचना तथा इसे प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करना	(1)28
ध्यानाकर्श प्रस्ताव की सूचनाएं	(1)31

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– धान की खरीद संबंधी	(1)35
वक्तव्य– उपरोक्त ध्यानाकर्शण संबंधी खाद्य एवं पूर्ति मंत्री द्वारा	(1)35
वाक आऊट	(1)45
घोशणाएं– (क) अध्यक्ष द्वारा– (1) सभापतियों के नामों की सूची (2) याचिका समिति	 (1)45 (1)45
(ख) सचिव द्वारा– (1) राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी (2) संविधान (84वां सं ाोधन) विधेयक, 1999 के अनुसमर्थन संबंधी	 (1)46 (1)46
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना	(1)46
सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गये कागज पत्र	(1)50
वि ोशाधिकार मामलों के संबंध में वि ोशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना (1) श्री भजन लाल, भूतपूर्व एम0एल0ए0 के विरूद्ध (2) इंडियन एक्सप्रैस के संवाददाता, सम्पादक, प्रका ाक तथा मुद्रक के विरूद्ध	 (1)52 (1)52

वर्श 1999–2000 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना	(1)53
प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(1)53
वर्श 1999–2000 के अनुपूरक अनुमानों पर चर्चा तथा मतदान	(1)54
वर्श 1994–95 के अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगे प्रस्तुत करना	(1)64
संविधान (चौरासीवां सं ाोधन) विधेयक, 1999 के अनुसमर्थक संबंधी संकल्प	(1)64
बैठक का समय बढ़ाना	(1)65
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा	(1)65
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री कर्ण सिंह दलाल द्वारा	(1)77
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(1)78
बैठक का समय बढ़ाना	(1)89
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(1)89
बैठक का समय बढ़ाना	(1)95
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(1)95
बैठक का समय बढ़ाना	(1)102
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर	(1)102

चर्चा (पुनरारम्भ)	
बैठक का समय बढ़ाना	(1)108
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(1)108
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री मनीराम गोदारा द्वारा	(1)109
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(1)110
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री बृज मोहन सिंगला द्वारा	(1)110
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(1)112
बैठक का समय बढ़ाना	(1)115
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(1)115
बैठक का समय बढ़ाना	(1)118
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(1)118

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 15 नवम्बर, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री अ ाोक कुमार अरोड़ा) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः मैंबर साहिबान, अब भाोक प्रस्ताव होंगे।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, यह सदन उन वीर सैनिकों के प्रति जिन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा तथा दे ा की एकता और अखण्डता के लिए साहस और वीरता से लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान किया, को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है।

अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए यह भी बताना चाहता हूं कि 25 जून, 1999 की विधान सभा की बैठक में भी 40 भाहीदों के नाम बताये जा चुके हैं। इसके अलावा 36 भाहीदों के नाम 27 जुलाई, 1999 की विधान सभा की बैठक में बताये जा चुके हैं और आज 22 भाहीदों के नामों की सूची यहां पर प्रस्तुत की जा रही हैं। इस तरह से हरियाणा प्रदे ा को यह श्रेय जाता है कि इस प्रदे ा के 98 वीर सैनिक भाहीद हुए।

1. मेजर सु ाील आइमा, पालम विहार, गुड़गांव।

2. लैफ्टिनैंट धर्मबीर सिहाग, गांव मिरान, भिवानी।

3. फलाईंग आफिसर गुरसिमरत सिंह ढ़ींडसा, एच0एम0टी0 कालोनी पिंजौर, पंचकूला।

4. मेजर गुरप्रीत सिंह, अम्बाला कैण्ट।

5. डिप्टी कमान्डैंट लाल सिंह, गांव कनीना, महेन्द्रगढ़।

6. पैटी आफिसर महावीर सिंह वर्मा, रोहतक।

7. पैराटरूपर हनुमान सिंह, गांव कोटिया, महेन्द्रगढ़।

8. हवलदार दीन दयाल, गांव मसानी, रिवाड़ी।

9. सिपाही आनन्द कुमार, गांव भागदाना, महेन्द्रगढ़।

10. सिपाही रणजीत सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर।

11. सिपाही पवन कुमार, गांव गधौली, अम्बाला।

12. सिपाही बिजेन्द्र कुमार, गांव दौलताबद, गुड़गांव।

13. लांस नायक महावीर सिंह, गांव कन्हेटी, भिवानी।

14. हवलदार महावीर सिंह, गांव भण्ड़ेरी, सोनीपत।

15. सिपाही अ ाोक कुमार, गांव सिहोर, महेन्द्रगढ़।

16. हवलदार साधु राम, गांव मण्डौला, रिवाड़ी।

17. हवलदार सुखविन्द्र सिंह, गांव सांभी, करनाल।

18. सिपाही भूप सिंह, गांव बुड़ौली, रिवाड़ी।

19. सिपाही नरे ा कुमार, गांव धनदमा, भिवानी।

20. सिपाही सतबीर सिंह, गांव अकोदा, महेन्द्रगढ़।

21. लांस नायक जयवीर सिंह, गांव बबैल, पानीपत।

22. सिपाही निहाल सिंह, गांव खेड़ी, सिरसा।

यह सदन इन महान वीरों की भाहादत पर इन्हें भात– ात नमन करता है और इनके भाोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

पण्डित मोहन लाल, संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपर्वू मंत्री पण्डित मोहन लाल के 30 अगस्त, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1 जून, 1905 को हुआ। वह 1952 से 1962 तक संयुक्त पंजाब विधान परिशद तथा 1962 से 1968 तक पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1956 से 1964 तक और पुनः 1966 से संयुक्त पंजाब के मंत्री भी रहे। वह अनेक सामाजिक व भौक्षणिक संस्थाओं से संबंद्ध रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक और विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्रीमती भाकुन्तला देवी, हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या

यह सदन हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या श्रीमती भाकुन्तला देवी के 28 जुलाई, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 26 फरवरी, 1942 को हुआ। वह वर्श 1967 से 1972 तक हरियाणा विधानसभा की सदस्या रहीं।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायिका की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री सुखदेव सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सुखदेव सिंह के 21 अक्तूबर, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 21 दिसम्बर, 1931 को हुआ। वह एक कृशक थे। उन्हौंने स्वतन्त्रता संग्राम में भाग लिया तथा 1947 में

जेल गये। वह वर्श 1977 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायिका की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री कन्हैया लाल बोड़वाल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री कन्हैया लाल बोड़वाल के 4 नवपम्बर, 1999 को हुए दुःखद निधान पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

85 वर्शीय श्री कन्हैया लाल बोड़वाल ने अपने जीवन में दलितों के उत्थान के लिए काफी संघर्श किया। वह वर्श 1967 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायिका की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री सत्यपाल सैनी, पत्रकार

यह सदन श्री सत्यपाल सैनी, पत्रकार के 27 अगस्त, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 5 नवम्बर, 1948 को हुआ। उन्होंने विधि–स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने वकालत से अपना जीवन आरम्भ किया। उन्होंने 1977 में हिन्दुस्तान समाचार न्यूज एजैन्सी से पत्रकारिता की भाुरूआत की। 1978 में वह दैनिक ट्रिब्यून से जुड गये और 1990 में इसके स्टाफ रिपोर्टर नियुक्त हुये। श्री सत्यपाल सैनी पत्रकारित के उच्च मूल्यों के लिए जिये और उन्होंने अपने सिद्धान्तों से कभी समझौता नहीं किया।

उनके निधन से दे ा एक प्रख्यात पत्रकार की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री जगदी ा सिहाग, एक सामाजिक कार्यकर्ता

यह सदन भारत के भूतपूर्व उप प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल के पुत्र और हरियाणा के मुख्य मंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला के छोटे भाई श्री जगदी ा सिहाब, के 19 अगस्त, 1999 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1 फरवरी 1947 को हुआ। वह स्नातक थे। वह व्यवसाय से कृशक थे। उनकी सामाजिक कार्यों में गहरी रूचि थी।

उनके निधन से राज्य एक सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

बाबा अर्जुन सिंह विर्क, एक स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन बाबा अर्जुन सिंह विर्क, स्वतन्त्रता सेनानी के 9 अक्तूबर, 1999 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उन्होंने वर्श 1942 में 'हर्श छीना किसान मोर्चा' लाहौर में भाग लिया और जेल गये।

उनके निधन से राज्य एक स्वतन्त्रता सेनानी की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

तूफान दुर्घटना

यह सदन अक्तूबर 1999 में उडीसा तथा आन्ध्र प्रदे ा राज्यों में आये तब तक के सबसे भीशण तूफान में मारे गये लोगों के दु:खद व असायमिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

रेल दुर्घटना

यह सदन 2 अगस्त 1999 को अवध असम एक्सप्रैस तथा ब्रह्मपुत्र मेल के बीच गैसल स्टे ान (पि चमी बंगाल) पर हुई रेल दुर्घटना में करे यात्रियों के दु:खद व असायमिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सोनीपत आग दुर्घटना

यह सदन 6 नवम्बर, 1999 को सोनीपत में आग दुर्घटना में मारे गये लोगों के दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन हरियाणा पुलिस के सिपाही श्री अ ाोक कुमार, को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता है जो अपनी कर्तव्य निश्ठा व अनूठे साहस का प्रद र्ान करते हुए इस भीशण अग्निकाण्ड से कई लोगों की जान बचाते हुए भाहीद हो गये।

यह सदन दिवंगतों के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री बलवन्त सिंह मायना: स्पीकर सर, श्री ओम प्रका ा देसवाल, बिग्रेडियर जो कि गांव बलियाणा, जिला रोहतक से मैं उनका भी निधन हो गय है। इसलिए इस नाम को भी भाोक प्रस्ताव की सूची में भाामिल कर लिया जाए।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, श्री नारायण सिंह जी, विधायक के भाई श्री बाबू राम का भी निधन हो गया है, उनका नाम भी भाोक प्रस्ताव की सूची में सम्मिलित कर लिया जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः ठीक है जी, यह दोनों नाम भी भाोक प्रस्ताव की सूची में भाामिल कर लें।

श्री मनी राम गोदारा (भटटू कलां): स्पीकर साहब, हमारे मुख्यमंत्री जी ने हाउस में भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए जिनके बोर में श्रद्धांजलि भेंट की है मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से इस श्रद्धांजलि में भाामिल होते हुए उनके भाोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उन वीर सैनिकों के प्रति जिन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा तथा दे ा की एकता और अखण्डता के लिए साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का बलिदान किया, को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूं। उन महान भाहीदों के नाम इस प्रकार हैं :

मेजर सु ाील आइमा, पालम विहार, गुड़गांव, लैफ्टिनैंट धर्मबीर सिहाग, गांव मिरान, भिवानी, फलाईंग आफिसर गुरसिमरत सिंह ढ़ींडसा, एच0एम0टी0 कालोनी पिंजौर, पंचकूला, मेजर गुरप्रीत सिंह, अम्बाला कैण्ट, डिप्टी कमान्डैंट लाल सिंह, गांव कनीना, महेन्द्रगढ़, पैटी आफिसर महावीर सिंह वर्मा, रोहतक, पैराटरूपर हनुमान सिंह, गांव कोटिया, महेन्द्रगढ़, हवलदार दीन दयाल, गांव मसानी, रिवाड़ी, सिपाही आनन्द कुमार, गांव भागदाना, महेन्द्रगढ़, सिपाही रणजीत सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर, सिपाही पवन कुमार, गांव गधौली, अम्बाला, सिपाही बिजेन्द्र कुमार, गांव दौलताबद, गुड़गांव, लांस नायक महावीर सिंह, गांव कन्हेटी, भिवानी, हवलदार महावीर सिंह, गांव भण्ड़ेरी, सोनीपत, सिपाही अ ाोक कुमार, गांव सिहोर, महेन्द्रगढ़, हवलदार साधु राम, गांव मण्डौला, रिवाड़ी, हवलदार सुखविन्द्र सिंह, गांव सांभी, करनाल, सिपाही भूप सिंह,

गांव बुड़ौली, रिवाड़ी, सिपाही नरे ा कुमार, गांव धनदमा, भिवानी, सिपाही सतबीर सिंह, गांव अकोदा, महेन्द्रगढ़, लांस नायक जयवीर सिंह, गांव बबैल, पानीपत, सिपाही निहाल सिंह, गांव खेड़ी, सिरसा। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से इन महान वीरों की भाहादत पर इन्हें भात भात नमन करता हूं और इनके भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसके साथ साथ स्पीकर साहब, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि इन महानी वीरों के प्रति सही मायनों में यही श्रद्धांजलि होगी यदि हम उनकी याद में हरियाणा प्रदे ा के अन्दर उनकी भाहादत के लिए कोई यादगार बनाएं। उन महान वीरों के नाम से प्रदे ा के अन्दर याहगार बननी चाहिए जिन्होंने हरियाणा प्रदे ा का नाम रो ान किया है। सही श्रद्धांजलि यही होगी। स्पीकर साहब, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री पण्डित मोहन लाल के 30 अगस्त 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 1 जून, 1905 हो हुआ। वह 1952 से 1962 तक संयुक्त पंजाब विधान परिशद तथा 1962 से 1968 तक पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1965 से 1964 तक और पुनः 1966 में संयुक्त पंजाब के मंत्री भी रहे। उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक और विधययक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। स्पीकर साहब, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या श्रीमती भाकुन्तला देवी के 28 जुलाई 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 26 फरवरी 1942 को हुआ। वह वर्श 1967 से 1972 तक हरियाणा विधान सभा की सदस्या रहीं। उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायिका की सेवाओं से वंचित हो गय है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति

अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सुखदेव सिंह के 21 अक्तूबर 1999 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 21 दिसम्बर 1931 को हुआ। वह एक कृशक थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया तथा 1947 में जेल गए। वह वर्श 1977 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री कन्हैया लाल बोडवाल के 4 नवम्बर 1999 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं।

85 वर्शीय श्री कन्हैया लाल बोडपाल ने अपने जीवन में दलितों के उत्थान के लिए काफी संघर्श किया। वह वर्श 1967 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

मैं श्री सत्यपाल सैनी, पत्रकार के 27 अगस्त, 1999 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 5 नवम्बर 1948 को हुआ। उन्होंने विधि स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने वकालत से अपना जीवन आरम्भ किया। उन्होंने 1977 में हिन्दुस्तान समाचार न्यूज एजैंसी से पत्रकारिता की भाुरूआत की। 1978 में वह दैनिक ट्रिब्यून से जुड गए और 1990 में इसके स्टाफ रिपोर्टर नियुक्त हुए। श्री सैनी

पत्रकारिता के उच्च मूल्यों के लिए जिये और उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया।

उनके निधन से दे ा एक प्रख्यात पत्रकार की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मैं भारत के पूर्व उप प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल के पुत्र और हरियाणा के मुख्य मंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला के छोटे भाई श्री जगदी ा सिहाग, के 19 अगस्त 1999 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं।

श्री जगदी ा सिहाग का जन्म 1 जनवरी 1947 को हुआ। वह स्नातक थे। वह व्यवसाय से कृशक थे। उनकी सामाजिक कार्यों में गहरी रूचि थीं।

उनके निधन से राज्य एक सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मैं बाबा अर्जुन सिंह विर्क, स्वतंत्रता सेनानी के 9 अक्तूबर, 1999 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं।

उन्हौंने वर्श 1942 में हर्श छीना किसान मोर्चा, लाहौर में भाग लिया और जेल गए।

उनके निधन से राज्य एक स्वतंत्रता सेनानी की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मैं अक्तूबर 1999 में उडीसा तथा आन्ध्र प्रदे ा राज्यों में आये अब तक के सबसे भीशण तूफान में मारे गए लोगों के दु:खद व असायमिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं।

मैं अपनी पार्टी की तहरफ से भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, 2 अगस्त 1999 को अवध असम एक्सप्रेस तथा ब्रह्मपुत्र मेल के बीच गैसल स्टे ान (पि चमी बंगाल) पर हुई रेल दुर्घटना में मरे यात्रियों के दु:खद व असायमिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मैं 6 नवम्बर 1999 को सोनीपत में आग दुर्घटना में मारे गए लोगौं के दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं।

मैं हरियाणा पुलिस के सिपाही श्री अ ाोक कुमार को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जो अपनी कर्तव्यनिश्ठा व अनूठे साहस का प्रद र्ान करते हुए इस भीशण अग्निकाण्ड से कई लोगों की जान बचाते हुए भाहीद हो गए। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मायना साहब ने ब्रिगेडियर ओम प्रका ा देसवाल की मृत्यु का भी जिक्र किया है। मैं इस भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

स्पीकर साहब, मैं श्री बाबू राम सुपुत्र श्री भिक्षाराम के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं। श्री बाबू राम हमारे साथी श्री नारायण सिंह के काफी छोटे भाई थे। छोटी उम्र में ही उनका निधन हो गया है। मैं भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। धन्यवाद।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर, अनुसूचित जाति): स्पीकर सर, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है हमारे माननीय विपक्ष के नेता ने उसका समर्थन किया है, उन सभी महान आत्माओं जो कि इससे पिछले सदन और इस सदन की बैठक के बीच में इस संसार से चले गऐ हैं, उनको श्रद्धांजलि देने के लिए मैं खडी हुई हूं। सबसे पहले मैं कारगिल के अन्दर हरियाणा के जिन वीर जवानों ने अपनी भाहीदी दी उनके प्रति गर्व रखते हुए उनके साहस और वीरता को ध्यान में रखते हुए हमारे पास उनकी प्र ांसा और दे ाभक्ति की भावना के लिए भाब्द नहीं हैं जिनसे हम उनकी वीरता और साहस का गुणगाान कर सकें और उनको नमन कर सकें। ये ऐसे लोग हैं जिन्होंने दूसरों के लिए एक आद र्ा पे ा किया है। ऐसे लोगों के बलिदानों को याद कर के समाज और दे ा का सम्मान बढता है मैं अपने दल की तरफ से तथा अपनी तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इन भाहीदों के परिवारों से गहरी संवेदना प्रकट करती हूं। इन महान भाहीदों के नाम इस प्रकार हैं :

मेजर सु ाील आइमा, पालम विहार, गुड़गांव, लैफ्टिनैंट धर्मबीर सिहाग, गांव मिरान, भिवानी, फलाईंग आफिसर गुरसिमरत सिंह ढ़ींडसा, एच0एम0टी0 कालोनी पिंजौर, पंचकूला, मेजर गुरप्रीत सिंह, अम्बाला कैण्ट, डिप्टी कमान्डैंट लाल सिंह, गांव कनीना, महेन्द्रगढ़, पैटी आफिसर महावीर सिंह वर्मा, रोहतक, पैराटरूपर हनुमान सिंह, गांव कोटिया, महेन्द्रगढ़, हवलदार दीन दयाल, गांव मसानी, रिवाड़ी, सिपाही आनन्द कुमार, गांव भागदाना, महेन्द्रगढ़, सिपाही रणजीत सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर, सिपाही पवन कुमार, गांव गधौली, अम्बाला, सिपाही बिजेन्द्र कुमार, गांव दौलताबद, गुड़गांव, लांस नायक महावीर सिंह, गांव कन्हेटी, भिवानी, हवलदार महावीर सिंह, गांव भण्ड़ेरी, सोनीपत, सिपाही अ ाोक कुमार, गांव सिहोर, महेन्द्रगढ़, हवलदार साधु राम, गांव मण्डौला, रिवाड़ी, हवलदार सुखविन्द्र सिंह, गांव सांभी, करनाल, सिपाही भूप सिंह, गांव बुड़ौली, रिवाड़ी, सिपाही नरे ा कुमार, गांव धनदमा, भिवानी,

सिपाही सतबीर सिंह, गांव अकोदा, महेन्द्रगढ़, लांस नायक जयवीर सिंह, गांव बबैल, पानीपत, सिपाही निहाल सिंह, गांव खेड़ी, सिरसा। इन सभी वीरों को नमन करते हुए अपनें हृदय की गहराईयों से अपने दल और अपनी तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इन महान आत्माओं के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना प्रकट करती हूं। संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री पण्डित मोहन लाल के 30 अगस्त 1999 को हुए दुःखद निधन पर मैं अपनी तरफ से तथा अपने दल की तरफ से गहरा दुःख प्रकट करती हूं। उनका जन्म 1 जून, 1905 हो हुआ। वह 1952 से 1962 तक संयुक्त पंजाब विधान परिशद तथा 1962 से 1968 तक पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1965 से 1964 तक और पुनः 1966 में संयुक्त पंजाब के मंत्री भी रहे। वे अनेकों सामाजिक व भौक्षणिक संस्थाओं से जुडे रहे। उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक और विधययक की सेवाओं से वंचित हो गया है। दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। स्पीकर साहब, मैं हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या श्रीमती भाकुन्तला देवी के 28 जुलाई 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करती हूं। उनका जन्म 26 फरवरी 1942 को हुआ। वह वर्श 1967 से 1972 तक हरियाणा विधान सभा की सदस्या रहीं। सामाजिक तौर पर वह एक बिल्कुल पिछडे हुए परिवार से सम्बंध रखती थीं तथा एक पिछडे हुए परिवार में रह कर भी उन्होंने ि ाक्षा प्राप्त करने के साथ साथ राजनीति में और दूसरे सामाजिक कामों में बहुत अच्छी रूचि ली। उनके चले जाने से वि ोश तौर पर गरीब वर्ग के लोगों में एक खलल पैदा हो गई है।

स्पीकर सर, मैं श्री सुखदेव सिंह हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य रहे हैं। उनका निधन 21 अक्तूबर 1999 को हुआ। मैं अपने दल की तरफ से उनके दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करती हूं। उनका जन्म 21 दिसम्बर 1931 को हुआ। वह एक कृशक थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया तथा

1947 में जेल गए। वह वर्श 1977 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। उनके निधन से राज्य एक मिलनसार व्यक्ति से वंचित हो गया।

श्री कन्हैया लाल बोडवाल हरियाणा के भूतपूर्व सदस्य के 4 नवम्बर, 1999 को हुए दु खद निधन मै अपने दल की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करती हू। उनकी मृत्यु 85 वर्श मे हुई। उन्होने अपने जीवन मे दलितो के उत्थान के लिए काफी काम किया। वे इस विधान सभा के भी विधायक रहे। उनके निधन पर मै एक बार फिर गहर भाोक प्रकट करती हू।

मैं श्री सत्यपाल सैनी, पत्रकार के 27 अगस्त, 1999 को निधन हो गया मै उनके इस निधन पर अपनी और से और अपनी पार्टी की तरफ से पर गहरा भाोक प्रकट करती हूं। उनका जन्म 5 नवम्बर 1948 को हुआ। उन्होंने विधि स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने वकालत से अपना जीवन आरम्भ किया। उन्होंने 1977 में हिन्दुस्तान समाचार न्यूज एजैंसी से पत्रकारिता की भुरूआत की। 1978 में वह दैनिक ट्रिब्यून से जुड गए और 1990 में इसके स्टाफ रिपोर्टर नियुक्त हुए। श्री सैनी पत्रकारिता के उच्च मूल्यों के लिए जिये और उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। उनके निधन से दे ा एक प्रख्यात पत्रकार की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करती हू।

श्री जगदी ा सिहाग, चौ0 देवी लाल भारत के पूर्व उपप्रधान मंत्री के पुत्र और यहां पर विराजमान चौधरी ओम प्रका ा चौटाला के छोटे भाई के 19 अगस्त, 1999 को हुए दुखत निधन पर गहरा भाोक प्रकट करती हू। उनका जन्म 1 जनवरी, 1947 को हुआ था। वे स्नातक थे और व्यवसाय से कृशक थे उनकी सामाजिक कार्यो मे गहरी रूचित थी। उनके निधन से समाज एक सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपने दल की तरफ से चौधरी ओमप्रका ा चौटाला के माध्यम

से इनके भाोक संतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति हार्दिक सवेंदना प्रकट करती हू।

बाबा अर्जुन सिंह, जो कि एक स्वतन्त्रता सेनानी थे उनके 9 अक्तूबर, 1999 को हुए दुखद निधन पर मै और मेरे दल के सदस्य गहरा भाोक प्रकट करते है। उन्होने वर्श 1942 मे हर्श छीना किसान मोर्चा लाहौर मे स्वन्त्रता आन्दोलन मे भाग लिया और जेल गए। उनके निधन से राज्य एक स्वतन्त्रता सेनानी की सेवाओ से वचित हो गया है उनके निधन पर मै एक बार फिर गहरा भाोक प्रकट करती हू।

उडीसा के अन्दर और आन्ध्र प्रदे ा राज्य मे आज तक आए तूफानो मे से भीशण तूफान आया और काफी लोग मरे गए। उनके दुखद निधन मे अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करती हू। स्पीकर साहब, जैसा कि अखबारो मे इस तूफान के बारे मे विवरण आया है कि हजारो हजारो लोग मौत के घाट उतर गए है। वहा पर खाने पीने की सही व्यवस्था का प्रबन्ध नही है। आज वहा पर एक छोटी से प्रलय देखने को मिल रही है। आज वहा पर सही व्यवस्था ने होने की वजह से लोगो को बडी परे ाानी का सामना करना पड रहा है। उनको हेलीकाप्टर से खाने पीने की सामग्री पहुचायी जा रही है। लेकिन वहा पर इधर उधर जाने का रास्ता नही है इसिलए उन लोगो को वहा पर यह सामग्री प्राप्त करने मे काफी दिक्कत हो रही है। कितने ही लोग इस दौरान अपनी जान गंवा बैठे है और कितने ही लोग वहा पर बहुत ही दुखमय जीवन जी रहे है। उन सबके भाोक संतप्त परिवारो के प्रति भी मै अपनी हार्दिक संवदेना व्यक्त करती हू।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से दो अगस्त, 1999 को अवध असम एक्सप्रेस तथा ब्रहपुत्र मेल के बीच गैसल स्टे ान पर हुई रेलवे दुर्घटना मे जो यात्री मारे गये है उनके भी दुखद एवम असामायिक निधन पर मै गहरा भंाोक प्रकट करती हू और उनके भाोक संतप्त परिवारो के प्रति भी मै अपनी हार्दिक संवदेना व्यक्त

करती हू। इसी तरह से 6 नवम्बर, 1999 को सोनीपत मे आग दुर्घटना मे मारे गये लोगो को दुखद निधन पर मै गहरा भाोक प्रकट करती हू। इसी दुर्घटना मे हरियाणा पुलिस के एक सिपाही अ ाोक कुमार ने जिस साहस और कर्तव्य निश्ठा का परिचय दिया है वह अपने आप मे एक उदाहरण है। इन्होने अपनी जान कुर्बान करके कई लोगो की जान बचायी है इनकी प्रति भी मै अपनी पूर्ण श्रद्ध का भाव रखते हुए श्रद्धाजति अर्पित करती हू। और मै सदन के नेता तथा विपक्ष के नेता की भावनाओ के साथ अपनी भावनांए जोडती हू। इसके अलावा जो दो नाम इन भाोक प्रस्तावो से जोडे गए है मै उनक भाोंक सतप्त परिवारो के प्रति भी अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हू। अध्यक्ष महोदय, मै अंत मे यही कहना चाहती हू कि यह लोकतंत्र की उच्च परम्परा है कि एक सदन उठने के बाद जब दूसरा सदन मिलता है और इस बीच मे जो लोग हमारे को छोडकर चले गए है उनको हम श्रद्धाजलि अर्पित करते है। यह बात हमे यह द ार्ाती है कि यह दिन सबके लिए नि ि चत है इस दिन का किसी को पता तो नही है लेकिन यह दिन हम सबके लिए आने वाला अव य है इसलिए अगर हमे अपने इंसानियत का फर्ज निभाते हुए अपने निजी स्वार्थो से ऊपर उठरक अपने दे ा और समाज के लिए कुछ करे तो यही हमारी इन सबके प्रति सच्ची श्रद्धाजति होगी। अत मै अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से जो लोग हमारे बीच मे नही रहे, उनके श्रद्धाजलि अर्पित करती हू और उनके भाोक संतप्त परिवारो के प्रति भी मै अपनी हार्दिक संवदेना व्यक्त करती हू। साथ ही मै आपसे एक प्रार्थना भी करती हू कि जब आप सत्ता पक्ष और अपनी तरफ से इस सब भाोक संतप्त परिवारो को हमारे भाोंक सदे ा भेजे तो उसमे सभी दलो की तरफ से दी गयी श्रद्धांजलि की भी चर्चा करे। औउम भाान्ति।

श्री रामबिलास भार्मा (महेन्द्रगढ): अध्यक्ष महोदय, मै इस सदन के नेता चौधरी औमप्रका ा चौटाला जी ने जो भाोकप्रस्ताव यहा पर रखा है और जिसका अनुमोदन आदरणीय गोदारा जी

एंवम बहन करतार देवी जी ने किया है, का समर्थन करने के लिए खडा हुआ हू। अध्यक्ष महोदय, भारत ने एक बहुत बडी विजय प्राप्त की लेकिन इस विजय को प्राप्त करने मे हमारे कुछ भाहीदो के दाह संस्कार मे भााामिल होने का मुझे भी सोभाग्य प्राप्त हुआ। मेजर सु ाीला आइमा वैसे तो जम्मु क मीर के रहने वाले थे लेकिन इनका परिवार गुडगंाव मे रहता था। अध्यक्ष महोदय, मेजर सु ाीला को अपनी यूनिट से रिलीव किया जा चुका था और वे अपना चार्ज दे चुके थे परन्तु जिस यूनिट मे वे थे वहां पर आंतकवादियो का जाल फेला हुआ था आंतकवादियो की सूचना मिलते ही इन्होने कमाडिंग ओफिसर से कहा कि मै उनसे लडने जांऊगा। इनके कमाडिंग ओफिसर ने कहा कि आप तो रिलीव हो चुके है इस पर इन्होने कहा कि मै रिलीव तो जरूर हो चुका हू लेकिन मैने पिछले 6 महीने यहा पर गुजारे है इसलिए मुझे यहा का पूरा ज्ञान है और इन आतंकवादियो को सिर्फ मेरी आंखे ही पहचानती है। मै रिलीव आर्डर की अवेहलना करके भी आतकंवदियो से लडने जांऊगा और मेजर सु ाी वहां गए तथा वहा पर इन्होने तीन आतकंवदियो को मारा और आखिर मे भारत सेना की ऊंची परम्परा को रखते हुए एवम कर्तव्य का एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपनी जान मां भारती के चरणो मे दे दी। मै उन्हे नमन करता हू। मेजर लैफ्टिनैंट धर्मबीर सिहाग, गांव मिरान, भिवानी, फलाईंग आफिसर गुरसिमरत सिंह ढ़ींडसा, एच0एम0टी0 कालोनी पिंजौर, पंचकूला, मेजर गुरप्रीत सिंह, अम्बाला मे स्थित तेपला गांव के निवासी थे। स्पीकर साहब, आप भी उस दिन उनक भोग के मौके पर थे हम मे से सरदार जसविन्दर सिंह भी थे। इनके दादा व पिता भी सेना मे थे आपने देखा कि हंसते हंसते अपने नौजवान और अविवाहित बेटे की भाहादत पर किसी हौसले से किस बुलन्दी से उन्होने भारत की ऊंची परम्परा को कायम रखा। मै उनको नमन करता हू। डिप्टी कमान्डैंट लाल सिंह, गांव कनीना, महेन्द्रगढ़, हम महेन्द्रगढ महाविधायल मे इकटठे पढा करते थे। स्पीकर साहब, ये गोहाटी से

रिलीप हो चुके थे और जब जाने लगे तब आते समय जीप मे आदोलनकारियो/आतंकवादियो ने हमला किया। अपना बिस्तर वही छोडकर तीन अंतकवादियो को मारकर इन्होने खुद अपनी जान मां भारती के चरणो मे दे दी। मै अपने सहपाठी लाल सिंह को न नमन करता हू। भागदान से आंदन कुमार नाम का नौजवान भाहीद हुआ। एक एक गांव से दो दो जवानो की भाहादत हुई। पैटी आफिसर महावीर सिंह वर्मा, रोहतक के थे, हनुमान सिंह भी महेन्द्रगढ से थे। हवलदार दीन दयाल, गांव मसानी के थे सिपाही रणधीर सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर के थे, सिपाही पवन कुमार, गांव गधौली, अम्बाला से थे, सिपाही बिजेन्द्र कुमार, गांव दौलताबद, गुड़गांव, लांस नायक महावीर सिंह, गांव कन्हेटी, भिवानी, हवलदार महावीर सिंह, गांव भण्ड़ेरी, सोनीपत, सिपाही अ ाोक कुमार, गांव सिहोर से थे मै इन सबको भी इनकी भाहादत पर नमन करता हू। इसी प्रकार हवलदार साधु राम, गांव मण्डौला, रिवाड़ी के थे, मै इनको भी नमन करता हू। सिपाही भूप सिंह, गांव बुड़ौली, रिवाड़ी के थे हमारे इस सदन मे भाई जसवन्त सिंह बावल जी यहां पर बैठे है भूप सिंह इनके पैत्रक गांव से थे। स्पीकर साहब, भूप सिंह बहुत तेज धावक था। इनको मना किया हुआ था कि अधेरे मे दु ामन के इलाके मे नही जाना चाहिए लेकिन ये सात किलोमीटर दौडकर दु ामन के एरिया मे एग और पांच लोगो को मारकर फिर इन्होने अपने प्राणो की बाजी लगा दी। मै ऐसे बहादुर सिपाही का नमन करता हू। हवलदार सुखविन्द्र सिंह गांव सांभी जिला करनाला से थे, सिपाही नरे ा कुमार, गांव धनदमा, भिवानी के थे, सिपाही सतबीर सिंह, गांव अकोदा, महेन्द्रगढ़, लांस नायक जयवीर सिंह, गांव बबैल, पानीपत, सिपाही निहाल सिंह, गांव खेड़ी, सिरसा मै इन सभी भाहीदो की भाहादत पर उनको नमन करता हू।

स्पीकर साहब, यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपर्वू मंत्री पण्डित मोहन उनके निधन से खलल पैदा हुई है। मै उनको श्रद्धाजति प्रकट करता हू। श्रीमती भाकुन्तला देवी हल्के से

विधायक हुआ करती थी। वे दलित परिवार से थी व अपनी जीविका को चलाते हुए उन्होने राजनीति मे अपना योगदान दिया। उनके निधन से भी एक खलल पैदा हुई। मै उनके परिवार के सदस्यो के प्रति संवदेना प्रकट करता हू। हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री कन्हैया लाल बोड़वाल से विधायक थे और बहुत लम्बे समय तक उन्होने दलित समाज की सेवा की। उनके निधन से एक पुराना स्वतंत्राता सेनानी चला गया। मै उनके परिवार के सदस्या के प्रति भी अपनी सवेदना प्रकट करता हू। श्री सतपाल सैनी मेरे मित्र थे, सखा थे। उन्होने पत्रकारिता के ऊंचे आद ार्ो के लिए बहुत काम किया। हम जानते है कि रोहतक से उन्होने वकील ने नाते जीविका प्रारम्भ की थी। पहले उन्होने हिन्दुस्तान समाचार ऐजेन्सी मे काम किया और दैनिक ट्रिब्यून मे स्टाफ रिपोर्टर के रूप मे काम किया। उनका पजांब व जम्मू क मीर मे भी ट्रासफर हुआ। लेखक सब रूपो मे लिखता है। जब लोगो को कोई बात रास नही आई तो श्री सतपाल सैनी ने अपना पत्रकारिता का धर्म निभाते हुए सब बातो को लिखा। छोटी सी आयु मे यह लेखक एक होनहार पत्रकार हमारे बीच मे चला गया। जिसका हमे बहुत भारी दुख पहुचा है। मै उनके भाोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

श्री जगदी ा सिहाग, एक सामाजिक कार्यकर्ता जो कि भारत के भूतपूर्व उप प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल के पुत्र और हरियाणा के मुख्य मंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला के छोटे भाई उनके परिवार के प्रति मै परमपिता परमे वर जी से प्रार्थना करता हू। और उनके दुख मे भाामिल होता है।

बाबा अर्जुन सिंह विर्क, स्वतन्त्रता सेनानी थे उनके निधन से भी मुझे दुख पहुचां है।

उडीसा मे आये भयंकर तूफान मे लगभग 15 हजार लोगो की जाने गई है इस प्रकृति की मार के समाने किसी का जोर नही चलतां। मै इस सदन के माध्यम से उन सब के प्रति

संवदेना प्रकट करता हू। रेलगाडी त्रासदी मे मरने वाले परिवारो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। सोनीपत मे दीवाली से पहले दिन हुए भयंकर अग्निकांड मे मरने वाले परिवारो के प्रति भी अपनी सवेंदना प्रकट करता हू। श्री ओमप्रका ा देवी लाल और श्री नारायण सिह के भाई बाबूराम जी के निधन पर भी मै अपनी और से और अपनी पार्टी की तरफ से भाोक सतंप्त परिवारो के दुख मे भाामिल होता हू।

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, चीफ मिनिस्टर साहब ने सदन मे जो भाोक प्रस्ताव रखे है और उन विभिन्न पार्टियो के सदस्यो ने अपनी सांत्वना व्यक्त की है, मै भी अपने आपको उनकी भावनाओ के साथ सम्मिलित करता हू। सबसे पहले मै उन 22 भाहीदो का जिकर करना चाहूगा जिन्होने दे ाा की सीमाओ की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाई है। इस महान भाहीदो की भाहादत को हम कभी भी भुला नही सकते है और इन्ही की बदौलत आज हमारा दे ा आजाद है।

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपर्वू मंत्री पण्डित मोहन लाल के निधन पर मुझे दुख है। यह सदन हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या श्रीमती भाकुन्तला देवी , हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सुखदेव सिंह , हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री कन्हैया लाल बोड़वाल इन सब के निधन पर मुझे गहरा दुख है।

श्री सत्यपाल सैनी, अपनी पत्रकारिता से जगत मे अपने ढंग से बहुत अच्छी सेवा की। उनके निधन पर मुझे गहरा दुख है।

भारत के भूतपूर्व उप प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल के पुत्र और हरियाणा के मुख्य मंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला के छोटे भाई श्री जगदी ा सिह के निधन पर मुझे गहरा दुख है।

बाबा अर्जुन सिंह विर्क, स्वतन्त्रता सेनानी थे उनके निधन से दे ा एक स्वतांत्रता सेनानी की सेवाओ से वचित हो

गया है। उडीसा मे आये भयंकर तूफान मे लगभग 15 हजार लोगो की जाने गई है इस प्रकृति की मार के समाने किसी का जोर नही चलतां। मै इस सदन के माध्यम से उन सब के प्रति संवदेना प्रकट करता हू। रेलगाडी त्रासदी मे मरने वाले परिवारो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू। सोनीपत मे दीवाली से पहले दिन हुए भयंकर अग्निकांड मे मरने वाले परिवारो के प्रति भी अपनी सवेंदना प्रकट करता हू। उस मे कई बच्चे व स्त्रियां जिन्दा जल गए, उनके साथ मुझे गहरी सहानूभूति है। मै परमपित परमात्मा से प्रार्थना करता हू कि उन भाोक संतप्त परिवारो को दुख सहने की भाक्ति प्रदान करे।

इसके साथ ही मै ब्रिगेडियर ओमप्रका ा दे ावाल जिनका नाम श्री बंलवत सिंह मायाना जी ने हाउस मे लिया, के निधन पर भी गहरा भाोक व्यक्त करता हू। मुझे श्री नारायण सिंह, विधायक के भाई श्री बाबू राम जी के असामयिक निधन पर भी दुख है।

मै परमपिता से प्रार्थना करता हू कि इन सभी दिंवगत आत्माओ को अपने चरणो मे स्थान दे और उनकी आत्माओ को भाांति दे। मै हाउस की भावनांए उनके परिवार तक पहुचा दूंगा।

अब मै हाउस से वितनी करूंगा कि इस महान आत्माओ की भााति के लिए खडे होकर दो मिनट का मौन धारण करे।

(इस समय सदन ने दिवंगत आत्माओ की भाांति के लिए खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

ताराकित प्र ान एवम उतर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल जवाब होगे।

Power Project

995. Capt. Ajay Singh: Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government is aware of the fact that any 25 Megawantt Magnum Power Project (Private) or any

other Private Power Project in the State is lying colsed during the period from 1-4-1999 till to date, if so, the reasons thereof?

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): मैसर्ज मैगनम विधुत उत्पादन लिमिटेड नामक एक स्वतन्त्र विधुत उत्पादक (आई0पी0सी0) द्वारा 25.2 मैगावाट स्थापित क्षमता का लिक्विड बेस्ड तरल ईन्धन पर आधारित एक विधुत परियोजना गुडगांव मे स्थापित की गई है। ये सभी 4 यूनिटे अगस्त अक्तूबर 1998 के दौरान चालू हो चुकी थी। आव यकता के समय बैक्ड डाऊन बंद होने के अलावा ये यूनिटे चालू होने की तिथि से लगातार कार्य कर रही है।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से आपके माध्यम से पूछना चाहूगा कि जो प्राईवेट बिजली उत्पादक कम्पनी थी उससे इन्होने बिजली लोन कब कब बन्द किया और इसकी पावर प्रोजैक्ट क्षमता कितनी थी तथा इन्होने किस रेट पर कब कब उनसे खरीदी और क्या इन्होने फाइनैि ायल क्रंच की वजह से एच0वी0पी0एन0 ने बिजली नही खरीदी? यह जो प्रोजैक्ट बनाया गया था क्या इस बारे मे एच0वी0पी0एन0 ने आपका कोई एग्रीमैट हुआ था। अगर एच0वी0पी0एन0 से था क्या इस बारे मे एच0वी0पी0एन0 से आपका कोई एग्रीमैंट हुआ था। अगर एच0वी0पी0एन0 से आपका कोई एग्रीमैंट हुआ था तो उसमे क्या क्या भार्ते थी और क्या इससे कम्पनी को लौस नही हुआ?

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, सबसे पहले इन्होने बिजली की भाोरटेज की बात कही और उसके बावजूद इसको भाट डाउन किया गया, यह क्यो किया गया, वह मै इनको बताना चाहता हू कि पावर की भाोरटेज की वजह से हमने इनको भाट डाउन नही किया। जंहा तक प्राइवेट बिजली उत्पादक कम्पनी से बिजली लेना बन्द करने की डेटस की बात है, वह मै इनको बताना चाहूगा कि अक्टूबर मे चारो यूनिटस आ गई थी और उनकी

कैपेसिटी जैसा कि मैने पहले बताया है, 25.2 मेगावाट थी। क्लोजर की डेटस 15.5.1999 से 25.5.1999, 15.6.1999 से 16.6. 1999, 30.7.1999 से 2.8.1999 और 7.9.1999 से 20.9.1999 है स्पीकर साहब, आप इसकी प्र ांसा करेगे कि 4 जुलाई मे, 14 दिन सितम्बर मे और हमारी सरकार के टोटल 18 दिन के परीरियड मे ये बन्द रहा। पावर की भाोरटेज के आकडे भी मै आपके सामने बताना चाहता हू चौधरी ओमप्रका ा चौटाला के नेतृत्व मे यह सरकार जुलाई के आखिरी हफते मे बनी थी। ये आकडे मै 1998 और 1999 का कम्पैरीजन करके बताना चाहता हू। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, अगस्त, 1998 मे आन एन एवरेज 442 लाख यूनिट बिजली मिलती थी उसकी जगह इसी महीने मे 1999 मे हमे आनए एवरेज 488 लाख यूनिट बिजली दी, यानि कि पहले से 66 लाख यूनिट ज्यादा बिजली दी गई। उसके बाद सर, सितम्बर, 1998 मे आन एवरेज 378 लाख यूनिट मिलती थी उसमे हमने बढौतरी करके 484 लाख यूनिट दी। जोकि पहले से 106 लाख यूनिट ज्यादा बिजली दी गई है (ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः हरियाणा मे तो लोगो को कही भी लाईट नही मिल रही, पता नही आप कहां दे रहे है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब आपने सवाल पूछा है उसका जवाब भी तो सुन ले। आपका सवाल भी बहुत लम्बा है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इसी तरह से अक्टूबर, 1998 मे 316 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई होती थी जिसमे हमने 82 यूनिट की बढौतरी करके 398 लाख यूनिट की सप्लाई की। स्पीकर साहब, इन्होने एग्रीमैंट की बात की है। इस बारे मे मै बताना चाहूगा कि हमारा साथ एग्रीमैंट हुआ है और हम तीन रूपये यूनिट के हिसाब से उन्हे पेमैट करते है ंहमने अपने एग्रीमैट मे यह भी कंडी ान रखी है कि अगर उनका पी0एल0एफ0 75 प्रति ात होगा तो हम उनका भाट डाउन करेगे और बदले मे हम उन्हे 2.40 रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से उन्हे पेमेंट करेगे। और

बदले मे हम उन्हे 2.40 रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से पेमेंट करेगे। लेकिन स्पीकर साहब, उनका पी0एल0एफ0 45 से ऊपर नही गया है इसलिए हमे एक्सट्रा पेमेट की जरूरत नही पडी। स्पीकर साहब, हम जंहा से भी जनरे ान लेते है या पावर लेते है उसकी कौस्ट 17 पैसे से लेकर 200 पैसे तक प्रति यूनिट के हिसाब से पडती है, जो अदर सोर्सिज से मिलती है। स्पीकर साहब, हम इस महगे प्राईवेट यूनिट से जो बिजली तीन रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से लेते है और हमे बिजली की जरूरत न हो तो हम उस कंपनी का भाट डाउन करते है। यह नही कि पावर की भाोर्टेज की वजह से भाट डाउन करते है। सर, हमारे एग्रीमैट मे यह लिखा हुआ है कि अगर हमे कही से भी उनसे सस्ती बिजली मिलेगी तो हम उनसे बिजली नही लेगे और हम कभी भाट डाउन कर सकते है। स्पीकर साहब, हमने उनको एग्रीमैंट के तहत ही कुछ समय के लिए भाट डाउन किया था।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री से पूछना चाहता हू कि क्या मैसर्ज मैगनम कंपनी का लिंक नोर्दर्न ग्रिड से है और अगर नोर्दर्न ग्रीड से इनका लिंक है तो वहा पर बिजली की कमी होने पर यहां से बिजली पहुचाई जा सकती है। अध्यक्ष महोदय, अगर ये यहां से नोर्दर्न ग्रीड मे बिजली पहुच सकते है फिर इन्होने इसको बंद क्यो किया। ऐसा करने से इनको 2 करोड रूपये का नुकसान भी हुआ है। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय, इन्होन बताया कि ये उनसे तीन रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली लेते है जबकि ये उनसे बिजली 1.29 पैसे से लेकर 3 रूपये तक प्रति यूनिट के हिसाब से लेते है। अध्यक्ष महोदय, मेन बात तो यह है कि जब जून, जुलाई, और अगस्त के महीने मे पूरे हरियाणा प्रदे ा मे बिजली की बहुत कमी थी उस वक्त इन्होने इस यूनिट को बंद क्यो किया ताकि पूरी स्टेट को राहत मिलती।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूगा कि जून जूलाई मे हमारी सरकार नही थी। हम भी कैप्टन साहब के साथ विपक्ष मे बैठे थे। (ाोर एवम व्यवधान) इसके अतिरिक्त कैप्टन साहब, जो आप 1.29 रूपये की बात कर रहे है, इस 1.29 रूपये का सवाल नही है। बल्कि जितना फ्यूल सरचार्ज का रेट बढेगा उस हिसाब से बिजली का रेट भी बढेगा। जैसे आज के दिन बिजली 3.24 रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से है और ज्यो ज्यो फ्यूल का रेट बढेगा वैसे वैसे बिजली का रेट बढेगा। नोर्दर्न ग्रीड के अंदर भी 3.24 रूपये के हिसाब से बिजली लेने वाला कोई भी नही मिलता। अगर हम अलौकेडिट बिजली से फालतू बिजली लेते है या उससे ओवर लोडींग लेते तो भी 3 रूपये 24 पैसे नही पडती है। अगर हमारे पास अपने साधनो से पांवर की उपलब्धता होगी तो हमने एग्रीमेंट मे कहा है कि You will have to shut it down स्पीकर साहब, जंहा तक कप्तान साहब ने जो नुकसान की बात कही है। उसका मतलब तो यह हुआ कि इनको प्राइवेट सैक्टर के नुकसान की चिन्ता है, स्टेट के नुकसान की कोई चिन्ता नही है। (ाोर) स्पीकर साहब, हम स्टेट के नुकसान को टोलरेट नही कर सकते है किस प्राइवेट आदमी का हमने कोई ठेका नही ले रखा है। जो एग्रीमैन्ट ले रखा है वह एग्रीमैन्ट हम निभा रहे है और निभाते रहेगे।

श्री कृश्ण लाल पंवारः स्पीकर साहब, पूर्व सरकार ने पानीपत थर्मल प्लांट की 110 मैगावाट की सैकिण्ड यूनिट जो कि 110 मैगावाट से 118 मैगावाट लोड फैक्टर बढाने के लिये बन्द की थी वह अभी तक चली नही हैं। मै जानना चाहूगा कि उनके चलने मे देरी के क्या कारण है। क्या सरकार ऐसा कोई कदम उठा रही है कि वह यूनिट रनिंग पोजि ान मे आ सके। दूसरा मेरा सवाल यह है कि इस सरकार ने थर्मल प्लांट का लोड फैक्टर बढाने के लिए ऐसे कोई कदम उठाये है जिससे पानीपत थर्मल प्लांट का लोड फैक्टर बढ सके।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमारे माननीय साथी पवांर साहब ने जो सपलीमैन्ट्री पूछी है उसके बारे मे, मै बताना चाहूगा कि 110 मैगावाट की चार यूनिटे है और प्रत्येक यूनिट ही 110 मैगावाट की है। इन चारो यूनिटो का रिनोवे ान वर्क चलना था। बार बार एग्रीमैन्ट होता रहा और टलता रहा और अल्टीमेटली इन यूनिटो की रिनोवे ान का काम चल गया। जहा तक डिले की बात है उसको भी हम कंडोन करने की पूरी कोि ा ा कर रहे है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से हाउस को यकीन दिलाता हू कि 110 मैगांवाट की सैकिण्ड यूनिट का रिनोवे ान का काम जनवरी तक पूरा हो जाएगा और जनवरी मे हम हरियाणा को यह तोहफा देने जा रहे है। जहा तक पी0एल0एफ0 की बात कही गई है। स्पीकर साहब, पी0एल0एफ0 का जो सवाल है इसमे कोई दो राय नही है कि हमारे इजीनियर्ज ने मेहनत की और हमने संसाधन मौके पर जुटाये और कोई फाइनैि ायल कमी नही आने दी। पी0एल0एफ0 की जो बात मै कह रहा हू इस संबध मे हमारे दो अलग अलग कैम्पस है। एक तो फरीदाबाद मे तीन यूनिट्स है और पानीपत मे पांच यूनिटस है। दोनो का पी0एल0एफ0 आंल टाइम्ज रिकार्ड इन्करीज हुआ है। मै आपके माध्यम से पूरे हाउस को बताना चाहता हू कि पानीपत थर्मल स्टे ान के चलने से परसेटेज 70.840 अक्तूबर, 1998 तक है, which is the highest so far, इसी तरह से 210 मैगावाट यूनिट का चलने का रिकार्ड पहले 63 दिन था जबकि इस बार 107 दिन चली है। That is all time record and that is the best in the country. वह यूनिट चौधरी देवी लाल जी के राज के वक्त ही क ाी ान्उ हुई थी और जो भी म ाीनरी थी उसका गैट अप था, उस सारे सिस्टम के अंन्दर हमारी इंजीनियर्ज ने काफी मेहनत की जिसकी वजह से 63 दिन चलने के बाद रिकार्ड को बढाकर 107 दिन चलाने का रिकार्ड कायम किया। पी0एल0एफ0 का अपने आप मे एक इतिहास बन गया है तभी तो पानीपत की पांचवी यूनिट जो कि 110 यूनिट की है उसको लौड फैक्टर बढाने का प्रयास किया गया है।

15.00 बजे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः मै आपके माध्यम से मंत्री जी से दो बाते जाना चाहूगा जिनमे से पहली बात तो यह है कि जो भी मैगनम पावर प्रोजैक्ट है इसमे उन्होने सरकार के ऊपर एलीगे ान लगाया गया है कि पावर नही है और भाट डाउन इसलिये किया कि गांवो को बिजली कम मिले। इसका ब्यान है कि they have been doing this deliberately, reducing the share of the rule areas. यानि कि जो आप, अपने आप को किसानो की, गावो की सरकार बताने वाले लोग है उनके बारे मे इंडियन एक्सप्रैस अखबार मे सितम्बर माह की 19 तारीख के पेपर मे दिया है। दूसरी बात जो ये कहते है वह भी देखने की बात है। जंहा तक बिजली के रीफोर्म्ज की बात है रीफोर्म्ज का आम तौर पर मतलब यह है कि आम जनता के लिए है उसमे प्राइवेट सैक्टर को भी पूरी तौर पर भाामिल किया जाए ताकि वह इनवैस्टमैट कर सके। उन्होने यह भी लिखा है कि अगर सरकार का इसी तरह का एटीच्यूड रहा तो

"Nobody would like to set up a project or invest in Haryana if the conditions contiune like this."

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै सवाल पूछ रहा हू। मेरा सवाल यह है कि क्या यह एलीगे ान है कि इनका पावर भाट डाउन करने पर जो उन्होने कहा है कि रूरल सैक्टर की बिजली कम कर दी। इसके अ लावा दूसरा सवाल है कि जो प्राइवेट सैक्टर अब आया है चाहे वह एक ही प्रोजैक्ट हो ये ऐसे 12 प्रोजैक्ट लगने थे उनकी नैनोसिए ान चल रही होगी इस बारे मे हमे पता नही है। अगर आप प्राइवेट सैक्टर की अ योर्ड बिजली नही लोगे तो कैसे तो आप लोगो को अ योर्ड बिजली दोगे, कैसे ट्यूबवैल्ज की अ योर्ड बिजली दोगे और कैसे दूसरे इनवैस्टर्ज

को अ योर्ड बिजली देने के बारे मे आकर्शित कर सकोगे? यह एक बहुत ही सीरियस मैटर है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैने बताया है कि 14 दिन भी कुछ दिन के लिए नही उन्होने दो दिन और तीन दिन कई बार तो उन्होन खुद अपने आप भाट डाउन किया है नाअ फार 14 डेज उस टाईम भी पावर उपलब्ध थी। इसके अलावा मै बताना चाहूगा कि 12 नही बल्कि 28 पी0एल0एफ0 साइन हुए थे उनमे से यह एक यूनिट आया है यह हमारे से पहले ही 1994 से पी0एल0एफ0 साइन होने का प्रोसैस चल रहा था। जंहा तक बिजली के रेटस का सवाल है। आज हमारे पास बहुत सी कम्पनियो आती है। आज मुख्यमंत्री जी से और मंत्रिमडल लगाना चाहते है। जब उनके साथ उनके प्रोजैक्टि ान टैरीफ के बारे मे डिस्कस करते है तो हम वह बर्दा त नही कर सकते। इसके अलावा इन्होने एलीगे ान के बारे मे कहा यह इनकी कनकोकटिड बात है। जिन लोगो ने इनको ब्रीफ किया है यह उनके अपने इंट्रस्ट मे है स्टेट के इन्ट्रस्ट मे नही है। मै आपको रूल के आकडे देना चाहूगा। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप नोट कर ले। (ाोर)

श्री बीरेन्द्र सिंहः लोगो ने नोट कर लिया है।

प्रो0 सम्पत सिंहः लोगो ने नोट कर लिया तभी तो जनता ने आपको धूल चटाई है। इन चुनावो मे आपकी अपने ही हल्के मे जमानत जब्त हुई है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से इन माननीय सदस्यो को कहना चाहूगा कि आप हमारी रंगो को मत छोडे। हम पोलिटिकल बात नही करना चाहते। स्पीकर साहब, इन्ही चुनावो मे जनता ने इन लोगो को धूल चटाई इस बात को ये सारी उम्र याद रखेगे। खुद चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को अपने खुद के हल्के मे जमानत जब्त हुई है। हम आपकी तरह से राजनीति नही करना चाहते। जनता ने आपकी नाक रगडवा दी। अब इमने वोटर्ज के पास जाने की हिम्मत नही है। (ाोर) स्पीकर साहब, जो पहलवान हार जाता है वह कहता है फिर आ जा तो ये

चाहते है तो हम फिर आ जाएगे ये चिन्ता न करे। इनप चुनावो मे जनता ने हमे 90 से 85 हल्को मे अपना मैनडेट दिया है। स्पीकर साहब, 10 मे 10 सीटो का नही बल्कि 90 सीटो मे से 85 सीटो का मैनडेट दिया है यह कोई छोटी बात नही है। स्पीकर साहब, सबकी जमानत जब्त हुई है केवल खु र्शिद अहमद जी को छोड कर। (ाोर)

श्री सतपाल सांगवानः ये गलत कर रहे है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी आप जवाब दे।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, जंहा तक रूरल सप्लाई की बात है उस बारे मे बताना चाहूगा कि अगस्त 1998 के महीने से 224 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई हुई थी जबकि इस साल 275 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई हुई। पिछले साल सितम्बर महीने मे उस वक्त की सरकार ने 183 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई की थी जबकि हमने 276 लाख यूनिट की सप्लाई सितम्बर, 1999 मे की है। अक्तूबर 1998 मे 220 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई की थी। मौजूदा सरकार ने इसको पिछले साल से 83 लाख यूनिट अधिक बिजली की सप्लाई रूरल क्षेत्र को दी है। हमने हर महीने 60 से 80 लाख यूनिट बिजली अधिक दी है इसीलिए बरसात न होने के कारण और बिजली व पानी अधिक देने के कारण ही संभव हो पाया है।

Irregularities Committed by M.Ds. of Cooperative Sugar Mills in the State

1000. Shri Jai Singh Rana, Shri Jagbir Singh Malik: Will the Minister Cooperation be pleased to state whether the Govt. is aware of the fact that the Managing Directors of any Coopertive Sugar Mills in the State have committed any irregularities regarding purchase of instruments etc. during the year 1996-97 to 1999-2000 (till to date), if so, the names of teh erring M.Ds found guilty togetherwith the action, if any, take against them so far?

सहकारिता मंत्री श्री करतार सिंह भडानाः हां श्री मानी जी,

सूचना (अनुबन्ध ''क'') सदन के पटल पर रखी जाती है।

अनुबन्ध ''क''

सहकारी चीनी मिलो मे कार्यरत कुछ प्रबन्ध निदे ाको के विरूध वर्श 1996–97 से वर्श 1999–2000 (वर्तमान समय) तक उपकरणो एमव कलपूजो की खरीद मे की गई अनियमितताओ बारे ि ाकायते प्राप्त हुई है। इन ि ाकायतो एंव इन पर की गई कार्यवाही का विवरण निम्न प्रकार हैः–

1. श्री एम0एल0 कौि ाक, एच0सी0एस0 के विरूद्ध ि ाकायत

श्री एम0एल0 कौि ाक, एच0सी0एस के विरूद्ध जब वह भााहबाद तथा कैथल सहकारी चीनी मिलो के प्रबन्ध निदे ाक थे, दो ि ाकयतो प्राप्त हुई है। इन ि ाकायतो मे म ीनो एवम कलपूर्जा की खरीद मे की गई अनियमितताओ के आरोप लगाए गए थे। भााहबाद चीनी मिल मे सम्बन्धित ि ाकायत की जांच अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियो से करवाई गई थी और जांच मे उनके विरूद्ध लगाए गए कुछ आरोप सिद्ध हुए थे। इस जांच रिपोर्ट के आधार पर इस अधिकारी के विरूद्ध अनु ाासनात्मक कार्यवाही करने एवम हरियाणा सहाकारी समितियो अधिनियम 1984 की धारा 101 के अन्तर्गत सरचार्ज की कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया है। एक अन्य ि ाकायत जो सहकारी चीनी मिल कैथल से सम्बन्धित है को प्रबन्ध निदे ाक भूगर फैड हरियाणा को टिप्पणी हेतू भेजा गया है जिनकी टिप्पणी अपेक्षित है।

2. **श्री जे0पी0 कौि ाक, एच0सी0एस0 के विरूद्ध ि ाकायत**

श्री जे0पी0 कौि ाक, एच0सी0एस0 के विरूद्ध जब वह प्रबन्ध निदे ाक सहकारी चीनी मिल भााहबाद, पलवल, तथा जीन्द मे कार्यरत थे, दो ि ाकायतो प्राप्त हुई। इन दोनो ि ाकायतो मे उनके विरूध कलपूर्जे खरीदने, भीरा तथा चीनी को कम दामो मे बेचने सम्बन्धित अनियमितताओ के आरोप लगाए गए है। ये दोनो ि ाकायते प्रबन्ध निदे ाक भूगर फैड की टिप्पणी हेतू प्रेशित की गई है।

3. श्री आर0पी0 भारद्धाज, एच0सी0एस0 के विरूद्ध

श्री आर0पी0 भारद्धाज, एच0सी0एस0 के विरूद्ध जब वह प्रबन्ध निदे ाक सहाकरी चीनी मिल पानीपत मे कार्यरत थे विरूद्ध मिल मे भाराब बनाने हेतू परमैनटे ान टें क को बनवाने मे की गई अनियमितताओ सम्बन्धित एक ि ाकायत प्राप्त हुई थी। यह ि ाकायत प्रबन्ध निदे ाक, भुगरफैड हरियाणा की जांच एवम रिपोर्ट हेतू प्रेशित की गई है।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो जवाब दिया है उसमे ''हां श्रीमान जी'' कहा है। भााहबाद, कैथल, दूसरे न0 पर पलवल, जीन्द और तीसरे पानीपत ऐसी भूगर मिले है जिनमे कोई कलपूर्जे खरीदने और दूसरे कार्य करने मे वहा के एम0डी0 ने हेर फेरी की क्या ऐसा कोई मामला सामने आया है। अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि क्या वे अलग अलग से बताएगे कि किस मिल मे कितनी रकम का घोटाला हुआ, जो नुकसान हुआ है क्या उसकी भरपाई करने के लिए सरकार ने कोई पग उठाया है या कोई पग उठाने जा रहे है? वर्तमान सरकार आने के बाद इस सरकार ने क्या कार्यवाही की है। क्योकि ये सभी को आप्रेटिव भूगर मिल्ज है और इनमे किसानो की हिस्सेदारी है इसलिए मै चाहूगा कि मंत्री जी इस बारे मे पूरे फैक्ट्स बताने की कृपा करे।

श्री करतार भडानाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बातना चाहूगा कि भााहबाद और कैथल की

चीनी मिलो के बारे मे ि ाकायत प्राप्त हुई थी। (विघ्न एवम भाोर) स्पीकर साहब, मै जवाब दे रहा हू, इनसे कहिए कि पहले जवाब सुने ले उसके बाद अगर और किसी प्रकार की जानकारी की इनको जरूरत होगी तो वह भी उनको मिल जाएगी। (विघ्न एवम भाोर) मै जवाब दे रहा हू। स्पीकर साहब, राज्य सरकार ने दिनांक 2.7.1997 को श्री एम0एल0 कौि ाक के विरूद्ध श्री तेजभान द्वारा की गई ि ाकायत प्राप्त हुई थी। जिसमे किर्लोस्कर पम्प, ब्रास टयूब, हाई प्रे ार बायलर के पुर्जो, भााफट, स्टारटर इत्यादि की खरीद मे की गई अनियमितताओ के आरोप लगाए गए थे। इस ि ाकायत की जांच अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितिया हरियाणा द्वारा की गई जिन्होने अपनी रिपोर्ट सरकार को दी। श्री कौि ाक के विरूद्ध जो आरोप जांच के दौरान सिद्ध हुए उनमे किर्लोस्कार कम्पनी के इम्पैलर न खरीद कर किर्लोस्कार टाईप इम्पैलर खरीदना, मिल को वास्तविक फर्म से हाई प्रै ार बायलर के पुर्जे बायलर के पुर्जे न खरीदकर 5.50 लाख रूपये की हानि पहुचाना, गत वर्शो की तुलना मे मिल के कार्यो को ठेकेदारो को ऊंची दरो पर देना, पाकिस्तान को निर्योत की गई चीनी के लिए स्थानिय ट्रंकों को अधिक दरो पर अदायगी करना जिससे मिल को 2.50 लाख रूपये की हानि हुई। मै0 त्रिवेणी इजिनियरिंग वर्क्स नई दिल्ली प्रति पक्षपात पूर्ण व्यवहान करना जिससे मिल को वितीय हानि के अतिरिक्त मुकदमेबाजी की सामना करना पडा तथा 25.10.1996 को रजिस्टरो मे इन्दराज किए बिना चीनी को बेचना चाहते थे। जांच अधिकारी ने उन्हे मिल को 41 लाख रूपये की हानि पहुचाने का दोशी पाया गया जिसमे आधार पर सरकार ने उसके विरूद्ध अनु ाासनात्मक कार्यवाही करने तथा हरियाणा सहकारी समितिया अधिनियम 1984 की धारा 101 के अन्तर्गत उनके तथा मिल के अन्य अधिकारियो के विरूद्ध सरचार्ज की कार्यवाही आरम्भ करने का निर्णय लिया। मिल के अन्य अधिकारी है मुख्य अभियतां, मुख्य लेखा अधिकारी तथा श्रम कल्याण अधिकारी। श्री कौि ाक के विरूद्ध अनु ाासनात्मक कार्यवाही

करने के लिए दिनांक 18.5.1999 को मुख्य सचिव को लिखा जा चुका है तथा कार्यवाही चल रही है चीनी मिल प्रसंघ द्वारा उनके विरूद्ध कार्यवाही करने हेतू सहकारी चीनी मिल भााहबाद को निर्दे ा दिए गए है।

इस अधिकारी के विरूद्ध मार्च 1999 मे श्री बलविन्द्र सिंह बाजवा द्वारा की गई एक अन्य ि ाकायत प्राप्त हुई थी जिसमे उनके विरूद्ध कैथल चीनी मिल मे आटो इम्बीने ान सिस्टम, सल्फर वर्नर तथा रोलर भााफट की खरीद मे की गई अनियमितताओ के आरोप लगाए गए थे। दिनांक 1.4.1999 को यह ि ाकायत प्रबन्धक निदे ाक चीनी मिल प्रसघं को टिप्पणी हेतू प्रेशित की गई थी और उनकी रिपोर्ट अभी अपेक्षित है।

भााहबाद मार्कण्डा निवासी श्री ि ाव लाल ने दिनांक 16.8.1999 को श्री जे0पी0 कौि ाक, एच0सी0एस0 के विरूद्ध जब वे भााहबाद चीनी मिल मे प्रबन्ध निदे ाक के पद पर कार्यरत थे, एक ि ाकायत की जिसमे उनके विरूद्ध बायलर, बिजली के सामान की खरीद, भाीरा तथा चीनी की बिक्री मे की गई अनियमितताओ सम्बन्धी आरोप लगाए गए थे। राज्य सरकार ने इस ि ाकायत की एक प्रति दिनांक 27.8.1999 को चीनी मिल प्रसंघ को आव यक कार्यवाही हेतू प्रेशित की थी तथा प्रबन्ध की थी तथा प्रबन्ध निदे ाक चीनी मिल प्रसघ ने अपने एक अधिकारी को सम्बन्धित मिल का रिकार्ड देखकर आरोपो के बारे मे सही स्थिति का पता करने के निर्दे ा अभी प्रतीक्षित है।

श्री जे0पी0 कौि ाक के विरूद्ध दिनांक 10.2.1999 को की गई थी श्री नसीब सिंह प्रधान हरियाणा श्रमिक संघ की एक अन्य ि ाकायत प्राप्त हुई जिसमे उनके विरूद्ध जीन्द चीनी मिल मे पी0एच0 कन्ट्रोल सिस्टम तथा भाुक्रोलाईजर मे की गई खरीद, पलवल चीनी मिल मे कनडैसर की गई खरीद, कैथल चीनी मिल के गोदाम मे आग लगने सम्बन्धी तथा भााहबाद चीनी मिल मे बायलर हाऊस के कन्डैन्सर तथा एअर पौल्यू ान कन्ट्रोल सिस्टम

की खरीद की गई अनियमतताओ की ि ाकायते थी। इनके अतिरिक्त ि ाकायतकर्ता ने उनके विरूद्ध भााहबाद चीनी मिल मे फिल्टर कलैरिफाईर, केन अनलोडर, केन अनलोडर आटो इम्बीने ान सिस्टम की खरीद की गई अनियमितताओ के आरोप भी लगाए। यह ि ाकायत दिनांक 24.2.1999 को प्रबन्ध निदे ाक चीनी मिल प्रसंघ को टिप्पणी हेतू भेजी गई थी। जो अभी प्रतीक्षित है। (व्यवधान एवम भाोर) (इस समय बहुत से मैम्बर्ज बोलने के लिए खडे हो गए)

Finance Minister (Prof Sampat Singh): Have you any more supplementary to ask? We are ready to answer. Don't make it a fish market. (Interruptions) Mr. Speaker Sir, you please suggest them that they should behave properly. They should as supplementary. We are ready to give reply.

वाक आउट

कैप्टन अजय सिंह यादवः हम मंत्री जी के जवाब से सन्तुश्ट है इसलिए एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय इंडियन ने ानल कांग्रेस के माननीय सदस्य धर्मबीर यादव, बीरेन्द्र सिह, जगन्नाथा, रण्दीप सिंह सुरजेवाला, चन्द्र मोहन, श्रीमती करतार देवी, नरेन्द्र सिह, जय सिह राणा, सतविन्द्र सिंह राणा, दिलू राम और कैप्टन अजय सिंह यादव और हरियाणा विकास पार्टी के श्री जगवीर सिंह मलिक सदन से वाक आउट कर गए।)

ताराकित प्र ान एवम उतर (पुररारम्भ)

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के सदस्य कितने सीरियस है यह तो इस बात से अन्दाजा लगाया जा सकता है कि आज के प्र ान सूची के अन्दर केवल सात ही प्र ान है और कल के प्र ान सूची के अन्दर केवल चार प्र ान है। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये जो खडे हो होकर भाोर मचा रहे है इनमे से किसी एक का भी प्र ान नही है।

यहां पर जो दो प्र ान है वह सिर्फ कैप्टन अजय सिह यादव के है। कैप्टन अजय सिंह की यह पुरानी आदत है और इसलिए यह प्र ान आ गए है। कांग्रेस की तरफ से सिर्फ दो ही प्र ान है। चौधरी मनी राम जी आपकी पार्टी का तो दिवाला पिट गया है आपकी पार्टी के सदस्यो का एक भी प्र ान नही है। (ाोर एवम व्यवधान). यह जो ..... इसकी बात सुनो।

श्री अध्यक्षः यह भाब्द कार्यवाही से निकाल दिए जाऐ। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इन जैसे सीजंड पोलटि ियन को इस तरह से बोलना भाोभा नही देता। (ाोर एवम व्यवधान)

Shri Sat Pal Sangwan: Speaker Sir, being a leader of the House he cannot speak like that. (Interruptions)

Mr. Speaker: No. no please take your seat.

Shri Sat Pal Sangwan: Speaker Sir, it does not mean he can speak whatever he likes. How can he speak like that? He should feel sorry in the House.

श्री अध्यक्षः मैने आपके प्रति कहे गए भाब्द को कार्यवाही से निकलवा दिया है इसलिए अब आप अपनी सीट पर बैठे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैने इनके प्रति पिछले कुछ सै ांज मे भी बहुत दफा कहा है और सारा सदन भी इस बात से सहमत होगा कि इनकी जगह जो उपयुक्त है वहा पर इनको मेज दिया जाए ताकि सदन की कार्यवाही ठीक तरह से चल सके। मैने तो इनका सही चित्रण आप सबके समक्ष प्रस्तुत किया है लेकिन अगर इस पर इनको आपति है तो मे सौरी फील करता हू। (ाोर एवम व्यवधान) मैने तो इनका सही चित्रण प्रस्तुत किया था।

श्री जनन्नाथः आप अपनी बात भी कहे। (ाोर एवम व्यवधान) आपको यह बात सदन की कार्यवाही से निकलवानी चाहिए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः जगन्नाथ जी, यह बात तो सदन के रिकार्ड मे रहेगी कि जिसकी लीडरि ाप मे आप रहे उन सभी को आपने धोखा दिया। यह बात तो हमे ाा सबको याद रहेगी।

श्री जगन्नाथः जिसने मेरे ..... साथ की उनको मैने जिसका मैने साथ दिया वो पूरा दिया। 1962 से मैने 28 साल चौधरी देवी लाल का साथ दिया जो तोडफोड होती थी वही जाने। किसी को धोखा नही दिया। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः यह..... भाब्द क्या पार्लियामैट्री है।?

श्री अध्यक्षः .... भाब्द सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः यह बा तो सदा सदन के रिकार्ड मे रहेगी कि जगन्नाथ ने जिस किसी को अपना लीडर माना अगर उसको धोखा नही दिया हो तो बता दे। (ाोर) इनको थोडी सीमा मे रहकर बात करनी चाहिए। ये जिस किसी के भी साथ रहे उसको ही इन्होने धोखा दिया। इन्होने मेरे को भी अपना नेता माना, मेरे बाप को भी अपना नेता माना, बंसी लाल को भी अपना नेता माना, भजनलाल को भी अपना नेता माना, भगवत दयाल को भी अपना नेता माना और राव बीरन्द्र को भी अपना नेता माना लेकिन सबको दगा दिया। इसलिए यह बात तो इस सदन की कार्यवाही मे रहेगी। (ाोर एवम व्यवधान)

Irregularities Committed in the Sales of Land

1007. Shri Ramji Lal: Will the Minister of State for Revenue be pleased to state-

(a) whether any irregularities/illegalities were committed in the Sale/allotment of the land by the Rehabilitation/Consolidation Department during the year of 1995 and 1996;

(b) if so, whether an complaint has been received by the Government from the District Administration of Ambala, Yamuna Nagar, Faridabad and Panchkula in the regard; and

(c) whether any enquiry has been conducted by the Government so far; if so, the report thereof togetherwith with the action so far taken in this regard?

राजस्व राज्य मंत्री (श्री कैला ा चन्द भार्मा): विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

''विवरण''

(क) हां, श्रीमानी जी

(ख) और

(ग) इस सम्बन्ध मे जिला प्र ाासन अम्बाला, यमुनानगर, फरीदाबाद, और पचकूला से नि ित तौर पर कोई ि ाकायत प्राप्त नही हुई थी। फिर भी सरकार द्वारा वर्श 1996 मे यह निर्णय लिया गया कि जिला अम्बाला, पंचकूला और यमुनानगर के उन सभी अलाटमैट/बिकरी/भूमि अन्तरण के 26 केसो मे आयुक्त अम्बाला मण्डल, अम्बाला द्वारा जांच की गई और इसके अतिरिक्त क्रम ाः 35,2 और 39 बिक्री भूमि अन्तरण के केसो मे क्रम ाः उपायुक्त अम्बाला, पंचकूला और यमुनानगर द्वारा जांच की गई। जिला अम्बाला के 3 केसो को छोडकर सभी केसो मे रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। इन रिपोर्ट के भली भांति निरीक्षणोपरान्त यह पाया गया है कि अलाटमैंट के 25 केसो मे और बिक्री/सम्पतियो के अन्तरण के 25 केसो मे अनियमितंताए की गई, पाई गई है। इन सभी केसो मे निपटान की गई सम्पतियो को वापिस लेने के लिए सक्षम न्यायालयो मे सुओ मोटो रेफरेंस किए जा चुके है

दोशी कर्मचारियो के विरूद्ध अनु ाासनिक कार्यवाही भी प्रारम्भ की जा चुकी है। (ाोर एवम व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, आप इनसे कहे कि ये हाउस को सही तरह से चलने दे। भाुरू मे जब विधानसभा की कार्यवाही भाुरू हुई थी तो भाायद इनको याद होगा कि इधर बैठने वालो के साथ पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल जी ने कैसा बर्ताव किया था। अगर अब ये नही बठैगे तो फिर ये भी वैसा ही बर्ताव करवाएगे। (ाोर)

अध्यक्ष महोदय, मै आदरणीय मैम्बर के प्र ान के उतर मे यही भी बताना चाहूगा कि 1961 तक पाकिस्तान से आये हुए विस्थापितो को भूमि अलाट कर दी गयी थी और उसके बाद कुछ विस्थापित रहे तो उनके लिए 25.4.1995 को सरकार द्वारा हिदायत जारी की गयी जिसके अनुसार रकबे की अलौटमैंट से पूर्व यह अनिवार्य कर दिया गया कि तहसीलदार (बिक्री), सयुक्त सचिव, अतिरिक्त सचिव तथा वितायुक्त राजस्व, सचिव, पुनर्वास के माध्यम से इन मामलो मे राजस्व मंत्री का भी अनुमोदन विभाग प्राप्त करेगा। 1995–96 के अंदर इन कानून की अवेहलाना की गई उस समय जो भी मंत्री थे उन्होने बिल अनुमति के सीधे ही तहसीलदार सैल से ऐप्लीकें ान प्राप्त की और नायायज तौर पर अलौटमैट की गई। इस पर कार्यवाही के लिए सर्वे कराया गया है और उसमे 32 अलौटी दोशी पाये गये है और उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। 1995–96 मे जो 32 केस हुए है उनमे जो तत्कालीन मत्री थे, या अधिकारी थे जिन्होने गलती की है उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

श्री रामबिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मेरा सवाल यह था कि किन जिलो मे यह बेकायदगी बरती की गई और कितनो भूमि उनको किस तरह से अलौट की गई, अलाटी कौन कौन है जिनके नाम भूमि अलाट की गई क्या पिछली सरकार ने उन दोशियो के खिलाफ कोई कार्यवाही की और यदि नही तो आप क्या कार्यवाही करने जा रहे है ?

श्री कैला ा चन्द भार्मा: स्पीकर साहब, इस बारे मे लिस्ट सदन के पटल पर रखी गई। 32 व्यक्तियो दोशी है और इस लिस्ट मे भूमि की तादाद की सख्यां दी गई है। इस मामले मे अंदर जो भी दोशी करार पाये गए है उनके 2–3 के खिलाफ कार्यवाही की गई है। पिछली सरकार ने इस बारे मे कोई कार्यवाही नही की। यह सारी कार्यवाही हमे ही करनी पडगी।

श्री रामजी लाल: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि क्या थे कार्यवाही तत्काल की जाएगी क्योकि जिन लोगो को जमीन अलांट की गई है वे इन जमीनो को धडाधड बेचने मे लगे हुए है और उन्होने रजिस्ट्री करानी भाुरू कर दी है ?

श्री मनीराम गोदार: अभी मंत्री महोदय ने बताया कि एक महीने के अंदर यह कार्यवाही पूरी कर दी जाएगी। मुझे बहुत खु ाी है और मै इस बात की मुबारकवाद दूंगा। रामजी लाल जी ने सवाल उठाया है इस मामले कं अंदर इन्होने एक चीज अभिव्यक्त करने की कोि ा ा की है या सारा का सारा मामला फ्रौड है और उसके बारे मे पता लगा जायेगा कि इसमे भागी राम है या मनी राम गोदारा है या कोई और है। यह मैने बहुत बडा फ्रौड देखा है इस बारे मे सी0एम0 साहब से पूछना चाहूगा कि इसमे क्या कार्यवाही करेगे?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): इंक्वायरी करने पर जंहा भी कोई ऐसी बाकायदगी पायी जाएगी, चाहे कोई भी व्यक्ति क्यो न हो, उनके खिलाफ ऐक ान लिया जाएगा।

Unauthorised Possession of Land

1022. Shri Balbir, Shri Virender Pal Ahlawat: Will the Minister of State for Revenue be pleased to state whether the Government is aware in the State during the year 1996; if so, the names and address of the peroson who had taken illegel possession of the said land togetherwith the action and

conveiction proceedings; if any, taken so far against the guilty persons referred to above in order to get the land vacated?

राजस्व राज्य मंत्री (श्री कैला ा चन्द भार्मा): नही, श्रीमान जी,। अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो प्र ान पूछा है उसका मै जवाब दे रहा हू। इन्होने पुनर्वास विभाग की भूमि पर अवैध पर अवैध कब्जो के बारे प्र ान किया है। मै इनको बताना चाहता हू कि पिछली सरकार के भाासन काल मे ऐसा कोई मामला नही आया कि पुनर्वास विभाग की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किया गया हो। लेकिन अब विभाग द्धारा जांच करने पर पता चला है कि कई जगह विभाग की भूमि पर अवैध कब्जे किये गये है। यह सरकार इस बारे मे जांच करायेगी और दोशी पाये गये व्यक्तियो के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। (विघ्न)

श्री बलबीर सिहः अध्यक्ष महोदय, सन् 1992 से मई, 1996 तक की कई ऐसे केसिज है जिनमे नाजायत तरीके से भूमि की एलाटमैंट की गई है। उसमे कितने ही अधिकारी और उस समय के मौजूदा मंत्री भाामिल है मै आपके मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि क्या वे दोशी व्यक्तियो के बारे मे जांच करायेगे और उनके खिलाफ एक ान लेगे?

श्री कैला ा चन्द भार्माः अध्यक्ष महोदय, इस प्र ान का जवाब पहले वाले प्र ान के जवाब मे ही आ गया था। 1995–96 मे 32 अधिकारी थे जिन्होने गलत तरीके से एलाटमैट की थी उनके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। उस समय श्री आन्नद सिंह डांगी मंत्री थे उन्होने उप तहसीलदार और जनता से सीधे तौर पर प्रार्थना पत्र लेकर इस भूमि की एलाटमैट कर दी थी। इस मामले की पूरी जांच पडताल की जायेगी और दोशी व्यक्तियो के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। (विघ्न)

श्री बलबीर सिहः उपाध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि जिस अधिकारी ने या मंत्री ने लापरवाही की है उसके खिलाफ मौजूदा सरकार सख्ती से निपटेगी या पिछली

सरकार की तहर कार्यवाही करके केस को रख देगी जिसमे पता भी नही चला कि कौन कौन आदमी दोशी थे और कितनी जमील अलाट की गई? दोशी कोई भी अधिकारी हो ंया मंत्री हो उनके खिलाफ विजीलैस की इन्कवायरी हो और उसको सख्त से सख्त सजा मिले ताकि हरियाणा प्रदे ा की जनता सुख चैन से रह सके और प्रदे ा मे इस किस्म की नयाजय हरकते न हो।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय,जो लोग इसमे दोशी पाए जाएगे चाहे वे अधिकारी वर्ग के हो, चाहे राजनीतिज्ञ हो, चाहे कितने बडे पद कार्यरत हो, उनको सजा मिलगी।

Shri Mani Ram Godara: Action should be taken not only from this period but from the very beginning.

श्री ओमप्रका ा चौटाला: आप अपने पूरे पीरियड मे जो काम नही कर पाए, कह हम एक नया बिल लाने जा रहे है और वह लोकपाल की नियुक्ति से सबंधित है और वह भी एक नवम्बर, 1966 से लागू करने जा रहे है, आपने तो इफ और बट लगा दिया था। हम तो डेमोक्रेटिक वे चलने वाले है। अपनी सरकार मे बंसी लाल ने इस बिल को लाने मे पूरा टैन्योर लगा दिया थां। जो लोग इसमे दोशी पाए जाएगे, सरकार इस पूरे सदन को आ वान देती है कि उनके खिलाफ जल्द से जल्द ओर सख्त से सख्त कारवाई जी जाएगी।

Captain Ajay Singh, Shri Ram Pal Majra: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government of abolish the Octroi in the State during the year 1999-2000; if so, the details thereof?

नगर एवम ग्राम आयोजन मत्री (श्री धीरपाल सिंह): सरकार ने दिनांक 1.11.1999 से हरियाणा राज्य मे चुगीकार समाप्त कर दिया है।

कैप्टन अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि इन्होने जो यह चुगी खत्म की है इससे पूरी स्टेट मे कितनी टैक्स कलैक ान होती थी और यह चुंगी समाप्त कर दी है तो इसकी भरपाई सरकार कैसे करेगी? (ाोर एवम व्यवधान) इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय यह भी बताये कि इस विभाग मे कितने कर्मचारी थे और उन्हे अब कहां कहा एडजस्ट कर रहे है, उन्हे योग्यता के आधार पर एडजस्ट कर रहे है या किसी दूसरे तरीके से?

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह प्र ान आना ही नही चाहिए था क्योकि हमने एक नवम्बर, 1999 से हरियाणा प्रदे ा मे चुगी समाप्त कर दी है। लेकिन मै मेरे माननीय साथी की जानकारी के लिए यह बताना चाहता हू कि हमने चुगी इसलिए समाप्त की है कि यह व्यपारियो को अपमानित करने का धन्धा था और हमारी सरकार सम्मानित लोगो को अपनानित नही करनी चाहती। इस विभाग मे 3108 कर्मचारी है। उनमे मे योग्यता के आधार पर ज्यादातर को एडजस्ट कर दिया गया है बहुत कम कर्मचारी रह गये है, उन्हे भी जल्दी ही एडजस्ट कर दिया जायेगा और हमारी सरकार इस बात के लिए वचनबद्ध भी है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार पुरानी सरकार की तरह नही है कि भाराबबंदी कर दो और लोग डिस्टलरीज मे काम करते थे वे सडको पर फिरते रहे। (ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री यह बताये कि हमारी स्टेट मे टैक्स कलैक ान कितनी थी?

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा मे सभी म्ययूनिसिपल कमेटीज से टोटल टैक्स कलैक ान 62.20 करोड प्रति वर्श थी।

कैप्टन अजय सिंहः इस विभाग के कर्मचारियो को कितनी तनख्वाह दी जाती है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस विभाग के कर्मचारियो को 18 करोड रूपये तनख्वाह दी जाती थी।

श्री भागीरामः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि इस सरकार के बनने से पहले भी क्या किसी सरकार ने चुगी समाप्त करने के लिए कोई कमेटी गठित की थी, अगर की थी तो उस कमेटी की कितनी बार और कब कब मीटिग्ज हुई तथा उसका क्या परिणाम निकाला?

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, जब हरियाणा सरकार ने एक नवम्बर, 1999 से चुगी समाप्त कर दी है तो इस प्र ान का कोई औचित्य ही नही है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, सवाल पूछा गया है तो उसका जवाब भी देना चाहिए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से चौधरी मनीराम गोदारा जी को बताना चाहूगा कि हम इस सवाल का जवाब इसलिए नही दे रहे, क्योकि इनकी अध्यक्षता मे ही उस कमेटी का गठन किया गया था। हमारी सरकार ने चुगी इसलिए समाप्त की है कि लोगो को अपमानित न किया जाये और हम इनको भी अपमानित नही करना चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, ये बतायें तो, मै तो अपमानित होना चाहता हू। लेकिन ये बताते तो है नही।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारें पास रिकार्ड है ये जो कुछ भी पूछगे हम उसका जवाब दे देगे।

श्री अध्यक्षः मैम्बर्ज साहेबान, अब प्र ान काल समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Complaint against H.S.C Officers of Cooperative Sugar Mills in the State

1001. Shri Jai Singh Rana: Will the Minister for cooperation be pleased to state whether any complaint has been received by the Government against and H.C.S Officers posted in any of the Cooperative Sugar Mills in the State during the year 1998-99 to 1999-2000 (till to date) if so, the details thereof togetherwith the name of the concerned officer/officers and the action, if so, if any taken against him so far?

सहकारिता मंत्री (श्री मती करतार सिंह भडाना): हां श्रीमान जी,

सूचना (अनुबन्ध ''क'') सदन के पटल पर रखी जाती है।

(अनुबन्ध ''क'')

वर्श 1998–99 से 1999–2000 (वर्तमान समय) की अवधि मे सहकारी चीनी मिलो मे कार्यरत एच0सी0एस0 अधिकारियो के विरूद्ध निम्न ि ाकायते प्राप्त हुई थी।

क्र0 संख्या	अधिकारी का नाम	ि ाकायत की प्रकृति	की गई कार्यवाही
1	2	3	4
1.	श्री एम0एल0 कौि ाक, एच0सी0एस0	प्रबन्ध निदे ाक, सहकारी चीनी मिल भााहबाद के पद पर कार्य करते हुए चीनी के निर्यात के लिए मंहगी दरो पर ट्रको को	जांच उपरान्त अधिकारी के विरूद्ध अनु ाासनात्मक कार्यवाही करने तथा सरचार्ज की कार्यवाही करने का

		किराए पर लेने, चीनी के सस्तें दामो पर बेचने इत्यादि अनियमितताओ बारे ि ाकायत	निर्णय लिया गया है, जिसके लिए कार्यवाही की जा रही है।
		प्रगन्ध निदे ाक, सहकारी चीनी मिल कैथल के पद पर कार्रत होते हुए उपकरणो की खरीद मे की गई अनियमितताओ से सम्बन्धित ि कायत।	ि ाकायत प्रबन्ध, निदे ाक भ्ाुगरफैड को जांच हेतू भेजी गई है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर कार्यवाही कर दी जायेगी।
2.	श्री राधा कृश्ण , एच0सी0एस0	अनाधिकृत रूप से आवास को रखना, सरकारी दूरभाश का दुरूपयोग तथा बिन उचित ढंग अपनाये पदो को भरने हेतु विज्ञापन देना।	प्रबन्ध निदे ाक, भ्ाुगरफैड से टिप्पणी प्राप्त हो गई है तथा कार्यवाही विचाराधी है।
3.	श्री अ ाोंक सांगवान, एच0सी0एस0	चीनी मिल की प्रणाली को बिना वाछित लाभ प्राप्त	सहकारी चीनी मिल प्रसंघ से टिप्पणी प्राप्त की जा रही है जो

		हुए बदलाना।	प्रतिक्षित है।
4.	श्री जे0पी0, कौि ाक, एच0सी0एस0	प्रबन्ध निदे ाक, सहकारी चीनी मिल भााहबाद के पद पर कार्य करते हुए उपकरणों की खरीद, वाहनो का दुरूपयोग इत्यादि अनियमितताओ बारे ि ाकायत	दोनो ही ि ाकायते प्रबन्ध निदे ाक, सहकारी चीनी मिल प्रसंाघ को टिप्पणी हेतु प्रेशित की गई है।
		सहकारी चीनी मिल कैथल तथा पलवल मे उपकरणो मे खरीद मे की गई अनियमितताओ बारे ि ाकायत	

Upgradation of School

1008. Shri Balbir Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the following Schools of Meham Constiuency during the year 1999:-

(i) from Government Middle School, Bhairaon Bhaiani to High School;

(ii) from Government High School, Mokhra to 10+2 System School for Boys; and

(iii) from Government Girls High Schools, Bhairaon to 10+2 System School; and

(b) if so, the time by which the said schools are likely to be upgraded.

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला):

(क) जी नही।

(ख) प्र ान पैदा नही होता।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव की सूचना तथा इसे प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करना

श्री कंवल सिंह: अध्यक्ष महोदय, हमने सरकार के विरूद्ध नो कांफीडैन्स मो ान दिया है इसलिये हम जानना चाहते है कि उसके लिए कब टाईम रखा है?

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मैने कांग्रेस विधायक दल की तरफ से हरियाणा सरकार के बारे एक अवि वास प्रस्ताव सुबह दिया था। कांग्रेस विधायक दल और सदन के मैजोरिटी मैम्बर्ज का यह मानना है कि चौधरी ओमप्रका ा चौटाला की सरकार मे सदन मे अपना वि वास खो दिया है। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: सुरजेवाला जी, आप बैठ जाइए। इस बारे मे मै अभी आपको बताता हू। (ाोर)

श्री रण्दीप सिह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुने ले। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: सुरजेवाला जी, आप कृपया बैठिए। मै आपके ही फायदे की बात बताने जा रहा हू। (ाोर)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, आप भी श्री छतर सिंह चौहान के कदमो पर न चलिए। (ाोर) मै सिर्फ यह निवेदन करना चाहता हू कि सदन के सदस्यो को इस बात का पता तो चले कि जो अवि वास प्रस्ताव कांग्रेस विधायक दल ने दिया है वह किस मुद्दे पर दिया है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सुरजेवाला जी, आप कृपया बैठ जाइए। इसी विशय मे, मै अभी बताने जा रहा हू। माननीय सदस्यगण, मुझे मंत्रिमडंल के विरूद्ध एक वि वास प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है।

''कि यह सदन श्री ओमप्रका ा चौटाला के नेतृत्व वाले हरियाणा मंत्रिमडल मे अवि वास व्यक्त करता है।''

अवि वास प्रस्ताव से सबंधित सूचना श्री छतर सिंह चौहान तथा दो अन्य सदस्यो ने दी है। यह मो ान का नोटिस इन आर्डर है और सदन मे हुई चर्चा के दृश्टिगत मैने निर्णय लिया है कि इसे आज ही टेक अप किया जाएगा। अब वे सदस्य जो इस अवि वास प्रस्ताव को मूव करने की अनुमति देने के पक्ष मे है, वे अपने स्थानो पर खडे हो जाए। (इस समय 18 सदस्य से अधिक सदस्य अपने अपने स्थान पर खडे हो गए।)

श्री अध्यक्षः ठीक है, बैठ जाइए। 18 से अधिक सदस्य खडे है इसलिए अवि वास प्रस्ताव मूव करने की अनुमति दी जाती है। अत आज के आर्डर पेपर पर नि चत कार्य के खत्म होने उपरान्त अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी और मै इसके लिए 2 घण्टे का समय अलाट करता हू।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी इस बात के लिए सराहनपा करता हू वैसे तो इस अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा कराने की आव यकता नही थी क्योकि दो तीन महीने पहले इन्होने जोर आजमाई ा कर भी ली थी लेकिन मुझे बहुत प्रसन्नता है कि आपने पुरानी परम्परा को तोड कर एक नई और अच्छी भाुरूआत की है। इसके लिये मै आपकी फिर से सराहना करता हू और भाायद श्री छतर सिंह चौहान भी इसकी सराहना करेगे।

श्री सतपाल सागवानः अध्यक्ष महोदय, हमारा एक अमम मुद्दा है कि हमारी हरियाणा विकास पार्टी के चार विधायक गायब है। (ाोर)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा निवेदन करूंगा कि सदन के सम्मानित सदस्यो की इस इच्छा को पूरा कर दिया जाए क्योकि डेमोक्रेटिक सैटअप मे गिनती सिरो की की जाती है इस पर बहस की जरूरत नही है। आप इनको खडे करके इनकी गिनती कर ले। अगर मेरे खिलाफ यह सदन अवि वास प्रस्ताव पास कर देता है तो मै मुख्यमंत्री पर को छोड दूंगा अगर ये लोग संख्या मे कम रह जाते है तो ये सम्मानित ढंग से चले जाएगें। आप इसकी गिनती कर ले हम फौरी तौर पर तैयार है। (ाोर) चौधरी खु र्शीद अहमद जी मै आपकी कदर करता हू। आप अपने क्षेत्र मे चुनावो मे जीत है लेकिन चौधरी बीरेन्द्र सिंह किस हौसले पर खडे हो कर बोल रहे है। ये तो चुनावो मे अपने ही क्षेत्र मे बुरी तरह से हारे है।

श्री खु र्शीद अहमदः चौधरी साहब, आप हमे डिवाइड न करे।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः चौधर साहब, हविपा और कांग्रेस पार्टी वालो ने आपको खुद सबक सिखा दिया है। मेरे खिलाफ आप फिर इकट्ठे हो। यह अखबारो मे छपा है। इनका साथ देने की वजह से आपको बार बार धूल चाटनी पडी। आप अब भी इनका साथ मत दो। अगर आप अब भी इनका साथ दोगे तो हरियाणा प्रदे ा की जनता अपना जीवन सुख से बसर कर सकेगी।

श्री मनीराम गोदाराः आपने यह कहा कि इनको सुप्रीम के कारण हम हार गए वहा यह कहते है सुपोर्ट वापिस लेने के कारण हार गए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः यह बात तो क्लीयर है कि इनका साथ लेने और इनका साथ देने का कारण आपकी हार का कारण बना।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अभी चौटाला साहब ने कहा कि गिनती सिरो की होती है इसलिए अभी गिनती करवा लो लेकिन जिन सिरो पर दो आंखे होती है उन पर इन्होने पट्टी बांधी हुई है, जिन सिरो पर कान होते है वे इन्होने बंद किए हुए है और जिन सिरो पर जुबाना होती है उनको इन्होने बंद किया हुआ है। हम इस बारे मे इसलिए बोलना चाहते है क्योकि हमने इनकी सोई हुई आत्मा को जगाना है।

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, वीरेन्द्र सिंह जी ने यह आक्षेत लगाया है कि आंख कान और नाक पर पट्टियां बांधी हुई है। स्पीकर साहब, जब पिछली बार सदन मे चौधरी बंसी लाल की सरकार मे कांफीडैस सीक करने की बात आई थी उस समय सभी माननीय सदस्य सदन मे मौजूदा थे उस समय कांग्रेस पार्टी के सदस्यो के कान नाक और आंखो पर पट्टियां बांधी गई। उस समय इनका तीर बार वहिप जारी हुआ। पहला वहिप जरा हुआ कि ये बंसी लाल का विरोध करेगे। दूसरा व्हिप जारी हुआ कि कांफीडैंस सीक करते समय ये सदन से एबसैंट रहेगे। स्पीकर साहब, चौधरी खुर शीद अहमद जो सबसे पुराने सदस्य है। हमारे पार्टी और भारतीय जनता पार्टी दोनो की मीटिंग हो रही थी उसमे आ कर चौधरी खुर शीद अहमद जी ने कहा कि हमारे हाई कमांड का फेसला आ गया है हम चौधरी बंसी लाल जी का साथ देगे। अगर इन्होने उस समय यह बात नही कही तो ये बता दे। उस समय चौधरी बंसी लाल जी ने सदन के अन्दर दिवंगत आत्माओ को बैठे बैठे श्रद्धाजलि दी थी। जब कांग्रेस पार्टी के सदस्यो ने सदन से एबसैट रहने की बात कही तो उनको थोडा सा सांस आया। उसके बाद जब पार्टी की तरफ से यह कहा गया कि हम चौधरी बंसी लाल जी मदद करेगे फिर उनका हौसला बढ गया। न जाने इनका क्या कामार्शियल सौदा हुआ और क्या ट्रेडिंग हुई कांग्रेस पार्टी ने उनको समर्थन दे दिया। उसका नतीजा कांग्रेस पार्टी के भुगत लिया। आज फिर

दोनो पार्टियो मिल गई। फिर ये उसका नतीजा भुगतने। हम तो इनको मुबारिकबाद देते है। (ाोर)

Shri Sat Pal Sangwan: I am very much worried about the members of our party. (Interruptions) Where are our members?

श्री अध्यक्षः आप बैठिये।

श्री सतपाल सागंवानः मुझे डर है कि उनको कही गायब कर दिया गया है। (ाोर एवम विघ्न)

Prof Sampat Singh: He is asking about his leader.

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप बैठिये।

श्री सतपाल संगवानः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब जो कह रहे है वह रिकार्ड न किया जावे।

ध्यानाकर्शण प्रसतव की सूचनांए

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज मुझे श्री कर्ण सिंह दलाल जी की तरफ से हरियाणा की अनाज मंडियो मे धान की खरीद उचित रूप से न होने तथा किसानो को सरकार द्वारा धान की खरीद का निर्धारित मूल्य न देने संबधी ध्यानाकर्शण प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। मै इसे मन्जूर करता हू। माननीय सदस्य अपना ध्यानाकर्शण प्रस्ताव पढ दे।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर साहब,..... (ाोर एवम विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, पहले आप हमारी बात तो सुनिये।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, आप इनको बैठाये। आपने मुझे बोलने का मौका दिया है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह जी, जो नो कांफीडेंस मो ान आया था उसको ऐडमिट कर लिया है। (ाोर एवम विघ्न)

Shri Birender Singh: You give us the permission to move the no Confidence Motion.

श्री अध्यक्षः आज का बिजनैस खत्म होने के बाद बोलने का पूरासमय दिया जायेगा।

श्री बीरेन्द्र सिंहः रूल्ज यह नही कहते। रूल 65 की जो सब क्लास 3 है वह इस प्रकार है–

"if leave is granted under sub-rul (2), the Speaker may, after considering the state of business in the Assembly, allot a day or days or part of a day for the discussion of the motion."

That means when you hafve admitted our motion then either fix up a day, which is tomorrow or day after tomorrow. You cannot fix it on the day on which you have already tranacted partial business.

श्री अध्यक्षः इसी के हिसाब से मैने कहा है। अब आप बैठिये।

श्री बीरेन्द्र सिहः अगर 6.30 तक बिजनैस खत्म नही होता है तो इस मो ान पर चर्चा कब होगी? The House is upto 6-30 P.M and after 6-30 P.M the House would be adjourned. My submission is that it would be better that the Confidence Motion should be taken up straightway or you allot tomorrow's time.

16.00 hrs.

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इनको यह कहना चाहूगा कि इसमे कोई मु कल की बात नही है केवल गिनती ही करनी है, हाथ खडे करवा लीजिए पता चल जाएगा कि संख्या अधिक किस तरफ है। इसमे कोई मु कल नही है हाथ खडे करवा कर यह तय हो

सकता है कि संख्या इनकी तरफ से अधिक है या कि हमारी तरफ अधिक है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए समय तय होना चाहिए। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः समय की कोई दिक्कत नही है। हाउस की सहमति से समय बढाया जा सकता है जो भी मैम्बर जितनी देर बोलना चाहे बोल सकता है। इसमे कोई दिक्कत नही है। सभी को बोलने का समय दिया जाएगा। (ाोर एवम विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी प्रोटैक ान चाहता हू। (ाोर एवम विघ्न) आपने मुझे अलाउ किया है कि मै अपनी कांलिग अटै ान मो ान पढू। (ाोर एवम विघ्न)

श्री कवंल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आर्डर है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कंवल सिह जी को इस बात का ज्ञान होना चाहिए कि इस समय कोई प्वायंट आफ आर्डर नही होतां सोमबीर जी को चाहिए कि यह बात ये इनको बता दे। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः कंवल सिंह जी, आप अपनी सीट पर बैठे। वक्त आने पर आपको अपनी बात कहने का पूरा मौका दिया जाएगां मैने दलाल साहब का नाम पहले ही पुकारा हुआ है इसलिए आप अभी बैठिए। (ाोर एवम विघ्न)

नगर एवम ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, आपकी रूलिग आ चुकी है और आपने चौधरी कर्ण सिंह का नाम पुकारा है। माननीय साथी चौधरी कर्ण सिह बोलना चाहते थे लेकिन अभी तक कोई चर्चा भाुरू नही हुई है। बगैर चर्चा भाुरू हो ये क्या कहना चाह रहे है । चौधरी कर्ण सिंह जी

को बोलने के लिए आपने टाईम दे दिया तो इससे पहले वाली बात खत्म हो गई।

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै यह बात कहना चाहता हू कि अभी बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की रिपोर्ट हाउस मे प्रस्तुत नही हुई है इसलिए अभी तक कोई बिजनैस ही फिक्स नही हुआ है इसलिए अभी तो कुछ नही कह सकते है कि क्या बिजनैस है। (ाोर एवम विघ्न)

वित्त मंत्री प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी तक बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट हाउस मे नही आई है, बिजनैस ऐडवाजरी कमेटी की रिपोर्ट जीरो आवर के बाद प्रस्तुत की जाती है इनको नियमो या कानून का तो कुछ पता नही है कि बिजनैस ऐडवाजरी कमेटी की रिपोर्ट जीरो आवर के बाद प्रस्तुत होती है। अभी कांलिग अटै ांन मो ान चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, ये न तो कुछ पढते और न ही इनको नियम का कोई ज्ञान है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी की तरफ से भी यह काल अटैन् ान मो ान इसलिए आप हमारे नाम भी इसमे भाामिल कर ले।

श्री सतपाल सांगवानः सर, इस काल अटै ान मो ान मे हमारा नाम भी भाामिल कर ले। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः इसमे राम भजन अग्रवाल जी का नाम ऐड कर लिया गया है। (ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारी भी यही काल अटैन ान मो ान है इसलिए हमारा भी इसमे भाामिल कर लिया जाए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आपकी काल अटैन् ान मो ान बाद मे आई है और वह अन्डर कसीडिरे ान है। इसलिए आपका नाम

इसमे भाामिल नही हो सकता है फिर भी कुछ सदस्यो को सवाल पूछने की इजाजत दी जाएगी आप अपनी सीट पर बैठ जाए।

Shri Birender Singh: Speaker Sir, You are only to transact the business after considering the state of business in the Assembly. If he has read out the motion then that the menas the business has been transacted (Interruptions)

Shri Sampat Singh: The Government is ready to give answer. We are ready to answer.

डा0 बीरेन्द्र सिंहः मै यह कह रहा हू कि In sub rule (3) of rule 65, it is mentioned "after considering the state of business." that is after out of the Calling Attention Motion, the reply is to be given. The entire business is to be transacted. So, you are only allowed to transact the business which is under consideration. Suppose some Bill is to be considered, business with regard to that Bill can be transacted only upto the stage of consideration. You cannot take it up before the entire discussion. This is what I want to draw your attention, Sir. इसके बाद आपको नो कान्फीडैंस मो ान लेना पडेगा।

श्री अध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह जी यहां पर जो कुछ भी हो रहा है वह सब रूल्ज के हिसाब से ही हो रहा है। आपके पास लिस्ट आफ बिजनैस आई है आप उसको देख ले। जब यह रिपोर्ट पे ा होगी तब आप उसके बाद चर्चा कर लेना। (ाोर) टाईम की कोई प्रोब्लम नही है। जब जीरो आवर खत्म होगा तब आप चर्चा कर लेना।

Shir Birender Singh: You cannot debate upon the matters which are listed in the list business, if No Confidence Motion is to be taken up.

प्रो0 छत्तर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, हमारी भी इसी प्रकार की काल अटैन ान मो ान है इसलिए इसके साथ हमारे नाम भी ऐड कर ले। जैसा कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने कहा है कि नो कान्फीडैंस मो ान को कल ले ले या परसो को ले ले। I

Would request you to take yp the No Confidence Motion tomorow or day after tomorrow, whenever you like.

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज आपकी तरफ से जो नो कान्फीडैंस मो ान आया है वह मैने मान लिया है और जो काल अटैन ान मो ानज आई है वे भी मान ली गई है। राम भजन जी और अन्य 10 सदस्यो द्वारा दिए गए नोटिस को भी हमने नोटिस न0 3 के साथ भाामिल कर लिया है। (ाोर एवम व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, चौहान साहब को सबसे ज्यादा इस बात का अफसोस है कि आपने यह मो ान रिजैक्ट क्यो नही की। उनको यह खु ाी नही है कि आपने यह मो ान एसैप्ट कर ली क्योकि इनकी आदत तो रिजैक्ट करने की हो गयी थी। यह तो हमारी कोई भी मो ान हर बार रिजैक्ट कर दिया करते थे अब वे इसलिए ही कह रहे है कि आपने उनकी यह परम्परा क्यो तोडी। सर, हम आपको यह परम्परा तोडने के लिए बधाई देते है। गवनमैंट ने इस मामले मे कोई इंटरवीन नही किया है। नौ काफीडैन्स मो ान आया हुआ है ये उस पर अपनी बात कह सकते है। इनको यह आपकी बडाई करनी चाहिए थी लेकिन ये करे कैसे ?

श्री मती करतार देवीः स्पीकर साहब, यह विशय बहुत ही महत्वपुर्ण है। सभी विधायक इस विशय को लेकर चितिंत है। जब आपने इस कांलिंग अटै ंन मो ान के साथ विकास पार्टी के सदस्यो की ऐसी ही मो ान इसके साथ क्लब कर ली तो फिर जो कांलिग अटे ान मो ान काग्रेंस पार्टी के सदस्यो ने दी है। उसको भी आप क्यो नही इस मो ान के साथ क्लब कर लेते। इसमे तो कोई हानि नही है। अगर आप ऐसा कर लेगे तो सभी पार्टी के विधायक इस बारे मे अपना अपना सवाल पूछ लेगे।

श्री अध्यक्षः यदि कांग्रेस पार्टी का कोई भी सदस्य इस बारे मे सवाल पूछना चाहेगा तो वह पूछ लेगा।

श्रीमती करतार देवीः स्पीकर साहब, यह विशय बहुत ही महत्वपूर्ण है। सभी विधायक इस विशय को लेकर चितित है। जब आपने इस कांलिंग अटै ान मो ान के साथ विकास पार्टी के सदस्यो ने दी है। उसको भी आप क्यो नही इस मो ान के साथ क्लब कर लेते। इसमे तो कोई हानि नही है। अगर आप ऐसा कर लेगे तो सभी पार्टी के विधायक इस बारे मे अपना अपना सवाल पूछ लेगे।

श्री अध्यक्षः यदि कांग्रेस पार्टी का कोई भी सदस्य इस बारे मे सवाल पूछना चाहेगा तो वह पूछ लेगा।

श्रीमती करतार देवीः आप हमारे मो ान को भी ऐसैप्ट कर ले और इस मो ान के साथ क्लब कर दे इससे हमारे सदस्यो के नाम भी ऐड हो जाएगे।

श्री रामबिलास भार्माः स्पीकर साहब, मेरी भी इस बारे मे एक सबमि ान है। सर, इस महान सदन की यह परम्परा रही है कि यदि ऐसे किसी कंरट मुद्दे पर अलग अलग पार्टी के सदस्यो के ध्यानकर्शण प्रस्ताव आते है तो उन सभी को एक साथ क्लब करके उनको एक एक सवाल पूछने की इजाजत दी जाती है अब जिस जिस साथी का धान की खरीद के संबध मे ध्यानाकर्शण प्रस्ताव आया है आप उन सभी को एक साथ क्लब कर दे और उनको एक एक सवाल पूछने की अनुमति दे दे।

श्री अध्यक्षः हमने उनको इस पर सवाल पूछने की अनुमति दे दी है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपने हमारे द्वारा कही गयी बात के बारे मे कोई रूलिग नही दी है।

श्री अध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह जी, आपकी पार्टी के सदस्यो के नाम उस कांलिंग अटै ान मो ान के साथ ऐड कर लिए गए है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके नोटिस मे एक बात लाना चाहता हू। (ाोर एवम व्यवधान) सर, आप इस मुद्दे पर रूल 73–ए के तहत डिसक ान अलाऊ करे।

श्री जसवन्त सिंहः स्पीकर साहब, आप इस मो ान के साथ इन सबके नाम भी ऐड कर ले ताकि ये अपनी सीटो पर बैठ जाएं और मै अपना जवाब पढ संकू।

श्री अध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह जी आपको नो कांफीडैंस मो ान पर बोलने का पूरा मौका दिया जाएगा। अब आप बैठे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिये। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः बीरेन्द्र सिंह, कृपया अब आप बैठे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः सर, मंत्री जी, किस पार्टी मे है ये बात हमे तो बता दे।

श्री जसवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै किस पार्टी मे हू कैसे हू यह इनको भी अच्छी तरह से पता है। मै सविधांन के मुताबिक ही इस पार्टी मे हू। इस समय मै और बातो मे नही जाना चाहता क्योकि यह बाते तो हम फिर कर लेगे। इनको भाायद अपनी हार बर्दा त नही हो रही है। अध्यक्ष महोदय, ये कर्ण सिंह दलाल जी की बात का जवाब सुने।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

धान की खरीद सम्बन्धी

श्री कर्ण सिंह दलालः मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हू कि हरियाणा की अनाज मंडियो मे धान की खरीद उचित रूप से नही हो रही है तथा किसानो को सरकार द्वारा धान की खरीद का निर्धारित मूल्य नही मिल रहा है तथा सरकारी एजैसिंया धान की खरीद नही कर रही है जिसके कारण व्यापारी मनमाने मूल्य पर

धान खरीद रहे है। राज्य के किसानो मे भारी रोश व्याप्त है। इसलिए, मै सरकार से निवेदन करता हू कि वह सदन मे इस संबध मे एक वक्तव्य देकर अपनी स्थिति स्पश्ट करे।

Sarvshri Ram Bhajan Aggrwal, Chhatter Singh Chauhan, Kanwal Singh, Jagbir Singh Malik, Harsh Kumar, Somvir Singh, Mani Ram Godara, Sat Pal Sangwan, Narpender Singh and Attar Singh Saini: I draw the attention of Haryana Government towards a matter of urgent public importance the Rice and Cotton in Haryana State are not being purchased at the miniumum support price as fixed by the Government for farmers which is cusing great economic loss and harassment to the poor farmers whose interests are not being protected by the present Government. There is a great resentment among the farmers of the State as farmers are being forced to sell their produce on throw away price much below the support price.

Hence, the Govenment of Haryana is requested to protecd the interest of the farmers immediately and clear its position.

वक्तव्य

उपरोक्त ध्यानकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी खाध एवम पूर्ति मंत्री द्वारा

खाद्य एवम पूर्ति मंत्री (श्री जसवन्त सिंह): अध्यक्ष महोदय, इसके बारे मे यह स्पश्ट किया जाता है कि प्राय हरियाणा के चावल मिल मालिक द्वारा राज्य की मण्डिया मे धान की कुल आमद की 90 से 95 प्रति ात खरीद की जाती है। और केवल 5 प्रति ात से 10 प्रति ात तक की खरीद की एजैसी द्वारा की जाती है। दिनांक 12.11.1999 तक सतरह लाखस चौहतर हजार टन धान की आमद राज्य की मण्डियो मे हुई, जिसमे से लेवीऐबल धान प्रन्दह लाख छतीस हजार टन था। मिलर्ज द्वारा चौदह लाख बतीस हजार टन जिसमे से दो लाख अठतीस हजार टन बासमती धान भाामिल है, धान की खरीद की गई। राज्य की छ खरीद संस्थाये जो खाद विभाग, हैडफ, भारतीय खाध निगम, वेयर

हाउसिंग, एग्रो इण्डिस्ट्रीज व कान्फेड है ने तीन लाख ब्यालीस हजार टन जो कि लेवीऐबल धान का बाईस का प्रति ात है, की खरीद की। जबकि गत वर्श सीजन मे सरकारी संस्थाओ द्वारा धान की खरीद एक लाख बारह हजार टन खरीद की गई थी जे कि कुल आमद का सात प्रति ात है। इसलिए यह कहना कि राजय की खरीदे एजैसियो धान की खरीद नही कर रही है तथा किसानो को सरकार द्वारा नियत दर से प्राप्त नही हो रहे, उचित नही।

2. इस वर्श राज्य सरकार ने अनुरोध पर और किसानो के सुविधा के दृश्टिगत भारत सरकार ने खरीद सीजन 1.10.1999 से पहले 16.9.1999 को कर दिया है परन्तु सीजन के आरम्भ मे मिल्र्ज धान की खरीद करने मे निम्नलिखित कारणो से इच्छुक नही थे:–

(क) लेवी चावल के दर भारत सरकार द्वारा धान का सीजन आरम्भ करने के साथ घोशित नही किये गये थे जो कि दिनाक 30.9.1999 को घोशित किये गये।

(ख) चावल के मापदण्डो मे चावल के टुकडे के अं ा मे छोटे टुकडो को भाामिल नही किया गया था। मिल्र्ज का यह कहना है कि चावल के छोटें टुकडो के बिना निर्धारित मापदण्डो अनुसार चावल तैयार नही किया जा सकता। दिनांक 12.10.1999 को भारत सरकार ने एक प्रति ात छोटे टुकडो की मात्रा स्वीकृत की।

(ग) मिल मलिक मापदण्डो अनुसार चावल बनाकर एफ0सी0आई0 को नही दे सके जिसके कारण उनका पैसा ब्लाक हो गया।

(घ) सीजन के आरम्भ मे धान मे नमी की अधिकता जो कि निर्धारित सीमा 18 प्रति ात के विरूद्ध 19 प्रति ात से 25 प्रति ात थी।

(ड) सीजन के आरम्भ मे धान मे पी0आर0 103 किस्म की अधिकता थी जिसका चावल केन्द्रीय पूल मे नही दिया जाता क्योकि यह किस्म पिन पुआइन्ट डेमेज से रोग ग्रस्त होती है।

3. राज्य सरकार ने भारत सरकार से लेवी चावल की कीमते पहले घोशित करने तथा चावल के छोटे टुकडे को चावल की कुल मापदण्ड मे टुकडो की मात्रा मे भाामिल करने का मामला उठाया। लेवी चावल की कीमते भारत सरकार द्वारा 30.9.1999 को घोशित की गई तथा चावल के एक प्रति ात छोटे टुकडे को दिनांक 12.10.1999 को मापदण्ड मे पुन भाामिल किया गया। इसके प चात ही मिल मालिको ने धान की खरीद अधिक मात्रा मे आरम्भ की। इसी दौरान सरकारी एजेसिंयो को निर्धारित मापदण्डो के अनुसार बडे पैमाने पर धान की खरीद करने के निर्दे ा दिये गये जिसके फलस्वरूप उन्होने मण्डियो मे दिनांक 12.11.1999 तक और लेवीऐबल की बाईस प्रतिसत खरीद की जो इस तिथि तक सर्वोधिक खरीद है।

यह पुनरूक्त किया जाता है कि 12.11.1999 तक मण्डियो मे आयी पन्द्रह लाख पैतीस हजार सात सौ उन्नचास टन धान का 81 प्रति ात समर्थन मूल्य पर या अधिक भाव पर बिका। केवल दो लाख त्रियासी हजार सात सौ अस्सी टन जो कि कुल लेवीऐबल धान था का 19 प्रति ात है और निर्धारित मापदण्डो अनुसार नही था, समर्थन मूल्य से कम भाव पर बिका। यह आकडे पिछले वर्शो की तुलना से अधिक नही है जैसा कि 1997–98 और 1998–99 मे यह क्रम ाः 17 प्रति ात तथा 21 प्रति ात थे। वर्श 1994–95 मे यह खरीद 24 प्रति ात से अधिक थी। क्योकि धान खरीद सीजन अभी चल रहा है, खरीद संस्थाओ की खरीद समर्थन मूल्य पर और बढेगी और समर्थन मूल्य से कम भाव पर बिकने वाली धान की लगभग मात्रा 12 प्रति ात से 15 प्रति ात स्थिर हो जाने की संभावना है।

यह भी स्पश्ट किया जाता है कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मूल्य उस धान पर लागू होता है जो भारत सरकार द्वारा ही घोशित मापदण्डो के अनुसार है। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो मेरे साथी यह कहना चाहते है कि आज हरियाणा के किसान की बात बहुत जरूरी है लेकिन दूसरी तरफ जब वह मंत्री जो इस बात का जिम्मेवार है, इस सदन मे सरकार की तरफ से अपना पक्ष प्रस्तुत कर रहा है, तो मेरे साथी उसकी बात को अच्छी तरह से सुनना नही चाहते।

(इस समय विपक्ष के कई सदस्य बोलने के लिए खडे हो गए।)

श्री अध्यक्षः मेरा आप सबसे निवेदन है कि आप पहले मंत्री जी की पूरी बात सुन ले और उसके बाद आपको प्र ान पूछने का मौका दिया जाएगा।

श्री जसवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, आज के दिन अगर किसी को सबसे ज्यादा किसान का ध्यान है तो वह व्यक्ति आज हरियाणा की राजनीति मे मुख्य व्यक्ति है। आपने 3 साल तक किसान की बेइज्जती की है, इसी वजह से उसी किसान ने अपना हराया है, अपना वोट नही दी और आपको उधर बिठाया। उसी किसान ने चौधरी ओमप्रका ा चौटाला को जिता कर यहां बिठाया है। (ाोर एवम व्यवधान) मैने अब तक 3 बाते बताई, चौथी बात मै बताना चाहता हू कि पैडी मे इस बार काफी मोस्चर था इस लिए हम पैडी की खरीद पहली अक्तूबर की बजाय 16 तारीख को भाुरू की। (ाोर एवम व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी काफी पुराने विधायक है उनको पता होना चाहिए कि पहले मंत्री जी का जवाब सुनना चाहिए और उसके बाद ही प्र ान पूछना चाहिए। इस बार जीरी की बम्पर क्रोप थी और जल्दी आने की वजह से उसमे 22 प्रति ात नमी आ गई और यह नमी कम्बाइन से कटवाने की वजह से आई। सैन्ट्रल गवर्नमैट

चावल खरीदती है इस बार सैन्ट्रल गवर्नमैट मार्किट मे आई नही जबकि हरियाणा सैन्ट्रल गवर्नमैट ने 15 दिन पहले से चावल खरीदना भुरू कर दिया। आप चाहे पुराने सालो का रिकार्ड देख लीजिए। यदि आप कहो तो मै आपको एक एक साल का रिकार्ड बता सकता हू। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री हर्श कुमारः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है.....(ाोर)

श्री ओमप्रका चौटालाः स्पीकर साहब, यह कोई तरीका नही है ये किसी बात पर प्वायंट आफ आर्डर कर रहे है पहले मंत्री जी का जवाब पूरा हो जाए उसके बाद प्र ान पूछे। (विघ्न)

श्री हर्श कुमाराः स्पीकर साहब,.....

श्री रमे ा कुमार खटकः स्पीकर साहब,.....
...

श्री अध्यक्षः ये जो भी बिना परमी ान के बोल रहे है वह सब रिकार्ड न किया जाए।

श्री जसवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, 18 अक्तूबर को जब दिल्ली की सरकार ने पैडी के रेट निर्धारित कर दिये तो हरियाणा के राईस मिलर बडी तेजी से पैडी खरीदने लगे। लेकिन इससे पहले बडी ही मु कल की स्थिति बनी हुई थी। अध्यक्ष महोदय, की छः की छः एजैसियो ने बडी हिम्मत और प्लानिंग से 3.50 लाख मिट्रिक टन पैडी खरीदी। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी जो कुछ बोल रहे है वह गलत बोल रहे है। मै उनको पूर्ण कहना चाहूगा कि मेहरबानी करके वे सही बोले।

श्री अध्यक्षः हर्श कुमार जी मंत्री जी स्अेटमैंट दे रहे है, आप उनकी स्अेटमैट पूरी होने दे। उसके बाद आपको सवाल पूछने का अवसर दिया जायेगा।

श्री जसवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, अब इस समय लगभग 15.50 लाख मीट्रिक टन पैडी आई और मै पिछले साल के बारे मे बताता हू कि उस वक्त अब तक कितनी आयी थी। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री बीरेन्द्र सिंहः इस साल आपने 20 प्रति ात पैडी खरीदी।

श्री जसवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमने 20 प्रति ात नही बल्कि 22 प्रति ात पैडी खरीदी है। (विघ्न)

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, जसवन्त सिंह जी कह रहे है कि इनकी सरकार ने इस साल 22 प्रति ात पैडी खरीदी है। लेकिन इतनी नही खरीदी गई। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री जसवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, गोदारा साहब को आप बैठने के लिए कहो। ये मेरी स्अेटमैंट पूरी होने के बाद सवाल पूछ ले। अध्यक्ष महोदय, इस साल 12 नवम्बर तक 15.35 लाख मीट्रिक टन लेवीएबल पैडी हमारी मण्डियो मे आयी और इसकी 81 प्रति ात पैडी मिनिमम सुपोर्ट प्राईस से ऊपर या उसके बराबर रेट पर खरीदी गई। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री बिजेन्द्र सिंह कादायानः अध्यक्ष महोदय, ये झूठ बोल रहे है। इन्होने तो 400 रूपये से लेकर 450 रूपये के भाव मे ही पैडी खरीदी जबकि भाव 520 रूपये का था।

श्री जसवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, 283700 मीट्रिक टन पैडी जो कि टोटल की 19 प्रति ात बनती है मोस्वर की वजह से या किसी दूसरी वजह से स्पैसीफिके ान के मुताबिक न होने के कारण नही खरीदी। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मेरी आप माननीय सदस्यो से प्रार्थना है कि आप मंत्री जी को स्अेटमैंट पूरी करने दे। बीच मे विघ्न न डाले।

श्री हर्श कुमारः आपने मोयस्वर के बारे मे तो पिछले साल का जिकर कर दिया है जबकि पैडी के भाव इस साल के बता दिये। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री जसवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो निर्धारित सुपोर्ट प्राइस से ऊपर पैडी की फसल मंडियो मे आयी उसकी परसेंटज 81 प्रति ात है और केवल 14 प्रति ात पैडी की फसल ऐसी रह जाएगी जो कि सुपोर्ट प्राइस से कम हरियाणा की मंडियो मे आयेगी। (ाोर एवम व्यवधान) Only 283780 MT which is only 19% of the Total arrival of leviable paddy which did not conform to prescribed specitfication has been sold below Minimum Support Price. This figure is not very high as compared to the figures of previous years which during 1997-98 and 1998-99 were 17% and 21% respectively. Our this figure of below Minimum Support Price is only 19%.

मै सदन की जानकारी के लिय आपके विधायक माध्यम से फिर बताना चाहूगा कि अब तक हरियाणा की मंडियो मे 80 प्रति ात से ऊपर पैडी की खरीद की जा चुकी है और बाकी की 20 प्रति ात पैडी की फसल खेतो के अन्दर किसानो के पास पडी है और इस महीने के आखिर तक हरियाणा की मंडियो मे वह आ जाएगी। (ाोर) हांलाकि मुख्य मंत्री महोदय ने खुद कहा है कि वह आपकी सारी बातो का जवाब देगे लेकिन वे लोग किसानो के हित की बात सुने तो सही और फिर बताए कि हम जो कह रहे है उनमे क्या झूठहै और क्या सच है। यह एक भाहूर की बात है जो कि इनके समझ मे नही आ रही। (ाोर) इस तरीके से जब सारी पैडी की फसल हरियाणा की मंडियो मे आ जाएगी उस वक्त जो हमारी सुपोर्ट प्राइस से कम मे खरीद की जाएगी वह केवल 12 से 14 प्रति ात ही रह जाएगी पिछले साल 21 प्रति ात और उसके पिछले साल 17 प्रति ात पैडी फसल सुपोर्ट प्राइस से कम रेट मे खरीदी गई। (ाोर) इससे भी लोग सुतंश्ट नही है तो फिर मै

इन्हे क्या कहू। मै यह भी सदन के सामने रखना चाहता हू कि भारत सरकार खरीद का समय निर्धारित करती है इस दफा हरियाणा के किसानो के सामने काफी मु कले थी इसलिए सैन्ट्रन गवर्नमैट ने हरियाणा की मंडियो मे खरीद के लिये 16 सितम्बर से खरीद की इजाजत दे दी। किसान किसी भी तरीके से चाहे कच्ची जीरी थी या पानी का कम लगा था या कम्बाइन से काटकर जीरो मंडियो मे ले आये। केन्द्र सरकार जो चावल मिल्र्ज से खरीदती है उसके रेट निर्धारित नही किये जिसकी वजह से मिल्र्ज चावल देने के लिए आगे आए नही। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, हमारी जो पैडी जो हरियाणा सरकार ने खरीदी गई वह 6 एजेसियो से खरीदी गई और साढे तीन लाख मीट्रिक टन से भी ज्यादा खरीदी जो कि 22 प्रति ात है और जो पिछले साल इसी टाईम खरीदी गई थी वह पैडी सरकार को इस एजैसियो से केवल 2 लाख मीट्रिक टन ही खरीदी गई थी। इसका मतलब यह हुआ कि इस दफा हरियाणा सरकार की ऐजैसिज ने 10 गुणा ज्यादा पैडी खरीदी। अगर कोई भी माननीय सदस्य किसी भी मण्डी का रिकार्ड देखना चाहे तो वह मेरे आफिस मे आ कर देख सकता है। मै इस सदन के अन्दर क्या बाहर भी कही पर झूठ नही बोलता। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की पिछली सरकार के समय मे दो प्रति ात पैडी खरीदी थी उसकी बजाय हमारी सरकार के समय मे जिन आफिसर्ज ने 22 प्रति ात ज्यादा पैडी खरीदी है उन आफिसर्ज का मै सरकार की तरफ से धन्यवाद करता हू। उन्होने इतनी ज्यादा पैउी के लिए बारदाना कहा से लिया होगा और इतने ट्रक कहां से लिए होगे। पिछली सरकार के समय मे केवल 2 प्रति ात पैडी खरीदी गई थी उसके लिए इन्तजाम करना छोटी बात थी लेकिन हमारी सरकार के समय मे 22 प्रति ात ज्यादा पैडी खरीदी गई उसके लिए बहुत ज्यादा बारदाने का इन्तजाम किया गया, बहुत ज्यादा ट्रको का इन्तजाम किया गया पैडी को तोलने वालो का इन्तजाम किया गया इस सारे इन्तजाम के लिए मै उन आफिसर्ज का सरकार की तरफ से धन्यवाद करता हू। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से एक

बात यह भी कहना चाहूगा कि उडीसा के अन्दर जो भयंकर तूफान आया उसके बारे मे वहां की कांग्रेस पार्टी की सरकार का तीन दिन पहले ही पता लग गया था लेकिन वह सरकार उसके बारे मे कोई इन्तजाम नही कर सकी। हमारी पार्टी की सरकार ने वहा के पीडितो की सहायता की है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य गण इस ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के बारे मे दिए गए जवाब के बारे मे सवाल पूछने के लिए मेरे पास जिन सदस्यो के नाम आए है वे है कैप्टन अजय सिंह, सतविन्द्र सिंह राणा, बिजेन्द्र सिंह कादियान, जय सिंह राणा, खु ीद अहमद और श्रीमती करतार देवी।

श्री सोमबीर सिंहः स्पीकर साहब, हमारी पार्टी के सदस्यो के नाम भी है।

श्री अध्यक्षः राम भनज अग्रवाल जी के साथ जिनके नाम है उनके अलावा मैने ये नाम बताए है। अगर आप अपनी पार्टी के दो सदस्यो के नाम और देना चाहो तो दे दे और कांग्रेस पार्टी के सदस्य भी अगर दो सदस्यो के नाम देना चाहे तो दे दे, उनको सवाल पूछने का मौका दिया जाएगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने एक बहुत लम्बा चौडा वक्तव्य दिया है। अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री ने जो तथ्य बताए है कि वे तथ्य दूसरी प्रकार के है उनको हम मनाह नही करते। मैने जो ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिया था उसमे मैने यह निवेदन किया था कि भारत सरकार ने चावल के जो निर्धारित मूल्य किसानो को दिए है उनकी पूरे दे ा के किसानो ने प्र ांसा की है। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता था कि वह निर्धारित मूल्य किसानो को नही मिल पा रहा है। यह जानना चाहता हू कि जो वैरायटी पी आर 6 है और जिसका मूल्य केन्द्र सरकार की तरफ से 520 प्रति रूपये प्रति क्विटल तय हुआ था उसको मुख्यत 4 एजेसियो ने खरीद करना था। जंहा तक एफ0आई0आर0 की खरीद का ताल्लुक है उन द्वारा किसानो को

सही मूल्य मिला है लेकिन उसमे एक दिक्कत यह आई कि एफ0सी0आई0 ने अधिक मात्रा मे खरीद कर ली जिस कारण उस खरीद की गई धान को उठाने मे दिक्कत आई और उसको उन द्वारा समय पर न उठा पाने के कारण वहा पर अगले दिन तक नए धान की खरीद नही हो पाई। दूसरी वैरायटी जो ज्यादा होती है उसका निर्धारित मूल्य 490 रूपये तय किया गया था। हमारे बी0जे0पी0 के विधायक और कार्यकर्ता मण्डियो मे गए थे। वहा पर हमने देखा कि जहा पर सरकारी खरीद नही हो पा रही थी वहा पर दूसरे लोगो ने व व्यापारियो ने उन मण्डियो ने उन मण्डियो मे किसानो को 490 रूपये का भाव देने की बजाये उससे भी कम मूल्य पर धान की खरीद की जिस कारण किसानो को उचित मूल्य नही मिल पाया। मै यह जानना चाहता हू कि क्या इस दिक्कत को देखने के लिए मंत्री जी मण्डियो मे गए थे और क्या इन्होने इस चीज का अहसास किया कि किसानो को वाकई दिक्कत आ रही है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से एक डुप्लीकेट बासमती है। उसका पिछले साल मूल्य 900 से 1000 रूपये प्रति क्विंटल के बीच मे था। जबकि अब की बार यह 600–700 रूपये प्रति क्विंटल बिका है। इसी प्रकार से जो बडी बडी मण्डियो जैसे होडल की मण्डी है पलवल की मण्डी है उनमे पिछले 10 दिनो से कोई खरीद नही हो पा रही है। जिस कारण वहा के किसानो व व्यापारियो व आढतियो को परे ाानी का सामना करना पड रहा है। मै आपके माध्यम से यह जानना चाहता हू कि जिन अधिकारियो की कमी के कारण किसानो को 490 रू0, 520 रूपये या डुप्लीकेट बासमती का 900 से 1000 रूपये मूल्य नही मिल पा रहा हे क्या वहा के किसानो को उचित मूल्य दिलाने बारे सरकार कोई आव यक पग उठायेगी ताकि किसानो को उचित मूल्य मिल सके।

श्री जसवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने किसानो के प्रति हमदर्दी जाहिर की इसके लिए मै इनका धन्यवाद करता हू। इनकी जानकारी के लिए मै बताना चाहूगा कि जिस डुप्लीकेट

बासमती का ये नाम ले रहे हे उसका नाम भाायद इनको पता नही है। मै इनको बताना चाहूंगा कि उसको ''मुच्छल'' वैरायटी के नाम से जाना जाता है। उसकी भाक्त बासमती से मिलती है इसलिए उसको डुप्लीकेट बासमती कहते है। मै इनको बताना चाहूंगा कि मै बताना चाहूगा कि मै बाकायदा मण्डिया मे गया हू और किसानो के प्रति मेरी पूरी हमदर्दी है। ''मुच्छल'' वैरायटी दिल्ली या हरियाणा सरकार के अन्दर कही भी सरकारी एजैसी द्वारा प्रोक्योरमैट के अन्दर नही आती है। केवल दो वैरायटी की जीरो जो कि कोस्टली है जिसमे से एक वैरायटी की कांस्ट 490 रूपये है और दूसरी वैरायटी ग्रेड–1 है जिसका रेट 510 रूपये है। जिसमे बासमती का ये जिकर कर रहे है वह नकली बासमती है। हरियाणा की मण्डियो मे अच्छी बासमती का रेट 1800 का ये जिकर कर रूपये से लेकर 2200 रूपये तक था और यह बासमती बाहर 2000 रूपये से ले कर 2300 तक के भाव पर बिकती थी। लेकिन इस साल इसका रेट 800 रूपये से 1100 रूपये तक है। पिछले साल के भावो को देख कर किसानो ने बहुत ज्यादा बासमती लगा ली है। रोहतक से लेकर हिसार तक बहुत ज्यादा बासमती आजकल लगाई जाती है और यह बासमती बहुत अच्छी क्वालिटी की बासमती होती है। इस साल बासमती का रेट 800 से ले कर 1100 रूपये के बीच मे है इसका क्या कारण है यह जो मै अभी नही कह सकता। मिल्र्ज के पास पिछले साल की खरीदी हुई पैडी करोड करोड रूपये की स्टाक मे पडी हुई है इसलिए वे नई फसल नही खरीद रहे है। पिछले साल मिडल ईस्ट या यूरोप के दूसरे कण्ट्रीज मे हमारी बासमती खरीदी जाती थी लेकिन उन्होने हमारी बासमती खरीदनी बन्द कर दी है। हमारी जो बासमती 2000 रूपये मे बिकती थी वह इस साल 800–900 रूपये बिक रही है। जो मिल्र्ज है उनके पास भी पिछले साल का काफी स्टाक पडा हुआ है इसलिए वे आगे और पैडी लेना नही चाहते चाहे वह डुप्लीकेट बासमती हो और चाहे असली बासमती हो। बार के कण्ट्रीज मे हमारी बासमती लेनी क्यो बन्द कर दी इसका कारण

भी मुझे पता नही है। सरकारी खरीद के बारे मे मै बताना चाहूगा कि हरियाणा की बासमती बाहर के मुल्को मे बेचने के लिए पूरी कोि ा ा की जाएगी। इसके लिए दिल्ली की सरकार ने तथा एफ0सी0आई0 से भी बात करनी पडी तो वह की जाएगी। मुझे इस वक्त इस बात का ज्ञान है कि किस एजैसी ने कितना धान खरीदा है। एफ0सी0आई0 ने केवल 24 प्रति ात धान खरीदा है बाकी सारी ऐजैसियो द्वारा खरीदे गए धान के सारे आकडे मेरे पास है अगर उनको बताने लगूगां तो हाउस का काफी समय खराब होगां अध्यक्ष महोदय, जहां तक होडल और दूसरी मण्डियो मे परचेज बन्द होने का ताल्लुक है, उसकी वजह मुझे मालूम नही है। सदन की बैठक खत्म होने के बाद मै अधिकारियो से बात करके इसकी वजह का पताल लगांऊगां और अपने माननीय साथी से यह कहना चाहूंगा कि वे कल किसी भी समय इस के बारे मे पूरी जानकारी मुझ से हासिल कर सकते है। परचेज इस समय बन्द है यह बात सत्य है अथवा असत्य इसके बारे मे मै पूरे फैक्टस इनको बता दूंगा और यदि परचेज बन्द है तो उसे खोलने के लिए कार्यवाही करेगे। धान की खरीद के बारे मे मै एक बात और हाउस मे बताना चाहूगा कि अगले साल की परचेज के लिए मैने माननीय मुख्यमंत्री जी से भी बात की है कि छोटी छोटी कमेटियां किसानो की बना कर परचेज की जाए और ये छोटी छोटी कमेटियां ऐजैसियो के साथ मिल कर इस कार्य को करेगी। (विघ्न)

श्री कंवंल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने काफी विस्तार से सारी राईस वैरायटी के बारे मे बताया है मै मंत्री जी से दो बाते जानना चाहूगा। एक तो मै मंत्री जी से यह जानना चाहूगा कि क्या गवर्नमैंट पांलिसी किसानो की सेल पर इफैक्ट नही करती है। आपने जिकर किया कि मिडल ईस्ट कन्ट्रीज नही ले रहे है। अब मिडल ईस्ट कन्ट्रीज ही तो सारा ग्लोब नही है। मिडल ईस्ट कन्ट्रीज के अलावा भी बासमती राईस दुनिया मे बेचा जाता है। जो ट्रेडर को फायदा पहुंचाना चाहती हो ताकि किसाना को ऊपर का सारा मूल्य न मिले। दूसरे अध्यक्ष महोदय, ये भी हिसार से

ताल्लुक रखते है खासतौर पर हांसी से। हांसी की मण्डी का मुझे पता है कि फाईन वैरायटी जिसके बारे मे आपने कहा कि आप प्रोक्योरमैट करते है और जिसकी फिगर भी आपने यहां पर बताई है। यह ठीक है कि आपकी बुक्स मे फिगर बिल्कुल ठीक होगे लेकिन मै अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से इस सदन को और मंत्री जी को भी अवगत करवाना चांहूगाप और इनसे जानना चाहूंगा कि क्या यह सत्य नहीी है कि फाईन वैरायटी जिसका मूल्य 520 रूपये सरकार ने निर्धारित किया है वह 390 रूपये के हिसाब से बिकी है। व्यापारियो ने 390 रूपये के हिसाब से खरीदकर 520 रूपये पर रजिस्टर करवाई है। इस बारे मे क्या ये इन्कवायरी करवायेगे ?

श्री जसंवन्त सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह इनका सुझाव है और ये पूछ भी रहे है कि क्या सरकार कोि ा ा करेगी कि हमारी बासमती जैसे पहले बिक रही थी और एक्सपोर्ट हो रही थी वह फिर से हो। मै इनको यह बताना चाहता हू कि अगर सरकार की खराब नीयत होता तो आज हमारे डिलर्ज के पास स्टाक नही होता। अगर उनका स्टाक कंही पर बिकता होता तो वे जरूर बेचते। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार केवल उन गरीब किसानो के लिए परचेज करती है जिनका सुपोर्ट प्राइज से ताल्लुक है।

श्री कंवल सिंहः क्या आपका फाईन क्वालिटी से ताल्लुक नही है।

श्री जसवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, ग्रेड वन मे 8–10 वैरायटी होती है। जो ग्रेड वन वैरायटी है उसमे 520 का सुपोर्ट प्राइस सरकार देती है। वह भी अच्छी क्वालिटी है। सारा दे ा उसी का खाता है अध्यक्ष महोदय, हम इनके सुझाव को अमल मे लाने के लिए पूरी कोि ा ा करेगे।

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये कोि ा ा क्या करेगे किसान तो लुट गया।

श्री जसवंत सिंहः मै आपको हरियाणा के किसानो की बात बताता हू। इस बार 19 लाख टन किसानो की पैडी मण्डियो मे आकर बिकी है।

श्री कंवल सिंहः यह सब कागजो की बात है।

श्री जसवत सिंहः यह कागजो की बात नही है। आप पहले हमारी बात तो सुने बीच मे ही बोल पडते है। (विघ्न) जो दूसरी बात इन्होने कही है इस बारे मे मै कहना चाहता हू कि अगर कही भी उस किस्म की बेईमानी हुई तो उस बारे मे हम कार्यवाही करेगे। हमारे डिपार्टमैट के अधिकारियो को कुछ खबर मिली थी कि पजांब के साथ लगती हुई मण्डियो मे हरियाणा से कम कीमत पर पैडी खरीदकर पजांब मे ज्यादा कीमत पर बेची जा रही है। इसकी हमने पूरी इन्क्वायरी करी और इस बात मे कोई सत्य नही मिला। अध्यक्ष महोदय, हिसार, हांसी और जीन्द मे ऐसी कोई बात हो तो हम इन्क्वायरी करेगे और उसमे जो भी दोशी पाया गया उसको सख्त से सख्त सजा देगे।

17.00 बजे

श्री जय सिह राणाः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जो धान के भाव के बारे मे जवाब दिया है हम उससे सन्तुश्ट नही है। ये जो सदन मे सारे सदस्य बैठे हुए है इनमे से बहुत से ऐसे सदस्य है जो कृशि से जुडे हुए है। उन सभी सदस्यो को पता है कि किसानो को जीरी का भाव इस बार पूरा नही मिला है। मुख्यमंत्री जी भी जानते है और आप भी खुद इस बात से पूरी तरह से परिचित हैं। 15 साल पहले ऐसा कभी हुआ हो तो मुझे पता नही है लेकिन 15 सालो मे पहली बार हम ऐसा देख रहे है कि केन्द्र की सरकार ने जो जीरी का भाव निर्धारित किया है उससे कम भाव पर जीरी की बिकरी हुई है और बहुत कम धान सरकारी एजेसियों द्वारा खरीदा गया है। (विघ्न) मै आपके द्वारा मंत्री जी से यही जाना चाहूगां इसके कारण क्या है? पहले हर बार निर्धारित रेट से ज्यादा रेट किसानो को धान का दिया जाता था लेकिन इस

बार ऐसे क्या कारण रहे है कि किसान को उसकी जीरी का पूरा मूल्य नही दिया जा सका? इसके अलावा दूसरा मेरा सवाल बासमती से संबधित है। यह ठीक है कि बासमती का रेट सरकार के द्वारा निर्धारित नही होता लेकिन पिछली बार के आधे से भी कम रेट पर बासमती धान बिका है। क्या सरकार ऐसे कदम उठाएगी, ऐसे प्रयत्न करेगी कि किसाना को उसकी उपज का पिछले साल जितना रेट मिले ?

श्री जसवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो ये कह रहे है क्या सरकार इसके रीर्जज बताएगी कि क्यो धान कम बिकी लेकिन जब धान कम बिका ही नही तो रींजंज क्या होग। इनकी बात सत्य नही है लेकिन ये जो कहना चाह रहे है उसके बारे मे मै इनको बताना चाहूगा।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, ये ठीक जवाब नही दे रहे है। मुख्यमंत्री जी भी मेरी बात से सहमत होगे। इसलिए मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से इस बारे मे जानना चाहूंगा क्योकि इनके सारी बात का पता है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इस प्र ान पर बहुत चर्चा भी है और विवाद भी है हरियाणा सरकार ने किसानो को सपोर्ट प्राइस के लिए का्फी कुछ किया है। किसाना को सपोर्ट प्राईस से नीचे भाव न मिले इसके लिए 6 की 6 एजेसिंया मार्किट मे धान की खरीद के लिए आयी है और अगर आप पिछले साल के हिसाब से देखे तो उसके मुकाबले मे हमारी इन एजेसियो ने इस साल ज्यादा धान की खरीददारी की है। मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि 12.10.1998 तक 12323 टन धान खरीदी गयी थी जो कि तीन प्रति ात बैठती है और इस बारे 12.10.1999 तक 141418 टन धान खरीदी गयी है। यानी इस बार 21 परसैट धान खरीदी गयी है। पिछले वर्श 1998 मे पूरे सीजन मे उस सरकार ने केवल एक लाख 12 हजार टन धान खरीदी थी जो कि 7 प्रति ात बैठती है जबकि हमारी

सरकार ने 13.11.1999 तक तीन लाख 42 हजार 937 टन धान खरीदी है जबकि अभी तो सीजन और भी बाकी है और खरीदी जा रही है। यह 22 प्रति ात बैठती है। हम यह बात भी मानते है कि मंदा हुआ है लेकिन जैसे जय सिंह राणा कह रहे है कि मै इनको बताना चाहूंगा कि इस तरह की कही कोई बेकायदगी नही हुई। केवल एक ही केस हमारे नोटिस मे आया था कि पेहवा मार्किट कमेटी के सैक्रेंटरी ने कुछ बेकायदगी की है उसी दिन सरकार ने उसको सस्पैड किया है। अध्यक्ष महोदय, मै सदन को आ वासन देना चाहता हू कि यदि किसी भी सरकारी अधिकारी ने ऐसी कोई बेकायदगी की होगी जिससे किसान का नुकसान हुआ हो तो सरकार उसके खिलाफ तुरंत ऐक ान लेगी और उसकी इंक्वायरी करवाएगी। इंक्वायरी मे यदि कोई दोशी पाया जाएगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। मंदा है इसमे कोई भाक नही है। आज जीरी 800–900 रूपये प्रति क्विंटल के भाव पर बिक रही है। फिर आप मंदी की बात पर आते है। आप लोग इस बात की सराहना नही करते कि हमने किसान को गन्ने का भाव 110 रूपये प्रति क्विंटल की दर से दिया है। जिस चीज का भाव तय करना हमारे अख्तियार मे है हमारे अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत आता है उस चीज के भाव से हमने किसान को अधिक से अधिक लाभ पहुचाने की कोि ा ा की है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह, आपके समय मे गन्ने का भाव एक एक रूपये प्रति क्विंटल की दस से बढाया जाता था और उस पर भी किसानो पर लाठिया बरसाई जाती थी, पानी के फव्वारे की छोडे जाते थे। क्या आप इस बात को मानते है कि नही मानते है। आप भी ऐसी बात करेगे। क्या आपके समय किसानो पर लाठिया नही बरसाई गई थी। आपको इस सरकार की नीतियो की सराहना करनी चाहिए जो कि किसानो की हितैशी है। हमारे खून का एक एक कतरा किसान के प्रति समर्पित है हम दिन रात किसानो के हित की बात सोचने मे लगे हुए है। हम दिखावा नही करते है। आप यहां आकर किसानो के हमदर्द और हितेशी बन जाते है और जब जनता के बीच मे जाते है तो जनता आपको

धूल चटा देती है इसलिए आप लोगो से निवेदन है कि आप थोडी तसल्ली रखा करो।

एक आवाजः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी इस बार मे पूछना है।

श्री अध्यक्षः इस मुद्दें पर सभी प्र ान पूछे जा चुके है और लीडर आफ दि हाउस ने इस बारे मे अपनी बात भी कह दी है। इसके बारे मे यदि किसी सदस्य ने कुछ और पूछना है तो वह लिखकर भेज दे।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बारे मे अपनी बात कहने का मौका दे। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हू कि माननीय मुंख्यमंत्री जी ने जो जवाब इस बारे मे दिया है मै उस जवाब से सतुश्ट नही हू। धान की खरीद के बारे मे जो आंकडे दिए गए है उनमे यह कहा गया है कि पिछली बार से ज्यादा धान इस बार सरकारी एंजेसियो ने खरीदी, यह ठीक है लेकिन उस खरीद से किसान बर्बाद हुआ है और यह कैसे हुआ है यह मै बताना चाहता हू। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछे। स्अेटमैंट न दे।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः हर्श कुमार जी जो कुछ रहे है उसे रिकार्ड न किया जाए। हर्श जी, आप सीधे सवाल पूछना चाहते है तो पूछ ले अन्यथा बैठ जाए।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मै सीधे सवाल पूछ लेता हू। मेरा सवाल यह है कि अब की बार बारि ा न होने के कारण पैडी की फसल पकने तक पर्याप्त मात्रा मे नही था जबकि पिछली बार अधिक बारि ा होने के कारण किसान को बरसात के खडे पानी के अन्दर ही पैडी काटनी पडी इसलिए उस पैडी मे

माइ चर बहुत ज्यादा था। अब की बारी पर्याप्त मात्रा मे पानी ही नही थ तो धान मे मांइ चर कहां से आ गया ?(विघ्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः श्री छतरसिंह चौहान जब इस सदन के स्पीकर थे उस समय धनाना गांव के कुछ लोग इनके पास किसी काम के लिए आये (विघ्न) आप किस्सा तो सुने। (विघ्न)

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, यह कोई जवाब नही है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः आप किस्सा तो सुने। मै धनाना से धान पर आ रहा हू। धनाना गांव के कुछ लोग आये। उन्होने किसी काम के लिए कहा तो श्री छत्तर सिंह चौहान जो कि सत्ता के न ो मे थे, ने उन लोगो को कहा कि कि काम वाम छोडो चने खाओ और पानी पीओ। उन्हे क्या पता था कि इनती जल्दी चुनाव हो जाएगे और उन्हे, उन्ही लोगो के बीच जाना पडेगा। चुनावो के दौरान जब वे धनाना गांव मे गये तो तो पहले तो इनका चने खिलाए फिर गुड खिलाया और उसके बाद लोगो ने कहा कि अब पानी पीओ। उसके बाद सारे धनाना गांव ने जलूस निकालना भाुरू कर दिया। यह हालात इन लोगो की गांवो मे आज है।

प्रो0 छत्तर सिहं चौहानः अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल निराधार बात है। (विघ्न)

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, यह मेरे प्र ान का जवाब नही है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः हर्श कुमार जी आप बैठिए। जो हर्श कुमार बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री जसवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै अपने सम्मानित साथी को बताना चाहता हू कि किसी भी किस्म की ि ाकायत जो

कि चावल की खरीद संबंधी हो हमारे नोटिस मे लाएं। हम उसकी पूरी इंक्वायरी करायेगे और किसी प्रकार की कमी होगी तो दोशी पाये जने वाले व्यक्ति के खिलाफ कडी से कडी कार्यवाही करेगे।

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हाउस की एक कमेटी बना दी जाए और वह कमेटी इस चावल की खरीददारी संबंधी जांच स्वय कर ले।

श्री अध्यक्षः कंवल सिंह आज बैठिए।

श्री जसवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि जो सरकार ने धान की सुपोर्ट प्राइस रखी है उस सुपोर्ट प्राइस से ऊपर जो धान की खरीद हुई है वह 59 प्रति ात है।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, ठीक है कि धान की खरीद 59 प्रति ात सुपोर्ट प्राइस से ऊपर हुई लेकिन व्यापारियो ने किसानो से सस्ते दामो पर धान की खरीद करके सरकार की एजैसियो को मारजिन दिया और बाकी मारजिन व्यापारियो ने खुद लिया।

श्री अध्यक्षः हर्श कुमार जी आपके पास इस बारे मे कोई ि ाकायत है तो आप लिखकर दे दे। मंत्री जी आपका उसका जवाब दे देगे।

कैप्टन अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपमे माध्यम से मंत्री से पूछना चाहूगा कि (1) सरकारी एजैसी या सैन्ट्रल एजैसिज धान की फसल आने पर कितने दिनो तक धान की खरीद करने आई (2) आपने जो जवाब मे बताया कि 22 प्रति ात धान परचेज किया तो कौन कौन सी एजैसियो ने और कौन कौन सी मडियो ये यह धान परचेज किया कौन कौन सी वैरीायटीज खासतौर से कुरूक्षेत्र और करनाल जो कि धान का केन्द्र है परचेज की और कौन सी एजैसिया ने परचेज किया। (विध्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै पुन हाउस को आ वासन दिलाता हू कि कोई भी इस सदन का सदस्य या हरियाणा प्रदे ा का कोई भी व्यक्ति यदि लिखित मे कोई ि ाकायत करता है तो हम उसकी इन्क्वायरी करवाऐगे और जो दोशी पाया जाएगा, उसके खिलाफ एक ान लिया जाएगा।

वाक आउट

कैप्टन अजय सिंहः मंत्री जी जो ध्यानाकर्शण प्रस्ताव का जवाब दिया है, उससे हम सुतश्ट नही है इसलिए एज ए प्रौटैस्ट सदन से वाक आउट करते है।

श्री मनी राम गोदाराः स्पीकर साहब, हम भी एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आऊट करते है।

(इस समय हरियाणा विकास पार्टी और इंडियन नै ानल कांग्रेस के सदन से उपस्थित सभी माननीय सदस्यो ने सदन से वाक आउट किया।)

घोशणाए

(क) अध्यक्ष द्वारा

(i) सभापतियो के नामो की सूची

श्री अध्यक्षः हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कडंक्ट आफ बिजनैस के रूल (1) के अनुसार मै निम्नलिखित सदस्यो से पैनल आफ चेयरपर्सन के लिए मनोनित करता हू।

1. श्री कृण्ण लाल
2. श्री गणे ाी लाल
3. श्रीमती करतार देवी
4. श्री रामभजन अग्रवाला

(ii) याचिका सूची

श्री अध्यक्षः हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कडंक्ट आफ बिजनैस के रूल 303 (1) के अनुसार मै निम्नलिखित सदस्यो से पैनल आफ चेयरपर्सन के लिए मनोनित करता हू।

1.	श्री फकीर चन्द अग्रवाल, उपाध्यक्ष	पर्दन चेयरपर्सन
2.	श्री कृश्ण लाल	सदस्य
3.	श्री नफे सिंह राठी	सदस्य
4.	श्री नारायण सिंह	सदस्य
5.	श्री सतविन्द्र सिंह राणा	सदस्य

श्री अध्यक्षः अब सचिव महोदय, घोशणाए करेगे।

(ख) सचिव द्वारा

(i) राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो सबंधी

Secretary: Sir, I beg to lay on the table a statement showing the Bills which were passed by the Haryana Legislative Assembly during its Sessions, held in January and Jund, 1999 and have since been assented to by the President/Governor.

Statement

January Session, 1999

1. The Haryana Private College (Taking over of Management) Amendment Bill, 1999.

2. The Haryana Municiapal (Amendment) Bill, 1999.

3. The Haryana Municiapal Corporation (Amendment) Bill, 1999

June Session, 1999

1. The Haryana Rural Development (Amendment) Bill, 1999.

2. The Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 1999

(ii) सविधान (84वां स ोधन) विधेयक, 1999 के अनुसमर्थन संबधी

Secretary: Sir, I beg to lay on the table of the House a copy each of the following documents received from the Council of States regarding the ratification of the Consitution (Eighty Fourth Amendment) Bill, 1999:-

(i) Letter dated 4th November, 1999, received form the Secretary General, Rajya Sabha, New Delhi.

(ii) The Constitution ((Eighty Fourth Amendment) Bill, 1999 (English Version) as introduced in the Lok Sabha.

(iii) The Constitution (Eighty Fourth Amendment) Bill, 1999 (English Version) as passed by the House of Parliament.

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना

श्री अध्यक्षः मै अब विभिन्न कार्य के बारे मे बिजनैस एडवाइजरी कमेटी द्वारा नियत किया गया टाइम टेबल रिपोर्ट प्रस्तुत करता हू।

समिति की बैठक सोमवार, 15 नवम्बर, 1999 को 11.00 बजे अग्र मध्याहन् माननीय अध्यक्ष महोदय, के चैम्बर मे हुई।

समिति ने सिफारि ा की सभा की बैठक सोमवार, 15 नवम्बर, 1999 को 2.00 बजे मध्याहन प चात आरम्भ होगी तथा 6.30 बजे सांय बिना प्र ान रखे स्थगित होगी तथा मंगलवार 16 नवम्बर, 1999 को 9.30 बजे प्रात आरम्भ होगी तथ उस दिन की कार्य सूची मे दिए गए कार्य की समाप्ति के प चात स्थगित होगी।

कुछ चर्चा के प चात समिति ने यह भी सिफारि ा की कि 15 नवम्बर तथा 16 नवम्बर, 1999 को सभा द्वारा निम्नानुसार कार्य किया जाएगा।

सोमवार, 15 नवम्बर, 1999 (2.00 बजे मध्याहन् प चात)

1. भाोक प्रस्ताव

2. प्र नोतर काल

3. कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोटी प्रस्तुत करना तथ स्वीकार करना।

4. सदन की मेज पर रखे जाने वाले/पुनः रखे जाने वाले कागज पत्र।

5. वि ोशधिकार समिति के प्रारभिंक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा उन पर अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना।

6. वर्श 1999–2000 के लिए अनुपूरक अनुमान (पहली कि त) प्रस्तुत करना, चर्चा तथा मतदान तथा उन पर प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

7. वर्श 1994–95 के अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मांगे प्रस्तुत करना।

8. सरकारी संकल्प।

मंगलवार, 16 नवम्बर, 1999 (9.30 बजे प्रातः)

1. प्र नोतर काल 9.30 बजे प्रातः

2. निरन्तर बैठक सम्बन्धी नियम 15 के अधीन प्रस्ताव।

3. अनि ि च काल तक सभा के सिगन सम्बन्धी नियम 16 के अधीन प्रस्ताव।

4. सदन की मेज पर रखे जाने वाले कागज पत्र, यदि कोई हो।

5. वर्श 1994–95 के अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मांगे पर चर्चा तथा मतदान।

6. वर्श 1994–95 के अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मांगो के सबंन्ध मे हरियाणा विनियोग विधेयक।

7. वर्श 1999–2000 के लिए अनुपूरक अनुमान के सम्बन्ध मे हरियाणा विनियोग विधेयक।

8. विधान कार्य।

9. कोई अन्य कार्य।

अब संसदीय कार्य मंत्री यह प्रस्ताव करेगे कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट मे दी गई सिफारि ाो से सहमति प्रकट करता है।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि वह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट मे दी गई है सिफारि ाो से सहमत करता है।

श्री खु र्शिद अहमदः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि इस समय 5.20 हो चुके है और आपने हाउस का समय 6.30 बजे तक रखा है। इसलिए नो कांफिडैस मो ान कल लाया जाये और अमैडमेंट करके हाउस को परसो तक के लिए एक्सटैड किया जाए ताकि सभी सदस्य अपने विचार प्रकट कर

सके। (विघ्न) वैसे भी आज सभी मैबर्ज थके हुए सफर करके आये होगे। ज्यादा देर तक उनके लिए बैठना मुि कल होगा। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी चौधरी खु र्शिद अहमद जी न हाउस को परसो तक एक्सटैड करने की बात कही है। स्पीकर साहब, जब हाउस एडजर्न होता है और उसके बाद प्रोराग्यू हो जाता है तो उसके अगले दिन ही विपक्ष के सदस्य अगले सत्र के लिए प्र ान तला ाने भुरू कर देते है कि कहां पर सरकार को काबू किया जाए। लेकिन हमारे जो विपक्ष के भाई है वे तो स्टेट के इंट्रस्ट के प्रति सीरियस ही नही है और ये लोग एक दिन आगे तक सत्र चलाने की बात करते है। स्पीकर साहब, यह रिकार्ड की बात है आज सिर्फ सात प्र ान लगे है और कल चार प्र ान लगे है। हमारे यहां विपक्ष के भाई अपने काम के प्रति सीरियस ही नही है। स्पीकर साहब, कुछ मैबर्ज साहिबान ने कहा कि उन्होने प्र ान दिये थे लेकिन लगे नहीं। मै उनको बताना चाहूगा कि प्र ान लगावाने के लिए 15 दिन का नोटिस देना होता है और यह रूल हमने नही बनाया बल्कि यह रूल चौधरी छत्तर सिंह चौहान जब वे स्पीकर थे, और चौधरी बीरन्द्र सिंह जी भी कमेटी के मैबंर थे उन्होने बनाया था। इस समय वे यहा पर बैठे नही है। स्पीकर साहब, इस बार केवल 15 दिन के नोटिस मे 11 प्र ान आये है और वे सभी लग भी गये। मेरे विपक्ष के भाई हाउस की प्रोसीडिंगज के प्रति, हाउस मे कंट्रीब्यूट करने के प्रति और हरियाणा प्रदे ा के इट्रस्ट के प्रति सीरियस ही नही है। इससे पता चलता है कि मेरे विपक्ष के भाई इस हाउस को कितने लूकवार्म एटीच्यूट से ले रहे है। स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री ने यह बहुत ही अच्छा काम किया कि इन्होने विंटर सै ान बुलाया, वरना यह विंटर सै ान बुलाने का रिवाज ही खत्म हो गया था। पिछली सरकार ने तो बजट अधिवे ान भी जनवरी मे बुलाया था और वह भी इन्होने इसलिए बुलाया कि 6 महीने का समय पूरा होने वाला था क्योकि संविधान मे प्रोविजन है कि 6 महीने मे विधान सभा का एक बार सै ान जरूर होना चाहिए। स्पीकर साहब, हमारे

मुख्यमंत्री महोदय ने बडी फराखदिली से यह विंटर सै ान इसलिए बुलाया कि हाउस मे कुछ प्र ान आयेगे और उनका कुछ समाधान निकलेगा। स्पीकर साहब, हम भी जनवरी तक का समय लगा सकते थे अभी 6 महीने का समय पडा था। हमने सै ान इसलिए बुलाया था कि मेरे विपक्ष के भाई कुछ प्र ान रखेगे और उनका समाधान निकलेगा। लेकिन बडे अफसोस की बात कि मेरे विपक्ष के भाईयो ने अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से नही निभाई और उनके पास सवाल ही उठाने के लिए नही है। स्पीकर साहब, मुझे लगता है कि लोक सभा के चुनाव प्रणामो से इनका मानसिंग ढांचा ही बदल गया है। मै इन माननीय साथियो को कहना चाहूगा कि आगे फिर सै ान आयेगा उसमे अगर इनकी मानसिकता बदल जाए तो उसमे ये प्र ान उठा लेगे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री खु र्शीद अहमदः अध्यक्ष महोदय, क्या तब तक इनकी सरकार चल पायेगी।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै विपक्ष के भाईयो को बताना चाहूगा कि चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी की सरकार बजट सै ान लेकर आयेगी और मै वित्त मंत्री के रूप मे बजट पे ा कंरूगा। मेरे विपक्ष के भाईयो को पूरी छूट मिलेगी, वे जो भी जानकारी चाहेगे वह उनको मिलेगी और आज भी इनको पूरी छूट है। स्पीकर साहब, आपने जो परम्परा इस हाउस मे चलाई है वह अपने आप मे एक इतिहास है। आपके सामने जितनी भी कांलिग एटै ान मो ांज आई है। अपने आप मे एक इतिहास है। आपके सामने जितनी भी कांलिग एटै ान मो ांज आई है आपने सबको एडमिट किया है। स्पीकर साहब, आपने नो काफिडैंस मो ान भी विदाउट एनी डिस्क ान के एडमिट कर लिया लेनिक आपसे पहले ऐसा नही होता था। पहले तो यहां पर बहुत बुरी हालत थी। आपने इतिहास रचा। वरना यहां पर हालत यह थी कि रोज नेम कर दिया जाता था, रोज सदस्यो को सस्पैड कर दिया जाता था और कोई ध्यानाकर्शण प्रस्ताव मूव नही किया जाता था।

अवि वास प्रस्ताव को एडमिट कराने मे लग जाया करते थे। चौ0 खु र्शिद अहमद जो यंहा बैठे है इनको भी मालूम है। जबकि आज आप कितने ही लिबरली तरीके से हाउस की कार्यवाही चलवा रहे है जिसके लिए मै आपको मुबारकबाद देता हू। सरकारे तो बनती रहती है और सभी पार्टीयो आती जाती रहती है। लेकिन इस अध्यक्ष की कुर्सी पर पदासीन होने उपरान्त जिस तरीके से आपने इस चेयर की गरिमा को बढाया है उसके लिए बकायदा मै आपकी तारीफ करता हू और बिना किसी बिजनैस के भी दो दिन का सै ान का टाइम रखा है। नो काफीडैंस मो ान आएगा यह तो हम पहले से जानते थे क्योकि जिस तरीके से विभिन्न पार्टियो ने अखबारो मे डिकलेयर कर दिया था कि We will move no confidence motion. इसलिए हम भी चाहते थे कि नोन काफीडैस मो ान आए ताकि हमे पता चले सके कि ये लोग क्या कहना चाहते है। जो सदस्यो की संख्या की बात थी उसके बारे मे तो मुख्यमंत्री महोदय ने भ्रारू मे ही कह दिया गया था कि आईए और संख्या नापनी है तो नाप लीजिए। लोगो ने तो इनकी संख्या नाप दी। इन्होने तो एडी से लेकर चोटी तक अपना जोर लगा दिया फिर भी लोगो ने इनको नाप दिया। अब ये विधानसभा मे भी सख्ंया नापना चाहते है तो नपवा ले उसके लिए भी हम तैयार है लेकिन सै ान का दो दिन का टाइम बहुत है। पार्लियामेन्ट मे भी सै ान होते है और वहां तो चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी रहे है और खु र्शिद अहमद जी भी रहे है इनको पता है कि वहां रात भर बल्कि सुबह तक भी सै ान चले हे।

WE are prepared to listen you and you should also be prepared to listen our reply.

इसलिए पूरा टाइम इनके पास है। यदि आव यकता होती हो हम सै ान का टाइम तीन दिन तो क्या सात दिन तक भी बढाने के लिए कह सकते थे लेकिन बिना किसी बिजनैस के पब्लिक मनी को वेस्ट करने का कोई फायदा नही हैं पैसा पब्लिक एक्सचैकर से आता है न कि गवर्नमैट एक्सचैकर से। इसलिए जो

कुछ भी ये कहना चाहते है, खुलकर कहे उनके जवाब हमारे पास तैयार है। इसलिए मै चाहूंगा कि मेरी इस रिक्वैस्ट को एक्सैप्ट किया जाए। और सै ान का टाइम और न बढाया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र ान हैः—

कि सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट मे दी गई सिफारि ाो से सहमत है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गये कागज पत्र

श्री अध्यक्षः अब एक मंत्री सदन की मेज पर कागज पत्र ले/रिल करेगे।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

The Punjab Scheduled Roads and Controlled Areas Restriction of Unregulated Development (Haryana Second Amendment) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 3 of 1999)

The Haryana Municipal Corporation (Second Amendment) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 3 of 1999)

The Haryana Municipal Corporation (Second Amendment) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 3 of 1999)

Sir, I also beg to relay on the table-

The Power Department Notification No. S.O 106/H.A- 10/98/S/23, 24, 25/98 dated the 14th August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Power Department Notification No. S.O 111/H.A- 10/98/S.55/98 dated the 16th August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Prohibiton, Exices and Taxation Department Notification No. G.S.R 35/H.A 20/73/S.64/99, dated the 31st March, 1999, regarding the Haryana Gereral Sales Tax (First Amendment) Rules, 1999, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Prohibiton, Exices and Taxation Department Notification No. G.S.R 47/H.A 20/73/S.64/99, dated the 18th May, 1999, regarding the Haryana Gereral Sales Tax (Second Amendment) Rules, 1999, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Power Department Notification No. S.O 156/H.A- 10/98/S.23/24, 25/98 dated the 1st July, 1999 as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

Sir, I also beg to relay on the table-

The General Administraton Department (General Services) Notification No. G.S.R 70/Cont./Art. 320/Amd. (1) 99, dated the 2nd July, 1999 Haryana Public Services Commission (Limitation of Functions) First Amendment Regulation, 1999 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The Power Department Notification No. S.O 186/H.A- 10/98/S.23/24 and 25/99 dated the 13th August, 1999 as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Power Depatment Notification No. S.O 213/H.A 10/98/Ss 23,24 and 55/99, dated the 15th October, 1999 as required under Section 55(3) of the Haryana Electircity Reform Act, 1997.

The Audit Report of Haryana Financial Corporation for the year 1996-97 as required under Section 37(7) of the State Financial Corporation Act, 1951.

The 31th Annual Report of the Haryana State Small Industries & Export Corporation Limited for the Year 1997-98 as required under section 619-A (3) (b) of the Companies Act, 1956.

The Annual Financial Accounts of Haryana Khadi and Village Industiries Board for the Year 1996-97, as required under Section 19- A(3) of the Comprtoller and Auditor General of India (Duties, Powers and Condituions of Service) Act, 1971.

The Annual Report of Haryana State Pollution Control Board for the yera 1995-96, as required under Section 39 A(3) of the Water Prevention and Control of Pollution Act, 1971.

The 26th Annual Report of the Tanneries Limited for the Year 1997-98 as required under section 619-A (3) (b) of the Companies Act, 1956.

The 24th Annual Report of the Haryana Concasl Limited for the Year 1997-98 as required under section 619-A (3) (b) of the Companies Act, 1956.

The 31st Statment of Accounts of the Haryana State Electricity Board for the Year 1997-98 as required under section 69 (5) (a) of Electricity (Supply) Act, 1948.

The Annual Statement of Acconts of the Housing Board Harynana for the Year 1994-95, 1995-96 and 1996-97, as required sub Section (3) of Section 19-A of the Comprtoller and Auditor General of India (Duties, Powers and Condituions of Service) Act, 1971.

The Finance Accounts of the Government of Haryana for the year 1997-98 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Appropriation Acconts of the Govenment of Haryana for the year 1997-98 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Report of the Comprtoller and Auditor General of India for the year ended March, 1998 No. 3 (Civil) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Cluse (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Report of the Comprtoller and Auditor General of India for the year ended 31 March, 1998 No. 3 (Commercial)

of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Cluse (2) of Article 151 of the Constitution of India.

वि ोशाधिकार मामलों के संबंध में वि ोशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

(i) श्री भजन लाल, भूतपूर्व एम0एल0ए0 के विरूद्ध

श्री अध्यक्ष: अब वि ोशाधिकार कमेटी के चेयरपर्सन, श्री नृपेन्द्र सिह 22–11–1996 को इडियंन एक्सप्रैस मे प्रकाि ात कांग्रेस विधान मण्डल दल के भूतपूर्व नेता श्री भजन लाल, तथा भूतपूर्व विधायक द्वारा विधान तथाप्रैस लाबी/विश्राम कक्ष मे चेयर अर्थात भूतपूर्व माननीय अध्यक्ष प्रो0 छत्तर सिंह चौहान के आचरण तथा निश्पक्षता पर गम्भीर लांछन लगाने तथा चेयर की प्रतिश्ठा को नीचा दिखाने के लिये दुराग्रहपूर्वक तथा सोच समझकर उनके विरूद्ध अप्रतिश्ठाजनक कथन प्रयोग करने के कारण उनके विरूद्ध अभिकथित वि ोशधिकार भंग करने का प्र ान सदन द्वारा वि ोशधिकार समिति को 22–11–1996 को निर्दिश्ठ किया गया, के इ ू पर कमेटी की सातवी रिपोर्ट पे ा करेगे।

Shri Narpender Singh (Chairperson, Committee of Pricvileges): Sir, I beg to present the Seventh Preliminary Report of the Committee of Privileges on the Matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Shri Jagan Nath, the then Minister against Shri Bhajan Lal, Ex M.L.A and former Leader of the Congress Legislature Party, who made a press statement in the Press Lobby/Lounge in the Haryana Vidhan Sabha casting serious reflection on the conduct and impartiality of the Chair i.e former Hon'ble Speaker, Prof. Chhatter Singh Chauhan, and using very derogatory remarks against him wilfully and deliberatley with a malictious motive in order to lower down the dignity of the Chair as published in the Indian Express on 22-11-1996.

Sir, I beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि सदन को अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढाया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र ान है–

कि सदन को अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढाया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(ii) इडियंन एक्सप्रैस के सवांददाताए सम्पादकए प्रका ाक तथा मुद्रक के विरूद्ध

श्री अध्यक्षः अब वि ोशाधिकार कमेटी के चेयरपर्सन, श्री नृपेन्द्र सिह 22–11–1996 को इडियंन एक्सप्रैस मे प्रकाि ात कांग्रेस विधान मण्डल दल के भूतपूर्व नेता श्री भजन लाल, तथा भूतपूर्व विधायक का वक्तव्य जिसमे चेयर की निश्पक्षता, आचरण तथा चरित्र पर लांछन लगाने का वक्तव्य जिसमे अप्रतिश्ठाजनक कथन सदन मे अपने संसदीय कर्तव्यो के निर्वहन मे चेयर की गभीर निंदा करना तथा जिससे लोगो की नजरो मे चेयर की प्रतिश्ठा तथा गोरव को नीचा दिखाना भाामिल है, को प्रकाि ात करने उनके विरूद्ध अभिकथित वि ोशधिकार भंग करने का प्र ान सदन द्वारा वि ोशधिकार समिति को 22–11–1996 को निर्दिश्ठ किया गया, के इ ा पर कमेटी की सातवी रिपोर्ट पे ा करेगे।

Shri Narpender Singh (Chairperson, Committee of Pricvileges): Sir, I beg to present the Seventh Preliminary Report of the Committee of Privileges on the Matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Shri Jagan Nath, the then Minister Correspondent, Editor, Publisher and Printer of the Inidian Express for publishing the

statement of Shri Bhajan Lal, Ex M.L.A containing derogatory remarks which cast serious aspersions on the impartiality, character and conduct of the Chair in discharge of his parliamnetary duties on the floor of the House as this act has lowered the prestinge and dignity of the Chari in eyes of the publis in the issue of Indian Express on 22-11-1996.

Sir, I beg to move-

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि सदन को अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढाया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र ान है–

कि सदन को अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढाया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

वर्श 1999–2000 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना

श्री अध्यक्षः अब वित्त मंत्री जी वर्श 1999–2000 के लिए अनुपूरक प्रस्तुत करेगे।

Finacne Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to present the Supplementary Estimates for the year 1999-2000.

प्रावकलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

श्री अध्यक्षः अब श्री रामपाल माजरा, एस्टिमेट्स कमेटी के एक्टिंग चेयरपर्सन वर्श 1999–2000 के लिए अनुमानो पर प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करेगे।

Shri Ram Pal Majra(Acting Chariperson, Committee on Estimates): Sir, I beg to present the Report of

the Committee on Estimates on the Supplemetary Estimates 1999-2000.

वर्श 1999–2000 के अनुपूरक अनुमानो पर चर्चा तथा मतदान

श्री अध्यक्षः वर्श 1999–2000 के सप्लीमैटंरी ऐस्टिमेटस (फर्स्ट इंस्टालमैंट) की डिमांड ओवर ग्राटंस पर डिस्क ान होगी। पूर्व प्रथानुसार और हाउस का समच बचाने के लिए आर्डर पेपर पर रखी गई सभी डिमाडंज ओवर ग्राटंस एक साथ पढी तथा पे ा की गई समझी जांएगी। माननीय सदस्य किसी डिमांड पर डिस्क ान कर सकते है लेकिन बोलते समय उस डिमाड का नम्बर बता दे जिस पर वह बोलना चाहते है।

कि एक अनुपूरक धनरा ि ा जो राजस्व खर्च के लिए 70246000 रू0 से अधिक न हो, मांग संख्या 10 चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य के संबंध मे 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाली वर्श के भुगतान के क्रम मे आने वाले खर्चो को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान ही जाए।

कि एक अनुपूरक धनरा ि ा जो राजस्व खर्च के लिए 23840000 रू0 से अधिक न हो, मांग संख्या 11 भाहरी विकास सबंध के संबंध मे 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाली वर्श के भुगतान के क्रम मे आने वाले खर्चो को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान ही जाए।

कि एक अनुपूरक धनरा ि ा जो राजस्व खर्च के लिए 20000000 रू0 से अधिक न हो, मांग संख्या 13 समाज कल्याण तथा पुनर्वास के संबंध मे 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाली वर्श के भुगतान के क्रम मे आने वाले खर्चो को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान ही जाए।

श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां): स्पीकर साहब, मै डिमाड नम्बर 13 जो समाज कल्याण तथ पुनर्वास के बारे मे कहा है के बारे मे अपने विचार प्रकट करना चाहता हू। चौटाला साहब,

की सरकार तीन या साढे तीन महीने पहले बनी है। (**इस समय सभापतियो की सूची मे से एक माननीय सदस्य श्री कृश्ण लाल पदासीन हुए।**) इन्होने 25 तारीख को हिसार मे यहा घोशणा की थी कि ि ाड्यूल्ड कास्टस और कि ि ाड्यूल्ड ट्राइब्स की जो हमारी बहन बेटिया है उनकी भाादी के वक्त 5100 रूपये कन्यादान के रूप मे सरकार की तरफ से दिए जाएगे। सभापति महोदय, सामाजिक तौर पर जो भी हमारे समाज मे पिछली सदियो से जो वर्ग दलित रहा है, उसका भाोशण होता रहा है। इस वर्ग को आजादी के बाद बहुत से अधिकारी दिए गए ताकि उनको अपना जीवन स्तर ऊपर उठाने का मौका मिले। यह मौका चाहे उनके रिजर्वे ान के माध्यम से हो या विधान सभा, पंचायत के चुनाव या पार्लियामैट मे स्थान दिये जाने हो या नौकरियों मे उनको सुविधा दी गई है, यह सब उनके उत्थान के लिए किया गया है। 50 साल की आजादी के बाद का जो समय है उसमे सामाजिक तौर पर सरकार चाहे वह किसी भी दल की रही हैै एक जिम्मेवार समझा और इस दि ाा मे उनकी प्रगति के लिए संविधान मे समय समय पर स ाोंधन किया गया। जब संविधान लागू हुआ था तो उस वक्त उनको यह सुविधा पहले 10 साल के लिए दी गई थी। लेकिन बाद मे उनको बेहतर सुविधाएं दिये जाने हेतु समय समय पर सविंधान मे स ाोधन होता रहा। मेरा कहना यह है कि पिछले दिनो सविधान मे सं ाोधन हुआ। अब उसकी रैटिफीके ान हो रही है। मै यह जानना चाहूगा कि जो रैटिफिके ान आज आ रही है क्या यह इसी वर्ग संबधित है या दूसरी है (विघ्न) I want to draw your attention that when the resolution for ratification of Constitiution Amendment Bill will come for discussion, we will also speak on that. मेरा तो सिर्फ यह कहना है कि क्या वह रैटिफिके ान उसी से संबधित है या नही।

प्रो0 सम्पत सिंहः चौधरी साहब, वह बिजैनस तो बाद मे आएगा। अभी तो केवल सप्लीमेन्टरी एस्टिमेटस है इन पर ही आप

कहे। जिस समय वह आएगा उस समय आपके जो सुझाव होगे उनको ले डाउन कर देगे।

श्री बीरन्द्र सिंहः मै तो सिर्फ यह जानना चाहता हू कि आज जो रैटिफिके ान सविंधान स ाोधन के बारे मे आ रही है क्या वा पिछडे वर्ग के लोगो को सुविधा दिए जाने वाली है या और कोई है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अभी वह मुद्दा नही आया है। जब आयोगा तब बता देगे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः सभापति महोदय, सामाजिक तौर पर, आर्थिक तौर पर जो जो वर्ग पिछडे हुए है उनको 5100 रूपये देने का प्रावधान सरकार ने किया है। पिछडे वर्ग का जो भाोशण होता रहा है उनको सहायता पहुचाने के लिए सरकार संविधान मे 10–10 वर्श के बाद उनको सुविधा देने वाली धारा मे बढौतरी करती रही है यानि उनको सुविधा देने की मियाद को बढाया है चाहे वह महिला वर्ग हो या कोई पिछडा वर्ग ही है। इसी प्रकार से जो एनाउसमैट की गई है वह पापुलस बात है कि 5100 रूपये हर उस महिला को दिए जाएगे जो 18 साल की उम्र से ज्यादा उम्र मे भाादी करेगी। सभापति महोदय, मै तो सिर्फ यह जानना चाहता हू कि क्या यह सुविधा गरीबी रेखा से नीचे जो ि ाडयूल्ड कास्ट्स के लोग है उनके परिवारो के लिए ही है या कि सभी ि ाडयूल्ड कास्ट्स के परिवारो पर समान रूप से लागू होगी। दूसरी बात मै यह कहना चाहता हू कि सामाजिक तौर पर चाहे हम इस तथ्य को बे ाक आंख बन्द करके मान ले लेकिन 90 प्रति ात ि ाडयूल्ड कास्टस के परिवारो की बेटियो की भाादिया 18 साल की उम्र से कम उम्र मे होती है। अब तो फिर भी कुछ सुधार हुआ है कि ि ाडयूल्ड कास्टस के परिवारो की लडकियो की भाादियो 14–15 या 16 साल की उम्र तक होने लगी है वरना तो इससे पहले 6–6, 8–8 या 10–10 साल की उम्र मे भाादियो हो जाती थी। मै यहा जानकारी चाहूगा कि क्या 5100 रूपये की आर्थिक

सहायता के तौर पर सारी रा ि ा उन परिवारो को उपलब्ध हो सकेग? मै इसके प्रोसीजरल रैगल की बात कर रहा हू। इस रा ि ा को लेने की जो प्रक्रिया है उसको किस हद तक सरकार ने सिम्पीफाई किया है, किस हद तक बीच बिचौलिए या सरकारी म ाीनरी जो वैल्फेयर डिपार्टमैंट की है, क्लर्क या सर्वेयर कैसे उनको आईडैटिफाई करेगा, पटवारी की रिपोर्ट या तहसीलदार से सर्टिफिकेट लेने की बात है कि यह हरिजन की लडकी है या यह परिवार बिलो पावर्टी या तहसीलदार से सर्टिफिकेट लेने की बात है कि यह हरिजन की लडकी है या यह परिवार बिलो पावर्टी लाईन है, यह कैसे तय होगा? यह सारा प्रोसीजरल रैगल है जिसे सिम्पलीफाई करने के लिए आपने क्या प्रावधान किया है। क्या यह बात है कि 18 वर्श के ऊपर की उम्र मे अगर हरिजन लडकी की भाादी होगी तो उसको 5100 रूपये दिये जाएगे या कोई भार्त है। चेयरपर्सन साहब, आपको भाायद पता होगा कि जिस वक्त पै ान की स्कीम लागू की गई थी उस वक्त किस तरह से लोगो को सर्टिफिकेट लेने के लिए परे ाान होना पडा था। पहले सैकडौ रूपये बरबाद करने पडते थे फिर भी वे वे लोग उस सुविधा से वचिंत हो जाते थें। (विघ्न) चेयरमैन साहब, मै आपके माध्यम से सिर्फ यह बात कहना चाहता हू कि इस स्कीम बिन पोलिसी के बनाना केवल पापुलैरिटी और प्रसिद्धी बढाने के लिए है या गरीब के लिए सही प्रकार से कुछ करने की मन ाा है। जब इस प्रकार की स्कीम को इम्पलीमैट किया जाता है तो गरीब आदमी को एक जगह से दूसरी जगह और दूसरी जगह से तीसरी जगह भटकना पडता है। उसको यह भी पता नही होता की 5100 रूपयें उसे मिलेगी भी या नही मिलेगे लेकिन वह पैसा वसूल करने के लिए उसे जो सर्टिफिकेट देना पडेगा और वह सर्टिफिकेट देने वाले लोग उसको इधर उधर घुमाएगे और काफी घूमने फिरने के बाद भी पक्का नही कि उसको पैसा मिलेगा यहा नही मिलेगा। उस व्यक्ति को इधर उधर घूमना न पडे क्या इसके लिए व्यवस्था की

गई है। अगर ऐसा नही किया गया तो इस प्रकार की स्कीम का कोई औचित्य नही होंगा।

श्री सभापतिः चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी, जो बात आप कह रहे है उसके बारे मे पेपर्ज आपकी टेबल पर पडे है आप उनको देख ले।

श्री बीरेन्द्र सिंहः चेंयरमैन सर, मै आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहता हू कि क्या सरकार ने इस पोलिसी को कार्यान्वित करने के लिए कोई गाईडलाईन्ज दी है जिससे हर व्यक्ति इस लाभ को समान रूप से पा सके और जिससे उसको पूरा पैसा मिल सके और 5100 रूपये पाने के लिए उसे चक्कर काटने से छुटकार मिल सके। ऐसी व्यवस्था अगर होगी तो हम समझेगे कि इससे ि ाडयूल्ड कास्टस के लोगो को कोई फायदा हुआ है वरना तो अगर सरकारी म ाीनरी का दखल रहेगा तो उनका पैसा नही मिलेगा और अगर पैसा मिलेगा भी तो पूरा नही मिलेगा और इस स्कीम से वे लोग पूरा लाभ नही उठा सकेगे। इसलिए मै सरकार का ध्यान इस और आकर्शित करना चाहता हू। सो ाल वैल्फेयर मिनिस्टर जी यह बताए कि इसमे सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करना चाहते है या गरीब परिवारो की वास्तव मे आर्थिक सहायता देने की बात की गई है। (विध्न)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवाला (नरवाना): सभापति जी आपने मुझे बोलने का समय दिया इसलिए मै आपका धन्यवाद करता हू। सभापति जी मै बीरेन्द्र सिंह जी की बात से अपनी बात जोडते हुए मंत्री जी का ध्यान उन अनुपूकर मांगो की तरफ दिलाना चाहूगा जो कि इस सदन मे रखी गई है। मै वि ोशतौर से उस मांग की तरफ जो पेज सात पर इन्होने सर्कुलेट की है। उसमे यह साफ लिखा है कि यह अनुदान केवल उन परिवारो को दिया जाएगा जो गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे है तथा यह सहायता एक परिवार मे केवल दो बेटिया की भाादी तक ही समिति होगी। दो भार्ते मुख्य तौर से मंत्री जी ने इस स्कीम के

अन्दर परपोज की है। 5100 रूपये की रा ि ा प्रदान करने का जो सरकार का विचार है सभापति जी मै उस बारे मे आपके माध्यम से मंत्री जी को कहना चाहूगा कि यह बात सत्य है और सदन के नेता यंहा पर मौजूदा नही है और उन्होने भी यह माना है कि जो गरीबी रेखा का रिकार्ड हरियाणा मे बना है वह न्यायोचित नही है। जिसको आप सारे साधारण भाशा मे पीले कार्ड भी कहते है। चेयरमैन साहब आप खुद भी भुगतभोगी है जब पीला कार्ड सर्वे हो रहा था तो आपने और अन्य सदस्यो ने भी पार्टी से ऊपर उठकर इस बात की चर्चा की थी कि जो गरीब रेखा के कार्ड बने है वे गरीबी का आधार न मानकर बने है। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहूगा कि उनकी दोबारा से जांच करवाई जानी चाहिए। आप अब एस0सीज0 के अन्दर भी दो कैटेगरीज क्रिएट करने जा रहे है। एक वह जो गरीबी रेखा से नीचे है और दूसरे जो गरीबी रेखा से ऊपर है। मान लीजिए कि गरीबी रेखा का रिकार्ड ठीक है। मै तो यह कहता हू कि यह रिकार्ड ही ठीक नही है। क्या मंत्री महोदया, इसका रि सर्वे करवाएगे उसके बाद ही यह स्कीम लागू करेगे या इसी प्रकार लागू करेगे। सभापति जी मै यह मानता हू कि जिनमे बच्चे क्लास दो और क्लास एक मे चले गये है या जो आर्थिक तौर से इनते ऊपर उठ गये हो कि वे इन्कम टैक्स पेयी हो उनको छोडकर 85 प्रति ात जो इन जातियो के लोग है वे अभी भी गरीबी रेखा से नीचे है। उनको इस बात से डिनाई कर देना आप सीधे सीधे अफसर ााही के हाथ मे एक डण्डा दे रहे है, एक ऐसा चाबुक दे रहे है जिसकी मार बार बार इन गरीब वर्गो के लोगो पर पडेगी। सभापति जी यह सिर्फ रि वत को बढावा देगा। जब आपका सविधान गरीबी को कैटेगराईजे ान नही करता तो सरकार इन वर्गो को क्यो कैटेगराईज कर रही है। इसमे एक बात और है जो कि नही होनी चाहिए कि वर की उम्र भी 21 वर्श से कम न हो। सभापति जी यह कडवा सत्य है आज गावो मे रहने वाले इन वर्गो के लोग लडको व लडकियो की भाादी 18 वर्श से कम उम्र मे कर देते है। इस

बात को सम्पत सिंह जी भी मानेगे। उनका इलाका भी इस बात से अछूता नही है। गावो मे रहने वाले किसी वर्ग के व्यक्ति की भाादी की एवरेज उम्र 14 से 19 वर्श की है। अगर ऐसी बात है तो आपकी स्कीम का 85 प्रति ात परपज सर्व ही नही हो सकेगा। अगर आप उनको इस आधार पर इस स्कीम का फायदा देने से इंकार कर देगे कि उनकी लडकियो की उम्र 18 वर्श पूरी नही है तो फिर इस स्कीम का कोई बैनीफिट नही है फिर तो यह कागजी स्कीम ही बनकर रह जाएगी। इसके अलावा आपने इसके एक बात और कर दी कि इस स्कीम का फायदा गरीब आदमियो को केवल दो लडकियो तक ही दिया जाएगा। ठीक है फेमिली प्लांनिग का दो बच्चो का नार्म्ज है और इसलिए भाायद मंत्री जी ने इसको दो लडकियो तक सीमित किया है परन्तु समाज मे यह भी सत्य है कि गरीब तबको मे कई बार ि ाक्षा का आधार कम होने की वजह से या कई बार आर्थिक मजबूरियों की वजह से उनके बच्चो की संख्या दो से ज्यादा होती है। इसलिए आप इस स्कीम को दो बच्चो तक ही सीमित करके क्यो उनसे इसका बैनीफिट छीन लेना चाहते है। मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से कहना चाहूगा कि क्यो आप ये तीन कंडी ाजन लगाकर 93 प्रति ात लोगो से इस स्कीम का बैनीफिट छीन लेना चाहते है क्यो उनको इस स्कीम से निकालना चाहते है? इससे गरीब आदमियो का भला नही हो सकेगा। अगर सरकार सच्चे मायनो मे इस स्कीम के द्वारा गरीबो को राहत पहुचाने के प्रति गंभीर है तो कृपया करके ये सारी भार्ते वापस ले लीजिए और फिर इस स्कीम को लागू करे। धन्यवाद।

श्रीमती करतार देवीः सभापति जी, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। मै डिमांड न0 11 एवम 13 पर एक एक मिनट के लिए बोलना चाहती हू। सरकारर ने जो चुंगी हटायी है वह अच्छा निर्णय है लेकिन पहले इससे जो नगर पालिकाओ को आय होती थी और उनके जो कर्मचारी थे उनको लेकर अभी तो सारी जनता मे कुछ प्र ान उठ रहे है इसलिए मै चाहती हू कि इन अनुदान मागो का जवाब देते समय

मंत्री महोदय इनके बारे मे पूर्ण रूप से प्रका ा डाले। चूकि नगरपालिका लोकल सैल्फ गवर्नमैट डिपार्टमैट के अंदर आती थी अब चुंगी तो खत्म कर दी गयी लेकिन इनके खर्चे चलाने के लिए इनकी आमदनी बढाने के लिए कुछ उपाय नही किये गये। कुछ कमेटीज जो काफी समय से चल रही है ओर छोटे कस्बो मे जहा पर काफी विकास के काम भी हुए है कही ऐसा तो नही है कि सरकार ऐसी नगरपालिकाओ को भी तोड देगी। अगर ऐसा किया गया तो इनको कर्मचारी रोड पर आ जाएगे। इसी तरह से डिमाड न0 13 पर भाई सुरजेवाला ने ठीक ही कहा है कि उस स्कीम का चारो तरफ से विरोध है गरीबी की रेखा से नीचे रहने वालो के लिए जो पैमाना पीले कार्ड का बनाया है वह ठीक नही है क्योकि उनको बनाते समय सर्वेक्षण ठीक तरह से नही किया गया है। काफी गरीबो के घर ही ऐसे छोड दिए गये है। यह सर्वेक्षण डोर टू डोर घर घर जाकर नही किया गया था। इसको तो दो चार प्रभाव ाली आदमी पटवारी के पास बैठकर लिखवा देते है। इसलिए मै कहना चाहती हू कि यह सर्वेक्षण दोबारा से करवाया जाना चाहिए और इन्कम टैक्स देने वालो को छोडकर बाकी सभी की बेटियो को यह सुविधा दी जानी चाहिए। अगर ऐसा होगा तभी वास्तव मे सरकार की संही म ांा उदारता के साथ सामने आएगी। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहती हू कि पहले से ही जो काफी स्कीम्ज चल रही है जैसे एक विधवा की लडकी की भाादी के लिए दस हजार रूपये दिए जाते थे कहीं ऐसा तो नही है कि अब केवल 5100 रूपये देकर इस स्कीम्ज को बंद कर दिया जाएगा। अब इस तरह का प्रयास तो नही किया जाएगा। इसी प्रकार से लडकियो की उम्र की सीमा लगाकर भी गलत किया गया है यह भार्त नही लगायी जानी चाहिए। इसके अलावा पुन विवाह की भी बात कही गयी हैं सभापति जी, किसी को मजबूरी मे ही पुनः विवाह करना पडता है इस तरह के केस मे पहले ही लडकी ने कन्यादान के रूप मे रा ि ा ले रखी होगी। भगवान न करे किसी को ऐसा मौका देखना पडे इसलिए इस स्कीम मे यह पाबदी

हटा ली जानी चाहिए। पहले भी महिलाओ को सुविधा मिलती रही है। एक स्कीम अपनी बेटी अपना धन के नाम से काफी समय मे चालू है कंही ऐसा न हो कि अब 5100 रूपये देकर ही इस तरह की बाकी सारी स्कीम्ज को खतरा कर दिए जाए। मंत्री महोदय डिमांड पे ा करवाने से पहले इस पर रो ानी डालेगे मेरा आपसे सिर्फ इतना अनुरोधा है। साथ ही सामाजिक तौर पर जैसे सविधान के अंदर एक म ाा सविधान निर्माताओ ओर उसमे अमैउमैंट करने की रही है कि बिना किसी पार्टी पोलिटिक्स के ि ाडयूल्ड कास्टस का जो वर्ग है उसको अभी आर्थिक आधार पर नापने की चेश्ठा नही की गई है। इस बारे मे सच्चाई इतनी कडवी है कि जो मानवता का व्यवहार होना चाहिए था अभी तक समाज मे थोडे बहुत लोगो को छोडकर बाकी वैसा ही व्यवहार उनके साथ गांव गांव मे होता रहता है। इसलिए बेहतर यह होगा कि गरीबी रेखा की भार्त ने लगाकर समस्त ि ाडयूल्ड कास्टस की बेटियो के लिए यह सुविधा सरकार प्रदान करे।

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): चेयरमैन सर, अभी माननीय सदस्यो ने सप्लीमैट्री ऐस्टीमेटस की डिबेटस पर हिस्सा लेते हुए कई सुझााव दिए, कई प्र ान उठाए। जवाब देने से पहले मे ही प्र ान उठा लू कि क्या ये जो तीनो स्कीमे आपके सामने आई है और आपको ये तीनो स्कीम महूर है? आपने इस बारे मे यहां पर कुछ कहा नही है अमैडमैटस आपने दी है सारी बात हम मान रहे है पर ये पूछना चाहता हू कि क्या आप इन तीनो स्कीमो से एग्री करते है या नही?

श्रीमती करतार देवी: यदि एग्री न करते तो पहले विरोध करते। एग्री करते है लेकिन कुछ अमैडमैट के साथ करते है।

श्री बीरेन्द्र सिंह: क्या आप ि ाडयूल्ड कास्ट्स के लोगो ..... बनाने के लिए ये स्कीम लेकर आये है।

श्री सभापति: ये जो भाब्द बीरेन्द्र सिह जी इस्तेमाल किया है उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः हम जो सुझाव दे रहे है यदि आप उन्हे मान लेते है तो हम आपकी इस स्कीम की प्र ांसा करते है।

श्री सम्पत सिंहः आप अगर न लगाए। This is not the Way.

Shri Briender Singh: You can not befool the people.

Prof. Sampat Singh: You always befool them.

Shri Birender Singh: If you cnanot solve the problem of the people then what is the use of this scheme? (Interruptions)

श्री राम बिलास भार्माः इससे जाहिर है कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह हरिजनो और पिछडे वर्गों के आरक्षण के खिलाफ है।वाजपेयी सरकार ने 10 लाख आरक्षण की मियाद बढा दी है ये उसके खिलाफ है। कांग्रेस दलितो के खिलाफ है और बहर करतार देवी बेचारी की मजबूरी है कि ये क्या कहे ?

श्री बीरेन्द्र सिहः मै यह कह रहा था कि उस सारे समाज को जिसके लिए यह स्कीम रखी है उन सारे समाज का इसका लाभ यदि होता है तो हम इस स्कीम का स्वागत करेगे।

श्री सभापतिः श्री बीरेन्द्र सिंह जो कुछ कह रहे है उसे रिकार्ड न किया जाए।

प्रो0 सम्पत सिंहः चेयरमैन सर, तीन सप्लीमैट्री डिमाड्स पर डिसक ान हुई उसमे से पहली आग्रोहा मेडीकल कालेज को ग्रांट देने के बारे मे थी but there was no discussion. क्योकि जो आदमी दोशी होते है वे उस पर डिसक ान कैसे करेगे ?

18.00 बजे।

श्रीमती करतार देवीः तथ्यो को जाने बगैर आप पार्टी के नाम पर कुछ न कहे, तो अच्छा है। जो आग्रोह मैडीकल कालेज की बात है जब तक हमारी सरकार का भाासन था तब तक बराबर अग्रोहा समय ज्यादा था और अग्रोहा सोसयटी का भोयर कम था

और यह ग्रांट बाद मे बन्द की गई। हमारी सरकार के समय यह ग्रान्ट बंद नही की गई बल्कि बाद की सरकार ने इसको बन्द किया। आप उस सरकार पर यह आरोप लगाये जिसने यह ग्रान्ट बंद की है। आप अकेली कांग्रेस पार्टी पर इस प्रकार का आरोप नही लगा सकते।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये ग्रान्टस तीन किस्म की थी पहली तो मैचिंग ग्रान्ट जा निर्माण कार्य और इक्विपमैट के लिए थी और दूसरी रिकरिंग ग्रान्ट थी जिसमे 99 प्रति ात सरकार ने पैसा देना था और एक प्रति ात अग्रोहा सोसायटी ने देना था। मै बहन करतार देवी जी को बताना चाहूगा कि रिकरिंग ग्रान्ट तो कांग्रेस पार्टी के भाासन काल मे बन्द की गई और दूसरी ग्रान्ट चौधरी बसी लाल जी के समय मे बन्द की गई।

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः सभापति महोदय, मेरा प्वायंट आफॅ आर्डर है। मै मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि चौधरी बसीलाल जी की सरकार ने जो ग्रान्ट बंद की उस समय हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गठबन्ध की सरकार थी या हरियाणा विकास पार्टी की सरकार थी।

प्रो0 सम्पत सिंहः सभापति महोदय, उस समय चौधरी बसीलाल जी के नेतृत्व वाली सरकार थी।

श्री रामबिलास भार्माः सभापति महोदय, हम तो ठीक सलाह देते है। हमने तो चुंगी समाप्त करने और अग्रोहा मैडीकल कालेज को ग्रान्ट देने की सलाह दी थी लेकिन हमारी सलाट नही मानी गई और काग्रेस की सलाह मे मारे गये और अब कमल फूल को ढूंढ रहे है। सभापति महोदय, आप तो जानते है कि कांग्रेस पार्टी जिसकी दोस्त हो जाए उसको दु ामन की क्या जरूरत है।

प्रो0 सम्पत सिंहः सभापति, चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी ने मुख्यमंत्री पद की भापथ लेते ही दूसरे दिन आग्रोह जाकर मैडीकल कालेज की ग्रान्ट को बहाल किया क्योकि उन्होने इस

बात का वायदा किया हुआ था। सरकार के पास और काम करने के लिए होते है लेकिन उन्होने दूसरे ही दिन इस ग्रान्ट को बहाल करने की घोशण की। क्योकि बजट मे इस तरह का कोई प्रोवीजन नही था इसलिए हमने यह अनुपूरक आकलन 70246000 रूपये का प्रावधान करना पडा जिसमे से दो करोड रूपया रिलीज किया जा चुका है। सरकार की सबसे पहली को कोि ा ा तो यह है कि अगले साल जब दाखिले भुरू हो तो उससे पहले आग्रोहा मैडीकल कालेज मे इतना काम पूरा हो जाए जिससे मैडीकल कांऊसिहल आफ इण्डिया इस मैडीकल कालेज को रिकोग्नाइज कर दे। इस पर जितना खर्चा होगा उस खर्चे को सरकार वहन करेगी। पता नही क्यो विपक्ष के सदस्य इसकी प्र ांसा नही कर रहे है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः सभापति महोदय, इन्होने कहा है कि हमने सात करोड रूपया रिलीज कर दिया है।

प्रो0 सम्पत सिंहः सभापति महोदय, न तो इनता रूपया एक दिन मे रिलीज किया जा सकता है और न ही एक दिन मे खर्च किया जा सकता। इस सरकार ने हरियाणा की जनता की भलाई के लिए अग्रोहा मैडीकल कालेज के लिए सात करोड रूपये का प्रावधान किया है। यह सरकार मैडीकल कांऊसिल आफ इण्डिया की कंडी ान को पूरा करायेगी और अगले साल बाकायदा मैडीकल कालेज मे दाखिल किए जाएगे। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

स्पीकर साहब जी, दूसरा सवाल इन्होने कन्दायान का उठाया। यह कितनी बडी स्कीम थी, आपको एप्रीि ायट करना चाहिए था लेकिन आपने और सुरजेवाला जी ने इस पर 2–3 प्र ान उठा दिए। स्पीकर साहब, दे ा मे कानून का राज है, दे ा मे सविंधान भी है, परम्परांए एक अगल चीज है। कानूनी तौर पर यह बात साबित हो जाए कि किसी ने 18 साल की आयु से पहले भाादी कर दी तो वह कानूनी जुर्म बनता है। स्पीकर साहब, जी

सरकार खुद किसी भी जुर्म को बढावा नही दे सकती। उसको 5100 रूपये विपक्ष के ये भाई या हम नही देगे वह तो फार्म भरा जाएगा। 15–14 या 12 साल की लडकी को सरकार 5100 रूपये नही देगी। स्पीकर साहब, जी क्या आप सविंधान की अवहेलना करेगे अगर सुजै ान देते है तो पढ लिखे लोग ही देते है। सुरजेवाला जी आप लीडिंग लायर है यंग लायर है, हम आपकी बात को एप्रीि ाएट करते है, आप भी सरकार को सजै ान दे रहे है कि आप गैर कानूनी काम करिए। भाादी के लिए 18 साल की उम्र का कानून बना हुआ है। दूसरी बात आपने कही थी कि पैं ान के लिए कंडी ान रखी थी। स्पीकर साहब, आपको याद होगा कि ओल्ड ऐज पैं ान जब चौधरी देवीलाल ने भाुरू की थी उस समय 5 एकड जमीन की कोई कडीं ान नही थी, कोई आमदनी की कंडी ान नही थी। उसमे सिर्फ यह कंडी ान थी कि इन्कम टैक्स पेयी, सेल टैक्स पेयी, सेल टैक्सी असैसी और 2–4 प्रोफै ान इंजीनियरिंग और मैडिकल आदि वालो को पै ांन नही मिलेगी। चौ0 बीरेन्द्र सिंह की कांग्रेस सरकार जिसने यह कंडी ान लगाई थी कि जिस परिवार के मुखिया के पास 5 एकड जमीन होगी उसको पै ान नही मिलेगी, जिसकी सालाना आदमनी 10 हजार होगी उसको पै ान नही मिलेगी। यह आपकी गवर्नमैट ने इम्पोज किया था और करप् ान को इन्वाहट किया था। (ाोर) सारे हरियाणा प्रदे ा के जो सम्मानित और वृद्ध लोग है उनके दिमाग मे यह सुनकर खु ाी की लहर आ जाएगी कि जो कडी ांन कांग्रेस सरकार ने अनाव यक इम्पोज की थी कि 5 एकड जमीन वाले को पै ान नही मिलेगी और 10 हजार रूपये आमदनी वाले को पै ान नही मिलेगी, वह इस सरकार ने डिलीट कर दी है। आप इस चीज को एप्रीि ाएट नही कर रहे है। कम से कम अब तो आपको एप्रीि ाएट करना चाहिए। (ाोर)

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। जो इनकी सोच है उस सोच को इन्होने 2 लाइनो मे दिखा दिया है कि हमने 5 एकड जमीन वाली कंडी ान और 10 हजार

रूपये आमदनी वाली कंडी ान को हटा दिया। एक तरफ तो आप उन लोगो को पै ांन दने के लिए कहते है कि हम उनको सम्मानित कर रहे है और दूसरी तरफ आप यह कहते है कि आप हरिजनो की लडकी की भाादी के लिए 5100 रूपये कन्यादान के रूप मे देगे। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह प्वांयट आफ आर्डर नही है। (ाोर) यह जो इनकी खराब आदत हो गई है कि सरकार कोई बढिया काम करे तो उसमे ये इफ और बट लगाए। आप अपने तरीकै से नियम निकालेगे। किसने आपको कह दिया कि इन्कम टैक्स पेयी को हम 200 रूपये पै ांन देगे। (ाोर) इन्कम टैक्स पेयी को पैं ान नही मिलेगी आप घर से ही अपने कानून बना रहे है। (ाोर)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अगर आप इस स्कीम को सही तौर पर इम्पलीमैट करना है तो ये 5100 रूपये भी आप सम्मान के रूप मे दे सकते है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह और चौधरी सम्पत सिंह दोनो ही सदन के वरिश्ठ सदस्य है। मेरी इनसे प्रार्थना है कि ये जो भी बात कहे वह चेयर को सबंधित करके कहे। आपस मे डायरैक्ट न कहे। अगर ये चेयर को संबोधित करके बात कहेगे तो इनक बात सभी को समझ मे आयेगी।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने कहा कि हमारा इन्कम टैक्स पेयी को 200 रूपये बुढापा पै ान दे रही है लेकिन हमारी सरकार तो नही दे रही। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी की जानकारी के लिए उनको बताना चाहूगा कि हमारा सरकार इन्कम टैक्स पेयी और सेल्ज टैक्सी एसैसी को बुढापा पै ान नही दे रही है और न ही उनको मिलेगी तथा इसी तरह से कुछ दूसरे प्रोफै ान भी है जिसका बुढापा पै ान नही मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, काग्रेस के भाईयो ने जो गलत कंडी ांज

लगा रखी है वे कंडी ांज हमारी सरकार ने बुढााप पै ान पर से हटा ली है। और इसमे बुजुर्गो को मान सम्मान भी मिलेगा। इनको इस बात की तकलीफ हो रही है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने कडीं ान लगा रखी थी कि जिस बुजुर्ग के पास ंपाच एकड जमीन होगी उसे बुढापा पै ान नही मिलेगी। होता यह था कि बुजुर्ग पै ान लेने के लालच मे जमीन अपने पोतो के नाम करो देता था और उसकी जमीन उसके हाथ से चली जाती थी। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप प्लीज बैठिये।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरे माननीय साथी पांच एकड वाली कडी ान का जवाब नही दे पा रहे जो कि इनकी सरकार ने ही लगाई थी और उस वक्त ये भी सरकार मे थे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ अर्डर है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने पांच एकड या इससे अधिक जमीन वाले बुजुर्गो को और दस हजार की आय हो उनको भी पै ांन देने का फेसला किया है लेकिन इन्होने एस0सी0 और एस0टी0 की लडकी की भाादी मे 5100 रूपये कन्यादान देने के लिए गरीबी की रेखा नीचे और ऊपर जीवन यापन करने वालो मे फर्क कर दिया है। इन्होने उसी एस0सी0 और एस0टी0 की लडकी की भाादी मे 5100 रूपये कन्यादान देने का निर्णय लिया है जो गरीब की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे है ये ऐसा करके उनको बाटने की कोि ा ा क्यो कर रहे है ?

ग्रामीण एवम ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, बांटने का काम तो सुरजेवाला जी की सरकार ने किया था। हम तो उनके अंदर जो अंसतोश है उसको कम कर रहे है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कृपा आप सभी आराम से बैठे।

प्रो0 छत्तर सिंहः अध्यक्ष महोदय, सत्ता पक्ष के भाईयो ने हमे ाा हमारी पार्टी को एक्सपोज किया है। (ाोर एवम व्यवधान) चौधरी सम्पत सिंह जी को वहम हो गया है कि चौधरी बसी लाल जी की सरकार ने अग्रोहा कालेज की ग्रांट बंद की थी। लेकिन उन्होने तो कोई भी ग्रान्ट अग्रोहा कालेज की बंद नही की। ऐसा कहकर तो ये हरियाणा विकास पार्टी की तरफ अपनी दुर्भावना प्रकट कर रहे है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, सुबह से सतपाल सागंवान जी बार बार यह कह रहे है कि हमारी पार्टी के साथ यह कह दिया गया, यह किया गया और अब हमारे भूतपूर्व स्पीकर साहब, भी यही कर रहे है कि हमारी पार्टी के साथ ऐसा किया गया। अध्यक्ष महोदय, मै आपको बताना चाहूगा कि इन्ही की पार्टी के आदमी ने यह कहा कि इनकी पार्टी तो विना ा पार्टी है और जब विना ा ही हो गया तो पार्टी कहा रह गई। (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 छत्तर सिंहः अध्यक्ष महोदय, विना ा तो इनका भी होगा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी भी जानते है और ऐसा देखने मे आया है कि इस बुढापा पै ांन के जो असली हकदार होते है उन तक पै ान नही पहुचति बल्कि जो इस बुढापा पै ान के हकदार नही होते वे लोग इसका फायदा उठाते है। इसलिए मै चौधरी सम्पत सिह जी से आपके माध्यम से यह जानना चाहता हू कि इन्होने 200 रूपये बुढापा पै ांन किये जाने की पोलिसी बनाई है तो उस पोलिसी के तहत क्या गांवो और भाहरो के हर वर्ग के हकदार व्यक्ति को पै ांन मिलेगी या नही और हकदार व्यक्ति को ही मिलेगा तो इसके लिए यह प्रयास कब से भुरू करने जा रहे है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, दोबारा से फार्म भरवाने का काम भुरू किया जाएगा और जल्दी ही यह काम भुरू

किया जाएगा। अब नवम्बर चल रहा है और दिसम्बर तक फार्म भरने का काम पूरा कर लिया जाएगा। जो एलीजबल हुए है उनके नाम जोडे जाएगे और बकायदा फर्म भरे जाएगे। लीगल तरीके से सही हकदार लोागो को पैं ान मिलेगी। बाकी जो गरीबी अमीरो वाली बात ये लोग जो कह रहे थे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री निर्मल सिहः आपने जो 200 रूपये बुढापा पैं ान की है उसमे साथ साथ डी0सीज लैवल पर टारगेट तो फिक्स नही कर दिए कि इतने से ज्यादा केसो मे पै ान नही बननी चाहिए। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः यह तो इनकी सरकारो मे होता रहा है और बुजुर्ग लोग रोज दरखास्त लेकर दफतरो के चक्कर लगाते फिरते रहते थे उनको कितना अपमानित होना पडता था। हमने तो बुजुर्गो के मान सम्मान को रिस्टोर करने का काम किया है। (ाोर) बाकी जो सुरजेाला जो कानून की इन्टपरटे ान कर रहे थे, इस तरह की बाते करना इनको भाोभा नही देता क्योकि रोजाना जजो के सामने ये कानून की बाते करते है और इनको पता होगा कि किस तरह से पे ा आना होता है। स्पीकर साहब, ऐज वाली जो बात कही गई है जिसमे लडकियो की भाादी की सरकार की और से पैसा देने के लिए कन्यादान की जो स्कीम है। यह स्कीम सही मायने मे तो हमने समाज के दलित वर्ग को उत्साहित करने के लिए इसैटिव दिया है जिसका यह फायदा भी होगा कि जो लोग छोटी उम्र मे लडकियो की भाादी कर देते थे वह छोटी उम्र मे लडकियो की भाादी नही करेगे और दूसरी बात यह है कि इससे हम परिवार नियोजन की और भी बढने जा रहे है। परिवार नियोजन मे काफी फर्क पडेगा। हम चौधरी बंसी लाल की तरह से नही करेगे कि कोई मर जाए तो उसकी भी नस काट कर घर भेज दियाा जाए। हम तो इसैटिव देकर परिवार नियोजन करना चाहते है। इन लोगो को तो इन चीजो के हम मे होना चाहिए था। तीसरा बात नगरपालिका के मुलाजिमो की है तो मंत्री

जी ने प्र ान काल के दौरान अपने जवाब मे बताया भी है कि इनकी संख्या 3108 है और बाकायदा इन मुलाजिमो को एडजस्ट किया जाएगा। कोई भी मुलाजिमो ओन रोड अथवा विद आउट पेयर नही रखा जाएगा। (ाोर एवम व्यवधान) इन मुलाजिमो को एडजस्ट करने का सिस्टम चल पडा है और प्रोसैस मे है तथा हरेग होकर मुलाजिम को तनख्वाह मिलेगी। (ाोर)

श्री रण्दीप सिंह सुरजेवालाः अगर आप 50 एकड आदमी को भी कन्यादान स्कीम मे ले रहे है तो आप गरीबो के नजदीक भी नही है। (ाोर) अगर ऐसा ही करेगे तो आप 98 प्रति ात लोगो को एक्सलूड कर रहे है। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इनकी भी सरकार रही और इनके पिता श्री भी सरकार मे रहे है इन्होने तो कुछ भी नही किया। हम तो एक अच्छी स्कीम लेकर आए है। इसमे अमैण्डमैट भी होगी, फर्दर इम्पूर्वमैन्टस् भी होगी। हमारी सरकार ने तो यह कन्यादान स्कीम चलाकर एक अच्छी भाुरूआत की है और इतना बढिया आइडिया दिया है। (ाोर) चौधरी देवी लाल जी ने बुढापा पै ांन स्कीम भाुरू की थी हमने उसमे सुधार करके 100 रूपये से 200 रूपये पैं ान कर दी, कल को फिर इम्प्रूवमैट भी आ सकती है। (ाोर)

श्रीमती करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैने मंत्री जी से एक जानकारी चाही थी कि हरिजनो के लिए और वि ोश तौर से महिलओ के लिए जो पुरानी स्कीमे थी वे सभी पुरानी स्कीमे भी बेटी की भाादी वाली स्कीम के साथ चालू रहेगी या नही। (ाोर) इसके अलावा गरीबी रेखा से नीचे जिनके पीले कार्ड नही बने है उनके लिए भी पुराने स्कीम चालू रहेगी या नही।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, बहन करतार देवी पूरी बात सुन ले अगर वे सैटीफाईड न हो तो दोबारा से सवाल पूछे ले। अध्यक्ष महोदय, पुरानी कोई भी स्कीम बन्द नही की गई है। पुरानी स्कीमो के अतिरिक्त यह स्कीम चलाई गई है।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, गरीबी रेखा से ऊपर और गरीबी रेखा से नीचे की बात चल रही है। मै यह जानना चाहूगा कि अगर कोई इन्टर कास्ट भाादी होती है तो क्या उनके बच्चो को यह सुविधा दी जाएगी।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, कोई भी हरिजन कन्या किसी से भी भाादी करेगी वह लडका चाहे किसी अदर कास्ट से सबंध रखता है उसको कन्यादान के रूप मे यह सुविधा मिलेगी। अगर कोई भी हरिजन परिवार अपनी लडकी के लिए किसी अदर कास्ट कर वर चुनते है चाहे वह बनिया चाहे वह जाट हो चाहे किसी भी अदर कास्ट का होगा अगर वह हरिजन लडकी से भाादी करेगा तो उसको यह सुविधा मिलेगी। लडकी हरिजन होनी चाहिए लडका चाहे किसी भी अंदर कास्ट से बिलोग करता हो।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, मंत्री जी जवाब देने मे थोडी जल्दबाजी कर गये। मैन यह जानना चाहा है कि अगर कोई हरिजन लडकी किसी पडित लडके से भाादी करती तो क्या उसको बच्चो को यह सुविधा मिलेगी।

प्रो0 सम्पत सिंहः अगर बाप के हिसाब से उन बच्चो को अब जो रिजर्वे ान मिल रही है वह मिलेगी तो यह सुविधा भी मिलेगी। अगर अपर कास्ट की लडकी होगी तो उसको यह सुविधा नही मिलेगीं। यह सुविधा केवल ि ाडयूल्ड कास्टस और ि ाडयूल्ड ट्राइब्स लडकियो के लिए है।

श्रीमती करतार देवीः जो हरिजन लडकियां है उनके लिए जो गरीबी रेखा की कंडी ान है क्या वह हटाई जाएगी।

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, हरिजन महिलाए जो विधवा है उनकी लडकियो की भाादियो के लिए 10–10 हजार रूपये दिये जाते है। यह स्कीम पहले से चल रही है। मै यह जानना चाहती हू कि इस नई स्कीम के आने से उस स्कीम मे

कोई बाधा तो नही आएगी। उस स्कीम मे किसी प्रकार की कोई कठिनाई तो नही आएगी।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै हरिजन लडकियो की भाादी पर कन्यादान देने की सुविधा की बात कर रहा हू। यह स्कीम पहले से नही है। यह नई एडी ानल स्कीम है। आलरेडी गोइंग आन जितनी भी स्कीमज है वे रहेगी कोई भी स्कीम बंद नही की जाएगी। यह हरिजन लडकियो के लिए एडी ानल सुविधा है। इन भाब्दो के साथ मै निवेदन करूगा कि डिमांडज को युनैनीमसली पास किया जाए।

मांग न0 10

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि एक अनुपूरक धनरा ि ा जो राजस्व खर्च के लिए 70246000 रू0 से अधिक न हो, मांग संख्या 10 चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य के संबंध मे 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाली वर्श के भुगतान के क्रम मे आने वाले खर्चो को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान ही जाए।

मांग स्वीकृत हुई।

मांग न0 11

कि एक अनुपूरक धनरा ि ा जो राजस्व खर्च के लिए 23840000 रू0 से अधिक न हो, मांग संख्या 11 भाहरी विकास सबंध के संबंध मे 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाली वर्श के भुगतान के क्रम मे आने वाले खर्चो को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान ही जाए।

मांग स्वीकृत हुई।

मांग न0 13

कि एक अनुपूरक धनरा ि ा जो राजस्व खर्च के लिए 20000000 रू0 से अधिक न हो, मांग संख्या 13 समाज कल्याण तथा पुनर्वास के संबंध मे 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाली वर्श के भुगतान के क्रम मे आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान ही जाए।

मांग स्वीकृत हुई।

वर्श 1994–95 के अनुदानो और विनियोजनो से अधिक मागे प्रस्सुत करना

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब वित्त मंत्री वर्श 1994–95 के अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मांगे प्रस्तुत करेगे।

Finance Minister (Prof Sampat Singh): Sir, I beg to present Excess Demands over Grants and Appropriations for the year 1994-95.

सविधान (चौरासीवा स ोधन) विधेयक, 1999 के अनुसमर्थन संबंधी संकल्प

श्री अध्यक्षः अब मंत्री महोदय सरकारी संकल्प पे ा करेगे।

Finance Minister (Prof Sampat Singh): Sir, I beg to move-

"That this House retifies the amedment to the Constiution of India falling within the purview of clause (d) of the porivso to clause (2) of Article 368, proposed to be made by the Consitution (Eighty Fourth Amendment) Bill, 1999, as passed by the two Houses of Parlisament."

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि यह सदन भारत के सविधान के उस सं ोधन का अनुसमर्थन करता है। जो उसके अनुच्छेद के खंड (2) के परन्तुक के खंड (घ) की व्याप्ति मे आता है तथा सांसद के दोनो सदनो

प्राप्त पारित रूप मे सविधान (चौरासीवा स ाोंधन) विधेयक, 1999 द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

श्री अध्यक्षः प्र न है कि–

कि यह सदन भारत के सविधान के उस सं ाोधन का अनुसमर्थन करता है। जो उसके अनुच्छेद के खंड (2) के परन्तुक के खंड (घ) की व्याप्ति मे आता है तथा सांसद के दोनो सदनो प्राप्त पारित रूप मे सविधान (चौरासीवा स ाोंधन) विधेयक, 1999 द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी माध्यम से एक अर्ज करना चाहता हू कि जिस प्रकार से आन्ध्रप्रदे ा मे वहां की सरकार द्वारा वंहा के मत्रियो व विधायको को योगा का प्र ि ाक्षण दिया जा रहा है क्या यहां ऐसी व्यवस्था सरकार करेगी? ऐसे योगा ि ाविर वहा पर इसलिए लगाए जा रहे है ताकि लोगो की विचारधारा मे परिवर्तन आये और उनका मानसिक उत्थान हो सके। योगा की क्लास लगाने का एक मकसद यह भी है कि इससे लोगो मे एक अनु ाासन की भावना जागृत होती है। हमारे यहां पर अनु ाासन कायम करने की आव यकता है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि इस पर आप गंभीरता से विचार करे।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः यदि हांउस की सहमति हो तो सदन का समय 2 घंटे के लिए बढा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः सदन का समय 2 घंटे के लिए बढा दिया जाता है।

हरियाणा मंत्री मण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा

श्री अध्यक्षः अब श्री कंवल सिंह अपना नो कांनिफडैंस मो ान पे ा करेगे।

Shri Kanwal Singh: Sir, I beg to move-

That this House expresses its want of confidence in the Haryana Ministry headed by Shir Om Parkash Chutala.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआः—

कि यह सदन श्री ओमप्रका ा चौटाला के नेतृत्व वाले हरियाणा मंत्रिमडल मे अपना अवि वास व्यक्त करता है।

श्री कंवल सिह (धिराय): स्पीकर साहब, चौधरी ओमप्रका ा चौटाला को खुद को पता नही था कि गद्दी मिल जायेगी लेकिन परिस्थितियो ऐसी बनी और कुर्सी भाग कर इनके नीचे जा लगी। स्पीकर साहब, इन्होने हरियाणा के लोगो ने बडे बडे वायदे किये कि बिजली के बिल माफ करूंगा, किसानो का आबियान माफ कर दूगा, छुट्टी का पानी दूंगा, घरो के अन्दर पानी की जो टूटिया लगी हुई है उनका बिल माफ कर दूंगां। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः इस प्रस्ताव पर डिस्क ान के लिये दो घंटे का समय निर्धारित किया गया है। सभी पार्टियो के नेता अपनी अपनी पार्टी के उन सदस्यो की लिस्ट दे दे जिन्होने इस प्रस्ताव पर बोलना है ताकि उन सदस्यो को समय अलाट किया जा सके। (विघ्न)

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै यह कह रहा हू कि इनको खुद को पता नही था कि अकस्मात् इनको कुर्सी मिल जाएगीं। हरियाणा के लोगो के सामने इन्होने अनाप भानाप वायदे किये हुए थे जैसे कि बिजली का पानी माफ, चूल्हा टैक्स माफ, हाउस टैक्स माफ बगैरा बगैरा। इनकी सरकार के आते ही एकदम से चुनावो की घोशणा हो गई और हमारे साथी ये बन्धु इनके

साथ लग गए। इससे पहले 1996 तथा 1998 मे जब चुनाव हुए थे तो यही ओमप्रका ा चौटाला जी यह कहते थे कि वाजपेयी जी के नाम पर वोट मांग रहे है लेकिन अब इनसे पूछिये कि इन्होने किस के नाम पर वोट मांगे। अध्यक्ष महोदय, जब चुनाव हुए तो सारे प्रांत मे इतनी हुल्लडबाजी चुनावो के अन्दर हुई कि कही पर भी किसी एजैट को रूकने नही दिया। पुलिस और प्र ाासन ने मिल कर सारी भारारते करवाई, इसी कारण आज सारे प्रांत के अन्दर कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। हिसार की अर्बन ऐस्टेट के अन्दर कोई भी दिन ऐसा नही जाता जब चेन स्नैचिंग चरमराई न होती हो या कोई मर्डर न होता हो। आज हालत यह है कि इनकी पार्टी के विधायक डी0सी0 तक के गले पकडते है। थानो मे थानेदारो की पिटाई हो जाती है। मुख्यमंत्री जी बजाए इसके कि कोई एक ान ले यह कहते है कि मेरे विधायक के साथ बदसलूकी हुई है उसकी मै इन्क्वायरी करूंगा। अध्यक्ष महोदय, इन्क्वायरी करने मे तो ये बहुत तेज है। अध्यक्ष महोदय, आज इसी नतीजा है कि प्रांत मे जगह जगह राहजनी हो रही है हरियाणा का एक जज पिछले दिनो सोनीपत से गोहाना जा रहा था और उसने गोहाना से लाखन माजरा का रास्ता पकड लिया। लाखन माजरा और गोहाना के बीच तीन लडके मोटर साईकिल पर उनके साथ लग गए। मेहम तक साथ जाते रहे। जज ने सोचा कि ये भी कोई मुसाफिर होगे। अध्यक्ष महोदय, मेहम मे टूरिज्म कारपोरे ान का जो पैट्रोल पम्प लगा है वह अभी चालू नही हुआ है, उस पैट्रोल पम्प के पास स्पीडब्रेकर आता है। उस स्पीडब्रेकर के पास उन लडको ने मोटर साईकिर गिरा दी। जज का लडका जज की फियट गाडी चला रहा था वह लडका गाडी से उतरा और मोटर साईकिल चलाने वाले का गला पकड लिया तथा कहा ''यह क्या कर रहे हो'' उस जन ने अपने लडके ने कहा, ''क्या कर रहे हो'' छोडी गाडी खींच नही तो यही पर रह जाएगा। अध्यक्ष महोदय, कुछ देर वहां पर गर्मी गर्मी होती रही। उस जज ने वहा से आगे मुण्ढाल चौकी मे जा कर ि ाकायत की तो चौकी वाले कहने लगे

कि साहब, हमारा तो वह एरिया ही नही है, हम क्या कर सकते है। अध्यक्ष महोदय, ऐसी हालत जो जजो के साथ होन लग रही है। इस तरह की घटना नही अनेक घटनाए है रोहतक के अन्दर दिन दहाडे पार्शद का कत्ल हुआ। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब कहते थे कि हम तो मान्यता लेकर चल रहे है। इन्होने अपनी पार्टी के तीन विधायको को एक्सपैल कर दिया। इन्होने अपनी पार्टी इनैलो बना ली और वे समता पार्टी मे ही रह गए। उनको जब हमने अपने मंत्री मंडल मे ले लिया तो इनको ऐतराज होने लगा। आज हमारे 11 विधायक ऐसे है जो हमारी पार्टी के मैम्गर्ज है। अब ये तीन विधायको को असैम्बली से कही का कही उठा कर ले गए। यह तो चौटाला साहब, की सरकार की मान्यता है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से इन्होने बिजली माफी की बात कही। चौटाला साहब ने बिजली माफी का एक बहुत अच्छा तरीका निकाल लिया कि बिजली उन्हे दो नही माफी अपने आप हो गई। जब बिजली नही जाएगी तो बिल नही देने पडेगे। अब सम्पत सिंह जी ने बडे फिगर्ज एंड फैक्टस फैक है लेकिन अध्यक्ष महोदय, आप भी अच्छी तरह से जानते है कि पिछले दो महीने से हरियाणा मे इण्डस्ट्री मे पूरी बिजली नही मिल रही है और आज डोमैस्टिक लोग तो देखते रहते है कि बिजली कब आएगी। आज का किसान जगह जगह सानी काटने और आटा पीसने का काम करता है। अध्यक्ष महोदय, इनके सुपुत्र भिवानी से इलैक्ट होकर लोगो का धन्यवाद करने के लिए गए तो उनसे लोगो ने कहा कि चौधरी साहब, हम रोटी खाने बैठते है तो बिजली चली जाती है। इनके सुपुत्र कहने लगे कि बिजली क्या रोटी के साथ लगा कर खानी है जो बिजली मांग रहे हो। ऐसा तो इनका जवाब होता है। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा के लोग अपने को ठगा हुआ या महसूस करते है। सम्पत सिंह जी कहते है कि हम प्रजांतत्र ने वि वास करते है इसलिए हमने विंटर सै ान बुलाया है। अध्यक्ष महोदय, अभी विंटर ही नही आया तो विंटर सै ान कहां से आ गया। सै ान करने का इनका एक ही अभिप्राय है क्योकि इनको पता है कि इनकी पापुलैरिटी

का ग्राफ एक दम नीचे जा रही है और इस ग्राफ को बचाने के लिए सै ान बुलाना अगर ये समझते है कि ठीक है तो वह इनकी गलतहफमी है। ये चाहे तो फरवरी मे चुनाव के लिए आ जांए हम तो तैयार बैठे है। लेकिन मै इनको बताना चाहूंगा कि इनकी दुर्द ाा वैसी होगी जो झूठ बोलने वाले के साथ और धोखा देने वाले के साथ हुआ करती है। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इन्होने बडे फरख के साथ कहा कि बंसी लाल ने मार्किट फीस चार प्रति ात कर दी, मै दो प्रति ात कर दूंगा अब ये इस बारे मे बिल्कुल चुप्पी साधे बैठे है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो चुगी माफ की है उसका खामियाजा जो होगा वह लोगो को भी पता नही चला। उसके कारण जो बोझ पडेगा वह आने वाली सरकार पर पडेगा। ये तो अपना हिसाब लगाए बैठे है।

नगर एवम ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। माननीय सदस्य हाउस को गुमराह कर रहे है। मै चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी का आभार प्रकट करता हू कि चुगी समाप्त करने के बाद 5 करोड रूपये प्रति महीना के हिसाब से नगरपालिका को दिये जाने की बता कही जा रही है और इस महीने मे हम पहली कि त जारी करेगें (विघ्न)

श्री मनीराम गोदारा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से बहन जी से पूछना चाहूंगा कि हमारी सरकार के वक्त कितने कितने रूपये गवर्नमैट से लेते थे। मेरी जानकारी के हिसाब से तो 90–90 करोड रूपये लेते थे। जितना ये बता रहे है इससे ज्यादा तो हर साल हमारी गवर्नमैट देती रही है। आज ये लोग ऐसा क्या नया काम कर रहे है।

श्री कंवल सिंह: अध्यक्ष महोदय, यह बिजली की कमी क्यो आ रही है इसका इनको पता नही है इसलिए ये भागे भागे वाजपेयी साहब के पास गए कि हमे थोडी बिजली दे दो, हमे थोडी राहत दे दो। आज हालत यह हो गए है कि कही पर भी

बिजली नही आ रही है। इन्होने प्रदे ा के लोगो को बहुत भडकाया लेकिन उसका नतीजा क्या रहा। आज देहात के फीडर के अंदर सिर्फ दस परसैट पेमैट आने लग रही है और अगर यही स्थिति आगे भी रही तो सरकार कोयले और एन0टी0पी0सी0 के पैसे भी नही दे पाएगी। कोयले वाले तथा और एन0टी0पी0सी0 वाले पहले पैसे लेते है ये बताए कि ऐसी स्थिति मे ये कहा से पैसे देगे ? लेकिन इन बातो को ये सोचते ही नही है। क्योकि ये लोग इनको पूरा ही नही कर सकते है इसलिए इन्होने अब यह वाया मीडिया निकाल है कि असैम्बली भंग करवा दो। अध्यक्ष महोदय, आज इनके पास पूरा बहुमत है फिर इनको किस बात की चिन्ता है ये अपना राज चलाते क्यों नही है (विघ्न) इनको हाउस भंग करने की चिंता क्यो हो रही है।

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिह): यह फोबिया तो आपको हो रहा है।

श्री कंवल सिंह: यह फोबिया हमे नही बल्कि आपको ही हो रहा है जो ये आपकी तरफ बैठे है इन सबका फोबिया निकलेगा। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जब पिछली बार केन्द्रीय सरकार ने डीजल के मूल्य पर एक रूपया प्रति लीटर बढाया था तो चौटाला साहब ने दे ा हित मे फट से केन्द्रीय सरकार से समर्थन वापस लेने के लिए कहा था लेकिन बाद मे जब इनकी सौदे बाजी हो गयी तो सारा दे ाहित भूल गये। अगर इनके काम बन जांए तो दे ाहित के नाम पर ये लोग कुछ भी कर सकते है। बाद मे इन्होने फिर उनको समर्थन दे दिया। अब केन्द्रीय सरकार ने डीजल के मूल्यो मे चार रूपये प्रति लीटर बढौतरी की है लेकिन चौटाला साहब को अब इसकी कोई चिंता ही नही है और अब ये बडे आराम से चुप्पी साधे बैठे है वैसे ये कहते है कि इनको दे ा हित बडा प्रिय है। सरकार ने खाद के और कीटना ाक दवाईयो के भी रेट बढाये है इनको इसको लेकर पसीना आ रहा है। लेकिन इसका भी इलाज इन्होने वही ढूंढ लिया है कि असैम्बली

भंग करके भाग जाओ। इसी तरह से अब ये एस0वाई0एल0 के बारे मे भी कह रहे है कि इसको पूरा करवाना केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है। ये क्यो नही बादल साहब से कहते है कि एस0वाई0एल0 को जो दस परसैट का काम बकाया है उसको वे पूरा करवाए। अध्यक्ष महोदय, जब इनका राज आ जाता है तो ये एस0वाई0एल0 को भूल जाते है और जब इनका राज चला जाता है तो ये एस0वाई0एल0 की रट लगाने लग जाते है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अगर इन्होने अपने सवा तीन साल के कार्यकाल मे इस नहर पर एक भी रोडी डाली हो, कोई मिट्टी डाली हो या एक भी ईट लगायी हो तो ये बता दे।

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहूंगा कि 1986 मे जब राजीव गांधी ने चौधरी बंसी लाल जी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाकर भेजने के लिए कहा तो उस सयम बंसी लाल जी ने ठोक कर रहा था कि अगर केन्द्रीय सरकार अपने पैसे से एस0वाई0एल0 तैयार करके दे तो मै मुख्यमंत्री बनकर हरियाणा मे जांऊगा वरना नही। अध्यक्ष महोदय, आपको भी पता है कि उस समय उन्होने कुरूक्षेत्र मे इस नहर का दिखाने के लिए पंचो और सरंपचो को इकट्ठा किया था। उस समय इन्होने लोगो को खूब बहका रखा था। उस सम ये कर्जे माफी की भी बहुत बाते किया करते थे लेकिन कही पर भी कर्जे माफ नही हुये थे। कर्जा माफी का वायदा इनके 64 वायदो मे से एक था। अध्यक्ष महोदय, बंसीलाल जी ने उस समय हरियाणा के लोगो को मौके पर ले जाकर काम होते हुये दिखाया था। उस समय 60 हजार आदमी इस नहर पर काम कर रहे थे, सारे पुल तैयार हो गये थे और 75 परसैट के करीब इस नहर का लाईनिंग का काम हो गया था।

प्रो0 सम्पत सिंहः यही कारण है कि 1987 मे विधान सभा के रिजल्ट बहुत बढिया रहे।

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, बाद मे हमारे मुख्यमंत्री जी के पिता चौधरी देवी लाल जी केन्द्र मे उप प्रधानंमंत्री होते थे और ओमप्रका ा चौटाला जी मुख्यमंत्री के पद पर आसीन थे लेकिन अध्यक्ष महोदय, उन्होने वक्त कितना काम किया। आज ये कह रहे है बादम के बारे मे। बादल तो हमारा विरोधी है। जब हमने भाराबंदी करी तो वे हमारी यंहा पर एक पार्टी मे आए थे तो हमने कहा था कि भाराबंदी का सफल बनाने के लिए बार्डर पर से ठेके पांच किलोमीटर दूर हटा ले लेकिन उन्होने साफ इंकार कर दिया क्योकि वे इस बात का फायदा उठाना चाहते थे। आज चौटाला साहब उनसे फायदा क्यो नही उठा लेते। इनका तो सिद्धान्त है कि काम करण तै बावले कौने वोट दे, हवा बनाओ और इनका एक और सिद्धान्त है, ये कहते है कि जाट को सिखाया नही जा सकता, बहकाया जा सकता है बहकाओ और राज करो।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। ये जाट को बहकाने की बात कर रहे है तो ये बात इन पर लागू होती है क्योकि जब तक इनका परिवार सत्ता मे रहा चाहे ज्वाइंट पजांब के समय की बात हो या हरियाणा मे हो इन्होने अपने गांव मे प्राइमरी और मिडिल स्कूल तक नही बनने दिया ताकि लोग गांव मे पढ नही सके। हम ये काम नही करते है। बहकाने से कोई वोट नही देता। जनता ने हमे वरडिक्ट दिया है। 1986–87 मे जनता ने जो वरडिक्ट दिया था उसमे खुद चौधरी बसी लाल मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए बुरी तरह से हारे थे और सीटे भी उगंलियो पर गिनने लायक आई थी और बुरी पोजी ान हो गई थी वह काम का वरडिक्ट मिला था और अब की बार भी काम का वरडिक्ट मिला है थोथे नारो से कोई वरडिक्ट नही देता 24 घंटे बिजली देने की बात करते थे। गंगा से पानी लाने की बात करते थे कि 100 दिन मे गंगा का पानी ले आएगे। कितने वादे करते थे लोगो से। लोग धूल चटा देते थे। ये अब चुनाव से क्यो डर रहे है। प्रदे ा की बिगडी हुई हालत को

चौधरी ओमप्रका ा चौटाला ने सुधार लिया वरना तो कोई सभांलना भी नही चाहता था।

श्री कंवल सिहः अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दो के साथ मे माननीय सदस्यो से दर्खास्त करूंगा कि वे थोडी बुद्धि ले ले और इनके जो सरकार के हैड है उनको यू का यू चलता कर दे नही तो सत्याना ा होने वाला है पहले भी ये प्रदे ा को 20 साल पीछे कर गए थे अब की बार भी ये 20 साल पीछे फिर चले जाएगे। अतः मै अपने मित्रो से दर्खास्त करूंगा कि सरकार के विरूद्ध वोट डाले और मिलजुलकर कोई अपनी सरकार बना ले। इन भाब्दो के साथ मै बहुत आभार व्यक्त करता हू। कि आपने बोलने का मौका दिया। संपत सिंह जी, हम तो 50 साल से राजनीति मे है लेकिन जो नाम तुमने कमा रखा है वह हिसार की कोर्ट मे पडा है।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर, अनुसूचित जाति): धन्यवाद स्पीकर साहब, आज जो अवि वास प्रसताव पर चर्चा हो रही है मै उसके समर्थन मे बोलने के लिए खडी हुई हू। स्पीकर साहब, जिन परिस्थियो मे इस सरकार का गठन हुआ था जो राजनैतिक सोच रखते थे उनको उसी समय पता था कि इस गठबन्धन का परिणाम क्या होगा। क्योकि भारतीय जनता पार्टी ने तीन साल तक राज का फायदा उठाकर ऐन टाईप पर सारा दोश हरियाणा विकास पार्टी पर लगा दिया और इस सरकार मे भाामिल हो गये तो क्या अच्छे हो गये? पहले जो रोजाना इस सरकार के सदस्यो के खिलाफ बोलते थे आज उनका पक्ष लेकर क्या क्या कहते है। मेरा अपना तो वि वास है कि भाुद्ध साधनो से ही भाुद्ध साध्य की प्राप्ति होती है। यह सरकार जिस तरीके से बनी है वह सब जानते है क्योकि यह सरकार जनता ने तो नही बनाई। इस सरकार के तीन महीने के भाासनकाल मे जनता मे चारो तरफ त्राहि त्राहि मची हुई है। कोई भी सरकार बनती है तो उस से जनता को बडी आ ाांए होती है। इसी सोच को लेकर राज्य की कल्पना की गई थी। अगर सरकार जनता के हितो की सुरक्षा न

करे तो उस सरकार का क्या फायदा? आज हरियाणा के अन्दर कानून व्यवस्था जिस ढंग से बिगडी हुई है उसके बारे मे रोजना समाचार पत्रो मे खबरे आती रहती है कच्छाधारी गिरोह ने इतना आंतक मचाया हुआ है। कि भाहरो के साथ साथ गावो मे भी लोग आंतकित हो गये है कि न जाने आज रात को क्या हो जायेगा। सरकार इस गिरोह को पकडने मे विफल रही है इस बात का अदंाजा डी0सी0, एस0पी0 और एस0डी0एम0 की बातो से लगाया जा सकता है क्योकि उन्होने लोगो को कहा है कि गावो मे आप ठीकरी पहरा दे और आज गावो मे लोग ठीकरी पहरा दे रहे है। लोगो की जान माल की हिफाजत सरकार को करनी चाहिए परन्तु यह सरकार इसके लिए पूर्णतया विफल हो गई है। रोजना हत्याओ, डकैतियो के बारे मे समाचार पत्रो तथा भुगत भोगियो द्वारा खबरे दी जाती रहती हैं इस बात की जानकारी इन सदन मे बैठे सभी साथियो को है। कांग्रेस जैसी पार्टी, जो इस बात मे वि वास रखती है कि लोकतान्त्रिक तरीके से सरकार चले, को ऐसा अवि वास प्रस्ताव लाना पडा। स्पीकर साहब, चुनाव के दौरान किसी भी पार्टी को लोगो के सामने ऐसा वायदा नही करना चाहिए जिस पूरा न किया जा सके। लेनिक इस प्रकार की धारणा वर्तमन सरकार की पार्टी से ज्यादा बनी है इससे लोगो के सामने झूठे वायदे किए जिसका परिणाम इसे आठ वर्शो तक भुगतना पडा। इन्होने कितनी ही घोशणाएं बडे बढिया तरीके से की तथा कहा कि इलैक ान कमी ान की पाबन्दी है वरना करना तो हम यह भी चाहते कि बिजली देगे, पानी देगे। आज बिलजी औ पानी की हालत क्या है। वैसे तो मंत्री जी यह दावा करते है कि इतने लाखो यूनिट बिजली का उत्पादन बढा है और वह बिजली हमने जनता को सप्लाई की है। लेकिन गांव और भाहर कही पर भी ऐसी आवाज नही आ रही कि उनको बिजली मिल रही है बल्कि हालात ऐसे है कि गांव मे लोग कहते है कि जल्दी अन्धेरा होने वाला है रोटी बना लो क्योकि बिजली तो आने वाली नही है कि गांव मे लोग कहने है कि जल्दी अन्धेरा होने वाला है रोटी बना

लो क्योकि बिजली तो आने वाली नही है। गांव मे लोग कहते है कि 7 बजे भााम को बिजली आती है। बिजली सात बजे आनी है। लेकिन रोटी बनाकर खाने के लिए सामने रखी होती है और बिजली चली जाती है। 8 बजे फिर बिजली आएगी, 15 मिनट तक रहेगी फिर चली जाएगी। जो इतना लाख यूनिट बिजली बढी और सप्लाई हुई, जनता को तो इस बारे मे पता नही है। इसका नतीजा यह हुआ है कि आज ही विधान सभा के इस सै ान की पहली बैठक थी और हजारो की संख्या मे लोग आप अपने साधन तथा अपनी प्ररेणा से चलकर इस बात का विरोध करने के लिए आए है। जंहा तक पानी का सवाल है, न्याय युद्ध इन लोगो ने ही चलाया था। यह बात ठीक है कि एस0वाई0एल को खुदवाना का काम श्रीमती इन्दिरा गांधी ने भाुरू किया था, इस बात पर न्याय युद्ध चलाया गया था। पता नही किनते ट्रैक्टर और जनता की मोबोलाईजे ान इस बात पर हुई भी और आज जब सत्ता इन लोगो के हाथ मे आई है तो सरकार कहती है कि नहर पजांब सरकार ने बनवानी है और उसमे हमारा जोर नही चल सकता। हमने इस जल विवाद का केस सुप्रीम कोर्ट मे दिया था कि कावेरी जल विवाद की तरह हमारा श्री जल विवाद का माला सुलझ जाए। लेकिन आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय ने कहा कि हम प्रका ा सिंह बादल से बातचीत करके यह मामला सुलझा देगे। इस सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से यह केस वापिस ले लिया। मै इस बात से इन्कार नही करती कि बातचीत मे समझौतो होते है, बातचीत से बडी से बडी समस्या का भी समाधान हो जाता है। लेकिन 3 महीनो मे जिस काम को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी क्या इस मे कोई मीटिग हुई है कोई भाुरूआत हुई है? ऐसा प्रका ा सिंह बादल का क्या दबाव है कि उनके कहने से हरियाणा के बडे से बडे हित बलिदान कर दिये जाते है। हरियाणा की जनता मे इस बात की पूरी नाराजगी है और वह जानना चाहती है कि एस0वाई0एल0 के पीछे क्या चुप्पी है, इसका कारण क्या है? जल विवाद पर और भी जो सुझाव दिए गए है प्रैस मे जो छप रहा है कि पूरे जल

संसाधानो का राश्ट्रीयकरण होना चाहिए, इस बात की तो मै पक्षधर हू। यह बहुत अच्छी बात है अगर दे ा मे ऐसा मौका आ जाए कि सारे जल संसाधानो का राश्ट्रीयकरण हो और सब को बराबर बिजली और पानी मिल और न कही बाढ आए और न की सूखा पडे। लेकिन यह काम करना किसने है? जो बात हमने करनी थी, क्या हमने अपनी उस जिम्मेवारी को पूरा तरह से निभाया है? यह बात पहली बार हुई है कि किसान को समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर अपनी पैडी बेंचनी पडी है। बडी सफाई से कहा गया है कि सरकार ने पहले की निस्बत ज्यादा खरीद की है पैडी की। लेकिन यह तो वही बात हुई जैसे अ वथामा तो मर गया है पर वह गुरू पत्र नही हाथी है और वह पिछली बात सुनने नही देनी है। आपको ज्यादा खरीद करनी पडी, इसका कारण क्या है।पहले समर्थन मूल्य की जरूरत होती थी खरीद लेते थे। आज सरकार को जिस मन से जिस ढंग से मैदान मे उतरना चाहिए था वैसा नही हुआ। आप चाहे पैडी की मो चर की बात करते है या कोई और बात करते है हमने एक आध जगह जाकर देखा है कि मो चर वाली म ाीन खराब है, इस बात का कोई तथ्य नही मिला। यह बात माननी पडेगी कि आधी ब्यूरोकरेसी भी यह कोि ा ा करती है कि किसी प्रकार हमे मेहनत न करनी पडे इसके लिए लोग परे ाान होते है तो होते रहे। मै ऐसा आरोप नही लगाती कि आपका मन ठीक नही है लेकिन यह सच है कि इस प्रकार की हालत पैडी की खरीद मे पिछले 15–20 सालो मे जब से हम थोडी बहुत समझ रख रहे है कि यह खरीद फरोख्त है, किस मूल्य पर जाएगा तब के बाद से अब तक कभी भी नही हुई है। आज किसानो मे त्राहि–त्राहि मच रही है जबकि आपको उन्होने जन समर्थन दिया जिसके लिए आप बार बार कहते है कि हमारी पार्टी 10 की 10 सीट हार गई। जनता ये जो किया है वह हमारे सिर माथे पर है। हम नही कहते कि उन्होने क्या किया है और क्या नही किया है। जो आ ाांए आपने लोगो मे जगाई थी वे आज पूरी नही हो रही है इसका खमियाजा आपको भुगतना

पडेगा। जितनी तेजी से जनता राजी हुई थी उतनी ही तेजी से नाराज होकर उससे ज्यादा उग्र रूप मे आपमके सामने भी आएगी। ये उनका अपना हक है कि वे किस प्रकार से अपने वोट का इस्तेमाल करे।

19.00 बजे।

सिर्फ मेरा यह कहना जरूर है कि हमे जनता को सच्चाईयो से आगाह करना होगा। सच्चाई से आगाह कराकर ही उनके अंदर हर प्रकार का साहस और मनोबल पैदा करना होगा, न कि झूठ का सहारा लेकर हम अपने काम करते रहे। अध्यक्ष महोदय, यह बडे ही दुख और ताज्जुब की बात है कि हमारी मौजूदा सरकार ने पी0आर0सी0 का पैसा सडको को ठीक कराने मे लगा दिया। लोकतन्त्र मे ऐसा पहली बार हुआ है। पी0आर0सी0 का पैसा पंचायती राज एक्ट के तहत पंचायतो को ज्यादा से ज्यादा अधिकार देने के लिए केन्द्रीय सरकार ने दिया था। अध्यक्ष महोदय, होना तो यह चाहिए था कि उस पैसे का इस्तेमाल पंचायतो को साथ मे लेकर करना चाहिए था लेकिन मौजूदा सरकार के पी0आर0आई0 का है वह उससे स्वेच्छा से अपनी पास वाली सडको को ठीक कराने मे दे दिया। अध्यक्ष महोदय, अगर ये ऐसा करेगे तो इनकी नेक नामी होनी वाली नही है। भारत सरकार ने जिस काम के लिए वह पैसा दिया था उसमे इन्होने यह यूज नही किया। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की जबरदस्ती के आलम से तो लोगो को सबसे ज्यादा दुख होता है और इस कारण जनता पहले वाली सरकार से दुखी होकर चौटाला साहब की तरफ आई है। अध्यक्ष महोदय, अफसोस की बात है कि वे भी वैसा ही कर रहे है और यह जबरदस्ती की आलम अगर पंचायतो तक भी पहुचने लगेगा तो विधायको का क्या हाल होगा, मंत्रियो का क्या हाल होगा, यह बात तो वे अपने मन मे ही जानते है। अध्यक्ष महोदय, आज हर जगह अवि वास और अंसोतश की बात कही गई है और जो गरीब आदमी सबसे पीछे खडा है उसकी तरफ

कोई भी ध्यान नह दे रहा। हर कोई यही कहता है कि रा ान मिलेगा जो गरीबी रेखा से नीचे रहने वालो को मिलेगा, कर्जा मिलेगा तो वह भी गरीबी रेखा के नीचे रहने वालो को ही मिलेगा और अगर एन0सी0 और एस0टीज0 की लडकियो की भाादी मे सरकार कन्यादान देगी तो वह भी गरीबी की रेखा से नीचे रहने वालो को ही मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, यह जो कन्यादान का मामला है इसमे तो कम से कम गरीबी की रेखा की भार्त नही होनी चाहिए। पिछली सरकार के समय जब चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी विपक्ष ने नेता थे उस वक्त भी मैने यह गरीबी की रेखा से नीचे वाली बात उठाई थी और उस वक्त इन्होने मेरी इस बात का समर्थन भी किया था लेकिन आज जब से स्वंय मुख्यमंत्री है तो उस और बिल्कुल भी ध्यान नही दे रहे। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री ने बुढापा पै ान मे 5 एकड जमीन या 50 एकड जमीन की कोई भार्त नही रखी इसलिए इन्हे इस कन्यादान वाली स्कीम मे भी कोई भार्त नही रखनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री से हमारी व्यक्तिगत तौर पर कोई दु ामनी नही है लेकिन इन्होने कन्दयादान के अंदर जो गरीबी रेखा वाली भार्त रखी है यह ठीक नही है। चाहे ये लोग अवि वास प्रस्ताव मे हम से जीत जाये लेकिन लोगो के मन मे सवाल आ रहे है उन्हे यहां कहना और उनके लिए यहां सघर्श करना हमार धर्म है। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मुख्यमंत्री महोदय से निवदेन करूंगी कि जब बुढापा पै ान से इन्होने भार्ते हटा ली है और वे वास्तव मे ही एस0सीज0 और एस0टी0 को कन्यादान की स्कीम का फायदा पहुचाना चाहते है तो वे इस स्कीम मे भी कोई भार्त न रखे। अध्यक्ष महोदय, मैने कुछ बुनियादी सवाल उठाये है और इस सदन के हर सदस्य से प्रार्थना करूंगी कि वे सभी अपने अपने मन मे झांझकर अपनी अर्न्तात्मा को टोटेले और अगर ये समझते है कि जो सवाल मैने उठाये है वे सही है तो वे अवि वास प्रस्ताव के पक्ष मे वोट दे।

श्री कृश्णपाल गुर्जर (मेवला महाराजपुर): अध्यक्ष महोदय, विपक्ष की तरफ से जो अवि वास प्रस्ताव आया है मै

उसके विरोध मे बोलने के लिए खडा हुआ हू। (ाोर एवम व्यवधान) अभी बहर करतार देवी जो कह रही थी कि चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी की सरकार बैकडोर से बनी है। मै बहर जी को बताना चाहूगा कि इस बैकडौर सरकार पर हरियाणा की जनता ने लोक सभा चुनावो मे अपनी सहमति की मोहर लगा दी है तथा लोग समर्थन मे है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाईयो के पास विरोध करने के लिए कुछ मुद्दे तो है नही वे केवल अनर्गल आरोप लगा रहे है।

श्री मनी राम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ये मोहर लग जाने वाली जो बात कर रहे है उस सम्बन्ध मे, मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि कांग्रेस पार्टी ने तो केवल तीन घंटे 7 बजे से 10 बजे तक ही हमे सपोर्ट किया था उसकी मोहर तो हमारे ऊपर लग गई लेकिन ये तीन साल हमारे साथ रहे इन्हे तो वो बात छू भी नही रही। (विघ्न)

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, वह तो हरियाणा की जनता ने बता दिया कि किसने मलाई खाई है। जिन्होने मलाई खाई है उनको जनता ने सजा दे दी और जिन्होने मलाई नही खाई उनको पांच सीटे जिता दी। भारतीय जनता पार्टी के प्रति लोगो मे गुस्सा होता तो भारतीय जनता पार्टी के पांच सदस्य लोकसभा चुनाव जीत कर नही आते। इस प्रकार जनता ने अपना फेसला दे दिया है। (ाोर)

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, अरिस्टोटल ने कहा है कि पब्लिक दो तरह से जीती जाती है “By love or by fear.” It was by fear of the Government not by love.

डा0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, फियर से या पापुलरटी से जीते इस बारे मे इनको किसी तरह की उपमा देकर बात कहने की जरूरत नही है। (ाोर)

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, मुझे अफसोस है कि गोदारा जी जैसे वरिश्ठ सदस्य लोकतंत्र मे जनता जौ फेसला दिया है उसका अपमान कर रहे है। (ाोर) यह बडे अफसोस की बात है किसी तरह के डर से नही बल्कि लोगो ने अपनी मर्जी से इस गठबन्धन को वोट दिया है और हार जीत हजारो वोटो मे नही हुई बल्कि लाखो मे हुई है। इसलिये ये तरह तरह के आरोप लगा रहे है। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा एक प्वायट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, कृपया बताइए, आपका क्या प्वायंट आफ आर्डर है?

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, गोदारा साहब एक वरिश्ठ साथी है। मै इनसे कोई बहस नही करना चाहता लेकिन आपके माध्यम से एक बात इनको याद दिलाना चाहता हू कि इन्होने ''भय'' भाब्द का प्रयोग चुनाव के लिये किया है। लेकिन जिस पार्टी मे गोदारा साहब बैठे है उस पार्टी के नेता चौधरी बंसी लाल जी थे और विधानसभा चुनावो के दौरान दादरी मे एक पब्लिक मीटिंग होने जा रही थी तथा चुनाव के चार दिन बाकी थे। उन्होने यह कहा है कि दादरी वालो आज बी0बी0सी0 बोला है और बी0बी0सी0 ने बसी लाल की 30 या 35 सीटे बताई है। चार दिन बाकी है या तो वोट डाल दियो नही तो किसी की मूंछ नही पाओगी तो किसी की टांग नही पाओगी और अजांम तुम्हे भुगतना पडेगा। वे तो बीते हुए दिन है। आज ये दूसरो पर आरोप लगाते है। इन्होने सीखा ही यही है कि दूसरो पर आरोप कैसे लगाए जांए (ाोर)

श्री कृश्णपाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे कांग्रेस की साथी बहन करतार देवी और खु ीिद अहमद बी0जे0पी0 के तीन साल तक मलाई खाने की बात कर रहे थे कि बी0जे0पी0 ने तीन साल चौधरी बसी लाल के साथ मिलकर मलाई खाई। इस

सम्बन्ध मे, मै यह कहना चाहता हू कि असली मलाई खाने की कोि ा ा तो इन्होने चौधरी बंसी लाल जी के साथ मिलकर की थी लेकिन वे किस को मलाई खिलाने वाले है। इसलिये उन्होने इनको मलाई खिलाई नही और जब इनको मलाई खाने को नही मिली तो इन्होने उनकी सरकार गिरा दी। अध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी के नेतृत्व मे सरकार ने हरियाणा के हर वर्ग के लिये जो कल्याणकारी पग उठाये है आज इनके विपक्ष के साथियो को जलन हो रही है कि हर वर्ग के दिल मे इस सरकार के प्रति हमदर्दी कैसे पैदा हो गई है। चाहे चुगी माफी की बात हो, चाहे अग्रोहा कालेंज की ग्रान्ट खोलने की बात हो, चाहे बुढापा पै ान 200 रूपये करने की बात हो, चाहे खालो को पक्का करने की बात हो या दूसरी ऐसी कई कल्याणकारी स्कीमो की बात हो, सरकार ने हरियाणा के चहुमुखी विकास के लिये और हरियाणा के हर वर्ग के लिये जो काम किये है वे अविस्मरणीय है। सरकार ने हरियाणा की जनता से जो जो वायदे किये है सरकार उनको पूरा कर रही है इसलिये जनता ने सरकार के कामो को देखकर चुनावो मे उस के हक मे मोहर लगाई है। आज विपक्ष के साथी बार बार चुनावो की बात करते है और चुनावो मे अध्यक्ष महोदय, ये लोग क्यो डरते है? स्पीकर साहब, कांग्रेस पार्टी के चौधरी खु ार्शिद अहमद जो हाउस मे बैठे है। मै इनको बताना चाहूगा। (ाोर)

श्री रण्दीप सिह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। हमारे माननीय साथी ने कहा कि विपक्ष की पार्टी के सदस्य चुनावो से डरते है। मै इनका ध्यान आज के ''ट्रिब्यून'' अखबार की तरफ आकृशित करना चाहूगा। आज के ''ट्रिब्यून'' अखबार मे छपा है कि भारतीय जनता पार्टी भी नही चाहती कि चुनाव हो। ये भी चुनाव के घबराये हुए है।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः स्पीकर साहब, मै चौधरी खु ार्शिद अहमद जी का ध्यान एक बात की तरफ दिलाना चाहता हू। जब

चौधरी बंसी लाल के समय मे जोड तोड की बात चल रही थी और उसको समर्थन देने की बात चल रही थी तो उस समय विधान सभा भंग करने की चर्चा हुई। उस समय कांग्रेस पार्टी के सारे एम0एल0ए0 सोनिया गांधी से मिले और कहा कि इनको समर्थन दे दो विधान सभा भंग मत करो क्योकि ये चुनावो से डर रहे थे और आज भी ये चुनावो से डर रहे है। इनको पता है कि हरियाणा मे इनकी पार्टी का सफाया हो गया है। हरियाणा मे कोई आदमी इनकी बात सुनने वाला नही है बहर करतार देवी ने बोलते हुये कहा कि एस0वाई0एल0 का पानी हरियाणा मे कब आएगा। मै उनसे पूछना चाहता हू कि 1991 से लेकर 1996 तक हरियाणा प्रदे ा मे, पजांब प्रदे ा मे और केन्द्र मे कांग्रेस पार्टी की सरकारे रही, उस समय इनके ध्यान मे यह बात क्यों नही आई। जब वे विपक्ष मे होते है उस समय इनको एस0वाई0एल0 याद आती है और जब पावर मे होती है तो ये उसको भूल जाते है। आज की सरकार हरियाणा की जनता के हितो के बहुत से कार्य कर रही है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सरकार के सामने फरीदाबाद की कुछ समस्याओ के बारे मे कहना चाहूगा । वहां की समस्याओ के बारे मे मुख्यमंत्री जी का ध्यान आकर्शित करना चांहूगा। उनका ध्यान इसलिए आकर्शित करना चाहूंगाप क्योकि वहां की जो समस्या है वे पिछली सरकार के समय की है आज हम उनका समाधान चाहते है। हमने चौधरी बंसी लाल जी को कई बार कहा कि फरीदाबाद की जनता पर हाउस टैक्स तीन से 10 गुणा कर दिया गया है जिसके कारण फरीदाबाद की जनता कराहा रही है। आप इसका समाधान करे। हम इस बारे मे इनसे कई बार मिले लेकिन उन्होने इस बारे मे कोई सुनवाई नही की। (ाोर) स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी का ध्यान आकर्शित करना चाहूगा कि चौधरी बंसी लाल जी को पिछली सरकार ने फरीदाबाद विधान सभा क्षेत्र के तीन भाहरो के अन्दर हाउस टैक्स तीन से 10 गुणा बढा दिया था यह वहां की जनता के साथ अन्याया है। इस बारे मे मुख्यमंत्री जी ध्यान दे। इसके

अलावा उन भाहरो के अन्दर जितनी भी अनअथोराईइज्ड कालीनीज है उनके बिजली के कनैक ान वरबली बंद कर दिए गए थे। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवानः आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, ये पिछली सरकार के कार्यो की बात कर रहे है। यह सभी को पता है कि ये खुद उस सरकार का एक हिस्सा थे क्योकि ये उसमे मंत्री थे। (विघ्न) पिछली सरकार मे ये मौज करते रहे। अब इनको कनैक ांज याद आने लगे। कैबिनेट मंत्री गवर्नमैट का एक पार्ट होता है। एक मंत्री ऐसी बात कहे वह अच्छा नही लगता, कोई विधायक कहे तो बात समझ मे आती है लेकिन जिस सरकार मे कोई सदस्य खुद मंत्री रहे और उसी समय के कार्यो की बुराई करे, वह अच्छा नही लगता। मै बताना चाहूगा कि 432 मैगावाट का नै ानल थर्मल प्लांट जो लगा है वह उस वक्त की सरकार ने इसने एरिया मे ही लगाया था। अब ये कह रहे है कि बिजली नही मिल रही। (विघ्न)

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः स्पीकर साहब, अगर उस सरकार मे मत्रियो की सुनवाई हुई तो आज के दिन इनको वहां पर नही बैठना पडता। यदि इन्होने बिजली के कनैक ान बंद करने थे तो सारे प्रदे ा मे करते केवल हमारे वहां के तीन क्षेत्रो मे ही क्यो किए गए? वहा पर लोगो ने 80 प्रति ात अनाधिकृत कनैक ान लिए हुए है जिससे सरकार का लौस हो रहा है। यदि उनके रैगुलर कनैक ाप दे दिए जाते है तो सरकार को भी फायदा होगा ओर वहां के लोगो का भी फायदा होगा। अब वह पैसा सरकार के रवैन्यू मे आने की बजाय गलत लोगो के हाथो मे जा रहा है। इसलिए सरकार से मांग है कि जो कनैक ान चौधरी बंसी लाल जी ने बन्द कर दिए थे उनको पुनः चालू किया जाये। यह सभी को पता है कि फरीदाबाद मे बाहर प्रदे ाो के बहुत गरीब मजदूर आकर बसते है। बडी तादाद मे गरीब मंजूदर वहां बसे है। ये लोग वहां पर छोटी छोटी कालोनियो मे रहते है। पिछली सरकार,

जिसमे मै भी भागिल था, के बारे मे बताना चाहूगा कि केन्द्र सरकार से या असली सरकार ने जो सल्म बारे ग्रांट मिलती थी, उसको चौधरी बंसी लाल जी की सरकार बंद कर दिया था। बी0जे0पी0 के विधायक और कार्यकर्ता उन लोगो को समझाते रहे है कि जो सुविधा बंसी लाल की सरकार ने बंद की है वह सुविधा बंसी लाल की सरंकार नही देगी तो अगली सरकार ने दिलाने की कोि ा ा करेगे। इसलिए आपके माध्यम से मुख्यमंत्री से मेरी प्रार्थना है कि उन कालोनियो के सलम को दूर करने के लिए जो भी ग्रांट जंहा से मिलती है उसको पुन चालू किया जाये ताकि उन कालोनियो मे रहने वाले लोगो के जीवन स्तर को सुधार जा सके और उन्हे पूरी जन सुविधाए मिल सके।

अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद मे सडको की हालत बहुत खराब है। मुझे मौजूदा सरकार पर वि वास ही नही बल्कि पूरा भरोसा है कि यह सरकार वहा की इस समस्या का भी निदास अव य करेगी। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद मे प्रतिवर्श 10 प्रति ात आबादी बढती जा रही है। क्योकि यह जिला उतर प्रदे ा और दिल्ली के साथ लगता हुआ जिला है इस कारण वहां पर अपराधो की सख्या मे भी वृद्धि होती जा रही है। आबादी के हिसाब से ओर अपराधो की संख्या को देखते हुये वंहा पर पुलिस बल काफी कम मात्रा मे है। इसलिए मै सरकार से निवेदन करूंगा कि वहां पर पुलिस बल को बढाया जाये। धन्यवाद।

श्री सतपाल सांगवान (दादरी): स्पीकर साहब, के खिलाफ जो नो कांन्फिडैंस मो ान आया है मै उसको स्पोर्ट कतरा हू। (विघ्न) सबसे पहले मै हरियाणा मे इस सरकार के बनने के बाद लां एण्ड आर्डर की जो सिचुऐ ान है उसके बारे मे अपनी बात कहना चाहूगा। मै आपकी डेटवाईज यह भी बता सकता हू कि कहां पर क्या क्या लूट पाट या दूसरी वारदाते हुई। मेरे पास इनकी पूरी डिटेल है। स्पीकर साहब, डेली मर्डर होते है और कोई दिन ऐसा नही जाता जब कोई लूट पाट आदि की घटना न होती

हो। एक भी दिन ऐसा नही गुजरता जब कोई वारदात न होती हो। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै आपको भिवानी के बारे मे बताना चाहता हू। भिवानी के अन्दर एक टाटा सूमो को लुटरो ने लूट लिया। भिवानी के अन्दर उसी दिन जब जनता ने लुटरो को पकडने की मांग की तो इनके साथ बदसलूकी की गई। एक व्यपारी को पिस्तौल की नाम पर लूटा गया। स्पीकर साहब, यह सारी डिटेल मेरे पास है और अगर आप चाहे तो मै यह डिटेल आपको दे सकता हू। पानीपत मे एक कर्मचारी वेतन ले कर जा रहा था उसको लूटा गया। बाढडा मे एक कर्मचारी पैसा ले कर जा रहा था उसको लूट गया। दादरी मे खाती के लडके को जो कि 11वी क्लांस का छात्र था, उसका मर्डर हुआ लेकिन अब तक कोई भी अपराधी पकडा गया स्पीकर साहब, आपके हल्के हल्के के पस सोनीपत मे साबियाबाद मे कच्छा बनियान पहले हुए लोगो ने लूट पाट की उनके खिलाफ क्या हुआ यह सब को पता है। स्पीकर साहब, करनाल मे एक आढती की दुकान से 2 लाख 20 हजार रूपये लूट लिये गये ओर कोई अपराधी पकडा नही गया। वे जेल से छूटे हुए थे। रोहतक जेल से ये अभियुक्त भागे गये हुये थे लेकिन इस सरकार ने इसकी कोई परवाह नही की (विघ्न) स्पीकर साहब, बाढडा के अन्दर जो घटना हुई उसका भी सभी को पता है और हमारी लीडर आफ हाउस को पता है बाढडा के अन्दर काकडौली सरदार एक गांव है। (विघ्न) पुण्डरी के अन्दर एक क्लर्क तनख्वाह ले कर जा रहा था उसको तनख्वाह ले जाते हुये लूट लिया गया। एक कै ियर को लूटा मे पैट्रोल पम्प को लूटा गया। फतेहाबाद के बारे मे हमारे चौधरी सम्पत सिह जी बडी बातो मार रहे थे इनके वहां पर भी एक गांव मे डाका डाला गया और 73 हजार रूपये लूट कर ले गये। स्पीकर साहब, हमारे यहां भिवानी मे एक बडी इन्ट्रस्टिंग बात हुई जिसमे हमारे सीनियर नेता श्री राम बिला ा भार्मा जी भी गए थे। वंहा पर एक स्कूल है जो कि बहुत ही बढिया स्कूल है, इस बात को सारा हरियाणा प्रदे ा जानता है उसके बारे मे राम बिलास भार्मा जी को भी

पता है कि वह स्कूल बहुत बढिया है। वहा पर बहुत ही बढिया हैडमास्टर लगे हुये है, वहां पर हैडमास्टर और स्कूल के स्टाफ को पीटा गया। राम बिलास भार्मा जी भी वहां पर जा कर आए है और वहां पर लोगो को वि वास दिला कर आए थे कि वे मुख्यमंत्री जी से बात करेगे। स्पीकर साहब, हरियाणा स्टेट के अन्दर इस प्रकार की लां एण्ड आर्डर की स्थिति है। (विघ्न) स्पीकर साहब, पानीपत के बाजारा मे खुल्लल खुल्ला लूट पाट हुई और कच्छा बनियान गिरोह ने सब से ज्यादा वारदातो इस प्रदे ा के अन्दर की लेकिन वह कच्छा बनियान वाला गिरोह पकड नही जाता और फिर पता नही कहां से आ जाता है। आज यह तो लां आर्डर की स्थिति है। (विघ्न) स्पीकर साहब, आपको महम काण्डा का पता है एक बहुत सीनियर चेयरमैन ने महम के थाने मे क्या किया लोहारू के अन्दर रूंलिग पार्टी के तीन लोगो ने रोडवेज इनसपैक्टर को मारा और जब थाने मे एफ0आई0आर0 दर्ज करवाने को गयातो उस इन्सपैक्टर को मारने की धमकी दी गई। थाने के अन्दर उसकी पिटाई की गई।रोडवेज वालो ने हडताल कर दी। परन्तु जो रोडवेज कर्मचारी यूनियन का प्रधान था वह रूलिग पार्टी का आदमी था और उसने स्ट्राईक विदड्रा करवाकर उसको बचा दिया। (विघ्न) रोहतक मे पिस्तौल की नोक पर व्यापारी से हजारो रूपये लूट गये। उसकी मारूति कार भी छीन ली गई। रोहतक मे रोजना काण्ड होते है। रोहतक, हिसार मार्ग पर कही जीप छीन ली गई कही ंचालक को गोली मारकर फेंक दिया गया। यह तो अध्यक्ष महोदय, इनके लां एण्ड आर्डर कि स्थिति है। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास बताने को बहुत कुछ है लेकिन मै इस बारे मे ज्यादा समय नही लूगा क्योकि मेरा समय खत्म हो जाएगा। स्पीकर साहब, इनके आदमी बझे ठाठ बाठ से बोस्टिंग करते है कि हमने इनकी जमानत जब्त करवा दी। यह करवा दी वह करवा दी। स्पीकर साहब, इनके झूठे नारो मे जमानत जब्त करवाई है। (विघ्न) स्पीकर सर, हमारे आज के लीडर आफ दि हाउस ओमप्रका ा चौटाला है इन्होने एरिया मे नारा दिया कि बिजली पानी मुफत दूंगा। वहा पर

इसी कारण कादमा काण्ड हुआ। चौधरी ओमप्रका ा चौटाला ने अपनी पार्टी के वर्करो को कहा कि इनको गांव मे न बडने दो, जिसके कारण हम पर लाठिया भी पडी। अध्यक्ष महोदय, जो इनका सो कांल्ड प्रधान इनक टिकट पर इलैक ान लडा उसी की वाईफ ने कहा कि हमे गांव के बीच मे लाठिया मारी है। गांव वालो ने कहा कि गांव के बीच मे तब बडने देगे जब बिजली पानी मुफत दोगे। अध्यक्ष महोदय, इनके इस नारे ने एक काम जरूर कर दिया है। मै गांव मे जा रहा था तो मैने एक किसान से पूछा कि बिजली का पानी का क्या हुआ। तो उसने कहा कि वैसे ही मुंफत हो गई है मैने पूछा कि कैसे हो गई है। तो वह मेरे को समझाने लगा कि मीटर के अन्दर एक तार आती है और दूसरी तार मीटर से निकल कर बाहर जाती है। जब बिजली मुफत हो गई। जब बिजली की नही होगी तो पानी भी नही होगा। इस हिसाब से पानी भी मुफत हो गया। इन्होने इस ढंग से बिजली पानी मुफत किया है। स्पीकर साहब, लोगो की इन्टै ान थी कि हमे बिजली का पानी मुफत मिलेगा। लोगो की इन्टै ान इस तरफ से हटाने के लिए इन्होने बिजली पानी देना ही बंद कर दिया। अब उसको लोग भूल गए क्योकि लोग मर रहे है। अकाल पड रहा है, सूखा पड रहा है। अब लोग भूल गए कि हमे बिजली मुफत मिलेगी। अब तो वे कहते है कि हमे बिजली दे दो, पानी दे दो। सर, आज ये हालात है। स्पीकर साहब, अगर किसी मे बोलने की हिम्मत है तो वे इस सरकार के बारे मे क्या कह रहे है। (विघ्न) स्पीकर साहब, मै ओमप्रका ा चौटाला जी को आपके माध्यम से कहना चाहता हू कि जो वायदे इन्होने जनता से किए थे उनको याद करो। ये जो जगह जगह काण्ड हुये, कादमा काण्ड हुआ, मारा मारी हुई और जो ये भाई कह रहे है कि हमारी पार्टी के लोगो की जमानत जब्त हो गई वह इस कारण से हुई क्योकि इन्होने बिजली पानी मुफत का नारा दिया था। जिन किसानो ने अपना सब कुछ इन पर न्यौछावर कर दिया उनको ये बिजली पानी जरूर मुफत दे यही मेरी इनसे प्रार्थना है। स्पीकर साहब, आपको पता है कि दक्षिण

हरियाणा मे मेन पानी ट्यूबवैल और नहरो का आता हैं आज वहां पर अकाल पडा हुआ है। आप चाहे तो पता लगा ले। सर, अकेले दादरी से ही छ सौ इंजन खरीदे गए है। डीजल का 35 प्रति ात मूल्य एकदम बढ गया जिसके कारण ये आज किसान मारा जा रहा है। मै आपके माध्यम से प्रार्थना करता हू कि दक्षिणी हरियाणा को अकाल ग्रस्त क्षेत्र घोशित किया जाए। ओमप्रका ा चौटाला जी किसानो के मसीआ बने फिर रहे है, ये उन किसानो की जाकर सुध तो ले ले। ये सिरसा मे ही बैठे रहते है। भिवानी के लोगो ने दिल खोल कर आपको नोट दिए, वोट दिए और रोट दिए है। स्पीकर साहब, मे आपको बताना चाहता हू कि वे लोग लुट गए है इसलिए लुट गए क्योकि उन्होने सोचा कि बिजली का पानी मुफत हो जाएगा। अब कम से कम इनको बारे मे सोचना चाहिए।

श्री कर्ण सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। सर, एक तरफ तो चौटाला साहब के मंत्रिमडल और हमारी सरकार के खिलाफ जो अवि वास प्रस्ताव इन्होने दिया है, सांगवान साहब उस पर अपनी बात कर रहे है वही दूसरी तरफ साथ ही साथ सरकारर से मांग भी रहे है। इन्हे भाायद यह पता नही है कि ये क्या बोल रहे है?

श्री सतपाल सागंवानः ठीक है मै, आपसे आज भााम को बोलना सीख लूगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप अब बैठे। आपको बोलते हुए 15 मिनट हो चुके है।

श्री सतपाल सागंवानः सर, मै दो मिनट और लूगां। सर, दलाल साहब जिसे अपनी सरकार बात रहे है उसी के सामने अभी थोडी देर पहले इन्होने ध्याना कर्शण प्रस्ताव रखा था।

वैक्तिक स्पश्टीकरण

श्री कर्ण सिंह दलाल

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है। सर, एक विधायक की यह जिम्मेवारी होती हैकि वह चाहे सरकार मे रहे या विपक्ष मे रहे लेकिन वह जनहित की बात सदन मे उठाता रहे। सरकार मे रहते हुए क्या किसी विधायक पर यह रोक है कि यह जनहित की बात नही कर सकता? (विघ्न) सर, मै तो आपके माध्यम से इनको सुझाव दे रहा था। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी ने लोगो से यह भी वायदा किया था जो कि मार्किट फीस तीन परसैट से चार परसैट कर दी गयी थी उसको ये आते ही घटाकर चार से दो परसैट कर देगे। मेरी आपके माध्यम से इनसे प्रार्थना है कि इन्होने लोगो से जो हामी भरी है। उसको तो इनको पूरा करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, अब आप बैठे।

श्री सतपाल सांगवानः सर, मै थोडा समय और लूंगा। सर, आपको भी याद होगा कि जब चौधरी भजन लाल जी की सरकार के समय मे दिल्ली सरकार के साथ यमुना के जल का समझौता हुआ था उसके खिलाफ चौटाला साहब नारनौल से लोगो से भरे हुए ट्रैक्टर्ज लाए थे और इनहोने कहा था कि मै यह पानी दिल्ली नही जाने दूगा। सर, आज मै बडा अचम्भा करता हू कि इनको यह कुर्सी मिलते ही लोगो से किए हुए वायदे भूल जाते है। ये अपने आपको किसानो का बहुत ही बडा नेता मानते है। लेकिन सारा दे ा जानता है कि अपने को किसानो के सबसे बडा हितैशी बताने वाले अपने राज मे किसानो के लिए कुछ नही करते। आज किसानो मे त्राही त्राही मची हुई है। ये सिरसा की तरह भिवानी मे भी जाकर देखे तब इनको पता चलेगा। भिवानी के लोगो ने भी इनको बहुत वोट दिए है। अध्यक्ष महोदय, अब मै अपने हल्के की बात करता हू। मेरे गांव की दो सडके मंजूर हो गयी थी उनके टेडर भी हो गये थे, वर्क अलौट हो गये थे और काम भुरू हो गया था लेकिन इन्होने आते ही वह सारा काम एक दम बंद कर

दिया। इसी तरह से नाबार्ड से हमारी नहरे मंजूर हो गयी थी लेकिन इन्होने वह काम भी बंद करवा दिया।

श्री कर्ण सिंह दलालः सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सांगवान साहब पहली बार विधायक बनकर आए है इससे पहले तो ये टेलीफोन दफतर मे नौकरी करते थे। सदन की गरिमा होती है यह ठीक है कि सदस्य को अपनी बात कहने का हक है लेकिन जब एक ऐस अहम मुद्दा सदन के समक्ष हो और सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव आया हो, उस समय अपने हल्के के कामो की याद दिलाना ब्लैक मेलिग जैसा है।

हरियाणा मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री जगननाथ (बवानी खेडा, अनूसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, मैने ज्यादा नही बोलना है एक तो यह है कि हमारे एरिया मे खासकर के भिवानी जिला और कुछ हिसार जिले का एरिया फतेहबाद के कुछ गांव, रोहतक, झज्जर, महेन्द्रगढ, रिवाडी जंहा नहर का पानी नही लगता वंहा पर बिल्कुल कैहत जैसे हालात है और सरकार ने आज तक कोई कदम नही उठाया है। इनकी पार्टी की तरफ से सैकडो स्टेटमैट्स आई है। वहा पर कैहत जैसे हालात है सावनी की फसल नही हुई, रबी की फसल होने की सभांवना नही है, ऐसे हालात हो रहे है। बाहर के चारा लाने की किसी की हिम्मत नही है। चारे की कमी है, मजदूरो को मजबूरी नही मिल रही है। किसानो के प ा दूसरे प्रान्तों मे बेचे जा रहे है। आन्ध्र प्रदे ा मे कैहत, राजस्थान मे कैहत जैसे हालात हुये थे, लेकिन वहा की सरकारो ने 2–3 महीनो मे कैहत से निपटने का प्रबन्ध कर लिया और उन्होने ये प्रबन्ध अपनी स्टेट के साधनो से किए है। ओमप्रका ा चौटाला जी या इनके अधिकारियो ने इस बारे मे अभी तक कोई कदम नही उठाया। सन ् 1964–65 मे और 1987 मे चौधरी देवी लाल जी के टाईम मे कैहत के हालात हुए थे उस समय भी कैहत से निपटने का प्रबन्ध हो गया था

लेकिन अब ऐसा कोई प्रबन्ध नही हुआ है। चारे पर सबसिडी मिलनी चाहिए थी, मजदूरो को मजदूरी मिलनी चाहिए थी, कर्ज माफ होने चाहिए थे, लेकिन अभी तक ऐसा कोई कदम नही उठाया गया। सिर्फ बिजली पानी की बात सारा दिन रात होती रहती है लेकिन जो इमीजिएलटी कदम उठाये जाने चाहिए थे वह नही उठाया जा रहे है। पहले हमारी सरकार थी उस वक्त बिजली की कमी थी लेकिन अब बिजली की जो कमी है वह बहुत ज्यादा है। चौटाला साहब, कह रहे थे कि चौधरी जगननाथ सबके साथ धोखा पट्टी करता है मै उस समय पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देना चाहता था लेकिन आपने मुझे समय नही दियां धोखा पट्टी मै नही जानता था। मै तो तो ाम से पहली बार 1962 मे इंडिपैडैट चुकर आया था उस समय मै किसी नेता को नही जानता। मै वहां से चुन लिया गया वरना मै तो दिल्ली यूनीवर्सिटी मे ला मे पढता था। सबसे पहले मुझे चौधरी देवी लाल 13 मार्च 1962 को पुराना एम0एल0ए0 होस्टल के कमरा न0 32 मे मिले थे और उन्होने मुझे कहा था कि मेरा साथ देना है मैने उन दिनो मे चौधरी देवी लाल का साथ दिया जब ज्वांइट पंजाब के समय मे प्रताप सिंह कैरा के नाम से लोग भय से कापंते थे। चौधरी देवी लाल सिरसा या फतेहबाद मे जाते थे तो उनसे कोई रि तेदारा नही मिलने जाता था। लोग दरवाजो बंनद कर लिया करते थे। चौधरी भागी राम जी गांव जिया खेडा उनको रोटी पानी दिया करते थे आप भी पूरी तरह से उनके साथ नही थे, मै 100 प्रति ात थां। इस प्रकार के हालातो मे मै सन् 1967 मे बना व जैसे उन्होने कहा, उसी ढंग से चलता रहा। 1972 मे उन्होने कहा कि चुनाव नही लडना है तो मैने इलैक ान की टाल करी। 1977 मे एम0एल0ए0 बना तो मुझे चीफ पार्लियामैट्री सैक्रेटरी बनाया। मुझजे जूनियर लोग मंत्री थे। मेरे से सारे जुनियर विधायक मंत्री बनाप दिये थे फिर भी मैने कुछ नही कहा जो बात चौधरी देवी लाल जी कह देते है मै उसी बात को मान लेता थां उस जमाने मे सैक्रेटरी का पोर्टफोलिया था लेकिन मै पब्लिक रिले ानज और ट्रासपोर्ट

महमके मे जो कि मुख्यमंत्री के पास थे, मुख्यमंत्री के साथ एटैच था। उसके बाद मुझे को आप्रे ान मंत्री के साथ एटैच किया गया। उस समय श्री मोहन्ता, ए0जी0 थे मैने उनके माध्यम से चौधरी देवी लाल जी को कहलवाया कि मै आपके साथ एटैच रह सकता हू लेकिन अपने से जूनियर मंत्रियो के साथ एटैच नही रह सकता। लेकिन चौधरी देवी लाल जी उस बात को टाल गये और मैने चीफ पार्लियामेटंरी सैक्रेटरी के पद से इस्तीफा दे दिया। उसके बाद 29.11.1995 को मास्टर हुक्म सिह को मेरे पास भेजा कि रैस्ट हाउस मे चौधरी देवी लाल जी आ रहे है और उन्होने कहा है कि जगननाथ जी को मेरे से मिलाओ । मै चौधरी देवी लाल जी की बात को टाल नही सका। उन्होने तक कहा कि हम एस0वाई0एल के मुद्दं पर आन्दोलन कर रहे है आपने साथ देना है। तक मैने उनका साथ दियां उसके बाद चौधरी ओमप्रका ा चौटाल का साथ दिया। ये चौथी बार मुख्मंत्री बने मैने इनके साथ चारो बार ओथ ली लेकिन इन्होने मुझे धोखा दिय इसलिए मैने इनके मंत्री मंडल से इस्तीफा दिया। यदि मै धोखेबाद होता तो आप मेरे मंत्री कैसे बनाते? चौधरी सम्पत सिह जी ने कन्यादान के रूप मे 5100 रूपये हरिजन की लडकी की भाादी पर देने की बात कही। आम तौर पर देखा जाता है कि हर जिले मे 5–7 राजपत्रिका अधिकारी हरिजन होते है या मास्टर पटवारी या कुछ साधन सम्पन्न होते है। जो अपनी लडकियो को पढाते है एम0ए0, बी0ए0 तक पढाई कराते है उनकी लडकियो तो 18 साल या उससे भी ऊपर तक की उम्र के बाद ही भाादी कराती है, लेकिन जिन परिवारो की लडकियो को पांचवी कक्षा तक भी स्कूल मे नही भेजा जाता वे गरीब हरिजन परिवार अपनी लडकियो को 18 साल तक की उम्र तक भाादी किए बगैर नही रख सकते क्योकि उनकी लडकियो प ुओ को चराने के लिए, घास लाने के लिए खेतो मे जाती है तो उनके साथ कुछ भी हो सकता है यह हम लोग अच्छी तरह से जानते है। 18 साल के हिसाब से अगर यह पैसा दिया जायेगा तो मै समझता हू कि गरीब हरिजन की दो प्रति ात

आबादी भी इस कन्यादान के पैसे को नही ले पायेगी। उनके लिए यह एक प्रकार का प्रचार है और धोखा है। चौधरी ओमप्रका ा चौटाला गांव मे हरिजन जाति की 18 साल की कितनी लडकियो है जो अभी तक भाादी ुदा नही है। इदस सरकार की नीयत साफ नही है। इस सरकार की नीयत तो यह है कि लोगो को बहकाया जाये तो वे आगे आने वाले समय मे वोट दे देगे। वोट ऐसे नही मिलते। 1987 मे इनकी सरकार ने 38 करोड रूपये के कर्जे माफ किए थे परन्तु 1991 के चुनाव मे जनता ने इनको वोट नही दिए। जनता ने यह कहा कि इन की सरकार की नीयत ठीक नही थी। ये किसी भी स्कीम को लागू नही करते। इस कन्यादान वाली स्कीम मे यह 18 साल का फैक्टर नही होना चाहिए इसमे यह होना चाहिए कि किसी भी हरिजन की लडकी की भाादी पर यह कन्यादान दिया जायेगा। हम यहनही कहते है कि साधन सम्पन्न लोगो को यह रा ि ा दी जाये। एक गरीब हरिजन आदमी को तो अपनी लडकी की भाादी करनी पडती है चाहे वह 11 साल की हो, 12 साल की हो या 14 साल की हो इसलिए यह रा ि ा उन गरीब हरिजनो को दी जानी चाहिए। वरना यह समझते कि यह सब ढौग है। ज्यादा न कहते ही कहता हू कि ये चीजे कम इम्पलीमैट होती है। हमारी सरकार मे जब चौधरी बसी लाल मुख्यमंत्री थे उस समय मैने मंत्री रहते हुए ब्यान दिये थे और इन्होने खुद मेरे ब्यान को ठीक कहा था। मैने उस समय भी कहा था कि हमारे ि ाडयूल्ड कास्ट और बैकवर्ड क्लास के 4 एम0एल0एज0 और मंत्री यहां से गांयब कर रखे है। कई महीनो तक दफतरो मे उनके पास पुलिस के आफिसर बिठा रखे थे। वे मंत्री आज भी है और अभी ताजा ताजा बने है। उनके साथ पुलिस रहती थी और वे टेलीफोन नही सुन सकते थे। वे चारो मंत्री आज भी गायब है। (ाोर) राम बिलास जी कहते है कि हमने 10 साल के लिए आरक्षण दे दिया है। सैन्टर के अन्दर 24 पार्टिया है। 24 पार्टिया के दबाव से आरक्षण बढा है। रामबिलास जी, आपकी पार्टी के आरक्षण के विरूद्ध सारे दे ा मे आंदोलन चलाया था। मध्यप्रदे ा

गुजरात ओर महाराश्ट्र मे आन्दोलन चलाए गये थे। वहां के सचिवालयो मे नारे लगते थे कि आप आरक्षण के खिलाफ हो, मजदूरो के खिलाफ हो, गरीबो के खिलाफ हो। अध्यक्ष महोदय, मै ज्यादा न कहते हुए आपका धन्यवाद करता हू तथा अपना स्थान ग्रहण करता हू।

श्री खु र्शिद अहमदः अध्यक्ष महोदय, चौधरी जगननाथ ने जंहा खत्म किया है मै वही से भाुरू कर दू तो ठीक है। बार बार हाउस मे कहा गया कि हमने बहुत बडा मार्क का काम किया है, हमने फलां को इलैक ान मे धूल चटाई। इलैक ान से पहले क्या परफोरमैन ा थी? एक सरकार ने 27–28 जुलाई को हल्फ ली और 5 सितम्बर को लोकसभा के इलैक ान हो तो लोगो ने सामने उस सरकार की कितनी उपलब्धिया आई, लोगो ने कितना उनके कामो को देखा और कितना तोला कि ये कितने बैनिफिट लोगो को दे पाई है। इनकी सारी बाते केवल वायदे थे और एक हवा थी, उस हवा पर सवार होकर ये पार हो गए लेकिन लोग बडी तेज नरज रखते है। अभी जैसे भाई जगननाथ जी कह रहे थे कि रामबिलास जी को लोगो बडी तेज नजर रखते है अभी जैसे भाई जगननाथ जी कह रहे थे कि रामबिलास जी को लोगो को पहचान लिया कि वही और हिट नही करेगे, वही करेगे जहा टोप पर होगे। यह अच्छी बात नही है कि यह कहा गया कि हमने फंला को धूल चटाई। किसी के सहारे बिल्ली के भागो छिक्का टूटा। ये लोग गलहफहमी मे फंस गए। बार बार ताने देते हो। ये ताने देने की बात नही हैं। सरकार अपने कारनामो देखे कि इन 4 महीनो मे कोई इम्प्रूमेंट की है, अगर की है तो कौन सी फील्ड मे ही है। वे लोग बिजली और पानी का जिकर करते थे, लेकिन मुझे इस बारे मे कुछ कहने की जरूरत नही है। आपके सामने मेरे सभी साथियो ने एक एक करके बिजली के बारे मे जिकर किया बिजली की क्या पोजी ान है यदि बिजली नही होगी तो चाहे नहरो का पानी हो, चाह वाटर वर्क्स का पानी हो वह लोगो को कैसे मिल पाएगा? यह दास्तान भी खत्म हुई। ये लोग कहते है कि हम देहातो के हितैशी

है लेकिन आज पोजी ान यह है कि आप किसी भी देहात मे किसी भी सडक पर निकलो आजकल मार्किट मे जो गाडिया आ रही है उनमे से एक गाडी भी सडक पार नही कर सकती। किसी को सुमो का सहारा लेना पडता है, किसी को सफारी का सहारा लेना पडता है और किसी को को किसी और चीज का सहारा लेना पडता है। सडको मे गड्डे हो रहे है। किसी सडक पर इम्प्रूमेंट नही हुई। आप किसी देहात का समय फायदा करोगे जब कम्युनिके ान ही टुट जाएगा। जब सडके ही नही होगी तो देहात मे जो पैदावार होती है, उसको लेकर किसान मण्डियो मे कैसे जाएगा ? सडके किसी भी सोसायटी की प्रौग्रेस के लिए पहली जरूरत है। सडके जो खत्म हो गई है आज केवल नि ाानियो ही बाकी है और हो सकता है कि इस साल सडको की नि ाानिया ही खत्म हो जांए। किसान जैसे जैसे चलकर मण्डियो मे कुछ ले भी आएगा तो उसकी हालत वही बनी रहेगी। किसी भी वजीर साहब की हालत इतनी खराब नही हुई जितनी की किसान की हुई है। आज जो जिन्स का माल पिटा है, जो जीरा पिटी है, उसका जवाब हमारे साथी ने सिर्फ 2 मण्डियो के बारे मे कहा था। मंत्री जी सारे हरियाणा प्रदे ा का हिसाब रखते है और दिए हुए आकडे पढ कर बता रहे थे। लेकिन ये अलग से एक मंडी या दो मडियो के आकडो के बारे मे नही बता पाये। मंत्री जी को जो आकडे दिये जाते है उन पर ये यकीन कर लेते है। ये तो ऐसी ऐसी बातो पर यकीन कर लेते है जिनको कोई भी आदमी सोचे तो समझ जायेगा कि ये सभी बाते बनवाटी है। आज यह दिखावा जा रहा है कि इनकी सरकार ने 89 प्रति ात पैडी प्रोक्योर की है लेकिन वास्तव मे ऐसा नही हुआ और किसानो के साथ धोखा किया गया है। मण्डी के अंदर व्यापारी किसानो से सस्ते रेट पर फसल खरीद लेते है और बाद मे इनके अफसरो से मिलकर इनको बेच देते है और इनकी प्रोक्योरमैट परसैटेज बढ जाती है। अध्यक्ष महोदय, हमारे खुद के साथ ऐसा ही हुआ है। सरकारी एजैसियो मण्डियो मे आती नही है और जो भाव भी व्यापारियो ने हमे दिया हमने

उसी भाव मे अपनी जीरी बेच दी। अध्यक्ष महोदय, किसान फसल बेचने के लिए इंतजार नही कर सकता। इनकी यही उपलब्धियां है अगर इन्ही उपलब्धिये के आधार पर ये लोग असैम्बली को भंग करना चाहते है तो चार महीने तो इनकी सरकार को हो गये है। और छ महीने मे सारा हिसाब हो जायेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त लां एण्ड आर्डर के बारे मे काफी कुछ मेरे भाई सतपाल सांगवान ने बताया है और दूसरे भाईयो ने भी बहुत सी बाते इस बारे मे बताई है मै उनको दोहराना नही चाहता, क्योकि इससे सदन का टाईट वेस्ट होगा। अध्यक्ष महोदय, जिस मुल्जिम को हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने उम्र कैद की सजा दी हो उसको इनकी कैबिनेट ने रैमी ान दे दी। इससे जनता के सामने इनकी कैबिनेट की कैसी छवि बनी होगी इससे पता चलता है कि आज के दिन लां एण्ड आर्डर की स्थिति हरियाणा प्रदे ा मे बहुत खराब है अध्यक्ष महोदय, इनकी कैबिनेट ने मुल्जि को रैमी ान देकर क्या सकेत दिया है? पुलिस फोरस बडी मु ाकल से अपराधियो को पकडती है। इसी तरह से अगर अपराधियो को रैमी ान दी जायेगी तो पुलिस फोरस के हौसले डीमोरलाईज हो जायेगे और गुण्डो को हौसले बुलंद हो जायेगे। अध्यक्ष महोदय, पुलिस फोरस मु कल से किसी अपराधी को पकडती है। उस अपराधी को सुप्रीम कोर्ट से सजा भी हो जाये और उसके बाद अगर उस अपराधी को रैमी ान दे दे तो पुलिस और जनता पर क्या असर पडेगा? अध्यक्ष महोदय, आज के दिन क्रिमिनलज के पास हमारी पुलिस से अच्छे हथियार है और वे हमारी पुलिस फोरस से ज्यादा पढे लिखे भी है। हमारी पुलिस का कांस्टेबल तो सिर्फ मैट्रिक पास ही होता है। आज हालत यह है कि क्रिमिनल चैलेज करने के बाद मारते है। गुडगांव के अंदर एक व्यापारी मिस्टर जैन था कि जिसके पीछे पिछले छ महीने से गुण्डे पडे हुए थे और दो बार उस पर हमला भी हुआ था, आखिर उसको उन गुण्डो ने मारा डाला। हमारी पुलिस कुछ नही कर सकी। हमारे यहा ऐसे हालात है लां एण्ड आर्डर के। अध्यक्ष महोदय, पहले से ही हमारे यहां

आपराधिक गतिविधियां बहुत ज्यादा है और ऐसे मे अगर यह सरकार भी गुण्डो को रैमी ान देगी तो हमारी लां एण्ड आर्डर की स्थिति बद से बदतर हो जायेगी। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त आज गुडांगाव और फरीदाबाद के अंदर बडे बडे माईन्ज और लैड माफिया हो गये है। लेकिन सतपाल सांगवान जी के पास एक माईन है उसके बारे मे इस सरकार को ऐतराज है। अध्यक्ष महोदय, ये बडे बडे दिग्गज आपस मे लडते है और आम आदमी बेरोजगारा हो जाता है तथा हजारो ट्रक बेकार खडे हो जाते है। अध्यक्ष महोदय, वहा पर एक आदमी के पास ही 72 लीजे है और एक एक हजारा हैक्टेयर जमीन भी है। वहा पर एक आदमी ही पूरे के पूरे जिले का मालिक बना हुआ हैै। जब ये लोर्डस आपस मे लडते है तो आम आदमी मारा जाता है। अध्यक्ष महोदय, दिनांक 21.10.1999 को एक फैक्स फरीदाबाद माईनिंग आफिस मे रात 10 बजे जाता है। कि अनंतपुर और पाल्ली गांव की जमीन दिनांक 22.10.1999 को लीज पर दी जायेगी। उस जमीन को लीज पर लेने के लिए वहा के बडे बडे दिग्गज पंहुच जाते है, जो इस मामले के ज्यांट है। जिनको हमारे यहां कामन पार्लियामैट मे माफिया कहा जाता है दोनो बडी बडी पार्टियो दफतर पहुचती है और एक गांव की लीज एक ले जाता है तो दूसरे की लीज दूसरा ले जाते है। जब यह काम होता है तो इसको टैम्परेरी वर्किग परमिट कहते है और यह परमिट एक महीने के लिये दिया जाता है तथा एक महीने की फीस भर दी जाती है तब जाकर उसको माईनिंग की इजाजत होती है जबकि यहा पर हुआ यह कि केवल पांच दिन की फीस भरी गई। मेरे पास अभी फैक्स के माध्यम से चिट्ठी की नकल आई है जिससे पता चलता है कि पांच दिन फीस भर कर उन पार्टियो को माईनिंग की इजाजत दी गई। दूसरी पार्टियो के आदमी रिट मे गये और हाई कोर्ट मे जब सारे लकूनाज प्वाइंट आउट हुए तो सरकार ने यह फेसला कर दिया कि दोबारा लीज करेगे। दोबारा लकेवल पांच दिन की फीस भरी गई। मेरे पास अभी फैक्स के माध्यम से चिट्ठी की नकल आई है

जिससे पता चलता है कि पांच दिन फीस भर कर उन पार्टियो को माईनिंग की इजाजत दी गई। दूसरी पार्टियो के आदमी रिट मे गये और हाई कोर्ट मे जब सारे लकूनाज प्वाइंट आउट हुए तो सरकार ने यह फेसला कर दिया कि दोबारा लीज करेगे। दोबारा लीजिज करने पर भी उन्ही पार्टीज मे से एक आदमी लीज ले गया जिसके पास पहले ही 72 लीजिज दी गई है। ये कोई जायज लीजिज नही है। से सब फ्राड लीजिज है और इन सब फ्राड को लेजिज मे निकालते है बजरी, बजरपुर सैड और कहते है कि हम सिलका निकालते है, निकालते है स्औन मैटल यानि पत्थर और कहते है कि हम क्वाईज और क्वार्डजाइट निकाल रहे है। ऐसे फ्राड जो सरकार के सरंक्षण मे चल रहे है उन लीजो की हालत यह बन रही है जिन लाखो मजदूर और हजारो ट्रक काम करते थे वे सब बेकार हो गये है। वहा मजदूर की कोई जगह नही है। जायज हो या नायायज लेकिन छोटे छोटे आदमी को कुचला न जाए। इससे बडा स्कैण्डल हमारे हरियाणा मे कोई नही है। करोडो की आमदनी तो स्टेट की जाया हो रही है। इस वक्त माईनिंग बन्द हो गई है तो लाखो मजदूर और हजारो ट्रक बेकार खडे है। स्टेट का करोडो का रवैन्यू खत्म हो रहा है। जिस स्टेन को पैसे की इनती जरूरत है वह किस लिये इतना दबा रही है और क्यो दब रही है? इन बडे बडे धनाढयो को इनसे अलग किया जाए। राजस्थान मे जिस तरह लीजिज दी हुई है वैसे ही छोटे छोटे मामले करके लीजिज दी जांए। जैसे राजस्थान के अन्दर पुराणा माईनिंग इण्डस्ट्रीज है वहां छोटे छोटे पीस करके हजारो लैसिंज बने हुए है जबकि हमारे यहा दोनो जिलो मे एक एक आदमी ने मोनोपली बना रखी है। जिस दिन जिसके हाथ मे सरकार आ जाए वह दूसरे के हाथ पर ये बाते डाल देता है। आज सीधा इल्जाम वहां पर सरकार के ऊपर आ रहा है। एक तरफ से इन्वोल्ड है माईन्स किंग मिस्टर सोम सेठी और दूसरे माईनस किंग हमारे मंत्री इन्वोल्वड है और अब हम क्या इन जिलो मे करे जहां सारी एक्टीविटीज बन्द है और यह काम राजनीति का पोलयूट किया

हुआ है यानि तो परमिट दिलाए गए जिस पर झगडे हुए वह सब राज्य सरकार की भाह मे चल रहे है। मिस्टर गोपी को लीज पर माईनस दी हुई है जो थाई गांव का निवासी है और गुडगांव जिले के अन्दर यह गांव आता है। Shri Gopi, who happens to be the real brother of Mrs. Shamma Devi, first wise of the Minister, Shri Kartar Singh Badhana, ऐसे लोगो के ऐसे पालक है। (ाोर) और फिर हो यह रहा है कि रोजना चोरी से हजारो ट्रक वहां से निकाल रहे है और गैर कानूनी तौर पर माईनिंग चला रहे है जो कि इजाजत नही है। जो हमारो ट्रक रोजाना चोरी से वहां से निकलते है न तो कोई उनके ऊपर रायलटी है, न चुंगी है और न ही सेल टैक्स है। कांस्टीचुएंटली इन्कम टैक्स मे भी कोई काल नही कर सकता है। सरकार इस तरह नायायज आमदनी बनवा बनवा कर अपना रवैन्यू खो रही हें और स्टेट एक्सचैकर को धोखा दे रही है। ऐसी सरकार इन अपराधो मे चलकर अगर इलैक ान लडना चाहती है तो You are welcome to dissolve the Assembly. ऐसे हालात मे सरकार स्टेट की इकोनोमी खो रही है और स्टेट के माहौल को पोलयूट कर रही है। पैसा भी सरकार को नही आ रहा है और वहां पर लोगो को बेकार करके रख दिया है आज जिस सोम सेठी ने लीज ली है, दोबारा फैक्स किया गया है। और दोनो लीजे उस छीनी है। सरकार की ताकर इस्तेमाल करके और पुलिस बिठा कर 72 माईन्स मे आज कोई काम नही हो रहा और कोई एक्टीवीटी नही हो रही। हर मजदूर वंहा तंग है, हर आदमी तंग है। ऐसे ही अगर ये लोग इन्साफ करेगे तो इनके लिए बिजली, पानी की बात तो क्या, सडको की बात तो क्या इनकी किस्मत का अल्लाह ही बेली है। अध्यक्ष महोदय, इतना ही कहकर मै आपका धन्यवाद करता हू। आपने मुझे जो समय बोलने के लिए दिया है, इसके लिये आपका धन्यवाद।

20.00 बजे

श्री राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ): अध्यक्ष महोदय, आज सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव काग्रेस पार्टी और हरियाणा

विकास पार्टी के सदस्यो मे मिल कर रखा है। मै इस प्रस्ताव के विरोध मे बोलने के लिए खडा हुआ हू। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी की तरफ से चौधरी बसी लाल जी की सरकार को समर्थन देने और न देने के बारे मे आपको एक बात बताना चाहूंगा उस दिन लगभग 1.00 बजे चौधरी खु र्शिद अहमद जी की गाडी हमारे पार्टी ओफिस के सामने आ कर खडी हुई और ये गाडी से नीचे उतरे। इन्होने उस समय भाई कृश्ण लाल गुर्जर से कहा, भाई कृश्ण पाल हमने फेसला कर लिया है कि हम चौधरी बंसी लाल की सरकार का समर्थन नही करेगे। अध्यक्ष महोदय, यह चौधरी खु र्शिद अहमद जी की दिल्ली ख्वाहिस थी लेकिन इनक चली नही। अभी भी चौधरी खु र्शिद अहमद जी ने अपनी तकरीर की भाुरूआत सच्चाई से की। अध्यक्ष महोदय, जो सरकार 24 जुलाई को भापथ ले, 27 जुलाई को सदन मे अपना बहुमत साबित करे और पांच सितम्बर को लोक सभा के चुनावो मे जाएग और उन चुनावो मे सरकार 10 की 10 एम0पीज0 की सीटे जीत कर यह एक रिकार्ड की बात है। उन चुनावो मे हमारे एम0पीज0 ने अढाई लाख और दो लाख साठ हजार, दो लाख साठ हजार वोटो से जीत हासिल की है यह एक रिकार्ड की बात है। अध्यक्ष महोदय, गोदारा साहब ने कहा कि इस बार के लोक सभा चुनावो मे लोगो मे फीयर था। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के चौधरी बीरेन्द्र सिह जी ने चुनाव लडा और इनके नेता ने भी चुनाव लडा किसी ने भी यह िाकायत नही की चुनावो मे कही पर कोई धांधली हुई। चुनाव भाांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए हरियाणा प्रदे ा के प्र ाासन को बधाई गई, और हरियाणा के मुख्यमंत्री जी की यह बधाई गई कि इस बार लोक सभा के चुनाव निश्पक्ष और भाांतिपूर्ण ढंग से हुए। चुनावो के दौरान हरियाणा के अन्दर कही पर कोई हिंसा की घटना नही हुई। (थम्पिंग)

श्री मनी राम गोदाराः स्पीकर साहब, एक सीधी बात है मैने कहा था कि पौलिटिकल फिलास्फर अरिसटोटल ने कहा था कि राज आता है और चलता है, आइदर बाई ला और बाई फियर।

स्पीकर साहब, इन्होने कहा कि चुनावो मे लोगो मे कोई फीयर नही था, लोगो मे फीयर की कोई बात नही थी। अध्यक्ष महोदय, इतिहास कहता है कि चंगेजंखा और तैमूर की फौजे दमि ाक, काबुल और हिन्दुस्तान की तरफ चलने से पहले दमि ाक को तबाहा कर देते थे जिसके कारण जिधर उनकी फौजे मुंह करती थी उधर की आबादी और उधर के बाद ााह अपनी अपनी फौजे ले कर भाग जाते थे लडते नही थे। तैमूर ओर सिकन्दर के गुरू अरिसटोटल ने तैमूर से पूछा कि आपकी इतनी जीत कैसे हो रही है तो तैमूर ने कहा कि दमि ाक को आग लगा दो ताकि वहां को कोई बच्चा, औरत और कोई आदमी न बच पाए सबको मार दो ताकि यह डर आगे चलता जाए, आगे चलता जाए, चलता जाए और लोग भागते चले जांए। हरियाणा मे राज थारा आ गया जिसकी लोगो के दिमाग मे डर बैठ गया कि इनका राज आ गया पता नही यह हमारे साथ क्या करेगा तो लोगो ने डरते हुये वोट डालते चले गए। यह वही ध्यूरी थी फीयर और ला की। That was not because of love, that was because of fear. And you got that voice becuase of fear.

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, गोदारा साहब, मेरे बु जुर्ग है। परन्तु यहां पर इनकी यह बात लागू नही होती जो इन्होने अभी कही है। दूसरी बात जो इन्होने कही है। that was not because of love. That was becuase of the fear of the Government. यह लव था। (विघ्न) पजांब मे दूसरे कारण थे। हरियाणा की जनता मोहब्बत मे वोट डालती है। 1987 मे यही गठबन्धन था। हरियाणा की जनता सारी बातो को जानती है। हरियाणा की जनता एक हवा चलाती है। यह एक पक्ष मे फेसला करती है। एक सरकार के खिलाफ गुस्सा था। अटल बिहारी वाजपेयी के पक्ष मे पूरे दे ा की जनता का एक लहर थी। इण्डिन नै ानल लोक दल, और बी0जे0पी0 ने मिल कर चौधरी ओमप्रका ा चौटाला को मुख्यमंत्री बनाया। हरियाणा की जनता ने अपनी ममता और मोहब्बत का प्रद र्ान करते हुए लोक सभा की 10 की 10 सीटे हमारे गठबन्धन को दी। खु र्ीद जी ठीक कहा

था कि इतने कम समय मे किसी सरकार के कार्यो का आकलन नही किया जा सकता। हमारे यंहा पर बिजली की कमी है। इस बात को हम सभी मानते है और मुख्यमंत्री जी भी मानते है। यह सदन भी मानता है। पिछले साल बारि ा नही हुई जिसके कारण कम फसल हुई। आपको पता है कि नहरे भी कुछ क्षेत्रो मे बिजली से चलती है। टयूबवैल्ज भी बिजली से चलते है। इसी कमी को ध्यान मे रखते हुए हमारे मुख्यमंत्री जी प्रधानं मंत्री जी से मिले। इसी 3–4 तारीख को मिले। हमारे पाचो सांसद भी साथ थे। मुख्यमंत्री जी भी थे। प्रोफैसर सम्पत सिंह भी थे हम भी 3 सदस्य थे। हमारे अनुरोध को स्वीकार करते हुये वायपेयी जी ने ने ानल ग्रिड से पिछले साल की तुलना मे 25 प्रति ात अधिक बिजली हरियाणा को देना स्वीकार किया यह कोई छोटी बात नही है। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, जहां तक लां एण्ड आर्डर की बात है यह इस निजाम मे ही पैदा नही हुआ। यह तो भाुरू से हर निजाम मे होता रहा है। अब लोगो की प्रवृति बदल रही है। कर्ण सिंह दलाल जी ने ठीक कहा है कि किग्वंज कैम्प दिल्ली मे योगा ि ाविर लगते है। वहा पर लोग जाते है और योगा के माध्यम से अपनी जीवन भौली को बदलने की कोि ा ा कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, आज के दिन अपराधा प्रवृति केवल 2–4 महीनो मे पैदा नही हुई। यह सरकार इण्डियन नै ानल लोक दल, भारतीय जनता पार्टी का गठबन्धन और इण्डिपेन्डैट के सहयोग से बनी सरकार है।

मै एक बात यह कहना चाहूगा कि जिस सरकार मे मनीराम गोदारा मंत्री थे ओर जिनके चुनाव क्षेत्र मे आग्रोह मैडिकल कालेज था उसकी ग्रांट भी उस वक्त की सरकार ने बंद कर दी थी। उडीसा मे रहने वाले व्यक्ति भी चाहे जिसका कोई छोटा सा व्यवसाय था उसने भी इस कालेज के निर्माण मे अपनी सामर्थ्य के अनुसार मदद दी। उनकी सोच थी कि यह मैडिकल

कालेज चलेगा जिससे आम जनता को और दे ा की जनता को सुविधा होगी। इस दे ा की जनता महान है। हम राजनीतिक लोग अपनी सुविधा के लिए चाहे कुछ भी करे लेकिन दे ा की जनता सारी बातो को अच्छी तरह से समझती है। हम राजनीतिक लोगो के मन मे कोई बात आती है जनता एक मिनट मे उस बात को पहचान लेती है। यह सरकार 24 जुलाइ को बनती है और 25 जुलाई को ही अग्रोहा मे जाकर वहा के कालेज मे जाकर वहा के कालेज की ग्रांट बहाल कर दी। हमारे यहां पर नौजवानो की 29 भााहदते हुई। इन 29 भााहदतो मे से 20 भााहदतो को मुझे कंधा देने का मौका मिला था। उन भाहीदो को नमन करने का सौभाग्य मुझे भी मिला था। राजस्थन के अन्दर 25 एकड जमीन दी जा चुकी थी। उतर प्रदे ा के मुख्यमंत्री ने 10 लाखा रूपये की रा ि ा तथा परिवार के एक सदस्य को रोजगार दिया था तथा उन भाहीदो का सम्मान किया जा रहा था। हरियाणा मे भी चारो तरफ उस समय भाहीदो की चिताए जल रही थी और उन चिताओ मे भी भाहीदो को सम्मान दिया जा रहा था। आखिर 4 जुलाई को मै महामहिम राज्यपाल महोदय से मिला और उनको बताया कि राजस्थान के झुनझुनु जिला, हरियाणा के जिला महेन्द्रगढ, रिवाडी और जिला भिवानी से ज्यादा जवान भाहीद हुए है। इन भाहीदो के परिवारो को दी जाने वाली राहत रा ि ा या सम्मान रा ि ा को बढाया जाए। उस समय हरियाणा मे भाहीदो के परिवारो को दी जाने वाली रा ि ा सिपाही के लिए कुछ थी और आफिसर के लिए कुछ थीं। 25 जुलाई को सबसे पहले तीनो बात हुई। 10 लाख रूपये की रा ि ा भाहीद होने वाले जवाब के परिवार को मिलने लगी। 5 लाख रूपये उस कोख को जिसमे से वह बच्चा पैदा हुआ और उनके बाप को जिसने उसका पालन पोशण किया, देने की घोशणा की गई और 5 लाख रूपये की रा ि ा उस बहन को मिली जो विधवा हो गई, जिसका सिन्दूर कारगिल मे लुट गया यह रा ि ा उस विधवा बहन के सहारे के लिए दी गई। एक आदमी का संकल्प बताता है कि वह क्या है। जो फैसले सरकार ने किये थे

वे मुख्यमंत्री ओमप्रका ा चौटाला के संकल्प को व्यक्त करते है। इनते थोडे से समय मे चाहे वह अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्रांट को प्रारम्भ करने का मामला हो, चाहे वह भाहीदो के सम्मान की रा ि ा को 10 लाख रूपये करने का मामला हैै चाहे चुंगी समाप्त करने की बात हो, चाहे हरिजन बहन की भाादी मे 5100 रूपये भागुन देने की बात हो, ये फैसले किए गए। स्पीकर साहब, ये वे फैसले है जो लोगो को पसन्द आते है। ये वे फैसले है जिनके बारे मे लोग चाहते थे कोई सरकार आ कर इन बातो पर ध्यान दे। स्पीकर साहब, दूसरी बात काग्रेस के साथी चुनावो के बारे मे कहते है। प्रजातन्त्र मे चुनाव जरूरी बात है प्रजान्तत्र मे चुनाव दे ा के किसी ने किसी हिस्से मे होते ही रहते है। ये लोग कहते है कि भारतीय जनता पार्टी चुनावो से डरती है। अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी चुनावो से नही डरती है। भारतीय जनता पार्टी की हमारी राश्ट्रीय कार्यकारिणी का जो नै ानल एजैण्डा है, हमारा जो मैनिफैसटी है उसमे हमने कहा है कि लोक सभा तथा विधान सभा तथा विधान सभाओ का जो कार्यकाल है, वह पांच साल है वह पूरे पांच साल चलना चाहिए। यह हमारे मैनिफैस्टो की बात है। इस बात को हम कई बार कह चुके है। जो फैसले हुए है। वह रस्म आदयगी नही गठबन्धन सरकार के फैसले है। (विघ्न) किसी को मैम्बर बना कर भेजना या न बना कर भेजना आपके या हमारे साथ की बात नही है। यह तो जनता जनार्दन का अधिकार है। अभी 5 सितम्बर को हरियाणा की जनता ने जो फेसला दिया है वह जनता का ही फेसला है ये कुल्हडी मे तो गुड फूटा नही। डंके की चोट पर बाजे खाने के साथ लोगो ने वोट डाला। अभी गोदारा साहब कह गए चगेज खां का तो पुराना इतिहास है। जो फौज अपने ही अपराध बोध से हारी पडी हो और लडाई न लडे तो उसका तो कोई इलाज नही है। हरियाणा की जनता से किसी भी गांव मे किसी भी हल्के मे किसी भी भाई से पूछते थे या बात करते थे कि तो एक ही बात सामने आती थी कि हरियाणा की जनता गठबन्धन सरकार के समर्थन मे ठप्पा ठपप मारती थी।

स्पीकर साहब, जनता का मूढ होता है। राजनीति मे अब पोल नही चल सकती, राजनीति मे अब अवि वास नही चल सकता। राजनीति मे राजनैतिक नेता क्या फैसले लेते है, राजनैतिक लोग क्या काम करते है, इस बारे लोग जागरूक है। हरियाणा की जनता ने ओम प्रका ा चौटाला तथा बी0जे0पी0 के नेतृत्व मे वि वास व्यक्त किया है। चार महीने का जो समय है उसमे जो फेसले इस गठबन्धन सरकार ने किए है वे फैसले हरियाणा की जनता की भावनाओ को ध्यान मे रख कर ही किए है। हरियाणा मे बिजली का संकट है। इस बारे मे मुख्यमंत्री जी से हम भी बार बार कहते रहे है और वे इस बारे मे गभींर भी है। पिछली सरकार ने बिजली बोर्ड के काम को सुधारने के लिए जो काम किए हुए थे वे उन्हे भी देखा जा रहा है। जंहा तक बिजली जैनरे ान का काम है, स्पीकर साहब, आप जानते है कि बिजली जैनरे ान का कोई भी नया प्राजैक्ट या प्रयोग करना हो उसके लिए छः महीने, साल या डेढ साल का समय तो चाहिए ही है। अभी इधर उधर से पजाब, हिमाचल प्रदे ा या ने ानल ग्रिड से बिजली लेकर वे हरियाणा प्रदे ा को बिजली दिलाने का प्रयत्न कर रहे है। इस मे मै सारे माननीय विधायक से निवेदन करूंगा कि यह मुद्दा पूरे सदन की चिन्ता का विशय है। बिजली केवल ओम प्रका ा चौटाला की आव यकता नही है बल्कि पूरे हरियाणा प्रदे ा की आव यकता है। बिजली की खपत हर दिन लगाताद बढती जा रही है। जिस अनुपात मे हरियाणा प्रदे ा मे बिजली की खपत है, उस अनुपात मे हरियाणा प्रदे ा मे बिजली नही है। इसके लिए सब को मिल कर प्रयास करने चाहिए और इस मामले मे सब को माननीय मुख्यमंत्री जी को सहयोग करना चाहिए। स्पीकर साहब, इस के साथ ही एस0वाई0एल0 की बात थी। अब दिल्ली मे एक ऐसा प्रधांन मंत्री है जो विजयी प्रधान मंत्री है, य ास्वी प्रधान मंत्री है। पिछले 50 साल मे तो दे ा बरबाद हुआ। मोर्चे पर फौजे जीता करती थी और मेज पर सरकारे हारा जाया करती थी। इस बार ऐसा प्रधानमंत्री है जो मोर्चे पर जीता है। अध्यक्ष महोदय, मै

आपके माध्यम से इनको बताना चाहता हू कि जिस दु ामन ने 50 साल मे इस दे ा के 5 लाख लोगो के लिए इस मुल्क को कल्लगाह बना दिया कभी ट्रेन मे बम फुडवा दिए कभी सैनिक और सिपाही को गाजर मूली की तरह काट दिया आज उसी दे ा का प्रधानमंत्री अपनी ही फौज की कैद मे पडा है। दुनिया के मानचित्र पर उसको अकेला ही सुबकने के लिए छोड दिया है। अध्यक्ष महोदय, आज पूरी दुनिया मे हमारे मुल्क की इतनी बडी कूटनीतिक जीत हुई है और हमे अपने प्रधानमंत्री जी पर पूरा वि वा ा है। एक नवम्बर 1966 को हरियाणा बना उसके बाद हरियाणा के हिस्से के पानी के बारे मे उम्मीद करते है कि एम0वाई0एल0 का लिंक नहर के माध्यम से आएगा। मै सब राजनीतिक दलो के कहूगा कि हम सब मिलकर एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री के नेतृत्व मे लाएं। आज अटल बिहारी जी प्रधांन मंत्री है और "Atal Bahari Vajpayee." the name of solution. अगर ऐसा सब मिलकर करेगे तो एस0वाई0एल0 की नहर कम्पलीट होगी और हरियाणा राज्य को पानी मिलेगा। आज हरियाणा मे इस गठबन्धन की सरकार ने जो वायदे किए है वे सब वायदे पूरे करके दिखाएगी। स्पीकर साहब, सरकार के खिलाफ इन मित्रो ने नो कांन्फीडैस मो ान लाकर एक रस्म अदायगी की है। वैसे तो ये इसके लिए कल का समय मांग रहे थे और बीच मे यहां से चले भी गए थे, अवि वास प्रस्ताव ये लाना नही चाहते थे। अब इनको कुछ पत्रकारो ने और कुछ औरो ने कह दिया कि कुछ तो आप लोग बोले। अगर कुछ बोलोगे तो सही होगा। इसलिए ये अवि वास प्रस्ताव लाकर इन्होने केवल एक रस्म अदा की है। लां एण्ड आर्डर की जहां तक ये बात करते है तो ये पिछली सरकार के वक्त के लां एण्ड आर्डर से कम्पैरीजन करके देख ले। जंहा तक सरकार के फेसलो की बात है उनके सम्बन्ध मे भी ये देख ले। इस सरकार के खिलाफ हरियाणा की जन भावनाओ को रिप्रैजैट करती है। इसी के साथ मै इस अवि वास

प्रस्ताव का विरोध करता हू तथा आपने बोलने के लिए मुझे जो समय दिया है उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू।

श्री निर्मल सिंह (नग्गल): स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। यह जो अवि वास प्रस्ताव कांग्रेस पार्टी लेकर आई है मै उसका समर्थन करता हू। मेरे कई साथी इस बारे मे बोल चुके है। मै उन बातो को रिपीट करके सदन का समय खराब नही करना चाहूंगा और बहुत थोडे समय मे अपनी बात खत्म कर दूंगा। यह जो अवि वास का मुद्दा है, यह ठीक है कि जैसे कि राम बिलास भार्मा जी ने कहा कि अगर यहां पर अवि वास प्रस्ताव का मुद्दा न होता तो हमे बोलने का मौका ही न मिलता। करंट हालात पर चर्चा करने का अवसर सब मैम्बर्ज को मिलेगा और हरियाणा के लोगो के जानकारी मिलेगी। आज के अवि वास प्रस्ताव का मुख्य मुद्दा है आज की सरकार का स्वरूप। चौटाला साहब आज इस स्टेट के मुख्यमंत्री है। लेकिन यह भी सच है कि ये लोगो के बनाए हुए मुख्यमंत्री नही है। आज ये इस बात की डींग मारते हैकि हमने सब की जमानते जब्त करवाई है और इनते बडे मार्जन से जीत कर आए है। दरअसल यह गुस्सा लोगो ने कांग्रेस पार्टी पर उतारा है कि इनको चीफ मिनिस्टर क्यो बनवाया। इसका यही कारण है कि लोग इनको नही चाहते थे और ये लोग भी किसी गल्तफहमी का ि ाकार न रहे। जैसे भाई राम बिलास जी ने कहा है कि अटल बिहारी वाजेपयी जी की हवा थी। कारगील की बात तो लोगो की समझ मे आई नही कि क्या रहा है। भारत के सैकडो सूपत भाहीद हो गए, इतना बडा खर्च दे ा पर आ पडा और वे टैक्स लगाने की सोचने लग पडे। पांच पार्लियामैट के चुनाव हो चुके है और उसमे आपकी गलतफहमी भी दूर हो चुकी होगी कि कितनी बुरी तरह से आपकी पिटाई हुई है। हममे से कोई भी चुनाव से नही डरता है। ये तो लोगो के फैसले है, लोगो ने करने है और जो लोग फैसले करेगे वे हमे स्वीकारने है। कुछ प्रोमिसिज चौटाला साहब ने किसानो के साथ किए है। एक बात

इन्होने कर्जा माफ करने के नारे के नाम पर वोट लिए थे जो कि झूठा साबित हुआ और उससे हमारी बैकिंग सिस्टम को बहुत धक्का लगा था। इस बारे इन्होने बिजली का बिल माफ करने की बात कही थी और बहुत से किसानो ने इनकी बात को मानकर बिजली के बिल नही भरे लेकिन आज उन पर बिजली का बिल भरने के लिए सख्ती की जा रही है। भाई राम बिलास जी ने ठीक कहा है कि जो स्टेट की समस्यांए है उनको हल करने के लिए हम सभी को सहायेगपूर्ण रवैया दिखाना चाहिए। आज जो बिजली की परियोजनांए चल रही है उनको लेकर चौटाला साहब वर्ल्ड बैकं के साथ कोई फेसला नही कर पाए है। इन परियोजनाओ के लिए वहां से हमे जो लोन मिलना था वह खटाई मे पडता नजर आ रहा है इसलिए इस बारे मे इनकी प्रायोरिटी होनी चाहिएं एक बडी ही अजीब बात है कि आज जब बिजली की इनती जरूरत भी नही है तक भी बिजली की किल्लत लोगो को हो रही है। जो किसानो की बात करते थे उनके राज मे ही पहली बार मंडियो मे अनाज की दुर्गाति हुई है और किसानो को उनके अनाज का सपोर्टिंग प्राइस नही मिला है। हांलाकि चौटाला साहब और सम्पत सिह जी ने इस बारे मे एक्सप्लेन करने की कोि ा ा की है लेकिन मै समझता हू कि उनके पास इस सबध मे कहने के लिए कुछ नही था। इसमे घपलेबाजी हुई है। बहुत से व्यापारियो ने यहां से अनाज खरीदकार पजांब मे सपोर्टिंग प्राइस पर बेचकर पैसा कमाया है। व्यापारियों ने किसानो ने भी स्पोर्टिग प्राइस से कम भाव पर अनाज लेकर स्पोर्टिग प्राइस पर उसको बेचा है इसलिए इसकी इक्वांयरी होनी चाहिए। अगर यह कहते है कि घप्पला नही हुआ या धान की खरीददारी मे कोई दिक्कत नही आयी तो फिर ये बताएं कि आज किसान सडको पर क्यो है, वह इतना परे ाान क्यों है? इसी तरह से आज लां एण्ड आर्डर कि स्थिति मे भी गिरावट आयी है। ऐसी बात नही है कि पहले स्टेट मे कत्ल नही होते थे कत्ल पहले भी होते थे लेकिन अब इनमे ज्यादा बढौतरी हुई है मै एक दो घटनाओ के बारे मे चौटाला साहब को बताना

चाहता हू हमारे यहां पर बहुत ही गरीब आदमी की बेटी चार महीने से लापता है वह भीड मे खो गयी थी, लेकिन पुलिस ने आज तक कही पर नही तला ाा है। इस तहर से इनके वर्क्ज पर ही मुकदमा दर्ज हो तो वह ठीक नही है। इतना ही नही हमारे वर्क्ज मे मां बाप को भी पुलिस पकडकर ले जाती है और उनको थानो मे नंगा करके पीटा जाता है और यदि इनके आदमी किसी को मार दे तो 302 का मुकद्मा दर्ज होने के बावजूद वे घर पर बैठे रहते है। भोखुपुरा मे एक आदमी धारा 302 का मुलजिम है लेकिन आज तक भी पुलिस ने उसको नही पकडा है। वह रोज उनके सामने ऐसे ही घूमता है क्योकि इनके आदमियो का पुलिस पर दबाव है। इसी तरह से जिनको उम्र कैद है उन्हे भी इन्होने माफी दी है। यह ठीक है कि माफी देने का अख्तियार इनके पास है लेकिन इस अख्तियार का इस्तेमाल कभी कभी और रेयर केसिज मे ही करना चाहिए। एक कैदी बलकार सिंह है उसने 6 महीने की कैद काट ली उसके खिलाफ यह कहकर एक झूठा मुकद्दमा थाने मे रजिस्टर कर लिया गया कि उसने किसी को गाली दी है। यह मुकद्दमा सिर्फ इसलिए दर्ज किया गया ताकि उसकी छुट्टी का अधिकार खत्म किया जा सके और वह बार बार छुट्टी न जा सके। चौटाला साहब, इसी तरह से नारायणगढ मे हरी सिह के खिलाफ 307 का मुकदमा दर्ज हो गया वह डाकू पकडे गए लेकिन उसकी तीन महीने तक जमानत नही होने दी गयी। अब भी उस के खिलाफ दर्ज मुकदमा वापस नही लिया गया हैं इस तरह से अवतार सिंह के खिलाफ एक 420 का मुकदमा दर्ज हुआ जो कि झूठा साबित हुआ। उसका रिजल्ट यह हुआ कि दोनो पार्टियां लडी और एक 307 का मुकदमा उनके विरूद्ध रजिस्टर हुआ।

खेल राज्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै सदन को बताना चाहूगा कि ऐसा कोई भी मुकदमा नारायणगढ कें अंदर दर्ज नही हुआ है जिसमे तीन महेने तक कोई कार्यवाही ने हुई हो इसलिए मै इनसे कहूंगा कि ये अपने रिकार्ड को दोबारा से चैक कर ले।

श्री निर्मल सिंहः चौटाला साहब, आप यह जानकारी ले ले कि हरी सिह के खिलाफ धारा 307 का मुकद्दमा दर्ज हुआ या नही। इस केस मे डाकू पकडे भी गए थे। उसकी बेल हाई कोर्ट से तीन महीने के बाद जाकर हुई है और उसके ऊपर मुकदमा अब भी चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से बटावन के एक हरिजन व्यक्ति की धारा 323 के एक मुकद्दमे मे एंटीसिपेटरी बेल हो चुकी थी लेकिन फिर भी उनको थाने में नंगा करके पीटा गया है जिसके उसने पुलिस के खिलाफ इस्तगासा दायर किया है। इन्होंने अपने विरोधियों को दबाने के लिए ऐसे थानेदारों को लगाया है जिनके खिलाफ ऑन रिकार्ड चोरी के तीन–तीन मुकद्दमें चल रहे हैं। ऐसे थान दारों को इस सरकार ने आते ही रिइंस्टेट किया। ए0एस0आई0 और छोटे थानेदारों को सरकार ने अपने विरोधियों को तंग करने के लिए करवाया है। पहले जब डीजल की कीमतें बढी़ थी तो चौटाला साहब आपने कहा था कि भाजपा यदि डीजल की बढ़ी हुई कीमतें वापस नहीं लेगी तो हम स्पोर्ट देते हुए सोचेंगे लेकिन इस बार जब डीजल की कीमतें बढ़ी तो आप चुप्पी साधे रहे। डीजल की कीमतें 2–4, 5 या 10 परसैंट तक बढ़ती तो सोचा जा सकता था लेकिन 40 परसैंट कीमतें बढने से किसान पर बड़ी मार पड़ी है। एक तरफ किसान को सूखे का सामना करना पड़ा। दूसरी तरफ डीजल के रेट बढ़ने से उस पर मार पड़ी है। यह दे ा किसानों का दे ा है यहां की इकोनोमी किसान से चलती है। इसी प्रकार से मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय में प्रोहिबि ान की वजह से जो टैक्सेज लगाए थे उनको सरकार वापस लेगी लेकिन सरकार ने उन टैक्सिज को वापस नहीं लिया और वोट लेने के लिए अनाप ानाप पैं ान की व कल्यान की स्कीमों की घोशणा कर दी। सरकार ने यह नहीं बताया कि इन स्कीमों पर होने वाले खर्चे की भरपाई कहां से करेंगे? अध्यक्ष महोदय, चुंगी माफी का वादा भाजपा का था लेकिन साथ ही उनका यह भी कहना था कि इसके लिए हम केन्द्र सरकार से एड लेंगे। क्या वह एड लेने में

यह सरकार कामयाब हुई है म्यूनिसिपल कमेटीज को 5–5 करोड़ रूपया कहां से देंगे? एस0वाई0एल0 के निर्माण के बारे में हर पार्टी ने कहा है लेकिन किया किसी ने कुछ नहीं। इसके लिए हम सब दोशी हैं लेकिन हम चौटाला साहब से यह आ ाा करते हैं कि वे अपने अच्छे संबंधो का फायदा उठाकर और केन्द्र में अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार है वे भी इनकी मदद करेंगे। बादल साहब से इनकी दोस्ती भी है इसलिए ये एस0वाई0एल0 का पानी लेकर आएं। कल्याण की स्कीमें बुरी नहीं हैं लेकिन प्रदे ा के खजाने के बारे में भी बताएं। कल्याण स्कीमों का फायदा सिर्फ गरीब लोगों को पहुंचे सरकार यह सुनि चत करे। एक तरफ पंचायतों को अधिकार देने की बात की गई दूसरी तरफ पंचायतों के अधिकार छीन लिए गए। पहले किसी छोटे मोटे काम के लिए पैसा मिल जाता था लेकिन अब वह भी नहीं मिलता। उनको यह भी पता नहीं होता कि उनके हिस्से का पैसा उनके इलाके पर खर्च होगा या कहां जाएगा? कम से कम जिस पंचायत का पैसा है वह उस ब्लॉक में तो खर्च हो। जो पें ान का मामला है उसमें मैं तो यह कहना चाहूंगा कि जरूरतमंद को मिले तो अच्छा रहेगा। जैसे किसी आदमी के बच्चे सर्विस में हैं तो उसको पें ान की इतनी ज्यादा जरूरत नहीं है दूसरी तरफ जिस वृद्ध व्यक्ति का कोई नहीं है उसका एक हजार रूपये में भी गुजारा नहीं होता है। मुझे उम्मीद है कि यहां जो विधायकगण बैठे हैं यह बात उनकी आत्मा को झकझोर देगी।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाऊस की सहमति हो तो हाऊस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: जी हां।

श्री अध्यक्षः हाऊस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर सर, इस अवि वास प्रस्ताव के माध्यम से मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि चौटाला साहब को डिसमिस किया जाए और गवर्नर का राज किया जाए ताकि असैम्बली के चुनाव फेयर हो सकें। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

राव नरेन्द्र सिंह (अटेली): स्पीकर सर, आपने मुझे अवि वास प्रस्ताव पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। आज हमारी कांग्रेस पार्टी की तरफ से मौजूदा चौटाला साहब की सरकार के विरूद्ध अवि वास का प्रस्ताव लाया गया है। मैं इस अवि वास प्रस्ताव के समर्थन में खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आप जानते हैं कि वर्तमान सदन, जिसके सदस्य लगभग साढ़े तीन साल पहले चुनकर आये थे उस से पहले हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गठबन्धन को हरियाणा के लोगों ने जो जनादे ा दिया था उस जनादे ा की सरकार की बीच की अवधि में ऐसी अफरा–तफरी मची कि उस समय प्रदे ा की जनता ने चौटाला साहब को विपक्ष में बैठने के लिए भेजा था। आज वे सत्ता–पक्ष में बैठे हैं और चौटाला साहब इस स्टेट के मुख्यमंत्री है। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)** उपाध्यक्ष महोदय, जब चौटाला साहब विपक्ष में बैठते थे और किसी विशय पर बोलते थे तो हम यह समझते थे कि कभी चौटाला साहब को मौका मिला तो ये प्रदे ा की जनता की भावनाओं को समझते हुए अधिक कल्याणकारी काम करेंगे और खासकर किसानों के लिए वि ोश रूप से ऐसी स्कीमें लागू करेंगे जिनसे हरियाणा के किसान अपने आप में महसूस करेंगे कि आज हरियाणा में किसानों की सरकार है। सौभाग्य से चौटाला साहब को मौका मिला और पिछले चार महीनों से चौटाला साहब और बी0जे0पी0 की मिली–जुली सरकार इस प्रदे ा में काम कर रही

है। मैं विपक्ष में होतें हुए यह नहीं कहता कि चौटाला साहब ने जो भी कार्य किया है वह जनहित के विरूद्ध किया है, ऐसी बात नहीं है। जो अच्छे कार्य किए हैं उनके लिए मैं इनका आभार प्रकट करता हूं। लेकिन साथ ही साथ जो आस/उम्मीद हरियाणा की जनता और हरियाणा के किसान चौटाला साहब से लगाये बैठे थे उनको इनकी ओर से निरा ाा हुई और मैं समझता हूं कि कांग्रेस पार्टी के लिए बहुत अच्छा हुआ कि चौटाला साहब को इस सदन के कार्यकाल के बीच में ही सरकार चलाने के लिए मौका मिल गया। हरियाणा के किसान यह समझते थे कि अगर चौटाला साहब की सरकार बनी तो इस प्रदे ा के किसानों को बिजली–पानी मुफ्त मिलेगी। लेकिन अफसोस की बात है कि आज हरियाणा का आम आदमी यह कहता है कि पूरे रूपये देने के बावजूद भी बिजली नहीं मिल पा रही है। लेकिन चार महीने पहले हमारे माननीय पूर्व मंत्री श्री अतर सिंह सैनी जो यह कहा करते थे कि हरियाणा प्रदे ा के पास इतनी बिजली है कि वह दूसरे प्रदे ाो को बिजली बेचेगा और आज हमारे वर्तमान बिजली मंत्री जी यह स्टेटमैट दे रहे है हरियाणा को दूसरे राज्यो से बिजली लेनी पडेगी। मै यह बात नही समझ पाया कि सरकार लोगो को गुमराह क्यो कर रही है। डिप्टी स्पीकर सर, अब मै प्रदे ा मे लां एण्ड आर्डर की स्थिति के बारे मे अपनी बात कहना चाहता हू। जब से हरियाणा मे भाराब बन्दी लागू हुई थी तभी से प्रदे ा मे कानून व्यवस्था की स्थिति छिन्न भिन्न हो गई थी। चार महीने पहले जब से वर्तमान सरकार ने सत्ता सभाली है हरियाणा के अन्दर कोई ऐसा दिन नही गया जिस दिन हत्यांए न होती हो, चोरियां न होती हो, डकैतिया न होती हो, बलात्कार न होते हो और अपहरणा की घटनांए न होती हो। मै तो इस बात को मानता हू कि चाहे किसी भी सरकार का राज हो अगर इस प्रकार की कोई घटना घटती है। तो सरकार का काम यह होना चाहिए कि मुल्जिम को पकडे और उसे सजा दे। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय का ध्यान एक बात की और

दिलाना चाहता हू कि मुख्यमंत्री बनने के बाद 30 जुलाई को चौटाला साहब नारनौल गये थे उस दिन भााम 6–10 बजे के प्रादे ि ाक समाचार बुलेटिन मे मुख्यमंत्री जी की तरफ से स्टेटमैट आया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग को आदे ा दिया है कि सुरेन्द्र मोहन पुत्र निहाल सिंह के कातिल को एक सप्ताह के अन्दर बरामद किया जाये। लेकिन बडे अफसोस की बात है कि आज लगभग 3 महीने हो गए है परन्तु आज तक उस कत्ल का पता नही लग पाया कि किस व्यक्ति ने यह कत्ल किया था। दूसरी बात नारनौल के अन्दर सूबे सिंह नाम का आदमी जो गुडगांव ग्रामीण बैकक मे सर्विस करता है वह स्टेट बैक आफ पटियााला से 2 लाख रूपये लेकर आ रहा था। सरेआम दोपहार 12.00 बजे उसके हाथ से कोई पैसे छीन कर भाग गया। उस समय विकास पार्टी की सरकार थी। सरकार किसी पार्टी की हो लेकिन ऐसे आदमी को ट्रेस करना हमारा फर्ज बनता है लेकिन पुलिस विभाग ने इस केस मे लिख दिया ''अन ट्रैसड''। बडे अफसोस की बात है कि ''अन ट्रैसड'' लिख दिया गया है। हरियाणा जो भाान्ति प्रिय राज्य समझा जाता था आज उसकी हालत उतर प्रदे ा और बिहार से ज्यादा बुरी हो गई है। यदि किसी व्यक्ति या औरत की मृत्यु हो जाती है तो उसकी ला ा को मिट्टी दे देनी चाहिए। मेरी कास्टीच्युएंसी अटेली मे गांव गुजरवास के अन्दर ब्राहमण की औरत सन्तरी देवी पत्नी नित्यानन्द भार्मा की 6 अगस्त को पेट की बिमारी से मृत्यु हो गई थी। बडे अफसोस की बात है कि विकास पार्टी के किसी प्रधान ने जलती हुई ला ा को चिता से हटा दिया। पुलिस के लोग वहां गए, आग को बुझाया और ला ा को हस्पताल ले गए, उसका पोस्ट मार्टम किया गया, छानबीन के लिए विसरा मधुबन ले जाया गया और छानबीन के बाद पता चला कि उस औरत की मृत्यु पेट की बिमारी की वजह से हुई थी। राजनीति से इस तरह की घटनाए नही होनी चाहिए। मुख्यमंत्री की तरफ से पुलिस विभाग को आदे ा होना चाहिए कि अगर किसी की मृत्यु बीमारी से हुई है तो उसकी

ला ा की इस तरह से दुर्गति नही होनी चाहिए। आज फिल्मो की तरह कैदी जेल तोड कर फरार हो रहे है। काले कच्छो वाला एक नया गैग चर्चा मे आया हुआ है जो परिवार पर अटैक कर रहा है उस गिरोह पर कंट्रोल होना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी का ध्यान इस बात की और दिलाना चाहूगा कि एस0वाई0एल0 कैनाल दक्षिणी हरियाणा की जीवन रेखा है। चौधरी देवी लाल जी ने जब भी हरियाणा मे संर्घश किया उन्होने एक ही बात पर जोर दिया कि एस0वाई0एल0 का पानी मै इस इलाके मे जरूर पहुचाऊंगा। आज चौटाला साहब का पजांब सरकार से दखल है और केन्द्र सरकार ने भी उनकी पार्टी का हिस्सा है इसलिए मेरी इनसे गुजारि ा है कि एस0वाई0एल0 का मुद्दा भाीघ्र हल करवाया जाए ताकि उस इलको के अन्दर पानी पंहुच सके। डिवैल्पमैट और रूरल सडको के बारे मे सरकार के ब्यान आ रहे है कि 30 नवम्बर तक पूरे हो जायेगे। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा कि जिला महेन्द्रगढ के अन्दर सडको की बहुत बुरी हालत है, कृपा करके इसकी और ध्यान दीजिए। डीजल प्राइस के बारे मे मुख्यमंत्री जी का ब्यान आया था कि हमारी सरकार हर हालत मे केन्द्र सरकार को मजबूर करेगी कि डीजल प्राइस पर पुनर्विचार करे और बढी हुई 40 प्रति ात कीमत को कम किया जाए क्योकि मुख्यमंत्री जी आप अच्छी तरह जानते है कि आज का किसान बिजली की कम सप्लाई की वजह से डीजल पर निर्भर हो गया है, सारे यन्त्र डीजल से ही चलते है। इसलिए डीजल के रेट्स को बोझ किसान पर पडता है। दक्षिणी हरियाणा का किसान खास तौर से केवल खेती पर निर्भर करता है। वे बच्चो की पढाई लिखाई, बहन बेटियो की भाादियो का खर्च खेती बाडी का काम करके ही करते है। दक्षिणी हरियाणा मे छोटे छोटे किसान है, कर्जदार किसान है, इसलिए मै मुख्यमंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहूगा कि वे केन्द्र सरकार को मजबूर करे ताकि वे कोई ऐसी स्कीम निकाले जिससे किसानो को सस्ती दरो से डीजल मिल

सके। बिलो पावर्टी लाइन पर दोबारा सर्वे होना चाहिए क्योकि जो सर्वे पहले हुआ था वह गलत था। बहुत से जायज लोग बिलो पावर्टी लाइन से वचिंत रह गए है। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने जब भाराबबंदी की थी उस समय हरियाणा की गरीब जनता पर उन्होने 1500 करोड रूपये के टैक्स लगाये थे। जब भाराबंबंदी हटा दी गई उस समय विपक्ष के नेता चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी ने स्वंय कहा था कि अब ये टैक्स हरियाणा की जनता पर से हटा दिये जाये जो भाराबंबंदी के समय लगाये गये थे। उपाध्यक्ष महोदय, अब चौटाला साहब की सरकार है, मै इनसे अनुरोध कंरूगा कि अब ये उन टैक्सो को हरियाणा की जनता पर से हटा ले। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे यहां किसानो की तीन तीन फसले सूखे के कारण नश्ट हो चुकी है। इस बारे मे मैने और कैप्टन अजय सिंह, जी ने कांलिंग अटै ांन मो ान भी दी थी। इसलिए मै माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने अनुरोध करूंगा कि वहां पर बैको की वसूली को रोका जाये। उपाध्यक्ष महोदय, आदरीणय रामबिलास भार्मा जी ने केन्द्रीय सरकार के बारे मे यहां पर काफी बताया था। मे भी एक बात बताना चाहूगा कि जिस समय कारगिल मे लडाई चल रही थी उस समय जब बोर्फार्स की तोप से गोला निकलता था तो फौजी भाई राजीव गांधी जी की जय जय कार कर रहे थे, भारत माता की जय जय कार कर रहे थे और मेरे भाजपा के भाई हमे ाा ही उन तोपो के बारे मे कांग्रेस पर आरोप लगाते रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, कारगिल की लडाई मे हमारी सेना के हजारो जवान भाहीद हुए। वे सिर्फ केन्द्रीय सरकार की गलत नीतियो के कारण ही भाहीद हुए। हमारे प्रधानमंत्री महोदय तो लाहौर मे बस यात्रा करने मे लगे हुए थे और दूसरी तरफ पाकिस्तान हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा था। उन्होने इस और ध्यान नही दिया। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मै एम0एल0एज0 को जो ग्रांट पहले दी जाती थी उस बारे मे कुछ कहना चाहूगां। जिस वक्त चौधरी बसी लाल जी की सरकार थी उस वक्त अब जो मेरे भाई सत्ता पक्ष मे बैठे है, वे

कहते थे कि एम0एल0एज0 को लोकल एरिया डिवैल्पमैट स्कीम के तहत ग्राट मिलनी चाहिए। अब वे सत्ता पक्ष मे आ गये है और आज मै उन सत्ता पक्ष के भाईयो की तरफ से और सदन के दूसरे सदस्यो की तरफ से माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी से अनुरोध करूगा कि 50 लाख रूपये की यह ग्रांट दोबारा से भ्रारू की जाये ताकि विधायक भी अपने हल्के मे कुछ काम करवा सके। उपाध्यक्ष महोदय, इसी के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मै अपना स्थान ग्रहण करता हू।

श्री नृपेन्द्र सिंह (बाढडा): उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी कंवल सिंह जी ने हरियाणा विकास पार्टी की तरफ से जो अवि वास प्रस्ताव सदन मे प्रस्तुत किया है मै उसके पक्ष मे बोलने के लिए खडा हुआ हू। मेरे से पहले मेरे भाईयो ने अवि वास प्रस्ताव के पक्ष मे काफी कुछ कहा है इसलिए मै उन बातो को रिपोर्ट करके सदन का ज्यादा नश्ट नही करूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, यह एक सवैधनिक सिस्टम है कि जब किसी सरकार पर से जनता का वि वास उठ जाता है तो जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधी सदन मे अवि वास प्रस्ताव के माध्यम से उस सरकार को हटाने का कार्य करते है और उस प्रक्रिया को अपनाते हुए हमारे द्वारा यह अवि वास प्रस्ताव लाया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, जो यह अवि वास प्रस्ताव लाया गया है इसका मूल उद्दे ाय यह है कि हरियाणा प्रदे ा की वर्तमान सरकार एक कामयाब सरकार नही है तथा उस पर से हरियाणा की जनता का वि वास उठ गया है। उपाध्यक्ष महोदय, मै बताना चाहूगा कि जब 1996 मे विधान के चुनाव हुए थे उसी समय ही हरियाणा की जनता ने चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी के प्रति अपना वि वास प्रकट नही किया था और उस समय के चुने हुए सदस्यो द्वारा यह विधान सभा चल रही है। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी ने कुछ अवि वसनीय विधायको के कारण अपनी सरकार बना ली है और ये अपना सरकार चलाने मे पूरी तरह से नाकाम रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने लोक सभा चुनावो

मे जनता से जो लुभावने वायदे किये थे वे वायदे पुरी तरह से वि वास उठ गया है। चौटाला साहब अपने वायदे पूरा ही नही करना चाहते अगर ये चाहते तो उनको पूरा कर सकते थे क्योकि इनकी सरकार को बने तीन महीने से ज्यादा का समय हो गया है। केवल वायदो के सहारे ही यह अपनी पार्टी को और सहायोगी पार्टी को पार्लियामैट के चुनावो मे जिता पाए। अगर इन्होने बिजली, पानी माफ करना होता तो जितना समय इस सरकार को बने हो चुका है, यह समय काफी था। इसी बात की वजह से हरियाणा प्रदे ा की जनता और मुख्य रूप से किसान वर्ग का इस सरकार के ऊपर से वि वास उठ गया है। श्रीमती चौटाला जी की पार्टी ने पिछली चुनाव से पहले श्री अटल बिहारी वाजपेयी सरकार से यह कह का समर्थन देगे लेकिन बीच मे पता नही इनकी क्या सौदेबाजी हुई कि इन्होने वाजपेयी सरकार का समर्थन वापिस दे दिया था लेकिन आज तक खाद के बढाए गए मूल्य को वापिस नही लिया गया। इस बार पहला ऐसा मौका है कि डीजल की कीमतो मे एकदम 40 प्रति ात वृद्धि हुई। इसी वजह से भी हरियाणा प्रदे ा की जनता और खास तौर से किसानो का ध्यान न रखते हुए इस सरकार ने अपना वि वास खे दिया है। जनता का चौटाला सरकार से मोह भंग होने का दूसरा कारण यह भी है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मार्किट फीस 4 प्रति ात से 3 प्रति ात करने का वायदा किया गया जैसा कि निर्मल सिह ने कहा कि एक यह आरोप लगाते थे कि चौधरी बसी लाल सरकार ने भाराब बन्दी करके जनता पर 1500 रू0 करोड के टैक्स लगा दिये जिसे चौटाला सरकार आते ही वापिस ले लेगी। ये सारे वायदे जनता को किये गये लेकिन पूरे नही किये जिसके कारणा हरियाणा प्रदे ा की जनता का इस सरकार से पूर्ण रूप से वि वास उठ चुका है। इस बार चौटाला सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री महोदय श्री ओमप्रका ा चौटाला पहली बार एक जनसभा को सबोधित करने श्री रामबिलास भार्मा जी के चुनाव क्षेत्र मे गये थे और वह ऐरिया ऐसा हे जहा के मैक्सिमम किसान बिजली की

आव यकता और ट्यूबवैल पर डिपैण्ड है वहां पर श्री ओमप्रका ा चौटाला जी ने हाथ जोड कर बार बार अपील की थी कि मुझे रामबिलास भार्मा ने ही मुख्यमंत्री बनाया हैं और आप इनको यहां जनसभा मे बोलने दो फिर महेन्द्रगढ जनसभा के अन्दर श्री रामबिलास भार्मा को बोलने का मौका नही मिला। उपाध्यक्ष महोदय, इससे तो इस बात की गहराई को समझ गये होगी कि हरियाणा प्रदे ा का किसान अपने वायदा को पूरा कराने के प्रति कितना जागरूक है।

श्री कैला ा चन्द भार्मा: सर, मेरा एक प्वायंट आफ आर्डर है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष: कैला ा चन्द भार्मा जी, बोलिए आप क्या कहना चाहते है।

श्री कैला ा चन्द भार्मा: सर, भाई नृपेन्द्र सिंह अभी अभी जो कह रहे थे कि महेन्द्रगढ जनसभा मे श्री रामबिलास भार्मा को बोलने नही दिया गया। इस सम्बन्ध मे, मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहूगा कि चौधरी बसी लाल सरकार के वक्त जो मंडियाली कांड हुआ था उसमे सारे के सारे मडियाली के लडके ही थे और कोई बात नही थी।

श्री नृपेन्द्र सिंह: उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि खास तौर पर ट्यूबवैल, बिजली के बिल माफी की घोशणाए बार बार श्री ओमप्रका ा चौटाला द्वारा की जाती थी उस वायदे को इनके न निभाने के बाद उसका रि एक ान यह हुआ है कि राम बिलास भार्मा जो श्री अटल बिहारी वाजपेयी का नाम लेकर जनसमर्थन की बात किया करते है। उस बारे मे तो ये खुद ही बता देगे कि लोक सभा चुनावो मे अपने ही क्षेत्र से 30000 वोटो से पिछडे।

श्री राम बिलास भार्मा: उपाध्यक्ष महोदय, भाई नृपेन्द्र सिंह को गलतहफमी हुई है। मै आपके माध्यम से इनको बताना चाहूगा कि 30 जुलाई को चौटाला साहब की महेन्द्रगढ जिले मे

जो जनसभा हुई थी वह बहुत बडी जनसभा हुई थी और उसमे मै 20 मिनट बोला था। पिछली बार जब इनके साथ थे तो लोक सभा चुनावो मे हमारे प्रत्या ी को महेन्द्रगढ से 23000 वोट मिले थे। उस समय हमारा प्रत्या ी चुनावा हारा था जबकि इस बार लोक चुनावो मे महेन्द्रगढ विधान सभा चुनावो क्षेत्र से 40683 वोट मिले। इस तरह हमे 4261 वोट कम तो मिले लेकिन पिछली बार की अपेक्षा 18000 वोट अधिक मिले। जिन्होने मेरे घर जलाया वह सारा कुकर्म इनकी भाह पर हुआ। उस घटना मे इनके हल्के के लोग थे। (ाोर)

श्री नृपेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, राम बिलास भार्मा जी के घर जलाने की घटना पर इनके साथ उस दिन भी मेरी साहनुभूति थी और उस मामले मे आज भी इनके साथ साहनुभूति है क्योकि उस वक्त जिसके इकना घर जलाया वह तत्कालीन संघर्श समिति के अध्यक्ष जिला भिवानी के थे। वह चौधरी ओमप्रका ा चौटाला की पार्टी के मेरे विरूद्ध उम्मीदवार थे। वह 1996 के चुनावो मे मेरे से 30 हजारा वोटो से हारे थे। उनकी लीडर ाप मे इनका घर जलाया गया था। लेकिन बडे दुख की बता है कि राम बिलास भार्मा जी द्वारा श्री ओम प्रका ा चौटाला जी के साथ हाथ मिला लिया गया। हाथ मिलाने के बाद आज हालात यह है कि कोई ताजूब नही होगा अगर दोबारा वही घटना इनके साथ फिर घट जाए क्योकि हरियाणा की जनत इनसे बहुत ज्यादा नाराज हो चुकी है। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने कहा था कि कादमां काण्ड के समय मे जिन लोगो के खिलाफ केस बने थे और कंडियाली काण्ड के समय मे लोगो पर और किसानो पर जो केस बने थे वे सारे के सारे केस विदड्रा कर लिए जाएगे लेकिन आज तक उन केसिज को विदड्रा करने के बारे मे कोई कार्यवाही नही हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, सबसे तुरंत आग लगा देने वाली बात यह है कि एक नवम्बर को ओमप्रका ा चौटाला जी द्वारा रेडियो और टी0वी0 पर ब्राडकास्टिंग से लोगो को अ ााए थी कि हरियाणा के मुख्यमंत्री

हरियाणा की जनता की भलाई के लिए और खास तौर से किसानो की भलाई के लिए और राम बिलास भार्मा जी के क्षेत्र के लोगो की भलाई के लिए एक भाब्द भी इस्तेमाल नही हुआ जबकि मेरे क्षेत्र मे और राम बिलास भार्मा जी के क्षेत्र मे अकाल पडा हुआ है। उस समय उन क्षेत्रो के लोगो की भलाई के बारे मे इनके मुह से एक भाब्द भी नही निकला। उपाध्यक्ष महोदय, नैचुरल कलौमिटी के समय के केन्द्रीय सरकार से मदद मांगने के लिए प्रदे ा की सरकार पहले ग्रांउड बनाती है कि प्रदे ा मे कुदरती प्रकोप हो गया है उसके लिए केन्द्रीय सरकार से तुरंत सहायता की आव यकता है। अगर प्रदे ा के मुख्यमंत्री इस बात को स्वीकार ही नही करेगे कि प्रदे ा मे ऐसी कोई प्राकृतिक विपदा है तो केन्द्रीय सरकार तुरंत सहायता कंहा से दे पाएगी? उपाध्यक्ष महोदय, जैसे पहले श्री ओमप्रका ा चौटाला जी की पार्टी द्वारा कहा गया कि बिजली के बिल मत भरो जिसकी वजह से लोगो ने अपने बिजली के बिल देने बंद कर रख थे, अब बिजली के बिल भरने की कार्यवाही भ्रु कर दी है और जो बिजली के बिल नही भरता है उसका बिजली का कनैक ान काटने की कार्यवाही भ्रु कर दी है। उपाध्यक्ष महोदय, वहां के किसान अकाल की चपेट मे है फिर भी यह सरकार उनसे बिजली के बिल वसूल करना चाहती है। इस बारे मे मै कहना चाहूगा कि सरकार राम बिलास भार्मा जी से सलाह ले और वहां के बिजली के बिल अगली फसल तक के लिए रोक दे। उपाध्यक्ष महोदय, मै अधिक समय न लेता हुआ एक बार कहना चाहूगा कि राम बिलास भार्मा जी को अहिरवाल क्षेत्र की बडी भारी चिन्ता थी। इनके समय मे चौधरी बंसी लाल जी की सरकार मे आहिरवाल क्षेत्र से संबध रखने वाले जो मंत्री थे उनको उन्होने हटा दिया था राम बिलास भार्मा जी और अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था कि हरियाणा प्रदे ा मे हर रोज मंत्रियो को बदल जाता है। राम बिलास भार्मा जी ने कहा था कि मै अहिरवाल क्षेत्र का रख वाला हू। राव नरबीर सिंह भाायद इस समय हाउस मे मौजूदा नही है अभी पिछले दिनो श्री ओमप्रका ा

चौटाला जी ने उनको मंत्री पद से हटा दिया। उपाध्यक्ष महोदय, राम बिलास भार्मा जी ने इनका घर जलाने की घटना का इल्जाम मेरे ऊपर लगाया है। मै इनसे कहना चाहूगा कि अगर ये उस घटना से बचना चाहते है तो समय रहते उस बारे मे कार्यवाही करे वरना यह किसी के बस की बात नही होगी। यह हरियाणा प्रदे ा की जनता की बात है और हम सभी साथी हरियाणा प्रदे ा की जनता का प्रतिनिधित्व करते है। हम उनकी तरफ से आज यह अवि वास प्रस्ताव ले कर आए है। अध्यक्ष महोदय, या उपाध्यक्ष महोदय, से मेरा अनुरोध है कि अगर आप व्यक्तिगत तौर पर सही मायनो मे अवि वास प्रस्ताव का फेसला करना चाहते है तो आप एक एक सदस्य को व्यक्तिगत तौर पर अपने चैम्बर मे बुला कर बाते करे। वही पर जो सदस्य हां मे बोले और जो सदस्य न मे बोले उसका फेसला वही पर करे। आप गुप्त मतदाना कराए। अगर आप गुप्त मतदान करवाते है तो राम बिलास भार्मा जी का वोट भी अवि वास प्रस्ताव के पक्ष मे पडेगा। मेरा तो यही अनुरोध है कि मतदान का तरीका ग्रुप होना चाहिए उसके बाद फेसला सब के सामने आ जाएगा वरना हरियाणा की जनता बहुत जल्दी फेसला कर देगी। इस भाब्दो के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मै अपना स्थान ग्रहण करता हू। धन्यवाद।

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, इस अवि वास प्रस्ताव पर बहुत लम्बे समय से चर्चा चल रही है। मै तो केवल दो मुद्दो पर अपनी बात करूंगा। उसके बाद डिटेल मे सी0एम0 साहब सारी बातो का जवाब देगे। उपाध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार ने सबसे बडा काम प्रजातंत्र की बहाली कर किया है। प्रजातंत्र के जितने भी इन्सीच्यू ान्ज थे, जितने भी ट्रैडी ान्ज थी उनको पिछली सरकार ने तहस नहस कर दिया था। उपाध्यक्ष महोदय, विधान सभा, कार्यपालिका, न्यायपालिका और प्रेस ये चारो स्तम्भ प्रजातंत्र के मेन स्तम्भ है। पिछली सरकार के समय मे विधान सभा की हालत क्या थी, उस हालत को उपाध्यक्ष महोदय, आपने भी देखा था। आज जो हालत है उसको भी आपने देखा

है। जैसा कि मैने पहले भी कहा था कि उस वक्त की सरकार ने अध्यक्ष पर का नाजायज ढंग से प्रयोग करते हुए अध्यक्ष पद की गरीमा को मलिया मेट करके रख दिया था। उस वक्त की सरकार स्पीकर के द्वारा कभी सदस्यो को नेम कर देती थी तो कभी सारे सै ान के लिए सस्पेड कर देती थी।

श्री हर्श कुमारः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी पिछली व्यवस्था की बात कर रहे है। आपने आज की व्यवस्था को भी देखा। हाउस मे आने के बाद हमने व्हिप जारी किया था। व्हिप जारी होने के बाद सुभाश चौधरी और राम सरूप रामा जो सदन मे आये थे उनको ये लोग सदन से उठा कर कही ले गए जिनके बारे मे कुछ पता नही वे कहां है।

प्रो0 सम्पत सिंहः आपने व्हिप जारी किया है। उसकी जो कानूनी तरीके से कार्यवाही होनी होगी वह होगी। इसमे हम कुछ नही कर सकते। व्हिप की यदि वायले ान होती है तो उस बारे मे जो कार्यवाही होनी है उसका प्रवाधान भी सविंधान मे है। (विघ्न)

श्री हर्श कुमारः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। सुभाश चौधरी और राम सरूप राम आपके साथ सदन की लौबी मे दाखिल हुए थे वे कहां चले गए।

श्री उपाध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है।

प्रो0 सम्पत सिंहः कौन कब हाउस मे प्रेजेट हुआ या नही हुआ इसकी जिम्मेवारी हमारी नही है, यह सबंधित मैम्बर की अपनी मर्जी पर है। किसी विधायक के आने जाने पर कोई रोक नही है। अब पिछली सरकार की तरह नही है। कि कोई मैम्बर्ज जहां पर जाता हो तो उसके पीछे सी0आई0डी0 की जिप्सी लगा दे। उस वक्त सी0आई0डी0 द्वारा यह निगरानी रखी जाती थी कि

कौन विधायक कहां पर जा रहा है और किसके पास बैठा है। अब ऐसी सी0आई0डी0 किसी विधायक की नही की जाती है।

श्री हर्श कुमारः उपाध्यक्ष महोदय, एच0वी0पी0 के चारो मैम्बर कहा पर गए?

श्री उपाध्यक्षः आप बैठिये।

श्री हर्श कुमारः हमारी बात तो पूरी होने दे।

श्री उपाध्यक्षः जो कुछ ये कह रहे है वह रिकार्ड न किया जाये।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्षः यदि हाऊस की सहमति हो तो सदन का समय आधा घंटे के लिए और बढ़ा दिया जाये।

आवाजें: ठीक है।

श्री उपाध्यक्षः सदन का समय आधा घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): उपाध्यक्ष महोदय, यह तो हर मैम्बर का अपना राईट है कि कौन किस वक्त असैम्बली में आए और किस वक्त असैम्बली से जाए। जहां तक व्हिन की बात है, हर मैम्बर व्हिप के जरिये अपनी अपनी पार्टियों से बंधा हुआ है। डिप्टी स्पीकर सर, वह पार्टी जाने कि क्या कार्यवाही करनी है या क्या क्या करना है वह एक अलग ई ू है। जहां तक आने जाने का सवाल है, आना जातना तो अपनी मर्जी की बात है हम किसी को बाध्य नहीं कर सकते हैं कि कौन कब आए या कौन कब जाए ? हरियाणा प्रदे ा का हर वा ि न्दा आज के दिन सेफ है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवानः डिप्टी स्पीकर सर, हमारे साथियों को उठा लिया गया है और उनका कुछ पता नहीं है कि वे कहां पर हैं वे सेफ हैं या नहीं हैं इस बारे में हाउस को कोई जानकारी नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, हम आपसे न्याय चाहते हैं। हमें अगर आप से भी न्याय नहीं मिला तो हम कहां जाएंगे ? (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, सतपाल सांगवान जी के लिए तो जू सबसे बढिया जगह है (हंसी) यह जाट जाति का जा रहा है (विघ्न एवं भाोर) वे पिछले सै ान में भी नहीं आए और इस सै ान में भी नहीं आए। (विघ्न एवं भाोर) (**इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए**) अध्यक्ष महोदय, ये लोग भागना चाहते हैं। अगर ये जाना चाहते हैं तो हम इनको रोकेंगे नहीं। ये लोग अगर जाना चाहते हैं तो जा सकते हैं, कोई इनको रोकता नहीं है। (विघ्न) यह हर आदमी की अपनी मर्जी है या उसका अपना राईट है। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमि ान का कोई जवाब नहीं आया। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आपको बोलने का पूरा टाईम मिल गया था, अब आप किस लिए बोल रहे हैं। आप अपनी सीट पर बैठें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवानः हम अपने साथियों के बारे में चिन्तित हैं, हमारे साथी कहां हैं उनके बारे में बताइये (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आपके साथी सेफ रहेंगे, अब आप अपनी सीट पर बैठिये। (विघ्न)

नगर एवं ग्रामीण आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): स्पीकर सर, दो बजे से सै ान भाुरू हुआ है और हमारे ये साथी आज विरोधी पक्ष में बैठे हुये हैं, तीन चार महीने पहले ये इधर बैठे हुए थे। तीन साल तक इनके राज में इनका जो व्यवहार रहा

था। वह आपको मालूम है (विघ्न) मैं यह कहना चाहता हूं कि सांगवान साहब, नृपेन्द्र सिंह और इनके साथी तथा बहन करतारी जी ने अपनी बात हाउस में रखी। हमारी तरफ से प्रो0 सम्पत सिंह जी बोल रहे हैं। उनको एक ाडयन्त्र के तहत जान बूझकर इन्टरवीन करने की कोि ा ा की जा रही है (विघ्न एवं भाोर) स्पीकर सर, मेरी सबमि ान यह है कि आपकी भाराफत का फायदा उठा कर सांगवान साहब आपे से बाहर हो रहे हैं और ये चाहते हैं कि जैसे इनके अपने समय मे होता था वैसा ही करें। (विघ्न) चौधरी जगन्नाथ जी, आपके इ ाारे पर नोट चला करते थे, लेकिन हम आपको इस प्रकार का कोई मौका नहीं देंगे और न ही आपको सस्पैंड करेंगे आप चाहे कितना ही चिल्ला लें। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, जैसा कि मैं कह रहा था कि पिछली सरकार के वक्तसारी परम्पराएं पांव के नीचे रौंद दी गई थीं कोई असैम्बली का मायना नहीं छोडा था, किसी भी अधिवे ान की कीमत नहीं रह गई थी। स्पीकर सर, अब देखिए इस सरकार की कितनी फिराकदिली है। (विघ्न) सुरजेवाला जी आप फिर बोल लेना। अभी मुझे बोलने दें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, मंत्री महोदय ने कहा कि सारी परम्पराएं ताक पर रख दी गईं। जैसा कि हरियाणा विकास पार्टी के सदस्यों ने इनसे पहले यहां पर चर्चा की है कि जो चार हविपा के विधायक इनके मंत्रिमण्डल में भाामिल किए गए थे उनमें से तीन विधायक आज विधान सभा का सत्र अटैंड करने के लिए जो सदन के साथ लगती लौबी है उसमें आए थे। उनको किन्हीं सरकारी व्यक्तियों के द्वारा जबरन ले जाया गया, उनको वहां से उठा कर ले जाया गया है। स्पीकर साहब, आप हमारे राईट के प्रोटैक्टर हैं। You are the custodian of our rights. You must ask the Government that what has been done to those legislatores. स्पीकर सर, अगर परम्पराएं ताक पर रखी गई हैं तो इस सरकार द्वारा रखी गई हैं।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैंने पहले भी कह दिया है कि हरियाणा प्रदे ा का सवाल चार मंत्रियों का या चार एम0एल0एज0 का नहीं है। हर बा ान्दा जो हरियाणा का है वह सुरक्षित है। ये जो पिछली सरकार यह सब किया करती थी कि मंत्रियों के पीछे, एम0एल0एज0 के पीछे सी0आई0डी0 की जीप्सियां लगाती थी। यह एक्टीविटी हमारी नहीं है। हम ऐसा काम नहीं करते हैं जिससे किसी मिनिस्टर की या एम0एल0ए0 की भाान में गडबड हो। यह काम तो इन लोगों का होता था। जहां तक एग्जैक्टिव का सवाल है तो इन्होंने उनको बिल्कुल मिनिंगलैस कर दिया था। पहले के जो मिनिस्टर थे और वे बार बार जिन बातों को उठाते रहे, कभी भी पहले वाली सरकार ने उनकी परवाह नहीं की। सर, अब की सरकार में प्रजातन्त्र को देखिए। यहां पर कहा गया कि चुंगी माफ करो तो मुख्य मंत्री जी की तरफ से एक मिनट में कहा जाता है कि चुंगी माफ, बुढापा पैं ान 100 रूपए से 200 रूपए कर दो तो वह 200 रूपए हो गई, कन्या दान 5100 रूपए कर दो तो वह भी कर दिया गया और गन्ने का रेट 110 रूपए कर दो तो वह भी कर दिया गया। स्पीकर सर, मैं इनको बताना चाहता हूं कि हम एक कुलैक्टीव रिसपोंसिबिलिटी से चलते हैं। और आज की वजारत सबकी राय लेकर चलती है। स्पीकर सर, इनके जो हालात थे उसके बारे में मैं यहां पर ज्यादा जिक्र नहीं करना चाहता हूं। अगर ये लोग मिलकर चलते तो आज यह नौबत आई है यह क्यों आती। चौटाला साहब, मुख्य मंत्री पद के भूखे नहीं थे। जिस दिन गवर्नर साहब ने चौटाला साहब को बुलाया उसी दिन चौटाला साहब ने 11.30 बजे रात को मीटिंग बुलाई। उस मीटिंग में राम बिलास भार्मा जी और मैं भी था। इन्होंने उस वक्त कहा था कि मेरी इच्छा सरकार बनाने की नहीं है। यह जो सरकार गई है उसने हरियाणा में बुरी किस्म के हालात बिगाड रखे हैं, सारे हरियाणा का सत्याना ा कर रखा है, रोजगार इन लोगों ने किसी को दिया नहीं सब जगह असन्तोश ही असन्तोश है। (विघ्न) स्पीकर सर, इन्होंने जबरदस्त असन्तोश फैला रखा

था। उस असन्तोश के माहौल में खुद मुख्य मंत्री जी चिंतित थे। वरना जो आदमी स्टैपिंग करता है वह खु ा होता है लेकिन इनके दिमाग में उस रात को टैं ान थी कि मैं इस माहौल को कैसे सम्भालूंगा। आज यह ला एंड आर्डर की बात कर रहे थे। स्पीकर साहब, हर आदमी को थोडा सा अपने गिरेबान में झांक कर देख लेना चाहिए। ला एंड आर्डर जहां तक बात है, यह औनगोईंग प्रोसैस है। सोसाईटिज के अन्दर वैल्यूज गिर रही हैं उस वजह से भी यह समस्या आ रही है। पिछली बार के होम मिनिस्टर श्री गोदारा जी ने बडे हिस्टोरिकल ढंग से इनके समय के तथ्यों को बताने की कोि ा ा की। स्पीकर सर, जो प्रोहिबि ान की पालिसी इन्होंने बनाई थी वही मेजर फैक्टर ला एंड आर्डर को खराब करने का था। जब इन्होंने प्रोहिबि ान लागू किया तो यहां पर एक अमीरिकन अमैब्सडर आए हुए थे और उनसे जब मेरी मुलाकात हुई तो उनका मेरे से पहला सन्टैंस था कि आपकी स्टेट ने यह बडी भारी भूल की है। यह इस तरह से नहीं चल सकता है। हमारे यहां तो जितने जिले हैं वह सारे के सारे दूसरी स्टेटस से मिलते हुए हैं। सिर्फ एक स्टेट प्रोहिबि ान नहीं कर सकती जब तक दूसरी स्टेट भी उसका साथ न दें। आप कोई बात दूसरे पर धक्के से भी नहीं थोप सकते हैं। आप लोगों को उसके लिए तैयार करें, उनको इसके लिए एजुकेट करें कि न ाा बुरी चीज है, न ाा गलत चीज है इससे तेरा घर बर्बाद हो जाएगा, परिवार बर्बाद हो जाएगा, आर्थिक हालात खराब हो जाएंगे। अगर इस तरह से हम लोगों को समझाते तो यह काम हो सकता था। अब जैसे पहले नसबंदी की गई थी और उस वक्त लोगों पर उसका बुरा असर पडा था लेकिन आज लोग खुद उसको अपने आप करवा रहे हैं। उस वक्त वह तरीका अप्रजातांत्रिक तरीका था, ताना ााही तरीका था। इन्होंने इसी ताना ााही तरीके से न ााबन्दी लागू करने की कोि ा ा करी और उसका रिजल्ट आज आपके सामने है। जब उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने भी ि ाकागों स्टेट के अंदर न ााबंदी की थी लेकिन बाद में उनको

भी इसको उठाना पडा था। स्पीकर सर, आज भी वहां पर क्राइम रेट सबसे हाईएस्ट है। हरियाणा में भी आज जो क्राइम हो रहा है उकसे लिए ये लोग ही जिम्मेदार हैं। हमारी सरकार आने के बाद तो अपराध घटे हैं हम यह नहीं कहतें कि हमने सारे अपराधों पर काबू पा लिया है लेकिन अपराध घटे जरूर हैं। अपरोधों के थोक व्यापारी तो ये लोग होते थे क्योंकि सरकार की प्रोटैक ान में थोक व्यापारी अवैध भाराब बेचते थे और इनसे मिलकर करोडों रूपये कमाते थे। स्पीकर सर, इन्होंने इस काम में नादान बच्चों को और यहां तक कि औरतों को भी इन्वाल्व कर रखा था। जब किसी को सौ रूपये, किसी को दौ सौ रूपये की आमदनी होगी तो वह इस लालच की तरफ जाएगा ही। इसलिए इनकी सरकार के वक्त में 15 साल के, 16 साल के या 17 साल के 1.5 लाख बच्चे जेल काट चुके हैं। स्पीकर सर, जिनके माथे पर अपराधी लिखा जा चुका है, जिनके लिए नौकरी के दरवाजे बंद हो चुके हैं और समाज में जिनके लिए कोई स्थान नहीं रहा है वे अब क्या करेंगे वे तो अब गलत काम ही करेंगे। सर, आपने देखा ही होगा कि चैन स्नैचिंग, कार स्नैचिंग, मर्डर और फिरौती की अनेक घटनाएं हुई हैं जबकि पहले हरियाणा में फिरौती की इक्का या दुक्का घटनाए ही होती थीं। लेकिन प्रोहिबि ान हटने के बाद इस तरह की घटनाएं धडाधड बढीं। इसलिए जो भी लोग क्राइम के रास्ते पर चले गए थे उसके लिए ये लोग ही दोशी हैं। बाद में अगर ये उनको सही रास्त पर लाते तब तो कुछ बात थी लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। स्पीकर सर, अब हमारी सरकार ने इस बारे में कोि ा ा की है जैसे गोदारा साहब ने भी कहा कि इन चीजों पर दो तरह से काबू पाया जा सकता है। एक तरफ उनको कानून का भय दिखाकर और दूसरी तरफ लव का रास्ता दिखाकर उनको सही रास्ते पर लाया जा सकता है। एक तरफ इंसैंटिव हैं दूसरी डि–इंसैंटिव हैं। हमको इन दोनों थयोरिज को साथ लेकर चलना पडेगा। आपको पहले उन्हें इंसैंटिव देना पडेगा और उसके बाद डि–इसैंटिव लाने पडेंगे।

कैप्टन अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मेरे हल्के में एक गांव में भगवान बाल्मिकी की मूर्ति को खंडित किया गया है लेकिन दोशियों को आज तक भी गिरफ्तार नहीं किया गया है। अगर आपके राज में इस तरह से भगवान बाल्मिकी की मूर्ति तोडी जाएगी और यदि आप दोशियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करेंगे तो फिर आप इस तरह की बात नहीं कर सकते। यह वही लोग हैं जिन्होंने आपकी मदद की थी।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, हमने पहला प्रयास तो यही किया कि जो लडके प्रोहिबि ान में पैटी क्राइम्ज के अंदर थे उनको हमने बरी किया और साथ में डिपार्टमैंट से इनके केसिज को ऐग्जामिने ान के लिए भी कह दिया है। हमने डिपार्टमैंट से यह भी कह दिया कि आप देखिए कि भाराब की थोक में स्मगलिंग करने वाले व्यापारियों को छोड कर दूसरे ऐसे कितने केसिज बनते हैं जो इसमें भाामिल हैं। सर, इस बारे में भी रिपोर्ट जल्दी ही आ जाएगी। ऐसा हमने इसलिए किया ताकि लोगों को सही रास्ते पर लाया जा सके। स्पीकर सर, यह नासूर किसने पैदा किया था यह नासूर समाज के लोगों ने पैदा किया था, इन सत्ताधारी ठेकेदारों ने पैदा किया था, इसलिए अब हमारा फर्ज बनता है कि हम समाज के इन लोगों को सही रास्ते पर लाएं। इसके बाद अब डि–इंसैंटिव का नम्बर आता है कि मुस्तैदी से उनके साथ लडा जाए और ऐसे लोगों के अंदर एक भय पैदा किया जाए कि कानून का राज भी है, पुलिस भी है, प्र ाासन भी है। स्पीकर सर, ये बात कर रहे थे कि इस सरकार ने चार महीने में क्या कर लिया है, मैं इनको बताना चाहूंगा कि असल में तो हमारी सरकार अब आयी है क्योंकि 6 अक्तूबर को वोटों की गिनती होती है और दस अक्तूबर के बाद नयी सरकार बनती है। इससे पहले गोदारा साहब के टाईम के जो भी ओफिसर्ज चाहे वह थानेदार हो, एस0पी0 हो या डी0एस0पी0 हो, उनको हम चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण हिला भी नहीं सकते थे, किसी के खिलाफ कुछ कार्यवाही

नहीं कर सकते थे इसलिए हमारी सरकार को बने अभी एक महीना ही हुआ है और इस एक महीने के अंदर इस फील्ड में बाकायदा प्रोग्रस हुई है।

श्री मनीराम गोदाराः अब आपने जो ट्रांसफर्ज की हैं ये ट्रांसफर्ज ही आपको लेकर बैठेंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, जैसे रामबिलास भार्मा जी ने कहा था वह कोई छोटी बात नहीं है। यह अपने आप में हरियाणा प्रदे ा में एक इतिहास बन गया है। अब आप इसको कोई बहाना कह लीजिए या कुछ और कह लीजिए लेकिन ये चुनाव बिल्कुल इंसीडैंट फ्री हुए। कोई भी धारा 107–51 का मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। इससे बडी अचिवमैंट, इससे बडी सफलता कानून व्यवस्था के लिए और क्या होगी ? आपको इस बात के लिए हमारे मुख्य मंत्री जी को और हमारे प्र ाासनिक अधिकारियों को बधाई देनी चाहिए थी ताकि उनके हौंसले बढते और वे मुस्तैदी के साथ काम करते लेकिन आपने ऐसा नहीं किय बल्कि उल्टा आपने उनको डिमोरलाइज करने का काम किया है। इनको तो सैडिस्टिक प्लेजर लाने में आनन्द आता था, इनको तो उल्टे काम करके खु ाी महसूस होती थी, ये तो किसी के साथ ज्यादती करके खु ा होते थे। आखिरी दिन तक मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने किसी का भला नहीं किया। जाते जाते भी करीब 40 अफसरों का पत्ता काट गए। सारे के सारे ऐडमिनिस्ट्रे ान में चाहे कोई आदमी किसी भी स्टाफ में था किसी को वि वास नहीं था, किसी को पता नहीं होता था कि कब छुटटी हो जाएगी। जब सैडिस्टिक प्लेजर लेने वाला आदमी स्टेट का मुखिया होगा तो स्वाभाविक है कि उसने कैसी नींव रखी होगी। जहां तक मुकदमों का जिक्र किया गया उसके बारे में बताना चाहूंगा। 24–7–98 को हमारी सरकार आई और मैं 31–10–99 तक के आंकडें बताना चाहूंगा। 14939 केस दर्ज हुए। 1998 में इसी दौरान आपके समय में 18975 केस जर्द हुए। हमारे

समय में केस घटे हैं हम नहीं कह रहे हैं कि काबू पा लिया है We are trying our best. आपके समय में कोई मुलजिम नहीं पकडा जाता था। आज हरियाणा प्रदे ा के लोग प्र ाासन को बधाई दे रहे हैं। करतार देवी जी ने कच्छा बनियान गिरोह का जिक्र किया था तो हर अपराधी अपने अपने तरीके ऐडौप्ट करता है कोई पकड न सके इसके लिए भारीर पर तेल मल लेते हैं, किसी के पास हथियार नहीं हैं तो वह घर में जाएगा और जो भी चीज या हथियार उसको मिलेगा उससे औरत मिले औरत को मार देते हैं, बच्चा मिले तो बच्चे को मार देते हैं वे एसा काम करते हैं ताकि टैरर पेदा हो और उसके बाद लूट मचाई जा सके। अभी सदन में झज्जर का जिक्र किया गया था तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि झज्जर में 24 घंटे के अंदर अपराधियों को पकड लिया गया। यह कोई छोटी अचिवमैंट नहीं है। इससे दूसरे अपराधियों को भी लैसन मिलता है कि अगर हमने ऐसा किया तो हमारे साथ भी यही होगा, जो उनके साथ हुआ। स्पीकर साहब, उन लोगों ने 73 वारदातें करीं लेकिन ये सब सौल्व हो गई हैं। इसी प्रकार पानीपत के कच्छा बनियान गिरोह की बात आई थी। पानीपत में यू0पी0 पुलिस के साथ कोआर्डीनेट करके हमने उन अपराधियों को भी पकडा है। हमारे प्रदे ा के साथ हर प्रदे ा के बौर्डर लगते हैं राजस्थान का लगता है, यू0पी0 का लगता है, दिल्ली का लगता है, हिमाचल का लगता है और पंजाब का लगता है। पंजाब में आतंकवाद आया तो उसका फाल आउट भी हमारे ऊपर आया। यू0पी0 पुलिस के साथ तालमेल करके पांच लोगों को पकडा गया। वे लोग यू0पी0 पुलिस को वांटेड थे इसलिए आज वे उनके पास हैं और जब जांच पूरी हो जाएगी तो हमारे यहां की पुलिस के पास आ जाएंगे।

श्री नृपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, चौ0 संपत सिंह ने यह तो बता दिया कि हमने इस तरह से अपराधियों को पकड लिया लेकिन यह बताएं कि इनके तीन महीने के कार्यकाल में कितने अपराधी जेल तोड कर भाग गए, जिनको कि ये पकड नहीं पाए ?

प्रो0 सम्पत सिंहः मैं यही नहीं कहता कि इंसीडैंटस नहीं हुए हैं, इंसीडैंटस हुए हैं और मैक्सिमम सौल्व किए हैं। जो जेल से भागे हैं उनके ठिकानों का भी पता लगाया जा चुका है और बहुत जल्द आपको यह खबर मिलेगी कि वे पुलिस के काबू में आ चुके हैं। इसी तरह से यहां पर रोहतक, मेहम, कांकडौली और बाढडा का जिक्र किया गया है। अध्यक्ष महोदय, कोई केस ऐसा नहीं जो सौल्व न हुआ हो। चालान पे ा हो चुका है चाहे वह केस मेहम थाने से संबंधित हो चाहे, पार्शद से संबंधित हो या विधायक से संबंधित हो। स्पीकर सर, सरकार तो पहले विपक्षी भाईयों की भी रही है। आप देखते थे कि किस तरह दरवाजे बंद करके अधिकारियों के गले पकड लिया करते थे और कोई ऐक ान नहीं होता था। यह तो मुख्य मंत्री जी की उदारता थी। स्पीकर सर, चौधरी देवी लाल जी ने एक नारा दिया था कि भाासन लोकलाज से चलात है लोकराज से नहीं और पिछली सरकार ने लोक लाज की परवाह न करते हुए विधायक के खिलाफ केस दर्ज किया, उस केस में चालान भी पे ा हुआ। लेकिन हमारी सरकार अपराधियों के खिलाफ बाकायदा कार्यवाही कर रही है और आने वाले समय में मुस्तैदी से काम किया जायेगा। हरियाणा प्रदे ा जो अपराधियों की भारण स्थली बन गया था इस प्रदे ा के अपरोधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। आज प्रदे ा से अपराधी भाग रहे हैं। मैं मानता हूं कि पिछली सरकार में श्री मनीराम गोदारा जी भले ही कहने को गृह मंत्री थे लेकिन इनकी बात मानी नहीं जाती थी। गोदारा साहब हमारे बुजुर्ग हैं। हम मानते हैं कि इनका कोई कसूर नहीं था। अगर इनकी बात मानी जाती तो आज हरियाणा विकास पार्टी को यह दिन नहीं देखने पडते। स्पीकर सर, एक बात विपक्ष के भाई कह रहे थे कि इनकी सरकार ने कुछ हैल्दी परम्पराएं रखी थी जिनको चौटाला साहब ने तोड दिया। अगर इनकी हैल्दी परम्पराओं के बारे में यहां बता दिया गया तो सारा हाउस चौकन्ना हो जायेगा और प्रैस वाले भी चौकनने हो जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, 1991 से लेकर पिछले

कुछ दिनों तक जबकि वर्तमान सरकार सत्ता में आई है इन आठ सालों में पिछली सरकारों ने प्लानिंग बोर्ड की एक भी बैठक नहीं बुलाई जो कि एक राज्य का महत्वपूर्ण बोर्ड होता है। प्रजातन्त्र में काम करने का यह तो इनकी सरकारों का तरीका रहा है। इनकी सरकारों ने प्लानिंग बोर्ड को ही खत्म कर दिया और लोगों को यह पता ही नहीं था कि प्लानिंग बोर्ड भी कोई संस्था है और आज ये लोग प्रजातन्त्र की दुहाई दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मैंने आज सुबह बिजली के बारे में विस्तार से बात की थी। लेकिन यहां पर भी मैं बिजली के बारे में कुछ बात कहना चाहूंगा। माननीय विपक्षी सदस्यों ने कहा कि बिजली की बडी हा–हा कार मची हुई है। जब हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गठबन्धन की सरकार थी तो इन्होंने बडे बडे नारे दिए थे कि हम 24 घण्टे बिजली देंगे। इन्होंने चाहे बिजली दी या नहीं दी परन्तु हम इनकी सरकार की तरह नहीं हैं कि लोगों द्वारा बिजली के बिल न भरने पर उनके घरों से बिजली के कनैक ान काट दिए और इस तरह लगभग 700 गांवों में ब्लैक आउट कर दिया था जैसे वे 700 गांव हरियाणा प्रदे ा के भाग ही न हों। जब चौटाला साहब ने इस प्रदे ा की सरकार की सत्ता संभाली तो पहले उन्होंने उन 700 गांवों के लोगों के घरों में बिजली पहुंचा कर उनके घरों में दिए जलाये। इस बात का नृपेन्द्र सिंह जी को ज्यादा पता है क्योंकि इनके हल्के के भी काफी गांव उन 700 गांवों में भाामिल थे जिनके बिजली के कनैक ान काट दिये गए थे। (विघ्न)

श्री नृपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं ऑन ए प्वायंट आफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं। अभी मंत्री जी ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने बिजली के बिल नहीं भरे थे, उनके घरों के बिजली के कनैक ान काट दिए थे। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वर्तमान सरकार की कोई ऐसी पोलिसी है कि जिन उपभोक्ताओं ने बिजली के बिल नहीं भरे हैं और वर्तमान सरकार के नेताओं ने उन उपभोक्ताओं को बिजली के बिल न

भरने के लिए कहा था। क्या अब उन उपभोक्ताओं के घरों के बिजली के कनैक ान काटे जायेंगे यह कृपया मंत्री जी बतायें ?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय में यह होता था कि एक ट्रांसफार्मर के नीचे जिने कंज्यूमर्ज होते थे उनमें से अगर कुछ कंज्यूमर्ज ने बिल नहीं भरा तो भी सभी कंज्यूमर्ज के बिजली के कनैक ान काट दिये जाते थे और जिन्होंने बिल भरा होता था उनके भी कनैक ान काट दिये जाते थे क्योंकि वे सब एक फीडर के नीचे आते थे, जितने हमारे रूरल फीडर्ज हैं वे सारे कामन फीडर्ज हैं। उनसे एग्रीकल्चर सैक्टर को बिजली सप्लाई होती है और उन्हीं से डौमेस्टिक सैक्टर को भी सप्लाई होती है। उन फीडर्ज पर चाहे 10 प्रति ात लोगों ने बिजली के बिल भर रखे थे या 20 प्रति ात लोगों ने भर रखे थे। लेकिन जिस फीडर से कनेक ान काटे गए वहां पर जिन लोगों ने बिजली के बिल भार रखे थे उनका क्या कसूर था आपने उनके भी कनैक ान काट दिए थे। अगर इंडीविजुअल कोई बिल नहीं भरता तो उसकी अलग बात है। उसका आप कनैक ान काट दो लेकिन आपने तो सभी के कनैक ान काट दिए थे। 1977 से पहले जैसे चौ0 बंसीलाल ने एमरजैंसी के समय किया था, उस समय वे कनैक ान काट दिए और इसी तरह से अब बिजली कनैक ान काट दिए। सबसे बडा काम तो इस सरकार ने यही किया है। अब लोगों ने बहुत बढिया दीवाली मनाई और इनके कर्मों को रोए। यही कारण है कि इनको पीट पीट कर छोड दिया। इनको बुरी तरह से मारा और अब ये पानी भी नहीं मांग रहे हैं। अब इनका सासरे का सारा मानसिक सन्तुलन हिल चुका है इनका यह संतुलन ठीक करने के लिए मैं कहूंगा कि हमें चाहें थोडा बहुत स्वास्थ्य विभाग का बजट बढाना पडे तो वह हम बढा देंगे क्योंकि ये हमारे ही साथी हैं। जहां तब बिजली का सवाल है हमारी सरकार आने के बाद हमने इसको अच्छी तरह से देने के लिए बहुत प्रयास किए हैं। मैं उन प्रयासों का थोडा सा जिक्र करना चाहता हूं। मैं आपको सिंगल डे की बिजली की सप्लाई की

फिगर बता देता हूं। हमने एक दिन में 518.4 लाख यूनिट बिजली 25–9–99 को सप्लाई की है। जबकि पिछले साल एक दिन में 458 लाख यूनिट बिजली ही सप्लाई की गई थी। जबकि हमने 458 के मुकाबले 518.4 लाख यूनिट की सप्लाई की यानि एक दिन में हमने 80 लाख यूनिट बिजली उसके मुकाबले में ज्यादा सप्लाई की।

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवालाः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। बिजली के बारे में सरकार ने जो प्रयास किया है, इन्होंने आपके माध्यम से वह सदन के समक्ष रखा। बिजली के बारे में जितनी कनफ्यूज नीति इस सरकार की है वह भाायद ही किसी अन्य सरकार की हो। मंत्री जी ने स्वयं इस तरफ खडे होकर पिछले सदन में कहा था कि बिजली सुधारीकरण का वह विरोध करते हैं क्योंकि 50 पैसे से 75 पैसे और फिर एक रूपया प्रति यूनिट बिजली का रेट कृशि क्षेत्र और दूसरे क्षेत्रों का बढा दिया गया। यह इनके द्वारा कहा गया है कि बिजली सुधारीकरण का जो एग्रीमैंट वर्ल्ड बैंक के साथ हुआ था, उसमें इसका प्रावधान है। उसके बाद मुख्य मंत्री जी ने भी बिजली कर्मचारियों की मीटिंग ली और लगातार यह कहा कि सुधारीकरण हम खत्म करेंगे, एच0एस0ई0बी0 को पुरानी भोप में लेकर आएंगे। उसके बाद वर्ल्ड बैंक की टी आई, प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी और कुमार मंगलम ने इनको घुडकी दी। (ाोर) ये बिजली का सुधारीकरण करेंगे या नहीं करेंगे। ये वर्ल्ड बैंक के एग्रीमैंट को ओनर करेंगे या उसको खत्म करेंगे इस बारे में मंत्री जी बताएं।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आज इनके सारे तंत्र मंत्र हिल चुके हैं। मैंने आज सुबह बताया था कि हमारी सरकार ने एक दिन की नहीं आन एण्ड एवरेज 80 लाख यूनिट प्रतिदिन की सप्लाई पिछली सरकार के मुकाबले में ज्यादा दी है। आपके रूरल फीडर्ज चाहे टयूबवैल हैं उनमें भी हमने फालतू बिजली दी है। वह भी एवरेज 80–82 लाख यूनिट प्रतिदिन की पड़ती है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाऊस की सहमति हो तो सदन का समय आधा घंटे के लिए बढ़ा दिया जाये।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः सदन का समय आधा घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो0 सम्पत सिंहः इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले 3 महीनों में एक बूंद भी बरसात नहीं हुई। आप खुद किसान हैं। आपका एरिया पैडी का ऐरिया है। (ोर)

श्री मनी राम गोदाराः स्पीकर सर, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है, ये बार बार गलत फिगर बोल रहे हैं।

प्रो0 सम्पत सिंहः हम कोई गलत फिगर नहीं बता रहे हैं। यदि हम गलत फिगर बोल रहे हैं तो हमारे खिलाफ प्रिवीलेज मो ान लाओ।

श्री मनी राम गोदाराः आप कह रहे हो कि हमने इतनी बिजली ज्यादा दी।

प्रो0 सम्पत सिंहः मैं अब भी कह रहा हूं कि हमने ज्यादा बिजली दी है।

श्री मनी राम गोदाराः गांव के लोग और इलाके के प्रतिनिधि कहते हैं कि गांव में बिजली बिल्कुल नहीं जाती।

प्रो0 सम्पत सिंहः आप में से गांव में कौन जाता है। क्या आप कभी गांव में गए हो ? (ोर)

श्री अध्यक्षः गोदारा साहब, आप बैठ जाएं।

श्री मनी राम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, मैं प्वायंट आफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः प्वायंट आफ आर्डर की तो कोई बात ही नहीं है। प्लीज आप बैठिये।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 1999 के जनवरी, फरवरी और मार्च में कितनी बिजली थी और इसी वर्श जुलाई, अगस्त और सितम्बर में कितनी बिजली थी ? (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मई में बिजली 381 लाख यूनिट थी, जून में 424 लाख यूनिट थी, जुलाई में 469 लाख यूनिट थी, अगस्त में 488 लाख यूनिट थी और सितम्बर में 484 लाख यूनिट थी ? अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने बिजली बढाई है घटाई नहीं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हर्श कुमारः अगर आपने बिजली चढाई है तो वह बिजली कहां गई ?

श्री अध्यक्षः हर्श कुमार जी, प्लीज आप बैठिये।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, वह बिजली किसानों के खेतों में गई है, उद्योगों में गई है। अगर हमारी सरकार ने बिजली नहीं दी तो यह इतनी अच्छी खरीफ की फसल कहां से हो गई ? खरीफ की सभी फसलें बिजली की वजह से ही हुई हैं। पानी की अच्छी सप्लाई की वजह से हुई है। अध्यक्ष महोदय, इस साल बरसात भी नहीं हुई, जो यह खरीफ की इतनी अच्छी फसल हुई है यह हमारी सरकार द्वारा जो परोपर बिजली किसानों को दी गई है उसी की वजह से हुई है। अध्यक्ष महोदय, मैंने सुबह भी बताया था कि हमारी सरकार ने फरीदाबाद और पानीपत के प्लांटस के लोड फैक्टर में सुधार किया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अत्तर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इनकी बिजली की क्या पोलिसी है और पावर के रिफोर्मज को ये चालू रखेंगे या नहीं ? राम बिलास भार्मा जी ने कहा था कि अच्छे काम में सहयोग करना चाहिए हमें ये अपनी बिजली की पोलिसी के बारे में बता दें हम इनका सहयोग करेंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, बंसी लाल जी की सरकार ने वर्ल्ड बैंक के साथ जो एग्रीमैंट किया था उसमें बहुत सी कंडी ांज ऐसी थीं जिनका हमने विरोध किया था। इन्होंने उस सुधारीकरण को कंटीन्यू नहीं रखा और उसको एक साल आगे तक ले गये। वर्ल्ड बैंक की कंडी ान के मुताबिक इन्होंने बिजली के रेट नहीं बढाये और उसके सुधारीकरण को भी एक साल आगे तक ले गये। इन्होंने बिजली का रेट क्यों नहीं बढाया ? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अत्तर सिंह सैनीः स्पीकर सर, अगर बिजली के रेट हमने नहीं बढाये तो ये बढा दें।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, हमारी सरकार बिजली के रेट नहीं बढायेंगी। चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने वर्ल्ड बैंक के एग्रीमैंट पर साईन करके हरियाणा के किसानों के डैथ वारंट पर साईन किया था। इन्होंने उस पर साईन करके किसान भाईयों के हाथ ही काट दिये थे। इसीलिए ही हमने उसका विरोध किया था। अध्यक्ष महोदय, अब बिजली में सुधार करने के लिए हमारी सरकार ने डीप कंसीड्रै ान किया है। हमने आफिसर्ज के साथ बात की है, इंजीनियर्ज और वर्कर्ज के साथ भी बात की है। सोसायटीज के हर सैक ान के साथ मिटिंगज हुई। (ाोर एवं व्यवधान) सर, मैंने अभी कन्कलूड नहीं किया है। मेरी बात विपक्ष के साथी पूरी तरह सुन तो लें। मेरे कन्कलूड करने के बाद अगर ये संतुश्ट न हो तो दोबारा जो कुछ पूछना चाहें, पूछ लें। (ाोर) स्पीकर सर, हम इनकी तरह से नहीं है कि आबीट्रेरी तरीके से

विपक्ष को बाहर रखकर ब्रूट मैजोरिटी का फायदा उठाकर काम करें। अगर उस टाईम विपक्ष में हमें बैठे रहने दिया होता तो हम भी विपक्ष में रहते हुए कुछ अमैण्डमैंटस सुझाते, हम भी कुछ इम्प्रूवमैंटस की बातें सुझाते। आज की सरकार चाहती है कि सुधारीकरण हो। इसलिये अध्यक्ष महोदय, बाकायदा उसको रिव्यू कर रहे हैं। हो सकता है कि गवर्नमैंट उसको कन्टीन्यू करे या हो सकता है कि गवर्नमैंट उसके अंदर कुछ अमैंडमैंटस करें। (ाोर) अभी हम उसे बिल्कुल रिव्यू करने जा रहे हैं। (ाोर) यह प्रजातंत्र है और प्रजातंत्र में हर आदमी के व्यूज लिये जायेंगे। कप्तान साहब भी अगर कोई व्यूज देना चाहेंगे तो उनके भी व्यूज लिये जायेंगे। He will also be invited for that purpose क्योंकि आप आर्मी में कैप्टन रहे हैं और आपका भी अनुभव है। इसलिये हम हर आदमी के विचार ले रहे हैं और विचार लेने के बाद ही काम नहीं करने जा रहे हैं। स्पीकर सर, ये जो पॉवर कट की बात करते हैं तो मैं इनको आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि एग्रीकल्चर सैक्टर में नौ से दस घण्टे तक ए योरड बिजली की सप्लाई रबी की फसल के लिये यह सरकार दे रही है। (ाोर)

श्री दिलू रामः सर, मेरा एक प्वाइंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः दिलू राम जी, बताइए आपका क्या प्वाइंट आफ आर्डर है ?

श्री दिलू रामः अध्यक्ष महोदय, जब से वर्तमान सरकार बनी है, कैथल जिला में एक नैना गांव और एक खुराना गांव है, उनकी तरफ दो करोड रूपये के करीब बिजली के बिल बकाया हैं और डेढ साल से उनके कनैक् ांज कटे हुए थे। ज्यों ही इनकी सरकार बनी, क्योंकि इन्होंने वायदा कर रखा था कि हम सत्ता में आते ही बिल माफ कर देंगें, उन लोगौं ने दीवाली जैसी ज न मनाया कि उनके बिल माफ हो जाएंगे। क्या मंत्री जी बताएंगे कि उनके बिल माफ किये जायेंगे या उनसे बिल वसूल किये जाएंगे या फिर ये कनै ान कटे रहेंगे ?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, दिलू राम जी का तो बिजली सुधारीकरण से कोई लम्बा चौडा वास्ता ही नहीं है। (ाोर) स्पीकर सर, मै। कह रहा था कि हर जगह इस बात का असंतोश है। (ाोर) स्पीकर सर, जिन लोगों के डयूज बकाया हैं हम उनके साथ पिछली सरकारों की तरह से व्यवहार नहीं करेंगे कि उनके साथ धींगा मस्ती करें, गोलियां चलवायें या उन लोगों को मारकर उनकी जानें लें, उनका सुप्रीम सैक्रीफाइस लेकर हम जबरदस्ती वाला कोई काम नहीं करेंगें। हमारा तरीका इस तरह का नहीं रहेगा। जैसा कि बाढडा और दादरी का इालाक है, चौधरी साहब ने किसान संघर्श समिति के लोगों को बुलाया है उनके साथ नैगोि ाए ान चल रही है। हम हर बात को लोगों के साथ बातचीत करके हल करेंगे। हम कोई गोली या लाठी की ताकत से कुछ भी नहीं करेंगे। लोगों के साथ बातचीत करके हल निकालेंगे। इनकी तरह कुछ भी नहीं करेंगे। (ाोर)

श्री अध्यक्षः दिलू राम जी, आपकी बात का मंत्री जी ने जवाब दे दिया है इसलिये अब आप बैठ जाइए। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, नैगोि ाए ान में दो दुणी चार भी हो जाते हैं। और दो दुणी पांच भी हो जाते हैं या दो दुणी तीन भी हो सकते हैं। (ाोर)

श्री खु ीद अहमदः आप तो पांच भी कर सकते हैं।

प्रो0 सम्पत सिंहः पांच भी कर सकते हैं और तीन भी कर सकते हैं। मैं आपको बिजली के बारे में बताना चाहूंगा। अभी 12 नवम्बर को यानि आज से तीन दिन पहले टयूबवैल्ज के लिए हमने 9 घंटे से 10 घंटे तक भयोर्ड बिजली सप्लाई कर दी है। इसके अलावा इंडस्ट्रीयल कट भााम के टाईम पीक आवर्ज में साढे पांच बजे से 9.00 बजे तक रहेगा बाकी समय उनको बिजली मिलेगी। स्पीकर साहब, पिछली सरकार के समय में हरियाणा प्रदे ा के अन्दर बिजली न मिलने के कारण अंधेरा हो जाया करता था। अब कभी भी हरियाणा प्रदे ा के अन्दर अंधेरा नहीं

होगा। स्पीकर साहब, हम प्रधान मंत्री जी से मिल कर बिजली के बोर में अचीवमैंट लेकर आए हैं। उस बात से अपोजी ान के माननीय सदस्यों को बडी भारी तकलीफ होती है। हमारे मुख्य मंत्री जी एक नवम्बर को प्रधान मंत्री जी से मिलने के लिए गए थे इनके साथ मैं भी गया था। हमारे मुख्य मंत्री जी ने प्रधान मंत्री जी से बिजली की दिक्कत के बारे में बात की। हम आपकी तरह झूठ नहीं बोलते कि प्रदे ा के लोगों को 24 घंटे बिजली देंगे। हमारे मुख्य मंत्री जी ने प्रधान मंत्री के सामने बिजली की दिक्कत के बारे में चिन्ता जाहिर की। (ाोर) यदि आप चाहते हैं तो मैं आपको हमारी प्रधान मंत्री जी के साथ जो बातचीत हुई वह वरबेटम बता देता हूं। हमारे मुख्य मंत्री जी और मैं भााम के टाईम प्रधान मंत्री जी के पास मिलने के लिए गए। उस समय उनके साथ प्रदे ा के बारे में बात हुई। हमारे मुख्य मंत्री जी प्रधान मंत्री जी को हरियाणा दिवस की एक नवम्बर की बधाई देने गये थे। इन्होंने उस समय उनसे कहा कि आज हरियाणा प्रदे ा का जन्म दिवस है इसकी आपको मुबारिकबाद देने के लिए आया हूं और मुबारिकबाद लेने के लिए आया हूं। उस समय हमारे मुख्य मंत्री चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने हरियाणा प्रदे ा की स्थिति के बारे में उनसे बातचीत की और इनहोंने उनके सामने सीधा बिजली का मुददा उठाया। इन्होंने उनके सामने कहा कि इस बार हरियाणा प्रदे ा में बरसात नहीं हुई इसलिए किसानों के सामने बडी भारी दिक्कत है इसलिए आप हमें फालतू बिजली दें। स्पीकर साहब, प्रधानमंत्री जी का यह बडप्पन है। उन्हौंने सीधा कहा कि कुमार मंगलम से मेरी बात कराओ। प्रधान मंत्री जी ने उनसे बात की और कहा कि आपने मुख्य मंत्रियों की मीटिंग रखी हुई है। चौटाला साहब आपके पास आ रहे हैं इनको आप बिजली के बारे में पूरी मदद करैं। वहां पर बिजली का मुददा उठाने का नतीजा यह हुआ कि हम वहां से जो प्वायंटस लेकर आए हैं (ाोर) स्पीकर साहब, यह इनकी कनकोकटिड स्टोरी है। इनको किसी ने फलेयर अप कर दिया है। मैंने ओथ ली है और उस ओथ पर कह

रहा हूं। प्रधान मंत्री जी ने कुमार मंगलम जी को टैलीफोन किया और अगले दिन हमारे मुख्य मंत्री जी 10.00 या 10.30 बजे उनसे मिलने गए। इनके साथ मैं और हमारे आफिसर भी थे। उनके सामने हमने जो भी प्रोब्लम रेज की उन्होंने हर प्रोब्लम को हल करने की कोि ा ा की और वह हल भी हुई। (ाोर) स्पीकर साहब, इन्होंने जो मुददा उठाया है उसका जवाब तो इनको सुनना चाहिए।

श्री छत्तर सिंह चौहानः सम्पत सिंह जी, आप कृपया यह बताएं कि आप जो जवाब दे रहे हैं वह किस कैपेसिटी में दे रहे हैं ? क्या आप बिजली मंत्री हैं। दूसरी बात आप यह बताएं कि क्या आप लोगों को बिजली पानी मुफ्त देंगे या नहीं ? तीसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि पीछे वर्ल्ड बैंक की जो टीम आयी थी जिन्होंने माननीय मुख्य मंत्री से बातचीत भी की थी। उस टीम ने इनको साफ तौर पर कहा था कि यदि आप किसानों को बिजली पानी मुफ्त देंगे तो हम अगली कि त आपको नहीं देंगे। अब आप यह बताएं कि आप बिजली पानी मुफ्त देंगे या नहीं ? (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस अवि वास प्रस्ताव पर साढे तीन घंटे से बहस चल रही है। हम इतनी लम्बी चौडी बहस का जवाब केवल एक भाब्द 'हां' या 'ना' में कैसे दे सकते हैं। जो अचिवमैंटस हुई हैं वह बताएंगे और जो इन्होंने हमारा क्रीटिसिज्म किया है उसका जवाब भी हमने देना है। (ाोर एवं विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, इस मुददे पर 4 घंटे से बहस चल रही है। इतनी लम्बी चौडी बहस के दौरान हमारी तरफ से इनके किसी साथी को इन्ट्रैप्ट नहीं किया गया। हमने इनकी एक एक बात को ध्यान से सुना। (विघ्न) हम एक एक बात का उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं हैं। आप हमारे ऊपर कोई टीचर नहीं लगे हुए। (ाोर एवं विघ्न) इस अवि वास प्रस्ताव पर जितनी बातें इनकी तरफ से कही गई हैं

उनका तो हम जवाब देंगें। इनके कोई भी साथी हमारे साथी के बोलने पर बार बार खडे हो जाएं यह कोई अच्छा तरीका नहीं है। (ाोर) आप किस कैपेसिटी से बोल रहे हैं।

श्री हर्श कुमारः आपको हमारी बातों का जवाब तो देना होगा।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इस अवि वास प्रस्ताव पर चार घंटे से अधिक समय से बहस चल रही है। हमारी तरफ से कोई इनट्रैप्ट नहीं करता जबकि इनकी तरफ से बार बार इन्ट्रैप ज्ञन हो रही है। (ाोर) दिलू राम भी प्वायंट आफ आर्डर पर खडे हो जाते हैं। (विघ्न) इनके पास कहने को कोई बात नहीं है। जब चाहें ये हाउस की कार्यवाही के बीच में बोलने लग जाते हैं (विघ्न एवं भाोर) जिस तरह से आप लोग बार बार इन्ट्रैप्ट कर रहे हैं उस तरह से हाउस की कार्यवाही नहीं चला सकती। कौन जीता या हारा या जीतेगा या हारेगा यह तो समय ही बताएगा। आप लोगों की तरफ से नो कान्फीडैंस मो ान आया। हमने उसको स्वीकार किया और उस पर आपको बोलने का अवसर दिया लेकिन हमने कोई रूकावट नहीं डाली। सम्पत सिंह जी को आप लोगों ने एक सन्टैंस भी पूरा करने का मौका नहीं दिया। गोदारा साहब, आपका इन पर कोई कन्ट्रोल नहीं है। आप इनको समझाइए।

श्री मनी राम गोदाराः सम्पत सिंह जी से जो बात हम पूछना चाहते हैं उसको ये एवाईड कर रहे हैं या इनकी मजबूरी है। हम तो यह जानना चाहते हैं कि आप किसानों को बिजली पानी मुफ्त देंगे या नहीं ?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः हम जो डैमोक्रेटिक तरीका अपना रहे हैं उसका आप लोग नाजायज इस्तेमाल कर रहे हैं

छत्तर सिंह चौहान से पूछें कि ये क्या ऐसे बोलने देते थे ? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गोदारा साहब, आप रिकार्ड उठा कर देख लीजिए जो टाईम फिकस किया था वह सारा ओपोजी ान को ही मिला है। किसी ने इन्ट्रप ान नहीं की। (विघ्न)

श्री मनी राम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात से इन्कार नहीं कर रहा हूं कि काफी डिस्क ान हो चुकी है। हमारा जो अपोजी ान का प्रोसीजर है वह एडॉप्ट हो चुका है तथा वह कम्पलीट भी हो चुका है। यह प्रोसीजन कम्पलीट होना भी चाहिए। मेरे कहने का मतलब सिर्फ एक ही है कि मेरे दिमाग के अन्दर यह बात है कि कोई भी गवर्नमैंट यह क्यों नही कहती कि सरकार कुछ न कुछ टैक्स लगाएगी तभी चलेगी। उसके जवाब में ओपोजी ान कहेगी कि टैक्स क्यों लगाए गए हैं। अगर ओपोजी ान भी सरकार में आएगी उसको भी टैक्स तो लगाने ही पडेंगे। (विघ्न) क्वै चन तो सिर्फ इतना है कि जो टैक्स लगता है वह प्रोपरली यूज होता है कि नहीं होता है। अध्यक्ष महोदय, मैं टैक्स लगाने को बुरा नहीं समझता।

श्री अध्यक्षः गोदारा साहब, आपकी बात पूरी हो गई है इसलिए अब आप अपनी सीट पर बैंठें।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि आज के दिन तो टैक्सिज का प्रोपर यूज हो रहा है। स्पीकर सर, सरकार आने के पहले और सरकार बनने के बाद भी सरकार की कमिटमैंटस होती हैं और कोई भी सरकार वन डे में या वन मन्थ में सारी कमिटमैंटस पूरी नहीं कर सकती। इस सरकार ने बहुत सी कमिटमैंटस पूरी की हैं पिछली सरकार की तरह नहीं कि कमिटमैंटस को टालते रहे। चाहे वह चुंगी की थी, चाहे वह बुढापा पैं ान की बात थी, चाहे 5100 रूपये का कन्यादान की बात थी, ये सारी कमिटमैंटस हमारी सरकार ने पूरी की हैं। स्पीकर सर, ये लोग 400 स्कूलों को अपग्रेड करके चले

गए थे लेकिन इन्होंने एक पीयन की पोस्ट भी इन स्कूलों के लिए सैंक ान नहीं की। इस सरकार ने सत्ता में आने के बाद 3000 टीचर्ज की पोस्टस सैंक ान की हैं (विघ्न) स्पीकर सर, इस तरह से एक एक करके हमारी सरकार अपनी कमिटमैंटस पूरी कर रही है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार अभी बनी है और अपनी कमिटमैंटस को पूरा करने के लिए डेढ साल का समय और पडा हुआ है। आप देखते जाइये कि यह सरकार आपके सामने क्या क्या रंग लाती है। एक एक बात को हम पूरा कर रहे हैं। स्पीकर सर, जहां तक मैं कह रहा था कि पावर मिनिस्टर के साथ जो मीटिंग हुई मैं उसकी अचिवमैंटस बता रहा था। उसी बात को लेकर आज हम सारे फारमर्ज को ए यो करना चाहते हैं कि आज ड्रॉट जैसे पीरियड के अन्दर भी किसानों को हम भाॉर्ट पावर सप्लाई देंगे उनकी रबी की फसल की पूरी बीजाई कराएंगे। पावन मिनिस्टर कुमार मंगलम जी के सहयोग से तथा प्राईम मिनिस्टर जी के आ ीर्वाद से हमें जो प्राप्त हुआ है उसके बारे में मैं सदन को बताना चाहता हूं। अगर इनमें सुनने की हिम्मत है तो इनको सुनना चाहिए। स्पीकर सर, जो अनएलोकेटिड पावर थी वह पहले 19 प्रति ात हरियाणा को कर दी गई थी। उसका कारण यह था कि हिमाचल प्रदे ा में सर्दी भाुरू हो गई है तथा जम्मू क मीर में सर्दी भाुरू हो गई इसलिए हम उनको एक्सट्रा पावर देना चाहते हैं इसलिए हमारा भोयर घटा दिया गया था। हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने उस दिन प्रै ार डाला और माननीय बिजली मंत्री जी ने उनकी बात को माना। पहले उनहोंने 19 प्रति ात से बढा कर 25 प्रति ात किया और फिर मुख्य मंत्री जी ने कहा कि जब आपने इतना काम किया है तो थोडा सा ब्याज और दे दो। राम बिलास भार्मा जी ने 25 प्रति ात बताया था मैं इनकी इन्फर्मे ान के लिए बता दूं कि चिटठी 27 प्रति ात की आई है। यह सब मुख्य मंत्री जी के प्रयास से, बिजली मंत्री जी के सहयोग से और प्रधान मंत्री जी के आ ीर्वाद से सम्भव हो पाया है। स्पीकर साहबग, दूसरे एन0टी0पी0सी0 का जो सैकण्ड यूनिट वह हमारे

ऑन ग्रिड के अन्दर है वह कम्पलीट हो जाएगा। स्पीकर सर, इसी तरह से जो अण्टा थर्मल पावर स्टे ान है उसका 110 मैगावाट का उन्होंने केवल राजस्थान के लिए ऐलोकेट किया था उसको हमारे मुख्य मंत्री जी ने वापस नार्दन ग्रिड में डलवाया है। इससे भी हमारी बिजली का इजाफा होगा। इसी तरीके से ईस्टर्न ग्रिड के अन्दर 300 मैगावाट बिजली सरप्लस है उसका फैसला करवाया है कि वह हरियाणा को सप्लाई देंगे इसका पी0पी0एल0 एक दो दिन में साईन हो जाएगा जिससे कि हरियाणा में बिजली की सप्लाई बढ जाएगी। जनवरी के महीने में पानीपत का सैकण्ड यूनिट रैनोवे ान हो जाएगा और पावर जैनरे ान उससे भाुरू हो जाएगा। इस तरह से जो प्रोजैक ान हम दे रहे हैं उससे हमारी पावर सप्लाई में बढौतरी होगी और हम हरियाणा प्रदे ा के हर वर्ग को पूरी पावर दे सकेंगे। थैंक यू वैरी मच। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी और हविपा के विधायक मौजूदा सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। प्रजातान्त्रिक प्रणाली के तहत सदन के सम्मानित सदस्यों को यह अधिकार हासिल है। लेकिन जिस ढंग से ये अवि वास प्रस्ताव लेकर आए हैं इससे लगता है कि ये सीरियस नहीं हैं। इस अधिवे ान में जैसा मैंने पहले बताया है कि केवल मात्र 11 प्र न ही प्र न सूची में आए हैं और उन 11 प्र नों में से केवल दो ही प्र न विपक्षी बैंचों के हैं। आप सीरियस होते तो अपने सवाल पूछते। (विघ्न) मैं कोई गलत बात नहीं कह रहा हूं और ठीक बात को मैं बार बार कहूंगा।

श्री धर्मबीर गाबा: .....

श्री अध्यक्ष: यह जो गाबा साहब बोल रहे हैं इसको रिकार्ड नहीं किया जाए। गाबा साहसब, आप बैठ जाएं। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, गाबा साहब तो भाायद दो तीन दफा ही इस सदन में चुनकर आए हैं मैं इनको बता दूं ज्यों ही अधिवे ान खत्म हो जाता है उससे अगले दिन से

ही आपको पूरा अधिकार है कि आप प्र न भेज सकते हैं। हमने तो यह सदन 15 दिन की बजाए 17 दिन का नोटिस देकर बुलाया है। हमने प्रजातांत्रिक तरीके से सारी प्रक्रिया पूरी की हैं। हमने प्रजातांत्रिक तरीके से सदन की कार्यवाही चलने में पूरा सहयोग दिया है। हमने किसी को बीच में इन्ट्रप्ट नहीं किया है। मुझे बडे अफसोस के साथ कहना पडता है कि सम्पत सिंह को बोलते हुए बीच में जिस भददे तरीके से इन्ट्रप्ट किया यह कोई अच्छी परम्परा नही ंथी। जो दोस्ती का हाथ हमने बढाया, पुराने तरीके को बदल कर नया तरीका आपके समक्ष रखा आपने उसको अपनाया नहीं। आप कम से कम इन्ट्रप्ट करते वक्त थोडा सा छत्तर सिंह चौहानकी तरफ देख लेते तो आपको भी यह अहसास हो जाता। लेकिन उसके बाद भी आपकी कोई सोच ठीक नहीं थी। ये तो जनता के पीटे हुए मोहरे यहां पर बैठे हुए हैं कांग्रेस के तीनों दिग्गज नेताओं को किस तरीके से लोगों ने धूल चटाई। उनमें से एक इसी सदन में बैठा हुआ था और अभी बाहर चला गया। मुझे हैरानी यह हो रही है कि जब भाजपा ने पिछली सरकार से समर्थन वापिस लिया था तो अवसरवादी ताकतें इकटठी हो गई थी ताकि हरियाणा में कोई प्रगति ील सरकार, हरियाणा में विकास करने वाली सरकार न आ सके और इस प्रदे ा का नाम ऊंचा न कर सके। उसके लिए आपको जनता ने धूल चटा दी, आप रोए, चिल्लाए और कांग्रेस वालों ने तो आसमान सिर पर उठा दिया कि हम तो एच0वी0पी0 को समर्थन देने की वजह से मारे गए। चौधरी खु र्शीद अहमद जी, आपका तो दिवाला पीट गया अब फिर वहीं पर इकटठे हो गए। (विघ्न)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः अगर सदन की सहमति हो तो सदन का समय आधा घंटे के लिए बढ़ा दिया जाये।

आवाजें: ठीक है।

श्री अध्यक्षः सदन का समय आधा घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मैं तो लम्बी चौडी बात नहीं कहना चाहूंगा। मैंने तो पहले भी आपसे एक बात कही थी कि हमारी सरकार को जुमा जुमा 1100 दिन बने हुए हैं, 110 दिन के इस कार्यकाल में जो इस सरकार की उपलब्धियां हैं भाायद उनसे ही इनको पीडा हो रही है। मैं इनको थोडा सा याद दिला दूं। अगर ये उस काम को गलत समझते हैं तो फिर इनका अवि वास प्रस्ताव ठीक है अगर ये यह समझते हैं वे काम ठीक हैं तो इस बारे में इनको थोडा सा ठण्डे दिल से यहां पर तो ये सोच नहीं पाएंगे लेकिन घर में जाकर जरूर सोचें ताकि इनको जो सिलसिला आईन्दा यहां पर ठीक ढंग से जमा रहे।

22.00 बजे। 24 जुलाई को हमारी यह सरकार वजूद में आयी और अगले ही दिन 25 जुलाई को हमने अग्रोहा मैडीकल कालेज की वह ग्रांट बहाल कर दी जिसके लिए ये दोनो पार्टियां आप में लडा करती थीं। विकास पार्टी वाले कहते थे कि कांग्रेसियों ने ग्रांट बंद कर दी और कांग्रेस वाले कहते थे कि विकास पार्टी वालों वह ग्रांट बंद कर दी जबकि मैं कहता हूं कि इन दोनों ने ही उस कालेज की ग्रांट बंद कर दी थी। अध्यक्ष महोदय, यह तो रिकार्ड की बात है। हमने 25 तारीख को वहां पर जाकर ग्राट बहाल ही नहीं की बल्कि दो करोड रूपये भेज भी दिए हैं। गोदारा साहब, हमने इस सदन में भी और इस सदन के बाहर भी बार बार पुराने मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध किया था कि जो लोग दे ा की सीमाओं पर हमारे सजग प्रहरी के रूप में अपने प्राणों को न्यौछावर करते हैं उनके लिए आप कुछ तो करें लेकिन उन्होंने हमारी बात पर ध्यान नहीं दिया। बार बार कहने के

बावजूद ये 50 हजार से चलते चलते 5 लाख तो आ गये लेकिन उसमें भी इन्होंने इफ एण्ड बट लगा दिया कि सिपाही को इतना पैसा मिलेगा, जे0सी0ओ0 को इतना मिलेगा और जो औफिसर हैं उनको इतना मिलेगा यानी उनको कैटेगराइज कर दिया। जब हमने इनसे कहा कि गोली अफसर और सिपाही में कोई फर्क नहीं देखती है तब इन्होंने सबके लिए एक सा किया।

श्री मनी राम गोदाराः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सी0एम0 फंड में कारगिल के फंडज के नाम से ज्यों ज्यों पैसा जनता की तरफ से या किसी इंस्टीच्यू ांज की तरफ से उस समय आता गया वैसे वैसे हम यह रा ि ा बढाते गये। आप चाहे यह रा ि ा बीस लाख रूपये कर दें इसमें कोई बात नहीं है यह हम भी कर सकते थे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः गोदारा साहब, यह तो केवल सोच का अंतर है। हम सारे लोग इस स्टेट के ट्रस्टी हैं इसलिए हमारी यह जिम्मेदारी है कि इस स्टेट के अधिकारों को हम सुरक्षित रखें। अब यह ट्रस्टी के ऊपर निर्भर करता है कि उसकी सोच क्या है। आपकी तो दान देने की आदत नहीं थी सोच नहीं थी जबकि इस फंड में लोग पैसा दे रहे थे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः आप कुछ अपनी जेब से भी निकाल कर दिया करो। सारा माल हज्म मत करो।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः हमने तो आते ही दस लाख रूपये करा दिए। हमने केवल ये भाहीद होने वाले सैनिकों को नहीं दिए बल्कि जो सिपाही गोलियों से जख्मी हो गये थे उनको भी हमने कुछ न कुछ देने की को ि ा ा की है। जो सिपाही 70 परसैंट से अधिक जख्मी हो गया उसको हमने 6 लाख रूपये दिए, जो सिपाही 50 से 70 परसैंट के बीच में जख्मी हुए उनको साढे चार लाख रूपये दिए और जो सिपाही 50 परसैंट से नीचे जख्मी हुए उनको हमने तीन लाख रूपये दिए। इसके अलावा हमने उनको और भी सुविधाएं जैसे चिकित्सा की, उनकी बच्चों की ि ाक्षा की

और उनके रोजगार देनै की भी घोशणा की। हम समझते हैं कि यह सब देकर हमने उनके ऊपर कोई अहसान नहीं किया है। आज हम सब उनकी वजह से ही हैं। इसके अलावा भी यदि उनको कुछ और देने की जरूरत होगी तो हमव ह भी देंगे। हम उनके लिए सब कुछ कुर्बान करने को तैयार हैं। चौधरी बीरेन्द्र सिंह बार बार इस बारे में कह रहे हैं मैं इनको बता दूं कि चौधरी देवी लाल जी के डी0क्यू0 से दो दो लाख रूपये दिये गये थे। इनको तो लोगों ने धूल चटा दी कई एम0पी0 तो इनके दल से भी हैं ये उनसे भी इस तरह से पैसा क्यों नहीं दिलवा देते। लेकिन यह तो देने की सोच है जो इनमें नहीं है। लोगों ने फंड में पैसा दिया और हमने उसको उनको दे दिया। पैसा न हमारा है न चौधरी देवी लाल जी का है वह एम0पी0 कोटे का है लेकिन एम0पी0 इनके भी हैं। आज भी राज्यसभा में इनके बहुत एम0पी0 बैठे हैं ये उनसे पैसा दिलवाएं। (विध्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी, आप बैठ जाइए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः मुख्यमंत्री जी, धूल चटाना कोई बडी बात नहीं है मैंने भी आपको धूल चटाई हुई है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मैं पुनः अपनी बात दोहराता हूं कि 1984 के चुनाव में हिसार पार्लियामैंट्री कांस्टीच्यूएंसी से मैं आपके मुकाबले में हार गया था लेकिन उसी लोकसभा क्षेत्र के अन्तर्गत उचाना कलां एक विधान सभा क्षेत्र है उसमें मैंने आपको भी धूल चटाई थी उचाना के एक गांव डूमरखां, जिसमें आप पैदा हुए हैं उस हल्के से मैं 4600 मतों से जीत कर आया था।

श्री बीरेन्द्र सिंहः सिर्फ एक बार आप लोकसभा का चुनाव लडे हो और उसी चुनाव में मैंने आपको हराया था।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मैंने उचाना में आपको धूल चटाई थी वह धूल अब भी आपकी पीठ पर लगी है। तो अध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा था कि वृद्धावस्था पै ान हमनें 100 रूपये से

बढाकर 200 रूपये कर दी है और जिस चुंगी का ये जिक्र करते हैं मनी राम गोदारा की अध्यक्षता में तीन साल एक सब कमेटी चलती रही और चुंगी माफ नहीं की और हमने सत्ता संभालते ही चुंगी माफ कर दी अब एक नवम्बर से चुंगी पूरे प्रदे ा में बंद है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री मनीराम गोदारा द्वारा

श्री मनीराम गोदाराः मेरा नाम आया है। इसलिए मैं पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। राम बिलास जी भी बैठें हैं, बहन कमला वर्मा जी भी बैठीं हैं। अगर आप अपने अफसरों से पूछेंगे तो वहां से भी आपको रिपोर्ट मिल जाएगी। मैं जिस कमेटी का चेयरमैन था वह कमेटी इस बात के लिए थी कि जो म्यूनिसीपल कमेटी के अंदर चुंगी लगती है वह किस किस आईटम पर कितनी लगनी चाहिए। मैं उस कमेटी का चेयरमैन नहीं था कि चुंगी होनी चाहिए या नहीं ?

श्रीमती कमला वर्माः चौधरी साहब, यह बात नहीं थी।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): आप तो कमला वर्मा से भी दो कदम आगे थे। ये कहती थीं कि घटाई जाए, आप कहते थे कि बढाई जाए।

श्री मनी राम गोदाराः बढाने की बात पर मुझे आज भी फख्र है। मुझे यह मंजूर नहीं था कि सोने पर भी वही चुंगी लगे और लोहे पर भी वही चुंगी लगे। यह चील गलत थी। यह बात मैं आज भी कहता हूं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः हरिजन कन्याओं की भाादी के मौके पर 5100 रूपये देने की जो घोशणा की गई थी उसमें अमाउन्ट को देने का जो क्राइटेरिया है उसके लिए मैं कह सकता

हूं कि पुरानी सरकार के समय में गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वालों को जो सर्वे किया गया था उसके बारे में मैंने पहले भी इस सदन में ऐतराज किया था। उसके लिए हम नये सिरे से सर्वे कराएंगे और जो सही मायने में गरीब होंगे उन्हें यह रा ि ा दी जाएगी।

श्री बीरेन्द्र सिंहः यह जो सर्वे था भारत सरकार के नार्म्ज हैं के हिसाब से किया गया था। उनके मुताबिक हरियाणा में गरीबी रेखा से नीचे बहुत ही थोडा परसैंटेज के लोग आते हैं। हमारे प्रानत में दूसरे प्रान्तों से अधिक सम्पन्नता है। इसएिल हरियाणा के लिए जो नार्म्ज हैं उनको भारत सरकार से तबदील कराएं या फिर उन्हें री एस्टेब्लि ा करें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः गरीबी की रेखा से नीचे जीवन बसर करने वालों के लिए केन्द्र सरकार से भी अनुरोध करके नार्म्स में तबदीली करानी पडी तो हम करवाएंगे। अब मै जीरो के बारे में बताता हूं। अध्यक्ष महोदय, हम इस बात को मानते हैं कि केन्द्रीय सरकार की खरीद करने से 15 दिन पहले जीरी खरीदी गई। फिर भी पिछले साल के मुकाबले छः गुणा ज्यादा जीरी की खरीद हुई। परन्तु एफ0सी0आई0 और सैंट्रल गवर्नमैंट के कायदे के मुताबिक जीरी में 22 प्रति ात मौयास्चर था। इस मौयास्चर का नुकसान स्टेट के छः अदारों को होगा। किसानों को इसका ज्यादा नुकसान नहीं होगा। फिर भी अगर विपक्ष के भाई हमें लिखित रूप में ि ाकायत देंगे तो हम जो जीरी की खरीद में बेकायदगी हुई है उसके बारे में जांच करेंगे और दोशी कर्मचारियों के खिलाफ ऐक ान जरूर लिया जायेगा। यह सरकार किसानों की हितैशी है इसलिए तो गन्ने का मूल्य 110 रूपये प्रति क्विंटल किया गया हैं (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने गन्ने का मूल्य 145 रूपये प्रति क्विंटल करने के लिए कहा था।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कैप्टन अजय सिंह इस बात को कहीं भी प्रमाणित करके दिखा दें तो मैं राजनीति छोड दूंगा। हमने बार बार यह मांग की थी कि गन्ने का मूल्य कम से कम 100 रूपये प्रति क्विंटल होना चाहिए। हमने तो 110 रूपये प्रति क्विंटल किया है जो कि हमारी मांग से 10 रूपये ज्यादा है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने गन्ने का भाव 100 रूपये प्रति क्विंटल करने की मांग तो आज से दस साल पहले की थी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, दस साल पहले वे नहीं बल्कि हमने गन्ने का मूल्य 100 रूपये प्रति क्विंटल करने की मांग पिछले चुनावों के दौरान की थी। जहां तक ि ाक्षा का सवाल है। हमारी सरकार ने सत्ता संभालते ही ि ाक्षकों के 3075 नये पद स्वीकृत किये हैं। ि ाक्षकों के दस हजार पद खाली पडे हैं। उन पदों को भरने के लिए सरकार ने फैसला किया है कि टीचर्ज के पदों को भरने की प्रक्रिया को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की परव्यू से बाहर निकाल कर जिला ि ाक्षा अधिकारी के माध्यम से भरा जाए ताकि इन पदों को जल्दी से जल्दी भरा जा सके। टीचर्ज के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया भाुरू हो गई है और अखबारों में इस बारे विज्ञापन प्रकाि ात हो चुका है। पिछली सरकार ने 385 स्कूलों को अपग्रेड किया था परन्तु उसके खिलाफ कुछ लोग कोर्ट में चले गये। कोर्ट में जाने का तो मात्र एक बहाना बनाया गया था असल मैं तो राम बिलास भार्मा जी को रगडा लगाना चाहते थे। हमारी सरकार ने सही मायने में ि ाक्षा के स्तर को बढाने का निर्णय लिया है। इसीलिए टीचर्ज की भर्ती करने जा रहे हैं। ि ाक्षकों को दी जाने वाली राज्य स्तरीय पुरस्कार राि ा को दुगुना किया गया है। हम यह मानते हैं कि अगर ने ान बिल्डर को सम्मान नहीं मिलेगा तो नई पीढी कैसे ि ाक्षित हो पाएगी और कैसे ि ाक्षा से लाभान्वित हो सकेगी।

अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने सक्रेटेरियट में पंचिंग म ाीन लगा कर कर्मचारियों पर जुल्म ढाया। कर्मचारियों के पहचान पत्र उस पंचिंग म ाीन में पंच होते थे और जो कर्मचारी लेट आते थे उनके खिलाफ एक ान लिया जाता था। उन कर्मचारियों ने क्या जुल्म किया था ऐसी सजा तो दस नम्बरी बदमा ाों को भी नहीं मिलती। हमारी सरकार ने सत्ता संभालते ही उन पंचिंग म ाीनों को हटा दिया ताकि राज्य के कर्मचारियों को सम्मान दिया जा सके।

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, उन म ाीनों को सरकार ने थोडे ही हटाया है। वे म ाीनें तो कर्मचारियों ने पले स्वयं ही तोड डाली थी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कर्मचारियों ने तो एक दो म ाीन को तोडा था लेकिन बाद में सरकार ने उन म ाीनों को ठीक करा दिया था। पिछली सरकार ने कर्मचारियों की छुटिटयां घटाकर कर्मचारियेां पर अन्याय किया ताकि पूरे साल सरकार सामान्त ााही तरीके से राज कर सके और जनता, सरकार की गुलाम रहे। यह सही है कि पिछली सरकार को जनमत मिला था लेकिन इनहोंने उस जनमत का आदर नहीं किया जिसका ये परिणाम भुगत रहे हैं। कुछ साथियों ने यह कहा कि चौटाला साहब खुद कुर्सी पर नहीं बैठे बल्कि राज्य की परिस्थितियों ने उन्हें कुर्सी पर बैठाया है। अध्यक्ष महोदय, मैं भी यह बात मानता हूं कि हमें परिस्थितियों ने ही कुर्सी पर बैठाया है। लेकिन आगे कुर्सी हमें तभी मिलेगी जब हम जनता के लिए अच्दे काम करेंगे और हमें हमारे प्रयासों से सत्ता मिलेगी। अगर हम अच्छे काम नहीं करेंगे तो हमारी भी हालत आपकी तरह होगी। जो हालत आपकी बनी है, हमें उसकी चिन्ता है। हम बीरेन्द्र सिंह की तरह अपनी दुर्गत करवाने के पक्ष में नहीं हैं। (ाोर)

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चौटाला साहब ने कहा कि हम बीरेन्द्र सिंह की तरह अपनी दुर्गत करवाने के पक्ष में नहीं

हैं। इनकी तरह सिंगला साहब बैठे हैं इन्होंने इनकी जितनी दुर्गति की है उतनी किसी की नहीं की। इनको इन्होंने अपने मंत्रिमंडल से डिसमिस कर दिया। (ाोर)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री बृज मोहन सिंगला द्वारा

श्री बृज मोहन सिंगलाः स्पीकर साहब, पर्सनल एक्सप्लाने ान है। हम आज भी मुख्यमंत्री जी की स्पोर्ट में हैं। इन्होंने हमारी कोई दुर्गति नहीं की आपको भी तो भजन लाल जी ने डिसमिस किया था। (ाोर)

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): हम जनता के पास जाएंगे तथा उनको कुछ देकर जाएंगे। इसीलिए हमारी एक सोच है कि उनके बीच में ठीक ढंग से जाएं। हमने नौकरी प्राप्त करने वाले लडकों की आयु 35 वर्श के बढाकर 40 वर्श इसलिए की क्योंकि आपके राज में नौकरियां पैसे से बिकती थी। आपके टाइम में कोई गरीब घर का लडका नौकरी नहीं ले सकता था। इसलिए हमने उनकी आयु सीमा बढाई ताकि आपकी वजह से जो नौकरी से वंचित रह गए, उनको अवसर मिल सके। इसके अलावा हमने जे0बी0टी0/ओ0टी0 की प्रवे ा परीक्षाओं में जो हरिजन वर्ग के लोग थे उनकी योग्यता में न्यूनतम 50 प्रति ात अंकों की भार्त की बजाय न्यूनतम योग्यता 40 प्रति ात अंक कीकर दी। हमने हरिजन वर्ग को भी नौकरियों में बढावा देने का काम किया है। हमारी एक सोच है। हमने 15 साल से जो तदर्थ सेवाओं के कर्मचारी थे उनको भी परमानैंट करने का काम किया है। हम टीचर्ज को जो भर्ती करने जा रहे हैं उसमें भी एडहाक टीचर्ज को हमने 5 नम्बर और अधिक दिए हैं ताकि वे अपने अधिकारोंसे वंचित न रह जाएं। हमारी सोच है कि हर वर्ग में लोगों को

जितना हमसे हो सकेगा हम उनको प्रोत्साहित करने का काम करेंगे। आपकी सरकार ने तो फैसला कर लिया था कि जो खालें टूट जाएं, उन खालों को मुरम्मत सरकार नहीं करेगी बल्कि किसान स्वयं करेगा। आप और हम सारे यहां किसान बैठे हैं (ाोर) अभी सम्पत जी कह रहे थे कि कुछ लोग तो मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विभाग का कुछ और बजट बढाया जाए ताकि इनका दिमागी सन्तुलन ठीक हो सके। क्योंकि ये हमारे ही साथी हैं। लोक सभा चुनाव परिणाम आते ही हम जान गए थे कि आपका स्वास्थ्य ठीक रखने की ज्यादा जरूरत पडेगी। (ाोर)

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप कृपया बैठ जाएं। (ाोर)

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर साहब, ये सन्तुलन खो बैठने की बात कह रहे हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः ये तो स्वास्थ्य विभाग के लिए और ज्यादा बजट देने की बात कह रहे हैं। आप बैठें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः सांगवान साहब, अभी तो मैं आदमियों के बारे में बता रहा हूं। मैं एनीमल हस्बैंडरी के बारे में भी बताऊंगा। उनके लिए भी हम बजट दे रहे हैं। आप इसकी चिन्ता न करें। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, प्रो0 सम्पत सिंह की बात को ध्यान में रखते हुए हमने जो गम्भीर बीमारियों से पीडित लोग हैं, कुर्सी की कार्टी हुई बीमारी से ज्यादा गम्भीर बीमारी कोई और हो नहीं सकती, के लिए एक नई कमेटी बनाकर उसके एिल 2 करोड रूपए अलग से रखे हैं ताकि इनको किसी किस्म की दिक्कत न पे ा आए। नहरों में पूरा पानी जाए, इसके लिए हमने नहरों की मुरम्मत करने का और उनकी सफाई करने का अभियान

पूरे जोर भाोर से भाुरू किया है। अध्यक्ष महोदय, आज हमारी नहरों की हालत बहुत खराब हो गई है। उनमें पूरा पानी चलाते हैं तो वे टूट जाती हैं और उनकी टेल तक पानी भी पहुंचता है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय को डिस्ट्रब नहीं करना चाहता लेकिन इनकी जानकारी के लिए मैं इनको एक बात बताना चाहूंगा। मैंने एक एस0डी0ओ0 से पूछा कि भाई चौटाला साहब नहरों की गाद निकाल कर उनकी टेल तक पानी पहुंचना चाहते हैं और हमारी सरकार के वक्त में हम भी कहते थे कि हमने गाद निकाल कर टेल तक पानी पहुंचा दिया है। लेकिन वह पानी अब तक नहीं पहुंचा है। अध्यक्ष महोदय, उस एस0डी0ओ0 ने मेरे से कहा कि नहरों से गाद निकालने का काम तो हमारे लिए सोने की खान है चाहे कोई भी सरकार निकलवा ले।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार नहरों की मुरम्मत कराकर, उनके अंदर से गाद निकाल कर उनकी टेल तक पानी पहुंचायेगी और इस बारे में रिपोर्ट पं ाववाल (गेज–रीडर) ही देगा कि नहरों की टेल तक पानी पहुंचा है या नहीं। हम इस बारे में गांव के सरपच या लम्बरदार से भी पता लगायेंगे कि उनके वहां टेल तक पानी पहुंचा या नहीं। अध्यक्ष महोदय, हम ऐसा नहीं करेंगे जैसे कि पहले वाली सरकार अपने आफिसरों से पता लगाती थी कि नहरों की टेल तक पानी पहुंचा या नहीं। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त हमारी सरकार हाथ से काम करने वाले दस्तकारों के लिए भी आर्टिजन डैवल्पमैंट बोर्ड का गठन करने जा रही है ताकि समस्याओं का समाधान हो सके और उन्हें अपनी आजीविका चलाने का साधन मिल सके। अध्यक्ष महोदय, अभी थोडी देर पहले नरेन्द्र सिंह और कंवल सिंह जी टैक्स की बात को उठा रहे थे। ये कह रहे थे कि भाराब बंदी लागू हुई उस वक्त पिछली सरकार

ने उसके बदले में हरियाणा की जनता पर बहुत ज्यादा टैक्स लगाये थे और हमने विरोध किया था तथा हम वे टैक्स अब वापिस ले लें। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में मेरे माननीय साथियों को बताना चाहूंगा कि हमने एक हाई पावर कमेटी का गठन किया है और वह उन सारे टैक्सों को रिव्यू करेगी तथा हम ज्यादा से ज्यादा जनता को राहत पहुँचायेंगें। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार इस बात के लिए वचनबद्ध है कि हमारे राज्य के साथ जो दूसरे राज्य लगते हैं उनमें और हमारे यहां टैक्सों में अंतर न हो ताकि इससे आपस में व्यापार को बढावा मिले। (ाोर एवं व्यवधान) ऐसा करने से व्यापारी वर्ग को प्रोत्साहन भी मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने सडकों की मुरम्मत करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य भाुरू कर दिया है और 30 नवम्बर के बाद किसी भी सडक में गडढा नजर नहीं आयेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, आज के दिन सडक में गडढे नहीं, बल्कि गडढे में सडक है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आज सडकों की जो हालत है वह इन्हीं की सरकार ने अपने सवा तीन साल के कार्यकाल में की थी। इनके कार्यकाल के दौरान ही हमारी सडकों की हालत बिहार की सडकों से भी बुरी हो गई थी। (ाोर एवं व्यवधान) इन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसी भी सडक की मुरम्मत नहीं करवाई। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार 30 नवम्बर तक सभी सडकों के गडढे भर देगी और मई, 2000 तक सभी सडकों की मुरम्मत कर देगी। (ाोर एवं व्यवधान) गोदारा साहब अब तो आपको इस बात की चिंता नहीं होनी चाहिए कि हम विधान सभा को भंग करने जा रहे हैं क्योंकि हमने आपको मई 2000 तक का अपना कार्यक्रम बता दिया है। अध्यक्ष महोदय, कंवल सिंह जी जब नो कांफिडैंस मो ान पर बोल रहे थे उस वक्त इन्होंने कहा था कि हमारी सरकार ने लोकसभा चुनावों में धांधली

मचाई और हमने काफी बूथ कैप्चर किये। मैं इस बहस में नहीं जाना चाहता क्योंकि गोदारा साहब आपको तो मालूम है कि सच्चाई क्या है ? ये तो सच्चाई से अनभिज्ञ हैं। ये हमारी बात तो सुनते नहीं हैं अपनी ही बात करते रहते हैं। कंवल सिंह जो जब विकास एवं पंचायत मंत्री होते थे तो बडे जोर भाोर से कहा करते थे कि सरंपच को बदलने का अधिकारी पंच को होता है। मैंने इनको बहंत समझाया लेकिन हमारी ये बात सुनते तो सही लेकिन सुनी नहीं, इसलिये मै। इनसे कोई गिला नहीं करता हूं। गोदारा साहब तो गृह मंत्री रहे हैं ये तो सारी बात समझ सकते हैं। मैं यह बताने जा रहा हूं कि चुनावों में हमारा कोई दखल नहीं रहा। कोई थानेदार तक भी हमारी कोई बात नहीं मान रहा था क्योंकि चुनाव आयोग की तलवार कच्चे धागे से बंधी हुई हमारे सिर पर लटकी हुई थी। अगर सही मायने में एडमिनिस्ट्रेटिव व्यू से देखो तो हमारी सरकार तो 10 तारीख के बाद बनी है लेकिन फिर भी हमने लोगों को समझाया और अपील की कि निश्पक्ष चुनाव हों, अमनपूर्वक चुनाव हों उसके लिये हर मीटिंग में जाकर लोगों को अनुरोध किया। मुझे यह कहने में बडा गर्व और फर्ख महसूस होता है कि हरियाणा में चुनाव बडे निश्पक्ष हुए, अमनपूर्वक हुए। कंवल सिंह जी तो कह रहे हैं कि चुनावों में बडी धांधली हुई है और सतपाल सांगवान जी उसकी कन्ट्राडिक ान कर रहे हैं। (ाोर) सांगवान सासहब ने अभी अभी अपने भाशण में कहा है कि चौटाला साहब को भिवानी की जनता ने बहुत अधिक वोट दिए, आपको जनता ने अपने सिर आंखों पर बिठाया। यह तो अभी अभी की बात है, मैं दूर की बात नहीं कह रहा हूं। कल की बात तो भाायद मुझे भी याद न रहे लेकिन यह तो अभी की ताजा बात है। अभी से ही इनकी याददा त धोखा खा रही है। एक साथी ने तो इनको यह भी कहा था कि आपको ऐसा नहीं कहना चाहिए। (ाोर) ये रिकार्ड है। (ाोर) हमारी सरकार ने एक और निर्णय लिया है कि 50 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से पीने का स्वच्छ पानी प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध हो।

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, 70 लीटर प्रति व्यक्ति देने का फैसला तो पहले हो चुका है, इसमें कोई अलग बात कहां से आई है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी साहब को अवगत कराना चाहूंगा कि सरकार ने एक और निर्णय लिया है कि पीने का पानी जो नहरों से वाटर वर्क्स में जाता है, वह खुले खाल में ना जाए क्योंकि खुले खालों में लोग रफा हाजत होने के बाद हाथ धो लेते हैं, औरतें उसमें कपडे भी धो लेती हैं। इसलिए स्वच्छ पीने का पानी लोगों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो इसके लिये हमने एक निर्णय लिया है कि जमीन के अन्दर पाइप लगाकर के स्वच्छ पीने का पानी वाटर टैंकों तक पहुंच सके ताकि लोगौं को स्वच्छ पानी मिल सके।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाऊस की सहमति हो तो हाऊस का टाइम 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाये।

आवाजें: ठीक है।

श्री अध्यक्षः हाऊस का टाइम 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो ये प्रजातांत्रिक प्रणाली में यकीन रखने की बात करतें हैं और कहते हैं कि यह जरूरी होता है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधि अगर ठीक तरह से काम न करें तो उनको सही रास्ते पर लाने के लिये अवि वास के प्रस्ताव लाये जाते हैं और दूसरी तरफ श्री निर्मल सिंह जी अपनी आदत को मुताबिक कहते हैं कि श्री ओम प्रका ा चौटाला को डिसमिस कर दिया

जाए और गवर्नर रूल लागू कर दिया जाए। ये गवर्नर रूल्ज चाहते हैं या प्रजातांत्रिक प्रणाली से चलने वाली सरकार चाहते हैं। ये आपस में बैठकर कम से कम इस बात का फैसला तो कर लें।

एक आवाजः यह तो अपना अपना विचार है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इसीलिये तो हम कहते हैं कि ये मुख्तलिफ विचारधारा के लोग हैं और पहले ही इन अवसरवादी ताकतों ने हरियाणा का बेडा गर्क किया था, अब फिर आपस में इकटठे होने जा रहे हैं। ये ऐसा क्यों कर रहे हैं, अपना ही नुक्सान करेंगे।

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, हम तो दो तीन पार्टियां हैं जबकि केन्द्र में भी 24 पार्टियों की मिली जुली सरकार है वो भी तो अवसरवादी होंगे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, वे अवसरवादी नहीं हैं। चौधरी साहब जी की पार्टी का तीया–पांचा तो 15 दिन में ही हो लिया था। कांग्रेस पार्टी ने 15 दिन के लिये चौधरी बंसी लाल को समर्थन दिया और 15 दिन के बाद ही ऐसे कौन से हालात पैदा हो गए थे कि कांग्रेस ने चौधरी बंसी लाल से समर्थन वापिस ले लिया। कांग्रेस पार्टी के प्रदे ााध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह हुडडा तो पहले दिन से लगातार एक बात कहा करते थे कि बंसी लाल की सरकार गलत सरकार है, हम इसके खिलाफ जाएंगे लेकिन जब बी0जे0पी0 ने समर्थन वापिस लिया तो अवि वास प्रस्ताव आया और बंसी लाल ने वि वास मत प्राप्त करने का मन बनाया तो फिर भूपेन्द्र सिंह हुडडा भी यहां बैठे हुए थे और सारे प्रयास करने के बाद इन सब कांग्रेस विधायकों को कह दिया कि बंसी लाल के पक्ष में वोट दें और फिर 15 दिन के बाद कांग्रेस ने समर्थन वापिस ले लिया। आपसे कोई पूछे कि ऐसी कौन सी आपदा आ गई थी, कोन सा आर्थिक अभाव आ गया था और कहां हालता आपके खराब हो गए थे, क्या आपने अर्जि

करना था जिसकी वजह से कांग्रेस ने समर्थन वापिस ले लिया। (ाोर)

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं एक बात कहना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी ने प्रजातंत्र की, गणतंत्र की, जनमत की और जन भावना की बात कही। यह बिल्कुल सही बात है कि अगर हमें प्रजातंत्र में वि वास है तो हम प्रजातंत्र प्रणाली को अव य मजबूत करेंगे। यह किसी एक सदस्य का या किसी एक पार्टी का विचार नहीं है यह तो हमारे संविधान में भी है कि अगर प्रजातंत्र में वि वास है तो उससे प्रजातंत्र मजबूत होगा। लेकिन आप मेहरबानी करके यह तो बताएं कि आपने किस किताब से यह पढा कि जो मेन विपक्ष है जिसके लीडर आफ अपोजी ान हैं उसके तीन एम0एल0एज0 को आप मंत्री बना दें। इस तरह से आप प्रजातंत्र की धज्जियां कब तक उडाते रहोगे। यह बात आपके लिए तो सही होगी बाकियों के लिए सही नहीं है। हमने चौधरी बंसी लाल जी की सरकार को समर्थन दिया। फिर हमने चौधरी बंसी लाल जी से कहा कि चौधरी बंसी लाल जी आपका बी0जे0पी0 के साथ गठबंधन था जिसकी वजह से आपने तीन सवा तीन साल तक सरकार चलाई और हमने बंसी लाल जी की सरकार बचाने के बाद उनसे यह कहा कि आप गठबंधन की वजह से सत्ता में आए थे अब आपका गठबंधन अलग अलग हो गया है। आप अलग हैं और बी0जे0पी0 अलग है। इसलिए आप नैतिकता के आधार पर गवर्नमैंट को कंटिन्यू नहीं कर सकते आपको बिल्कुल फरै ा जनमत कराना चाहिए। (ाोर)

श्री मनीराम गोदाराः यह बात नहीं थी। यह बात आपने किसके सामने कही। हम इस बात को नहीं मानते। यह बिल्कुल गलत बात है। (ाोर)

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आज भी हम इस बात को कहते हैं और हम नहीं चाहते थे कि हरियाणा के अंदर अनडैमोक्रेटिक सरकार बने क्योंकि हरियाणा में श्री ओम प्रका ा

चौटाला की सरकार बनना हरियाणा की जनता का एक बडा भारी दुर्भाग्य था। (ाोर)

श्री मनी राम गोदाराः स्पीकर साहब, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा था कि हम बी0जे0पी0 और ओम प्रका ा चौटाला की सरकार नहीं बनने देने के लिए आपका सहयोग देते हैं। आपने हाउस के अन्दर यह कहा था। आपने बंसी लाल जी के कान में यह कब कह दिया कि आप अस्तिफा दे दें।

श्री बीरेन्द्र सिंहः मैंने आन दि फलोर आफ दि हाउस यह कहा था और यह रिकार्ड की बात है कि हरियाणा की जनता नहीं चाहती थी कि हरियाणा में ओम प्रका ा चौटाला की सरकार बने। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अभी चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने विपक्ष की बात कही थी। मुझे तो अभी तक यह पता नहीं लगा है कि मान्यता प्राप्त विपक्षी दल कौन सा है। अभी तक यह तय नहीं हो पाया है कि मान्यता प्राप्त विपक्षी दल कौन सा बनेगा। हविपा वाले कहते हैं कि हम संख्या में ज्यादा हैं औंर कांग्रेस वाले कहते हैं कि संख्या में हम ज्यादा हैं। (ाोर)

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, सबसे बडा विपक्षी दल आपके सामने हमारा बैठा हुआ है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः दूसरी बात आपने वजीरों के बारे में कह। जो एम0एल0ए0 हमें चोखा लगा उसको वजीर बना दिया। कूडे कर्कट को वजीर बना कर हम क्या करेंगे। (ाोर) यदि उधर और कोई काम का आदमी है तो बताएं। यह सतपाल सांगवान रोज मुझे कहता है कि आप मुझे अपने साथ लें अब मैं इनका क्या करूं। यह मेरे पास रात को रोज आता है और कहता है कि मैं आपका लोयल रहूंगा, आपका वफादार रहूंगा लेकिन इसको लेकर मैं क्या करूं। (हंसी) चौधरी खु ा्रिद अहमद जी बहुत सीनियर पोलिटीि ायन हैं और बहुत पुराने पार्लियामैन्टेरियन

हैं जब भी कोई सै ान आता है तो हर सै ान में ये किसी न किसी माईन्ज माफिया का केस प्लीड करते हैं। ये पे ो से वकील हैं। अब आप माईन्ज माफिया का केस फीस लेकर प्लीड करते हैं या बगैर फीस लेकर करते हैं यह तो आप जानें। (विघ्न)

श्री खु ीद अहमदः अब की बार तो मैंने दोनों माईन्ज वालों का जिकर किया है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यहां पर बोलते हुए कृश्ण पाल जी ने रचनात्मक सुझाव दिए हैं। इनकी तरफ से किसी के भी रचनात्मक सुझाव नहीं आये। (विघ्न) आप तो एक विरोध की भावना लेकर बैठते हैं। आप जितना विरोध करेंगे उतनी करडी मार आप पर पडेगी। कृश्ण पाल जी ने यहां पर बोलते हुए हाउस टैक्स का जिकर किया था। इस बारे में मैं सदन को बताना चाहूंगा कि हम पूरे प्रदे ा में नए सिरे से इसका यानि हाउस टैक्स लगाये जाने का सर्वे करवायेंगे। जो भी उचित होगा उसको करेंगे। हम चाहते हैं कि जो झुग्गी झोंपडी में रहने वाले जो लेग हैं उनको पक्के मकान मिलें ताकि उनको जीवन स्तर अच्छा हो सके। अब ऐसे लोगों के लिए पक्के मकान बनाने की योजना बना रहे हैं। केन्द्र सरकार ने डीजल के रेटस बढाए हैं। (विघ्न) मैं बताना चाहूंगा कि जिस समय मैं टेलीविजन पर डीजल के भाव के बारे में बोल रहा था तो उस वक्त कांग्रेस पार्टी के एक बडे दिग्गज नेता जो अपने आपको किसानों का अध्यक्ष बताते हैं, वे मेरे साथ बैठे हैं। वे हैं इस सदन के सदस्य श्री रणदीप सिंह सुरजेवाले के पिता श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला। उन्होंने उस वक्त डीजल के भावों के बारे में एक भाब्द भी नहीं कहा। वैसे कहते हैं कि हम किसानों के बडे हमदर्द हैं। ये किसानों की हमदर्दी की लडाई लडते हैं लेकिन उनके हक में कोई बात नहीं कहते। केन्द्र सरकार ने डीजल के भाव बढाये, यह उनकी मजबूरी है। इसके लिए हमने उनसे अनुरोध भी किया है कि इसे वापस लें। राश्ट्रीय स्तर पर जो दिक्कत आती है उसका हमें

अहसास करना चाहिए। डीजल के रेटस बढाना भी राश्ट्रीय स्तर का मामला है। यह प्रदे ा का मामला नहीं है। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः चौधरी साहब, साथ ही साथ यह भी बता दें कि इलैक ान कमी ान ने दो दिन के लिए आपसे स्टेट से बाहर क्यों निकल जाने के लिए आदे ा दिए थे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः इस बात के लिए आपको मेरी सराहना करनी चाहिए कि मैं डैमोक्रेसी में कितना यकीन रखता हूं। हालांकि इलैक ान कमी ान ने मेरे फण्डामैंटल राईटस छीन लिए थे लेकिन फिर भी मैं उनके आदे ाों का पालन करते हुए उनका सम्मान रखा। यह सम्मान इसलिए रखा गया क्योंकि हमारे यहां पर चुनाव आयोग ही एक ऐसी निश्पक्ष ऐजैंसी है जो चुनाव निश्पक्ष करवाती है। इसीलिए मैंने उनके आदे ाों की पालना की। (विघ्न) जैसे लोग सिनेमा देखते हैं तो उसमें एक की बात के दो तीन मतलब निकलते हैं। अब यह तो देखने वाले ने सोचना है कि उसकी सोच किस तरफ की है ? (विघ्न) चौहान साहब, आपको तो श्रद्धांजलि देने का अवसर आ गया है। अध्यक्ष महोदय, यहां पर बिजली की कमी के बारे में चर्चा हुई। मैं भी इस कमी को स्वीकार करता हूं कि हमारे यहां पर बिजली की जितनी जरूरत है उतनी हमारे पास अभी तक नहीं है। हमारी कोि ा ा है कि बिजली की जो कमी है उसको जरूरत है उतनी हामरे पास अभी तक नहीं है। हमारी कोि ाश है कि बिजली की जो कमी है उसको जल्दी से जल्दी दूर किया जाये। इस बारे में मैं सभी हाउस के साथियों का सहयोग चाहूंगा कि वे चोरी हो रही बिजली को रोकने में सरकार की मदद करें। साथ ही मैं आ वासन देना चाहूंगा कि यदि चोरी का कोई केस नोटिस में आयेगा तो उसको माफ नहीं किया जायेगा चाहे वह कितना ही बडा व्यापारी या व्यक्ति क्यों न हो, उसके खिलाफ एक ान लिया जायेगा। मैं आपसे यह वायदा करता हूं कि जिन मुददों को लेकर हम चले हैं या जो मुददे मैंने रखे हैं अगर ये सभी काम गलत हैं तो मैं

समझता हूं कि हमारी सरकार ने गलत काम किए हैं फिर तो मैं सदन से कहूंगा कि हमारी सरकार के खिलाफ वोट देना चाहिए हमने जो काम किए हैं अगर वे काम ठीक हैं तो मैं सभी से निवेदन करूंगा कि अपनी भूल का प्रायि चत कर के सर्व सर्वमति से इस सरकार को चलाने का काम करें। आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाऊस की सहमति हो तो हाऊस का टाइम 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाये।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः सदन का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः– प्र न यह है–

कि यह सदन श्री ओम प्रका ा चौटाला के नेतृत्व वाले हरियाणा मंत्रिमंडल में अपना अवि वास व्यक्त करता है।

आवाजें: स्पीकर सर, हम डिवीजन चाहते हैं।

(After ascertaining the votes of the Members by voices,
Mr. Speaker announced that 'Noes' have it, whereupon division was claimed. Mr. Speaker after calling upon those Members who were for 'Aye' and those who were for 'No', respectively, to rise in their places and on a count having been taken declared that the motion was lost. 28 votes were in favour of the motion and 52 votes were against the motion.)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, माननीय उच्चतम न्यायालय के आदे ाानुसार श्री रमे क यप को मत देने का अधिकार नहीं है और उनको नाम गणना में नहीं गिना गया है।

प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब यह सदन दिनांक 16 नवम्बर 1999, प्रातः 9.30 बजे तक एडजर्न किया जाता है।

***10.49 बजे।**

(*तत्प चात सदन मंगलवार, 16 नवम्बर, 1999 प्रातः 9. 30 बजे तक स्थगित हुआ।)